फाल्गुन, शुक्ल पक्ष 4, वर्ष 12, अंक 18, पृष्ठ 16, मूल्य: 5.00

वाराणसी, गुरुवार, 23 फरवरी, 2023

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर एवं प्रयागराज से प्रकाशित

डाक/ नगर संस्करण

E-paper : www.jansandeshtimes.net | Portal : www.jansandeshtimes.news

अन्दर : ऋचा घोष बोलीं- हमें सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कम से कम 180 रन बनाने होंगे

यूपी का सबसे बड़ा बजट पेश

जनता पर कोई नया टैक्स नहीं

लखनऊ। योगी सरकार 2.0 ने बुधवार को अपनी सरकार का दूसरा बजट पेश किया। बजट का आकार छह लाख 90 हजार दो सौ 42 करोड़ 43 लाख रुपये है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बजट का आकार हमारे कुशल वित्तीय प्रबंधन का प्रमाण है। बीते वर्ष जनता पर कोई नया कर नहीं लगाया गया फिर भी राजस्व की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा जनता को महंगाई से राहत देने के लिए पेट्रोल-डीजल पर वैट कम किया है। प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा निवेश किया गया है। यही कारण है कि आने वाले समय में 21 एयरपोर्ट वाला यूपी देश का पहला राज्य होगा। शक्ति पीठ माँ शाकुम्भरी देवी मंदिर के समेकित पर्यटन विकास हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। प्रयागराज के समेकित विकास हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 40 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसी तरह बौद्ध परिपथ के समेकित पर्यटन विकास हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 40 करोड़ रुपए, बुन्देलखण्ड का समेकित पर्यटन विकास हेतु 40 करोड़ रुपये, शुकतीर्थ धाम का समेकित पर्यटन विकास हेतु 10 करोड़ रुपये, प्रदेश में युवा पर्यटन को बढ़ावा देना हेतु 2 करोड़ रुपये उत्तर प्रदेश इको टूरिज्म, लखनऊ बोर्ड की स्थापना हेतु 2.50 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। खेलो इंण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिये 30 करोड़ रुपये व प्रदेश में निजी सहभागिता से खेल अवस्थापनाओं के निर्माण हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार योजना हेतु 15 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। खेल विकास कोष की स्थापना हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। मेरठ में मेजर ध्यान चन्द्र खेल विश्वविद्यालय की स्थापना किये जाने के लिए 300 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे।

राजकोषीय घाटे पर लगाम की तैयारी

हर जिले में खुलेगा मेडिकल कॉलेज, पर्यटन में 20 हजार को नौकरी, किसान पेंशन योजना के लिए सात हजार करोड़

कृषि विकास और सिंचाई के लिए 24 हजार करोड़ का बजट

योगी के बजट में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर

बजट एक नजर में

बजट का आकार :	6,90,242.43 करोड़
नई योजनाओं पर खर्च :	32,721.96 करोड़
कुल प्राप्तियां :	6,83,292.74 करोड़
राजस्व प्राप्तियां :	5,70,865.66 करोड़
पूंजीगत प्राप्तियां :	1,12,427.08 करोड़
कर राजस्व :	4,45,871.59 करोड़
राज्य कर राजस्व :	2,62,634 करोड़
केंद्रीय करों में राज्य का अंश :	1,83,237.59 करोड़
कुल व्यय (अनुमानित)-	6,90,242.43 करोड़
राजस्व बचत :	68,511.65 करोड़
राजकोषीय घाटा :	84,883.16 करोड़

महत्वपूर्ण घोषणाएं

☛ प्रदेश में ओडीओपी एवं हस्तशिल्प उत्पादों के विपणन को प्रोत्साहित करने के लिए यूनिटी मॉल की स्थापना होगी जिस पर 200 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। ☛ मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण व नए शहर प्रोत्साहन योजना हेतु 3,000 करोड़ रुपए की व्यवस्था का प्रस्ताव है। ☛ प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अन्तर्गत 2023-2024 में 12,39,877 आवासों का लक्ष्य प्रस्तावित है। योजना हेतु 9000 करोड़ रुपए की बजट व्यवस्था दी गई है।

☛ आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश में 5 इंटरनेशनल एयरपोर्ट तथा 16 घरेलू एयरपोर्ट समेत कुल 21 एयरपोर्ट क्रियाशील हो जाएंगे। ☛ महाकुंभ मेला, 2025 की तैयारी के लिए 2,500 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। ☛ आकांक्षी नागर योजना के लिए 100 करोड़ रुपए का प्राविधान किया गया है। ☛ मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 1203 करोड़ रुपए प्रस्तावित। ☛ केंद्र सरकार की मदद से पीएम श्री (प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) नामक नई योजना के लिए 510 करोड़ रुपए का बजट। ☛ ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की नई योजना के लिए 300 करोड़ रुपए। ☛ खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए 30 करोड़ रुपए की व्यवस्था। ☛ मेरठ में मेजर ध्यानचंद्र खेल विश्विद्यालय की स्थापना के लिए 300 करोड़ रुपए। ☛ 14 नए मेडिकल कॉलेज की स्थापना एवं संचालन के लिए 2491 करोड़ 39 लाख का बजट।

बड़ी घोषणाएं

☛ प्रदेश के छात्र-छात्राओं को टैबलेट व स्मार्ट फोन के लिए 3600 करोड़ रुपये देने का एलान किया गया है। ☛ वाराणसी-गोरखपुर में मेट्रो के लिए 100 करोड़ रुपये का एलान। ☛ झांसी-चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए 235 करोड़ रुपये का एलान। ☛ स्वास्थ्य व्यवस्था पर 12,650 करोड़ रुपये खर्च का एलान। ☛ प्रदेश में फार्मा पार्कों की स्थापना के लिए 25 करोड़ रुपये देने का एलान। ☛ प्रदेश के सभी जिलों में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना करने के उद्देश्य के तहत 14 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। ☛ लखनऊ विकास क्षेत्र तथा प्रदेश के समस्त विकास प्राधिकरणों के विकास क्षेत्र तथा नगर क्षेत्र में अवस्थापना सुविधाओं का विकास तथा वाराणसी एवं अन्य शहरों में रोप-वे सेवा विकसित किये जाने हेतु 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है। ☛ कानपुर मेट्रो रेल परियोजना हेतु वित्तीय वर्ष 2023- 2024 में 585 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था का प्रस्ताव है। ☛ आगरा मेट्रो रेल परियोजना हेतु 465 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था का प्रस्ताव है। ☛ दिल्ली-गाजियाबाद मेरठ कॉरिडोर रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम परियोजना का निर्माण कार्य प्रगति पर है। वित्तीय वर्ष 2023- 2024 में 1306 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है। ☛ वाराणसी, गोरखपुर व अन्य शहरों में मेट्रो रेल परियोजना के कियान्वयन हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है। ☛ मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण / नये शहर प्रोत्साहन योजना हेतु 3,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है। ☛ गोरखपुर नगर स्थित गोडधोड़या नाला एवं रामगढ़ ताल के जीर्णोद्धार तथा इंटरसेप्शन, डाइवर्जन एवं ट्रीटमेंट सम्बन्धी परियोजना हेतु भूमि अधिग्रहण के लिए 650 करोड़ 10 लाख रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है। ☛ उत्तर प्रदेश के कृषकों की दुर्घटनावश मृत्यु व दिव्यांगता की स्थिति में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना 14 सितम्बर, 2019 से लागू है। इस योजना के अन्तर्गत कृषक की परिभाषा का विस्तार किया गया है। योजना के अन्तर्गत दुर्घटनावश मृत्यु व दिव्यांगता की दशा में अधिकतम 5 लाख रुपये दिये जाने का प्रावधान है। योजना हेतु 750 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था की गई है। ☛ निर्माण श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा हेतु प्रत्येक राजस्व मण्डल में 1000 बालक व बालिकाओं के लिये कक्षा 06 से कक्षा-12 तक अध्ययन हेतु अटल आवासीय विद्यालय निमार्णाधीन हैं। इन विद्यालयों का संचालन आगामी सत्र 2023 2024 से प्रारम्भ किया जाना है। अवशेष निर्माण कार्य हेतु 63 करोड़ रुपये तथा उपकरण आदि के क्रय हेतु लगभग 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। ☛ मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना के अन्तर्गत पंजीकृत महिला श्रमिक के संस्थागत प्रसव की दशा में निर्धारित तीन माह के न्यूनतम वेतन के समतुल्य धनराशि एवं रुपये 1000 को चिकित्सा बोनस तथा पंजीकृत पुरूष कामगारों की पत्नियों को रुपये 6000 एकमुश्त में दिये जाने का प्रावधान है। ☛ अधिकतम दो नवजात शिशुओं के पोष्टिक आहार हेतु लड़का पैदा होने पर एकमुश्त रुपये 20,000 तथा लड़की पैदा होने की स्थिति में रुपये 25,000 बतौर सावधि जमा जो 18 वर्ष के लिए होगा, भुगतान किया जायेगा। ☛ जन्म से दिव्यांग बालिकाओं को रुपये 50,000 बतौर सावधि जमा जो 18 वर्ष के लिए होगा, भुगतान किये जाने का प्रावधान है।

उद्धव गुट को नहीं मिली कोर्ट से राहत

शिंदे गुट खुश

सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई शिंदे गुट के पास ही रहेंगे 'शिवसेना' और 'धनुष-बाण'

मुंबई। एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना के रूप में मान्यता देने के चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की गई। शीर्ष अदालत ने आयोग के फैसले के खिलाफ उद्धव ठाकरे खेमे की याचिका पर सुनवाई करने का निर्णय लेते हुए एकनाथ खेमे और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ ने उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर सुनवाई करते हुए ठाकरे गुट को चिंचवड़ और कस्बा पेठ उपचुनाव के लिए 'शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे)' नाम और 'जलता मशाल' चुनाव चिन्ह का उपयोग करने की स्वतंत्रता दी। सुनवाई के दौरान नोटिस जारी करते हुए सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने चुनाव आयोग के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। इस दौरान पीठ ने कहा कि 'चुनाव आयोग का आदेश चुनाव चिन्ह तक ही सीमित है। हम चुनाव आयोग के आदेश पर फिलहाल रोक लगाने का आदेश पारित नहीं कर सकते। हम उद्धव खेमे द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका(एसएलपी) पर विचार कर रहे हैं। हमें दोनों पक्षों की दलीलों को सुनना होगा। बिना दलील सुने रोक नहीं लगाई जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उद्धव ठाकरे गुट कानून के अन्य उपायों का पालन कर सकता है यदि कोई कार्रवाई की जाती है जो चुनाव आयोग के आदेश पर आधारित नहीं है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने एसएलपी पर शिंदे खेमे और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर एक हफ्ते के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है।

एमसीडी पर 'आप' का कब्जा

मेयर के बाद डिप्टी मेयर का भी जीता चुनाव

15 साल बाद सत्ता चेंज

आप की शैली ओबेरॉय ने भाजपा की रेखा गुप्ता को 34 मतों से हराया

आले मोहम्मद इकबाल बने डिप्टी मेयर, उन्होंने भाजपा के कमल बागड़ी को दी मात

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली को बुधवार को नया मेयर मिल गया। आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी शैली ओबेरॉय को मेयर पद के चुनाव में भारी मत से जीत मिली है। आम आदमी पार्टी के आले मोहम्मद इकबाल डिप्टी मेयर बने। उन्होंने भाजपा के कमल बागड़ी को हराया।

भले ही भाजपा यह चुनाव हार गई हो लेकन कांग्रेस और आप के खेमे में वह सेंधमारी करने में जरूर कामयाब हुई है। आप और कांग्रेस के एक-एक पार्षद ने भाजपा के लिए क्रॉस वोटिंग की है। वहीं, एक निर्दलीय पार्षद ने भी भाजपा को वोट दिया है।

आप पार्षद शैली ओबरॉय ने मेयर पद का चुनाव जीता है। शैली ओबरॉय को 150 और भाजपा की प्रत्याशी रेखा गुप्ता 116 वोट मिले हैं। मताधिकार वाले 266 सदस्यों ने मतदान किया। आम आदमी पार्टी के पास कुल 151 वोट थे। जिनमें 134 पर आप ने जीत दर्ज की, एक निर्दलीय, तीन राज्यसभा सांसद और 13 नामित विधायक शामिल हैं। वहीं भाजपा के पास कुल 113 वोट थे। जिनमें 105 पार्षद, सात लोकसभा सांसद और एक नामित विधायक शामिल हैं। आप के टिकट पर शैली ओबरॉय ने दिल्ली की पटेल नगर विधानसभा के वार्ड नंबर 86 से पार्षद का चुनाव लड़ा औ सफलता हासिल की। 39 साल की शैली ओबेरॉय पेशे से प्रोफेसर हैं। उन्होंने पीएचडी तक की पढ़ाई की है। वह पहली बार पार्षद चुनी गईं और पहली बार में ही वह मेयर भी बन गईं। चुनाव आयोग के अनुसार शैली ओबेरॉय मात्र 269 वोटों से चुनाव जीती थीं। उन्होंने पटेल नगर विधानसभा के वार्ड नंबर 86 से बीजेपी की दीपाली कपूर को हराया था।

एक ट्रिलियन इकॉनमी के लिए नींव का पत्थर है आज का बजट

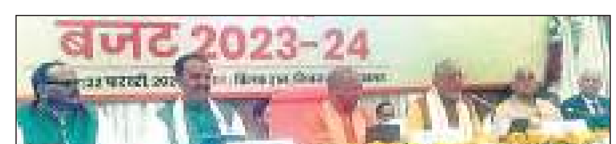

लखनऊ। बजट घोषित होने के बाद सीएम योगी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि आज का बजट हमारे 1 ट्रिलियन इकोनॉमी के संकल्प की नींव का पत्थर है। सीएम योगी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य उत्तरप्रदेश, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के निर्देशन में आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2018 से प्रतिवर्ष हमारा बजट थीम आधारित रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017-18 का पहला बजट किसानों को समर्पित था। वर्ष 2018-19 का बजट औद्योगिक विकास तथा बुनियादी ढांचागत सुविधाओं के नाम रहा। वर्ष 2019-20 का बजट महिला सशक्तिकरण और महिला सम्मान को लेकर पेश किया गया था। वर्ष 2020-21 का बजट युवा व इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और वर्ष 2021-22 का बजट स्वावलंबन से सशक्तिकरण को समर्पित रहा। जबकि इस बार का बजट अंत्योदय से आत्मनिर्भरता की थीम पर आधारित है।

अखिलेश ने बजट को दिशाहीन बताया

लखनऊ। योगी सरकार 2.0 अपना दूसरा बजट पेश किया है। साल 2023-24 का यह बजट 6 लाख 90 हजार 242 करोड़ 43 लाख रुपए का है। जिसके बाद विपक्षी दलों ने सरकार के इस बजट की आलोचना की है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और शिवपाल ने जमकर निशाना साधा। शिवपाल यादव ने कहा आज का बजट नौकरशाही के नाम, आंकड़ों की बाजीगरी को सलाम।' वहीं बसपा प्रमुख मायावती ने बजट की ऊंट के मुंह जीरा बताया।

अखिलेश यादव ने कहा कि बजट में कुछ भी नहीं दिखता, सिर्फ ऐतिहासिक बोलने से कुछ नहीं होगा। इस सरकार को सिर्फ मेला लगाने आता है। बजट ऐसा इंतजाम नहीं है, जिससे निवेश आए। जो निवेशक यहां आए, यहां ईज ऑफ डूइंग बिजनेस नहीं इज ऑफ डूइंग क्राइम हो गया है। सपा प्रमुख ने कहा कि फायर की ठडउ नहीं मिलती है। नमामि गंगा में मां गंगा को बुलाया था वो भी बर्बाद हो गया। क्या किसान को वाजिब दाम मिल रहा है। क्या आमदनी दुगनी हो गई।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का यह सातवें बजट में दिशा हीन है। न आज की समस्या का समाधान, न भविष्य। युवाओं और महिलाओं को निराश किया। यह वित्त मंत्री व सीएम बताए के वन ट्रिलियन इकोनॉमी कब बनेगी। कितनी ग्रोथ रेट है बताया जाए।

लखनऊ में बिना इलाज के लोग मर रहे है। सपा के समय के मेडिकल कॉलेज चल है। इकाना भी सपा के समय ही बना हुआ है। जो सीएम क्रिकेट ना खेल पाते हो वो क्या करेगे। उन्होंने कहा कि ये सरकार छात्रवृत्ति नहीं दे रही है। जातिगत गणना के लिए कोई बजट नहीं है। वन ट्रियेलन डॉलर इकॉनमी नहीं बना सकते। किसान फंड नहीं बनाया। गोरखपुर में नाला बनाया जाएगा। सीएम को गोबर पसंद है। मंत्री को समिट के दौरे पर बुलडोजर ले कर जाना चाहिए था।

विपक्ष की प्रतिक्रिया

मायावती के लिए बजट ऊंट के मुंह में जीरा, शिवपाल का तंज- आंकड़ों की बाजीगरी को सलाम

कोरोना जैसी महामारी से लड़ने को भारत तैयार

सेमिनार का उद्घाटन करती केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार

कार्यशाला में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री को सुनते डेलीगेट्स

अश्विनी कुमारश्रीवास्तव

बोलीं स्वास्थ्य मंत्री

देश में 5 करोड़ लोगों तक सरकार ने पहुंचाया आयुष्मान कार्ड, पांच लाख रुपए तक का करा रहे ईलाज

कार्यशालाओं में तकनीक का आदान-प्रदान होता है और किसी भी मिशन में सफलता मिलती है

वन इंडिया एफईटीपी रोडमैप डॉक्यूमेंट एवं सीडी अलर्ट ऑन इबोला वायरस डिजीज का भी अनावरण भी किया

वाराणसी। भविष्य में कोरोना जैसी महामारी से निबटने के लिए भारत पूरी तरह से तैयार है, कोरोना काल में जो कमियां देखने को मिलीं, उसे भी पूरा किया जा रहा है, चिकित्सकों की संख्या बढ़ायी जा रही है इसके साथ हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को और तकनीक युक्त बनाते हुए मशीनें और लैब भी स्थापित किया जा रहा है।

उक्त बातें वाराणसी सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में बुधवार को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य विभाग, भारत के लिए डब्लूएचओ, कंट्री ऑफिस और यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय क्षेत्रीय महामारी विज्ञान प्रशिक्षण कार्यक्रम भारत सम्मेलन-2023 (साउथ ईस्ट एशिया रीजन) का उद्घाटन करते हुए बातौर मुख्य अतिथि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार कही।

भारत के विभिन्न स्थानों के साथ ही बांग्लादेश, नेपाल से आये डेलिगेट्स को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले लगभग नौ वर्षों में दुनिया की स्वास्थ्य देखभाल की सेवाओं के लिए नरेंद्र प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है। भारी चुनौतियों के बावजूद, भारत की स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली 130 करोड़ से अधिक लोगों को प्राथमिक देखभाल से लेकर पुनर्वास तक की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करती है।

69 प्रतिशत बढ़े मेडिकल कॉलेज

अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि आज मेडिकल कॉलेजों कि संख्या 2014 के मुकाबले अधिक है, बताया कि 2014 में यह आकड़ा जहां 387 था वहीं अब 655 तक पहुंच चुकी है। यहां 69 प्रतिशत की वृद्धि है। इसके अलावा एमबीबीएस सीटों में 95प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जहाँ 2014 से पहले की 51348 सीटें थी जो अब 100163 हो गई है। इसी प्रकार पीजी सीटों में 110प्रतिशत की वृद्धि होते हुए 2014 से पहले की 31185 से बढ़कर अब 65335 हो गई है। केवल पिछले पांच वर्षों के दौरान कुल 175 सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं।

5 करोड़ लोगों तक पहुंचा आयुष्मान कार्ड

देश की जनता को स्वास्थ्य के प्रति चिंता मुक्त करने की मुहिम आयुष्मान कार्ड के रुप में जिस तरह चलायी गयी उसमें आज लोगों को लाभ मिल रहा है। 50 करोड़ लोगों तक इस कार्ड का लाभ पहंचाया गया है। आयुष्मान भारत योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा व आश्वासन योजना है। प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत सभी को गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराई जा रही है। कुछ अस्पतालों व संस्थानों में अफोर्डेबल मेडिसिन्स एंड रिलायबल इंप्लांट्स फॉर ट्रीटमेंट (अमृत) फामेर्सी स्टोर स्थापित किए गए हैं, जिसका उद्देश्य अधिकतम खुदरा मूल्य की तुलना में पर्याप्त छूट पर दवाएं उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी के पॉल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में विशेष सचिव एस गोपालकृष्णन, उत्तर प्रदेश सरकार में प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) पार्थ सारथी शर्मा, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक एवं निदेशक राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र डॉ. अतुल गोयल उपस्थित रहे।

फरार अभियुक्त के यहां 82 की कार्रवाई

वाराणसी। चेतगंज थाने में पंकज सिंह पुत्र सन्तोष सिंह निवासी ग्राम अगेहरा थाना गंगाघाट जनपद उन्नाव के खिलाफ 142, 114,115,120बी,420,182 के तहत दर्ज मुकदमें में कोर्ट में पेश नहीं होने पर आरोपी के खिलाफ 82 की नोटिस जारी हुई। एसीजेएम(नवम) की अदालत ने ये आदेश जारी किया। मामले के विवेचक राम सागर गुप्ता ने बताया कि आरोपी ने अबतक न तो कोर्ट में सरेंडर किया और न ही थाने से संपर्क कर रहा है। नोटिस चस्पा होने के बाद अगर वह हाजिर नहीं होता है तो कोर्ट के आदेशानुसार कुर्की की कार्रवाई की जायेगी।

संक्षेप

नौकरीपेशा विधवा को घर में घुसने से रोका

बड़ागांव। बड़ागांव थाना क्षेत्र के बैजलपट्टी गांव में नौकरी पेशा विधवा महिला को उसके ही घर में घुसने से कुछ लोगों ने रोक दिया और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की। इस मामले में महिला ने कोर्ट में गुहार लगायी और कोर्ट के आदेश पर बड़ागांव थाने में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। मधुलता उर्फ परमीला के पति भारतीय सेना में थे उनके निधन पर मृतक आश्रित कोटे पर पंजाब प्रांत के डिफेंस विभाग में कार्यरत है। बीते 20 फरवरी को वह पंजाब से अपने गांव लौटी तो उसको घर में पड़ोसियों ने जाने से रोक दिया। उसने विरोध किया तो पड़ोसी राम किशुन, बालकिशुन निवासी बैजलपट्टी एवं रोहनिया थानाक्षेत्र के (खुशीपुर) बच्छाव गांव निवासी अनिल कुमार, सुनील और अनीता ने मिलकर मारापीटा। आरोप है कि घर में लगा सीसीटीवी कैमरा और सामान क्षतिग्रस्त किया। आसपास के लोगों की मदद से बीच बचाव हुआ।

डॉक्टर पर लगा बाहरी मेडिकल शॉप से मिलीभगत का आरोप

वाराणसी। बीएचयू सर सुंदरलाल अस्पताल के डॉक्टरों पर बाहरी मेडिकल दुकानों मिलीभगत का आरोप लगा है। इसको लेकर मंगलवार की देर रात, प्रॉक्टोरियल बोर्ड के ऑफिस पर हंगामा भी हुआ। वहीं, वसूली करते मेडिकल स्टोर के एक आदमी को सुरक्षाकर्मियों के गाड़ी में बिठाकर रखा गया। बीएचयू के एक छात्र का कहना है कि उन्होंने रंगे हाथों में एक मेडिकल वाले को पकड़ा, जो कि मरीज के अटेंडेंट से 1 लाख 60 हजार रुपए ऐंठ रहा था। जिससे वसूली की जा रही थी, वे मेरे ही रिश्तेदार थे। छात्रों ने कहा कि पुलिस कार्रवाई करे, नहीं तो बड़ा आंदोलन होगा। छात्र का कहना है, बीएचयू के एक डॉक्टर द्वारा उसके मरीज का इलाज किया जा रहा था। इस दौरान उन्होंने मरीज के अटेंडेंट को बाहर से दवा खरीदने का दबाव डाला। उस जगह से दवा न लेने पर अस्पताल से बाहर निकालने या फिर ऑपरेशन रद्द करने की भी धमकी दी गई। इस मामले में छात्र ने लंका थाने में शिकायती पत्र दिया है।

सड़क हादसे में मां की मौत, बेटा घायल

रामनगर। रामनगर थाना क्षेत्र के ग्राम भीटी के पास बुधवार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार महिला की मौत हो गयी जबकि बेटा गंभीर रूप से घायल हुआ। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को उपचार के लिए भिजवाया गया वहीं ट्रक समेत चालक को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जानकारी के अनुसार ग्राम खोराडीह,जिला मीरजापुर निवासी लाची देवी बेटे विनोद के साथ वाराणसी किसी काम से आ रही थी। विश्व सुंदरी पुल पर भीटी के पास ट्रक ने बाइक को पीछे से टक्कर मारी। हादसे में लाची देवी जमीन पर गिरी और सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि बाइक चला रहा लाची देवी का बेटा विनोद गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सेना भर्ती में सफल 572 अग्निवीर सेंटरों पर रवाना

वाराणसी। छावनी स्थित रणबांकुरा स्टेडियम में16 नवंबर को संपन्न हुई अग्निवीर सेना भर्ती में सफल 572 अभ्यर्थी सेना भर्ती कार्यालय में रिपोर्टिंग के बाद देश के विभिन्न ट्रेनिंग सेंटरों के लिए रवाना हुए। स्थानीय सेना भर्ती कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 फरवरी तक अलग-अलग बैच के माध्यम से अब तक कुल 572 अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग के लिए रवाना किया गया। 28 अग्निवीरों को जल्द ही रवाना कर दिया जायेगा। भर्ती के बाद ट्रेनिंग के लिए देश भर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित सैन्य ट्रेनिंग सेंटरों जैसे कुमाऊँ/ राजपूताना रेजिमेंट राजस्थान/ आसाम राइफल्स महार रेजीमेंट जम्मू/कश्मीर राइफल्स समेत सेंटरों पर रवाना किया गया है। यहां से 6 माह की स्ट्रेनिंग के बाद ही यह सभी भारतीय सेना के अंग बन जाएंगे।

विद्यालय में चोरी

वाराणसी। लालपुर पांडेयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सोयेपुर प्राथमिक विद्यालय में चोरी हुई। चोर यहां कमरे का ताला तोड़कर प्राथमिक विद्यालय से ताला तोड़कर कार्यालय में रखे सामान उठा ले गये। मामले की जानकारी होने पर संबन्धित थाना में शिकायत दर्ज करायी गयी। प्रधानाध्यापक धीरेंद्र पटेल ने बताया कि सुबह 8.30 बजे जब वह विद्यायल पहुंचे तो देखा कि स्मार्ट क्लास का दरवाजा टूटा है और अंदर रखा सामान गायब है। चोर ने इन्वर्टर, बैटरी, प्रोजेक्टर सहित 15 चेयर पर हाथ साफ किया। वहीं दूसरी तरफ चोलापुर थानागर्त ग्राम कटारी निवासी शरद सिंह के ट्यूबेल के कमरे से कृषि यंत्र चोरी हो गया। कमरे में मशीन, इलेक्ट्रिक मोटर व अन्य यंत्र रखा हुआ था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है।

लूट के मामले में चोरी का मुकदमा दर्ज

वाराणसी। लंका थाना क्षेत्र अंतर्गत विश्वसुंदरी पुल पर युवक की बाइक छीनकर भागने वालों अज्ञात बोलेरो सवार के खिलाफ लंका पुलिस ने चोरी का मुकदमा दर्ज किया। पुलिस का कहना है कि युवक ने तहरीर में चोरी की बात कही है। रामनगर निजी फैक्ट्री में काम करने वाला युवक गगन कुमार पांडेय जो भदोही गोपीगंज थाना अंतर्गत सीखापुर निवासी है और रामनगर में किराये के मकान में रहता है। मंगलवार को सुबह सात बजे वह किसी काम से निकला था। उसका आरोप है कि विश्वसुंदरी पुल पर बोलेरो सवार छह लोगों में दो नीचे उतरे और उसे धमका कर बाइक छीनकर चंदौली की तरफ भाग निकले।

मधुबन पार्क में छात्रा के साथ अश्लील हरकत

वाराणसी। बीएचयू में छेड़खानी का सिलसिला रुक नहीं रहा है। मंगलवार की रात मधुबन पार्क में दो छात्राएं टहल रहीं थीं। इतने में नशे में धुत एक बाहरी लड़का वहां पहुंचा और उसने कुछ अश्लील हरकतें की। एक छात्रा के साथ छेड़खानी कर दी। छात्राओं के आसपास मौजूद छात्रों ने यह देखा, तो उसे वहीं पकड़ लिया और पीट दिया। जहां छेड़छाड़ हुई थी, प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सुरक्षाकर्मी भी वहां पहुंच गए। यहां पूछताछ की।

जनसंदेश टाइम्स
वर्गीकृत

सूचना

हाईस्कूल के अंकपत्र अनुक्रमांक 23186214 सन् 2021 में गलती से मेरा नाम कोमल यादव पुत्री विजय यादव पत्नी सुनीता देवी हो गया है जो गलत है। वास्तव में कोमल यादव पुत्री विजय कुमार यादव पत्नी सुनीता यादव ग्राम-मोकलपुर, मडियाहूँ, जौनपुर है जो सही है मूझे इसी नाम से जाना पहचाना जाय।

आम सूचना

मेरा जमुनीपुर बीडा कालोनी-प्रथम, भदोही स्थित भुखण्ड संख्या-46 क्षेत्रफल 264.50 वर्ग मीटर से संबंधित पूर्ववर्ती मूल बैनामा दस्तावेज संख्या-223 दिनांक 28.02.1995 जो मैने मकबूल अहमद पुत्र मो. इस्लाम निवासी दरोपुर भदोही से क्रय किया था खो गया है। जिसका किसी अन्य द्वारा उपयोग अवैध होगा। वास्ते बुधना देवी पत्नी राम नरेश, निवासी कोल्हुआ पाण्डेयपुर, सुरियावां, जिला भदोही

आवश्यकता

आवश्यकता है- स्व0 केशव प्रसाद पी0 जी0 कालेज ससना बहादुरपुर बिल्थरारोड, बलिया उ0 प्र0 में स्नातक स्तर पर प्राचार्य एवं हिन्दी, समाजशास्त्र, प्राचीन इतिहास, राजनितिशास्त्र, गृह विज्ञान, भूगोल, संस्कृत, शिक्षाशास्त्र, अंग्रेजी, उर्दू विषयों में एक-एक प्रवक्ताओं की। योग्यता एवं वेतनमान यू0 जी0 सी0 व विश्वविद्यालय परिनियमावली के अनुसार योग्य अभ्यर्थी अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति एवं 2 फोटो सहित विज्ञापन तिथि से 21 दिन के अन्दर महाविद्यालय के पते पर आवेदन करें।
प्रबन्धक
मो0-9918681886, 9697605555

आवश्यकता है-बाबा जंगली महिला महाविद्यालय सलेमपुर, रंजीतपुर गाजीपुर संबद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में स्ववितपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय में प्राचार्य एवं रसायन विज्ञान-3, वनस्पति विज्ञान-2, प्राणी विज्ञान-2, भौतिक विज्ञान-2,गणित-2 तथा स्नातक स्तर पर वाणिज्य संकाय में प्रवक्ताओं की अवश्यकता। योग्यता एवं वेतनमान उत्तर प्रदेश शासन यूजीसी एवम् विश्वविद्यालय परिनियमावली अनुसार। इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छाया प्रति एवं पासपोर्ट साइज का 4 फोटो एवं आधार कार्ड के साथ विज्ञापन तिथि से 21 के दिनों के अंदर प्रबंधक के पद नाम महाविद्यालय के पते पर आवेदन करें। साक्षात्कार की सूचना डाक अथवा दूरभाष द्वारा दी जाएगी।
प्रबंधक-मो0-7379399800

ओवरटेक करने में गाड़ी पलटी एक की हुई मौत, पांच घायल

दुर्घटना

झारखंड से अजमेर शरीफ जा रहे थे सभी जायरीन

पिंडरा/बाबतपुर। फूलपुर थाना क्षेत्र के बाबतपुर चौराहे एयरपोर्ट रनवे के ठीक सामने बुधवार तड़के ट्रक से ओवरटेक के चक्कर में टाटा की सवारी गाड़ी असंतुलित होकर पलट गई। वाहन में सवार 6 लोगों को पुलिस की मदत से पीएचसी बड़ागाँव लाया गया यहाँ प्राथमिक उपचार के दौरान एक की मौत हो गई। जबकि दो महिला समेत पाँच घायलों का इलाज जारी है।

झारखंड के लातेहार ज़िला से 13 लोगों का दल टाटा विंगर वाहन से अजमेर सरीफ दर्शन के लिए निकाल था। बुधवार की सुबह पाँच बजे

वाहन के उड़ गए परखचे

बाबतपुर एयरपोर्ट रनवे के सामने एक ट्रक को ओवरटेक के चक्कर में वाहन चालक ने नियंत्रण खो दिया और गाड़ी पलट गई। आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी तत्काल पुलिस को दी साथ ही मदत में जुट गए। वाहन में सवार सभी को बाहर निकला गया। इस दौरान वहाँ पहुँची पुलिस की मदत से दुर्घटना में चोटिल दो महिला समेत छह लोगो को पास के पीएचसी लाया गया यहाँ इलाज के दौरान मुबारक हुसैन की मौत हो गई। जबकि तबारक हुसैन 62 वर्ष, मजहर इकबाल 52 वर्ष, अमीषा बीवी 60 वर्ष नसीबा नसीबा खातून 55 वर्ष, रिजवान अली 29 वर्ष को चिकित्सकों ने ज़िला अस्पताल के लिए रेफर किया। घायल अवस्था में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों ने रेफर कर दिया। वाहन में सवार सकलेन इकबाल ने बताया कि घायलों हालत खतरे के बाहर है। किसी का हाथ तो किसी का पैर टूटा हुआ है।

ज्ञानवापी से जुड़े सात मुकदमों की सुनवाई

वाराणसी। ज्ञानवापी से जुड़े सात मुकदमों को जिला जज की अदालत में स्थानांतरित करने की मांग को लेकर दाखिल प्रार्थना पत्र पर बुधवार को सुनवाई हुई। प्रार्थना पत्र का विरोध राखी सिंह व स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की ओर से किया गया। उनके वकील ने दलील दिया कि सभी प्रार्थना पत्रों में मांग अलग-अलग है तो सुनवाई एक साथ कैसे होगी। दलील सुनने के बाद अदालत ने फैसले के लिए एक मार्च की तिथि तय की है।

ज्ञानवापी परिसर स्थित श्रृंगार गौरी के नियमित दर्शन-पूजन समेत अन्य मांग को लेकर मुकदमा दाखिल करने वाली पांच महिलाएं में से चार लक्ष्मी देवी, सीता साहू, मंजू देवी, रेखा पाठक के प्रार्थना पत्र का विरोध मुकदमे से जुड़ी राखी सिंह ने किया। उनके वकील शिवम गौड़ ने अदालत के सामने कहा कि वादी जिन मुकदमों को स्थानांतरित करने की मांग कर रही हैं उसमें पक्षाकर नहीं हैं। ऐसे में उन्हें यह मांग करने का अधिकार नहीं है। उनकी ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र में उन बातों की जिक्र है जो अन्य मुकदमों में प्रतिवादी अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद की ओर से जा रहीं हैं। इससे प्रतिवादी को लाभ होगा। इसके पूर्व ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी मामले में राखी सिंह की ओर से दाखिल मुकदमे में अन्य लोगों के पक्षकार बनने के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया गया था। बताया गया था कि मुकदमा सिर्फ पांच महिलाओं का है। इसमें किसी अन्य की आवश्यकता नहीं है। ऐसे में अन्य लोगों के मुकदमों को स्थानांतरित करने की मांग चारों वादिनी महिलाएं कैसे कर सकती हैं। वहीं स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की ओर से उनके वकील रमेश उपाध्याय ने भी दलील दी। उन्होंने कहा कि हमने तो ज्ञानवापी परिसर में मिले शिवलिंग के पूजा-पाठ की मांग की है। यह अन्य मुकदमों से अलग है। अंजुमन की ओर वकील रईश अहमद, वादी पक्ष की ओर से वकील सुधीर त्रिपाठी, सुभाष नंदन चतुवेर्दी मौजूद रहे। बता दें कि

कार्यालय जिला सूचना अधिकारी, आजमगढ़
पत्रांक -369/जि0 सू0 का0/विज्ञापन/2022-23 दिनांक 22.02.2023
सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपजिलाधिकारी सदर के आदेश से थाना कोतवाली आजमगढ़ के प्रांगण में बरामद लावारिश वाहनों की नीलामी किए जाने का आदेश किया गया है। जिसके लिए 23.02.2023 की तिथि नियत की गयी है।
प्रभारी निरीक्षक, कोतवाली, आजमगढ़।

बारात आने से पहले प्रेमी संग भागी दुल्हन

मिर्जामुराद। मिर्जामुराद थानाक्षेत्र अंतर्गत बारात आने से कुछ घंटे पहले ही दुल्हन प्रेमी संग नौ दो ग्यारह हो गयी। मामले की जानकारी होने पर परिजनों ने लड़की के मोबाइल नंबर पर संपर्क साधने की कोशिश की लेकिन उसने मोबाइल स्वीच ऑफ कर दिया था। वहीं वर पक्ष की तैयारी धरी की धरी रह गयी। जानकारी के अनुसार लड़की की बारात बुधवार को आनी थी। इसके पहले हल्दी समेत तमाम रश्म की आदयदी परिवार वालों की मौजूदगी में हंसी खुशी हो रही थी। रिश्तेदारों का जमावड़ा था और चारो तरफ खुशियां थी। घर के लोगों तैयारी में व्यस्त थे इस बीच लड़की और उसका प्रेमी लॉन से भाग निकले। लड़की के पिता ने गांव के ही एक युवक जो कि साइबर संचालक है उसके खिलाफ बेटी को भगाने का आरोप लगाया और मिर्जामुराद थाने में तहरीर दी। इसके पहले लड़की के परिजन आरोपी युवक के घर पहुंचे लेकिन वह मिला नहीं। लड़की की शादी अस्सी इलाके में तय थी। सूत्रों की माने तो युवती के साइबर संचालक के बीच प्रेम प्रसंग की जानकारी लड़की के घरवालों को पहले से थी। मामला जाति को लेकर फंसा था।

हो गई फरार

गांव में चल रहे साइबर के संचालक को दे बैठी थी दिल

भटका व्यक्ति मिला

मिर्जामुराद। तेलंगाना से गायब युवक करीब पांच दिनों से इधर-उधर भटक रहा था। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। थानाध्यक्ष दीपक कुमार राणावत ने घूमते हुए अज्ञात व्यक्ति से नाम पता पूछा और उसके परिजनों से संपर्क कर जानकारी दी। व्यक्ति का नाम कृष्णा है और वह निवासी धनुर बुजुर्ग आदिलाबाद तेलंगाना का है। पुलिस की सूचना पर पहुंची कृष्णा की पत्नी ने पुलिस को बताया कि पति कुछ दिनों से लापता हो गए थे। हम लोग उनकी काफी तलाश किए लेकिन नहीं मिले। उन्होंने पुलिस को धन्यवाद दिया।

बस के धक्के से ऑटो चालक की गई जान

सारनाथ। सारनाथ क्षेत्र में सिंहपुर रिंग रोड पर बुधवार को निजी बस ऑटो की टक्कर में भीतरी गांव जौनपुर निवासी ऑटो चालक आनंद सिंह की मौत हो गयी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों में चचेरे भाई ने बताया कि 20 फरवरी को नई ऑटो खरीदा था। चचेरे भाई शशि प्रकाश सिंह ने बताया कि आनंद केराकत से बनारस के बीच ऑटो चलाता था। बुधवार दोपहर सवारी लेकर हरहुआ की तरफ से सिंहपुर सारनाथ की ओर आया था।

हादसा

दो दिन पहले खरीदा था अपना ऑटो

सिंहपुर रिंग रोड पर सामने से आ रही स्कूल बस ने ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में चालक आनंद की मौके पर ही मौत हो गई। उसकी पारिवारिक स्थिति ठीक नहीं थी ऐसे में ऑटो चालकर परिवार का भरण पोषण करता था। चार बेटियों व एक बेटा में से दो बेटियों की शादी हो चुकी है।

किशोर ने फांसी लगाकर दी जान

वाराणसी। सिगरा थाना अंतर्गत सोनिया चौकी क्षेत्र के काजीपुरा खुर्द में 16 साल के किशोर ने फांसी लगाकर जान दे दी। किशोर चाट की दुकान पर काम करता था और कुछ दिनों पहले की काम छोड़ा था। मामले की जानकारी होने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक की पहचान अमित भारती के तौर पर हुई। घटना की जानकारी तब हुई जब मां रिंकू देवी उसके कमरे में गयी देखा तो वह फंदे से लटक रहा था। खीच पुकार के बीच पहुंचे परिजनों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पिता की माने तो शराब और जुआ खेलने का आदि था। मंगलवार की रात परिजनों से कहा कि अब वह चाट की दुकान पर काम नहीं करेगा बल्कि ट्राली चलायेगा। भोजन के बाद वह कमरे में सोने चला गया। सुबह बुधवार को अमित की मां उसे जगाने पहुंची, देखा तो रस्सी के सहारे उसने फंसी लगा ली है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी है।

खुदकुशी

चाट की दुकान करता था काम ट्रॉली चलाने की कही थी बात

व्यापारियों की शिकायतों का त्वरित संज्ञान लें: सीपी

वाराणसी। पुलिस कमिश्नर मुथा अशोक जैन ने बुधवार को व्यवसायी संगठन के पदाधिकारियों और व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ के लोगों संग बैठक की। इस दौरान व्यापारियों की तरफ से प्राप्त जानकारी और समस्याओं को त्वरित संज्ञान में लेने के लिए मातहतों को निर्देशित किया। बैठक में एडिशनल सीपी संतोष कुमार सिंह, अमित कुमार तीनों जोन के डीसीपी समेत व्यापार संगठन से जुड़े लोग शामिल हुए। सीपी ने व्यापारियों की सुरक्षा और यातायात संबन्धित दिक्कतों की जानकारी ली और समाधान के लिए निर्देशित किया। व्यापारियों को इस बात के लिए आश्वस्त कराया गया कि आगामी त्यौहार को देखते हुए पुलिस व्यापारियों के साथ समन्वय स्थापित कर सकुशल और सुरक्षित सम्पन्न करायेगी। सीपी ने सारनाथ पंचकोशी चौराहे पर बने पिकेट में स्थायी रूप से ड्यूटी लगाये जाने व भीड़-भाड़ वाले बाजारों में पुलिस की गस्त को बढ़ाने को कहा। व्यापारियों के साथ घटित घटना के सम्बन्ध में पुलिस की त्वरित कार्यवाही करने की बात की। इस दौरान व्यवसायी संगठन के पदाधिकारियों में अजीत सिंह बग्गा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, कवीन्द्र जायसवाल अध्यक्ष (वाराणसी व्यापार मण्डल), रजनीश कन्नौजिया उपाध्यक्ष (महानगर उधोग व्यापार मण्डल), प्रमोद अग्रहरि अध्यक्ष वाराणसी व्यापार मण्डल (काशी प्रान्त), शेख आसिफ संस्थापक (बनारस व्यापार समिति सराय हड्हा), बबिता चौरसिया (पूर्वांचल महिला व्यापार मण्डल मुख्य संरक्षिका), सविता सिंह अध्यक्ष (पूर्वाचल महिला व्यापार मण्डल) आदि मौजूद रहीं।

1.5 किमी तक लगा जाम, थमे पहिये

रोहनिया। मोहनसराय से लहरतारा मार्ग पर करीब डेढ़ किमी लंबा जाम लगा। एक घंटे से ज्यादा लोग जाम की चपेट में रहे। इस दौरान मरीज लिए एंबुलेंस भी जाम में फंसी रही। ट्रैफिक पुलिस नदारत रही ऐसे में जाम में फंसे लोगों ने जाम छुड़ाने में मदद की तब जाकर स्थिति समान्य हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन में इस मार्ग पर जाम जैसी कोई दिक्कत नहीं है ऐसे में उस समय दो ट्रैफिक सिपाहियों की ड्यूटी लगी रहती है लेकिन शाम होते ही जाम की समस्या बढ़ जाती है और उस समय कोई भी पुलिसवाला मौजूद नहीं रहता।

छावनी अस्पताल को मिली जांच मशीन और बेड

वाराणसी। छावनी की मुख्य अधीशसी अधिकारी आकांक्षा तिवारी और आईसीआईसीआई फाउंडेशन के प्रमुख अनुज अग्रवाल और जोनल प्रमुख संजय कुमार के बीच बुधवार को छावनी कार्यालय में एक बैठक हुई। बैठक के बाद फाउंडेशन प्रमुख अपनी टीम के साथ छावनी हास्पिटल पहुंचे और वहां मरीजो को मिल रही सुविधाओं का अवलोकन किया। सीएसआर के तहत कैंट जनरल अस्पताल को फाउंडेशन की ओर से डिजीटल माइक्रोस्कोप डेंटल चेयर, सार्वइकल कैंसर की जांच के लिए कॉलपॉस्कोप , गर्भावस्था मे बच्चों की जांच के लिए सिटिजी मशीन, आखों की जांच के लिए स्लीत लैंप एक्सरे मशीन, 18 सेमी फोअलर पेशेंट बेड व अन्य चिकित्सा से संबंधित उपकरण प्रदान किए गए। छावनी की मुख्य अधिशासी अधिकारी आकांक्षा तिवारी ने फाउंडेशन के इस कार्य के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी शहाबगंज-चन्दौली
पत्रांक: /स0वि0प0/निविदा/2021-22 दिनांक: 09.02.2023
अल्पकालीन निविदा सूचना
विधायक निधि योजना अन्तर्गत क्षेत्र पंचायत शहाबगंज में कराये जाने वाले मा0 सदस्य विधान परिषद, चन्दौली के स्वीकृत कार्यों पर नियमानुसार सामग्री की आपूर्ति/दर हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 10.02.2023 से 24.02.2023 तक प्रातः 11.00 बजे से सायं 3.00 बजे तक निविदा फार्म विकास खण्ड शहाबगंज कार्यालय के कैशियर से क्रय कर सकते है। तथा दिनांक 24.02.2023 को प्रातः 11.00 बजे से सायं 3.00 बजे तक उक्त सामग्री हेतु अपनी दरें वांछित संलग्न शीलबन्द लिफाफे में खण्ड विकास अधिकारी शहाबगंज चन्दौली कार्यालय के निविदा बाक्स में डाल सकते हैं। जो दिनांक 24.02.2023 को आपूर्तिकर्ता के समक्ष सायं 3.00 बजे खोली जायेगी।

क्र. सं.	कार्यदायी संस्था का नाम	कार्य का नाम	स्वीकृति लागत
1.	ख0वि0अ0	ग्राम खिलची रजडिहा में मुख्य सड़क से रामऔतार यादव के घर तक सीवर सी0सी0 का निर्माण कार्य (1.12 मी0)	08.00 लाख

नोटः- नियम व शर्तें पटल सहायक से सम्पर्क कर उक्त अवधि के अन्दर किसी भी कार्य दिवस में किया जा सकता है।
खण्ड विकास अधिकारी
शहाबगंज, चन्दौली
पत्रांक:1304/जदेव/डिनांकित

कार्यालय जिला पंचायत, बलिया
पत्रांक: 104/जि0पं0ब0-बालू0मो0आ0नी0/2022-23 दिनांक: 22.02.2023
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित खनिज उद्गम स्थल से खनिज ढोने वाले वाहनों से परिवहन शुल्क वसूली हेतु ई-टेण्डर ऑन लाईन आमंत्रित किया जाता है जो विवरण निम्नवत है :-

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	निविदाओं की ऑन लाइन उपलब्धता	ऑनलाइन निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि	टेक्निकल विड खोलने की तिथि व स्थान
1.	इस कार्यालय के पत्रांक 103/जि0पं0ब0-बालू0मो0/खनिज परि0-ई0 टे0/2022-23 दिनांक 22.02.2023 द्वारा जनपद अन्तर्गत उद्गम स्थल तहसील बेल्थरा रोड ग्राम-खैराखास आ0नं0-593 रकबा 11.90हे0, तहसील सिकन्दरपुर ग्राम कठौड़ा आ0 नं0 3020 मि रकबा 5.00 एवं तहसील सदर ग्राम नौवरार 1881मु0 बेल्थीपाह आ0नं0-03 रकबा 50हे0 खनिज परिवहन शुल्क की वसूली वित्तीय वर्ष 2023-24 (दिनांक 01.04.2023 से 31.03.2024 तक के लिये) ई-निविदा पोर्टल http//etender.up.nic.in पर अपलोडेड की ई-निविदा।	दि0 23.02.2023 को अपरान्ह 05.00 से 03.03.2023 अपरान्ह 05.00 बजे तक	दि0 03.03.2023 को अपरान्ह 05.00 बजे तक	दि0 04.03.2023 अपरान्ह 02.00 बजे कार्यालय जिला पंचायत बलिया

अन्य मुख्य शर्तें :-
1. वित्तीय वर्ष 2023-24 (दिनांक 01.04.2023 से 31.03.2023 तक) प्रत्येक खनिज उद्गम स्थल के लिये टेण्डर फार्म का मूल्य 5000.00 (पांच हजार रूपये मात्र) निर्धारित है, जो फार्म 05 अथवा जिला पंचायत, बलिया के जिला निधि खाता सं0-25100100000984 बैंक ऑफ बड़ौदा मे जमा कर सकते है।
2. खनिज उद्गम स्थल तहसील बेल्थरा रोड, ग्राम-खैराखास के लिये सरकारी बोली 10.00 लाख (दस लाख रुपये मात्र) निर्धारित किया गया है।
3. खनिज उद्गम स्थल तहसील सिकन्दरपुर ग्राम कठौड़ा के लिये सरकारी बोली 10.00 लाख (दस लाख रुपये मात्र) निर्धारित किया गया है।
4. खनिज उद्गम स्थल तहसील सदर ग्राम नौवरार के लिये सरकारी बोली 10.00 लाख (दस लाख रुपये मात्र) निर्धारित किया गया है।
5. ई-टेण्डरदाता को ई-टेण्डर के लिये नीलामी तिथि दिनांक 10.02.2023 से दिनांक 23.02.2023 तक प्रत्येक खनिज उद्गम स्थल के लिये मु0 5.00 लाख (पांच लाख रुपये) का बैंकड्राफ्ट अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, बलिया के नाम जमानत जमा करना होगा।
6. ठेकेदार को उपविधि में निर्धारित शुल्क के अनुसार ही वसूली करना होगा।
7. http//etender.up.nic.in पर उक्त निविदा की विस्तृत जानकारी एवं शर्तनामा अवश्य देख लें जिसका पालन करना अनिवार्य होगा।

(अशोक कुमार सिंह)
अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, बलिया

(आनन्द चौधरी)
अध्यक्ष
जिला पंचायत, बलिया

पत्रांक: 104/विज्ञापन/खनिज-परि0 ई0-टे0/2022-23, दिनांक: 22.02.2023

दर्शनार्थियों के लिए मैदागिन-गोदौलिया से चलेंगे ई-रिक्शा

सुविधा

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास परिषद की 104वीं बोर्ड बैठक में रखा गया प्रस्ताव

काशी विश्वनाथ मंदिर का अपना होगा धार्मिक और सांस्कृतिक कैलेंडर

मंगला आरती का टिकट एक मार्च से 500रुपए करने का बोर्ड ने लिया निर्णय

वाराणसी। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की 104वीं बोर्ड बुधवार को मंडल आयुक्त सभागार में की गई। बैठक में न्यास अध्यक्ष प्रो नागेंद्र पांडेय, मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा, ज़िलाधिकारी एस राजलिंगम, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.हरेराम त्रिपाठी, मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ सुनील वर्मा मंदिर के ट्रस्टी चंद्रमौली उपाध्याय, पं दीपक प्रसाद मालवीय, पं प्रसाद, दीक्षित, वेंकट रमन, प्रो. बृजभूषण ओझा उपस्थित रहे। बैठक में मंदिर न्यास के सदस्यों ने मैदागिन और गोदौलिया पर वाहनों को रोक दिया जाने के कारण दर्शनार्थियों को मंदिर तक पहुंचने में घोर असुविधा का सामना करना पड़ता है। ऐसे में मंदिर की ओर से पहल करते हुए या कार्य कराया जाए। इस पर न्यास के सदस्य सहित सभी अधिकारियों ने इसकी फीजिबिलिटी चेक करा कर नगर निगम या यातायात विभाग को यह कार्य कराने में सहयोग करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास ह७आ। बोर्ड की ओर से काशी विश्वनाथ मंदिर में पूरे वर्ष केलिए धार्मिक और सांकृतिक आयोजन किए जाने के लिए कैलेंडर तैयार करने के लिए गठित कमेटी के समन्वय से बनाये जाने हेतु निर्णय लिया गया। एक आंतरिक संमिति का गठन कर ट्रस्ट की डायरी मार्च माह में छपवाने की तैयारी करने का निर्णय लिया गया। मंदिर में बढ़ते श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए टिकट के दामों में भी बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे सर्वसम्मति से पास कर दिया गया। इस बैठक के अनुसार अब मंगला आरती का टिकट 350 की जगह 500 में वही सप्त ऋषि आरती श्रृंगार भोग आरती मध्यान भोग आरती का टिकट 180 की जगह ?300 करने का प्रस्ताव पास हो गया, जो एक मार्च से लागू की जायेगी। मंदिर के अध्यक्ष प्रोफेसर नागेंद्र पांडे ने कहा कि मंदिर की गरिमा और व्यवस्था सुधारने में मंदिर के अधिकारियों के साथ-साथ ट्रस्ट के सदस्यों की भी जिम्मेदारी है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री सुनील कुमार वर्मा ने वर्ष 2022 230 के लिए कुल 105 करोड़ की आए और 40 करोड़ के खर्च का लक्ष्य रखा गया है। बोर्ड द्वारा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से काशी हिंदू विश्वविद्यालय एवं संपूर्णानंद संस्कृति विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के समस्त पाठ्यक्रम में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्राओं को 10,000 को एकमुश्त वार्षिक छात्रवृत्ति दिये जाने का निर्णय लिया गया।

वाराणसी

उद्यमियों ने मेगा बजट को खूब सराहा

जीआईएस में एमओयू और ये बजट दुनिया के निवेशकों के लिए स्पष्ट संदेश : रजत सिनर्जी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश को भारत का ग्रोथ इंजन बनाने के लिए योगी सरकार अपने प्रयास में तेजी से सफल हो रही है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की सफलता से उत्साहित योगी सरकार ने समग्र दृष्टिकोण अपनाते हुए उत्तर प्रदेश के समग्र विकास वाला बजट पेश किया है। पूर्वांचल के उद्योगपति और व्यापारियों ने इसे ऐतिहासिक बजट बताया है। वाराणसी समेत पूर्वांचल के हिस्से के लिए भी बजट में बहुत कुछ है, जिसे उद्यमियों ने रोजगारपरक बताया है। वहीं पूर्वांचल के अर्थशास्त्रियों की नजर में यूपी का इस मेगा बजट में कृषि, किसान, ग्रामीण विकास के साथ-साथ औद्योगिक विकास और सेवा क्षेत्रों के बीच संतुलन साधा गया है।

वाराणसी के जानेमाने उद्यमी रजत सिनर्जी ने बजट की सराहना करते हुए बताया कि यूपी सरकार प्रदेश पर भरोसा करने के लिए बहुत स्पष्ट नीति संदेश भेजने में कामयाब रही है। ग्लोबल इंवेटर्स समिट के दौरान 33.5 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर और उसके बाद ये बजट, सभी निवेशकों के लिए एक स्पष्ट और जोरदार संदेश है कि सरकार की ओर से हर व्यवसाय के विकास को पोषित करने के लिए नीति तैयार कर ली गई है। पूर्वांचल रियल इस्टेट एसोसिएशन के चेयरमैन अनुज डिडवानिया ने बताया कि मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण के लिए 3000 करोड़ रुपए, पूर्वांचल के विशेष योजनाओं के लिए 500 करोड़ रुपए, मुख्यमंत्री आवास योजना के लिए 1200 सौ करोड़ रुपए, सड़कों और पुल के निर्माण के लिए 22000 करोड़, रेलवे ऊपर गामी सेतु के निर्माण के लिए 17 सौ करोड़ रुपए, अमृत योजना के अंतर्गत पेयजल सीवरेज एंड वाटर बॉडी हेतु 2000 करोड़ रुपए आवंटित करने से निश्चित रूप से रियल इस्टेट सेक्टर को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जा सकेगा। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव राजेश भाटिया ने बताया कि सौर ऊर्जा और स्टार्टअप के लिए बजट में अच्छा प्रावधान किया गया है। इससे उद्योग को बल मिलेगा। वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजित सिंह बग्गा ने बताया कि योगी सरकार का ये विकासोन्मुख बजट है। इससे जहां एक ओर इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपममेंट होगा वहीं उद्योग धंधे बढ़ेंगे तो रोजगार का सृजन होगा। छात्र-छात्राओं को टैबलेट और स्मार्टफोन देने के लिए 3600 करोड़ खर्च होने पर छात्र नितिन सिंह ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि योगी सरकार विद्यार्थियों का खास ध्यान रख रही है। गृहणी प्रियंका ओझा ने बताया कि तीन महिला पीएसी बटालियन के गठन व मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लिए 1,050 करोड़ रुपये का बजट महिलाओं को आर्थिक संबल देगा। जिससे महिलाएं स्वावलंबी बनेंगी। डीएवी पीजी कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो अनूप कुमार मिश्र ने बताया कि उत्तर प्रदेश का बजट केंद्रीय बजट से कदमताल करती हुई विकासोन्मुख और रोजगार सृजन वाला बजट के रूप मे परिलक्षित है। इसमें कृषि, किसान, ग्रामीण विकास के साथ औद्योगिक विकास और सेवा क्षेत्रों में संतुलन साधा गया है। वाराणसी समेत पूर्वांचल के हिस्से में भी बजट में बहुत कुछ है। वाराणसी फर्नीचर एवं फर्निशिंग व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजय गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश का बजट केंद्रीय बजट से कदमताल करती हुई *विकासोन्मुख और रोजगार सृजन वाला* बजट के रूप मे परिलक्षित है। इसमें व्यापारियों कृषि विकास के साथ औद्योगिक विकास और सेवा क्षेत्रों में संतुलन साधा गया है। सबसे खुशी इस बात की है की वाराणसी समेत पूर्वांचल के हिस्से में भी बजट में बहुत कुछ है। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे, मेट्रो रेल सेवा, रोपवे, महाकुंभ, कुटीर एवं लघु उद्योग पर लगभग 20 हजार करोड़ के मद का आवंटन किया गया है।

तारीफ

बजट रियल इस्टेट इंडस्ट्री को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएगा : अनुज डिडवानियां

सौर ऊर्जा और स्टार्टअप के लिए बजट में अच्छा प्रावधान : राजेश भाटिया

अवस्थापना विकास से उद्योग धंधे बढ़ेंगे, रोजगार का होगा सृजनः अजीत सिंह बग्गा

बोले अर्थशास्त्री- योगी के बजट में कृषि, किसान, ग्रामीण विकास के साथ सेवा क्षेत्रों में साधा गया है संतुलन

पेश किया गया बजट काबिलेतारीफ: सीए जय प्रद्धवानी

वाराणसी। सीए व आईसीएआई के पूर्व अध्यक्ष जय प्रद्धवानी ने कहा कि वितीय वर्ष 2023-24 के लिए पेश किया गया प्रदेश सरकार का बजट बहुत ही काबिले तारीफ बजट कहलायेगा। केंद्र सरकार की नीतियों से यह बजट प्रभावित दिखता है। सरकार ने 6.90 लाख करोड़ का भारी भरकम बजट पेश कर प्रदेश को आगे ले जाने के लिए अच्छी नींव रखी है। राजकोषीय घाटे की अगर बात करे तो 3.48 प्रतिशत तक इसे सीमित कर सरकार ने बेहतरीन वितीय प्रबंधन का नमूना पेश किया है। कर संग्रह का कुल लक्ष्य 255 लाख करोड़ रखना निश्चित ही स्वागत योग्य है।

बजट से वाराणसी का और होगा विकास

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए छह लाख 90 हजार 242 करोड़ का बजट पेश किया गया। राज्य की भाजपा सरकार द्वारा पेश किये गया बजट जनाकांक्षाओं के अनुरूप है और यह बजट आत्मनिर्भर-उत्तर प्रदेश, सशक्त- उत्तर प्रदेश, समृद्ध-उत्तर प्रदेश के निर्माण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस बजट में प्रदेश के साथ ही वाराणसी पर भी विशेष फोकस रहा। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चंद श्रीवास्तव ने सर्किट हाउस में बजट पर आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कही। कहा कि इस बजट में वाराणसी रोपवे के लिए विशेष प्रावधान किया गया है। वाराणसी, गोरखपुर व अन्य शहरों में मेट्रो रेल परियोजना के क्रियान्वयन हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है। कहा कि वाराणसी व मेरठ जनपद में डेयरी परियोजनाओं हेतु 60 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित है।

बजट जनता के लिए झुनझुना: अजय राय

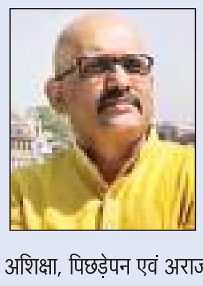

वाराणसी। उप्र कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रांतीय अध्यक्ष, पूर्व मंत्री अजय राय ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट पूर्ण रूप से जनता के लिए झुनझुना है। इसमें आज की समस्याओं का समाधान नहीं है। बजट ने किसानों को निराश किया है। बजट ने युवाओं व महिलाओं को निराश किया है। कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए पेश किये गया बजट 'ऊंट के मुंह में जीरा' के समान है। जनता महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, पिछड़ेपन एवं अराजकता आदि से त्रस्त है।

भाजपाई बजट हमेशा की तरह खोखला -मुकेश सिंह

वाराणसी। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता मुकेश सिंह ने कहा कि बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार पर हवा हवाई बात की गई है। अब तक योगी के कार्यकाल में शिक्षा सस्ती और स्तरीय नहीं हुई, लोगों को रोजगार नहीं मिला, स्वास्थ्य व्यवस्था ठीक नहीं हुई और इस बजट से भी आगे कुछ होने की उम्मीद नहीं है क्योंकि नीयत साफ नहीं है। महंगाई पर अंकुश के लिये कोई कार्य योजना नहीं हैं। पिछले बजट का 50% भी खर्च न कर सकने वाली सरकार के बजट पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

बजट ने आम जनता को किया निराशः राधाकृष्ण

वाराणसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व प्रत्याशी शिवपुर विधानसभा राधाकृष्ण संजय यादव ने योगी सरकार की बजट को आमजन के लिए निराशा जनक बताया। भाजपा सरकार के गयी बजट ना तो किसानों के लिए हैं और ना ही नौजवान बेरोजगारों के लिए हैं। प्रदेश की मौजूदा भाजपा की योगी सरकार छात्रों के भविष्य पर भी कोई नहीं ध्यान दिया गया हैं। प्रदेश में बढ़ती महंगाई पर भी सरकार की कोई योजना नहीं हैं।

क्षेत्रीय महामारी विज्ञान प्रशिक्षण में छायी ऊँ ध्वनि

भारत सम्मेलन-2023

कोविड-19 पेंडेमिक के साथ उपेक्षित बीमारियों के उन्मूलन पर हुआ गहन मंथन

देश के विभिन्न प्रान्तों के साथ यूएसए, जापान, नेपाल, बांग्लादेश और फिलीपींस के चिकित्सक वैज्ञानिक ने किया प्रतिभाग

रोडमैप पर आधारित पुस्तक का विमोचन करते अतिथि

मुख्य हाल में एकत्रित प्रतिनिधिगण

वाराणसी। रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय क्षेत्रीय महामारी विज्ञान प्रशिक्षण कार्यक्रम भारत सम्मेलन-2023 (साउथ ईस्ट एशिया रीजन) के शुभारम्भ के मौके पर ऊँ शब्द का गुंययमान हुआ। सनातनी संस्कृति का अनुसरण करते हुए ऊँ शब्द के साथ इस सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। कोविड-19 महामारी सहित नेगलेक्टेड ट्रोपिकल डिजीज (एनटीडी) को नियंत्रित करने और इक्स एलिए मजबूत नेटवर्क व पब्लिक हेल्थ वर्कफोर्स तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में काशी को आध्यात्म की नगरी बताते हुए जी-20 की थीम 'वासुदेव कुटुंबकम' के बारे में जिक्र किया गया। देश के 17 राज्यों से आए चिकित्सक, एपिडमोलोजिस्ट व वैज्ञानिक सहित यूएसए, जापान, नेपाल, बांग्लादेश और फिलीपींस के प्रतिनिधि प्रतिभाग कर रहे हैं। वक्ताओं ने कहा भविष्य की भूमिकाओं और बेहतर हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए इस तरह के प्रशिक्षण की जरूरत है। कोविड काल के अनुभव को मजबूत करने के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बहुत कारगर साबित होगा।

नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी के पॉल ने उपेक्षित बीमारियों (एनटीडी) के उन्मूलन पर जोर दिया। उत्तर प्रदेश सरकार में प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) पार्थ सारथी सेन ने क्षेत्रीय स्तर पर कार्य कर रहे एपिडोमोलोजिस्ट के साथ फ्रंट लाइन वर्कर, एएनएम और सीएचओ के प्रयास के बारे में जानकारी दी। डबल्यूएचओ इंडिया के डॉ रोड्रिको एच ओफरिन ने महामारी के आउटब्रेक को नियंत्रित और निगरानी करने के बारे में जोर दिया। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक एवं निदेशक राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र डॉ. अतुल गोयल एवं कंट्री हेड सीडीसी इंडिया डॉ मेघना देसाई ने मुख्य अतिथि सहित अन्य अधिकारियों का स्वागत सम्बोधन दिया। डॉ अतुल ने बताया कि क्षेत्रीय महामारी प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्मलेन का उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों, रोग निगरानी और स्वास्थ्य आपातकालीन प्रबंधन में काम करने वाले मेडिकल डॉक्टरों में महामारी विज्ञान क्षेत्र में कौशल और दक्षताओं का निर्माण करना है। भारत को दक्षिण पूर्व एशिया में आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यबल विकास में क्षेत्रीय नेता के रूप में स्थापित और प्रदर्शित करना है। तीन दिवसीय सम्मेलन में राज्य के अधिकांश स्वास्थ्य विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और क्षेत्रीय महामारी प्रशिक्षण कार्यक्रम के 300 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुये है। प्रतिनिधियों के पास राष्ट्रीय/राज्य/जिला स्तर पर व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुभव है। कार्यक्रम में जीएचसी यूएस सीडीसी के कार्यकारी निदेशक डॉ डेनिस कार्डो, टेफीनेट निदेशक डॉ जॉर्ज, एचआईएम सिएरो के प्रोग्राम एरिया मैनेजर डॉ मायशा काटो, आईसीएमआर-एनआईई के निदेशक व वैज्ञानिक डॉ मनोज मढेकर, एनसीडीसी के प्रधान सलाहकार डॉ सुजीत कुमार सिंह, जिलाधिकारी एस राजलिंगम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप चौधरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बांग्लादेश से आयी डॉ.जुबैदा खानम ने बताया कि कोरोना के बाद से एक मंच पर लोगों के विचार को साझा करने से ही कई तरह की बीमारियों के प्रति जानकारी मिली है, बताया कि महामारी को लेकर अब लोगों में जागरुकता आयी है। जो पूरी दुनिया के लिए सकारात्मक दिशा है।

डॉ. जुबैदा खानम

बांग्लादेश के डॉ.काजी अहमद जाकी ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को ऐसे कार्यक्रम कराने पर बधाई देते हुए कहा कि अब महामारी के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ी है। ऐसे सेमिनारों से कई विषयों को साझा करने का मौका मिलेगा।

डॉ.काजी अहमद जाकी

आंध्र प्रदेश से इस सेमिनार में हिस्सा लेने आयी डॉ.सीएच स्वर्णलता ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यशाला में साउथ एशिया के कई देशों के प्रतिनिधियों की ओर समिट किये जाने वाले रिपोर्ट से भारत को भी कई तरह की जानकारी मिल सकेगी।

डॉ.सीएच स्वर्णलता

आंध्रा से ही आए बेदी शिवागोपाल ने बताया कि इस सेमिनार में महामारी पर उनके द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत किया जायेगा। उन्होंने कोरोना महामारी में कई तरह के अनुसंधान किये जो सार्थक हो रहा है।

बेदी शिवा गोपाल

संस्कृत का शब्द है अल्लाह

बोले शंकराचार्य

अल्लाह शब्द मातृ वाचक और शक्तिवाचक शब्द है

यदि साहस है तो बाइबल व कुरान पर कटाक्ष करके दिखायें

वाराणसी। पुरी के जगद्गुरु शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती ने जमीयत उलेमा-ए- हिंद प्रमुख मौलाना सैयद अरशद मदनी के बयान पर पलटवार किया है। कहा कि अल्लाह शब्द संस्कृत का शब्द है। अल्लाह शब्द मातृ वाचक और शक्तिवाचक शब्द है। ऊँ तो परमात्मा का नाम है। उक्त बातें पुरी के शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती मीडिया से बातचीत के दौरान कहीं। कहा कि धर्म पर सवाल उठाने वाले लोग संस्कृत व्याकरण का गहन अध्ययन करें। हम सबके पूर्वज सनातनी वैदिक आर्य ही थे। बागेश्वर धाम के पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का समर्थन करते हुए कहा कि वे हिंदुओं को भटकने से बचा रहे हैं। वे भगवान का नाम लेते हैं तो अच्छा कर रहे हैं। वे कभी नहीं कहा कि उन्होंने चमत्कार किया है। वे हमेशा कहते हैं कि हनुमानजी की कृपा है। राजनीति में धर्म के इस्तेमाल होने पर कहा कि दोनों एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। संस्कृत के कुछ शब्दों का जिक्र करते हुए कहा कि धर्म के बिना राजनीति हो ही नहीं सकती। रामचरित मानस से एक चौपाई हटाने की मांग पर शंकराचार्य ने कहा कि उन लोगों में साहस है तो बाइबल व कुरान पर कटाक्ष करके दिखायें। मानस पर टिप्पणी करने वाले लोग चाणक्य नीति का अध्ययन करें। शंकराचार्य काशी के दौरे पर आये हुए हैं। कहा कि मारीशस समेत पन्द्रह देश भारत के हिंदू राष्ट्र होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। कहा कि अगर मातृशक्ति का सम्मान नहीं हुआ तो विश्व में कुछ भी नहीं बचेगा। मातृशक्ति की रक्षा सनातनी परम्परा है।

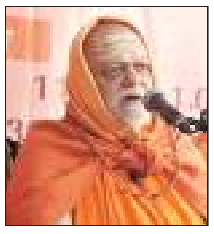

डीएम ने सीवर समस्या दूर करने के दिए निर्देश

निरीक्षण

पिछले दिनों एक बच्ची सीवर के फैले पानी में डूब गई थी

वाराणसी। जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने बुधवार को वरुणा कॉरीडोर के किनारे स्थित बस्ती हिदायत नगर का भ्रमण किया। इस दौराव वो उस स्थान पर गये जहां चार साल की बच्ची जाम सीवर के फैले पानी में डूब गयी थी। इस दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सीवर की समस्या को जल्द से जल्द दूर कराने के सख्त निर्देश दिए।

बता दें कि बस्ती हिदायत नगर की रहने वाली बच्ची एलीना परवीन बीते 18 फरवरी को वरुणा कारीडोर के बगल में जाम हुए सीवर के फैले पानी में डूब गयी थी। जिसकी 20 तारीख को गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखवाई गई। जिसको संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग, जल संस्थान, गंगा प्रदूषण, बंधी प्रखंड व अन्य संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलवाया और फैले हुए सीवर के पानी की समस्या का कारण जाना। साथ ही महाप्रबंधक जलकल से सीवर लाइन के प्रोजेक्ट की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने जाम एवं क्षतिग्रस्त सीवर के साथ-साथ सभी सीवर लाइनों को गंगा प्रदूषण के विशेषज्ञ के सहयोग से मरम्मत कराने के लिए विस्तृत परियोजना का इस्टीमेट तैयार कराने के लिए जलकल के अधिकारी को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने निगम के अधिकारी को घटना स्थल के आसपास की बस्ती में फैली गंदगी की सफाई कराने का निर्देश दिया। भ्रमण के दौरान एडीएम सिटी, एसडीएम सदर, तहसीलदार सदर सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली जा रहे तीन विमान वाराणसी डायवर्ट

बाबतपुर। वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कोलकाता से दिल्ली जाने वाले तीन विमान डायवर्ट हो कर पहुचे। जानकारी के अनुसार कोलकाता हवाई अड्डे से अपने निर्धारित समय से उड़ान भरकर एयरइंडिया, इंडिगो और विस्तार एयरलाइंस के विमान बुद्धवार को दिल्ली जा रहा था। दिल्ली में खराब मौसम की वजह से दृश्यता काफी कम हो गयी ऐसे में तीनो विमान को दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने की इजाजत नहीं दी गई। काफी देर तक हवा में चक्कर लगाने के बाद तीनों विमानों को बारी बारी से वाराणसी के लिए डायवर्ट कर दिया गया।एयरइंडिया एआई 763 सुबह 9:09 बजे उतरा और 10:39 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरा विमान में 116 यात्री सवार थे। इंडिगो 6ई 6324 सुबह 9:21 बजे पहुचा विमान में 162 यात्री सवार थे वाराणसी से यह विमान सुबह 10 :45 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरा। वही 151 यात्रियों को लेकर विस्तारा एयलाइंस संख्या यूके720 सुबह 9:26 बजे उतरा और 10 :33 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरा। निदेशक अर्यमा सान्याल ने बताया कि दिल्ली में मौसम खराब हो जाने की वजह से दृश्यता काफी कम हो गयी इस वजह से कोलकाता से दिल्ली जाने वाले तीन विमान डायवर्ट हो कर वाराणसी पहुचे। कुछ देर बाद दिल्ली में मौसम साफ हो जाने के बाद तीनों विमान वाराणसी से दिल्ली के लिए उड़ान भरे।

यात्री लगेज ट्रॉली पर सख्त हुईं निदेशक

बाबतपुर। वाराणसी के लालबहादुर शास्त्री अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्री लगेज ट्राली का दुरूपयोग किया जा रहा है। यहाँ चल रहे निर्माण कार्य मे गिट्टी बालू और सीमेंट को एक जगह से दूसरे जगह ले जाने के लिए बकायदे यात्री लगेज ट्राली का उपयोग किया जा रहा है। जबकि यह ट्राली विमान यात्रियों के लगेज बैगेज को ले जाने और यात्रियों को सुविधा के लिए हवाई अड्डे पर रखा गया है। ट्राली पर ठेकेदार के कर्मियों द्वारा गिट्टी बालू सीमेंट ढुलाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर हवाई अड्डा प्रशासन सकते में आया और उचित कार्यवाही करने के बाद सम्बन्धित ढेकेदार को सख्त हिदायत भी दिया गया है। निदेशक अर्यमा सान्याल ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से ट्राली पर गिट्टी बालू सीमेंट ढुलाई का मामला प्रकाश में आया जिसके बात उचित कार्यवाही करते हुए ठेकेदार द्वारा माफी नामा लिखवाया गया है।

संक्षेप

गैरहाजिर दो स्टाफ का वेतन रोका

वाराणसी। सीडीओ हिमांशु नागपाल ने बुधवार को विकास भवन स्थित जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय का औचक मुआयना किया। उस दौरान गैरहाजिर तीन कर्मचारियों में से एक पहुंच गईं। उसे सख्त चेतावनी मिली। जबकि दो अन्य का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिये गये। श्री नागपाल ने आलमारियों में इंडेक्स बनाए बगैर बेतरतीब ढंग से रखे पत्रावलियां देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। मुख्य विकास अधिकारी ने सफाईकर्मियों के लंबित एसीपी तत्काल लगाने और उनके वेतन ब्लॉक से से पेरोल मिलने के बाद ही जारी करने को कहा। उन्होंने अन्य कई निर्देश भी दिये।

छोटी खजुरी में दो दिनी चित्र प्रदर्शनी आज से

वाराणसी। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 'आठ साल सेवा, सुशासन गरीब कल्याण' विषय पर केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से दो दिनी चित्र प्रदर्शनी लगेगी। 23 व 24 फरवरी को यह आयोजन मिर्जामुराद क्षेत्र के छोटी खजुरी स्थित एक महाविद्यालय में आमलोगों के लिए होगा। प्रदर्शनी स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, गोष्ठी, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और ग्रुप डिस्कशन के कार्यक्रम होंगे। उस दौरान केंद्र सरकार की लोक कल्याणकारी योजना के लाभार्थियों की प्रतिक्रिया भी ली जाएगी। क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी डॉ. लालजी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदर्शनी के किये जा रहे प्रचार-प्रसार के तहत बुधवार को एसडीएम राजातालाब गिरीश कुमार ने तहसील परिसर से जनचेतना रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

बीएचयू के विद्यालयों में एडमिशन प्रक्रिया 25 से

वाराणसी। बीएचयू के विभिन्न विद्यालयों में प्रवेश की प्रक्रिया 25 फरवरी को आरंभ होगी। इसके तहत कमच्छा स्थित सीएचएस (ब्वॉयज), सीएचएस (गर्ल्स) एवं श्रीरणवीर संस्कृत विद्यालय समेत बरकछा स्थित दक्षिणी परिसर के सेंट्रल हिन्दू स्कूल की विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश के लिए फॉर्म वितरण आगामी शनिवार से शुरू होगा। प्रवेश प्रक्रिया में एलकेजी, नर्सरी, कक्षा-1 और कक्षा-6 में ई-लॉटरी के माध्यम से एडमिशन होगा। जबकि कक्षा-7, 8, 9 तथा 11 में प्रवेश प्रक्रिया के जरिये एडमिशन मिलेगा। फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 30 मार्च और प्रवेश फार्म में संशोधन 31 मार्च से चार अप्रैल तक किया जा सकेगा। एडमिशन संबंधी विस्तृत जानकारी बीएचयू के एडमिशन पोर्टल "डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.बीएचयूऑनलाइन.इन" पर उपलब्ध होगी।

कृषि विज्ञान संस्थान में 'सृष्टि-23' का आगाज

वाराणसी। बीएचयू के कृषि विज्ञान संस्थान में बुधवार को तीन दिनी रंगारंग कार्यक्रम 'सृष्टि-23' आरंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए छात्र सलाहकार प्रो. पीके सिंह ने कहा कि बीते दो साल तक यह आयोजन ऑनलाइन किया जा रहा था। संस्थान निदेशक प्रो. यशवंत सिंह ने प्रतिभागियों के उत्साह को सराहा। आयोजन में छात्र अधिष्ठाता प्रो. पी. नेमा, प्रो. रमेश कुमार सिंह की प्रमुख उपस्थिति रही। छात्र रिषु कुमार ने तीन दिवसीय आयोजन के बारे में बताया। सृष्टि मिश्रा के संचालन में अनुश्रुया मुखर्जी ने आभार व्यक्त किया।

61 जोड़ों का कराया गया विवाह

वाराणसी। नगर आयुक्त प्रणय सिंह के निर्देश पर बुधवार को नगर निगम द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत आदमपुर जोन के जोनल अधिकारी राजेश अग्रवाल द्वारा 35, वरुणापार के जोनल प्रतिमा सिंह के द्वारा 17 और भेलूपुर जोन के अधिकारी अनंद प्रकाश द्वारा 9 कुल 61 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। जिसमें 39 मुस्लिम जोड़ों की शादी मुस्लिम रीति रिवाज व हिंदू जोड़ों की शादी हिंदू रिति रिवाज से नगर के मकबूल आलम रोड डीआईजी कॉलोनी स्थित लॉन में भव्य तरीके से कराई गई, जहां मौके पर उपस्थित रहे पूर्व पार्षद व अन्य लोगों ने वर वधु को आशीर्वाद दिया, नोडल अधिकारी अपर नगर आयुक्त सुमित ने बताया कि अब तक 100 शादियां नगर निगम द्वारा कराई जा चुकी है।

युवा महोत्सव 'आकांक्षा' में दिखीं प्रतिभाएं

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विज्ञान संस्थान के वार्षिक युवा महोत्सव 'आकांक्षा' का दो दिनी ग्रैंड फिनाले का आगाज स्वतंत्रता भवन सभागार में हुआ। कुलगुरु प्रो. विजय कुमार शुक्ल के मुख्य आतिथ्य में संस्थान निदेशक प्रो. अनिल कुमार त्रिपाठी, संकाय प्रमुख प्रो. मधुलिका अग्रवाल एवं छात्र सलाहकार डॉ. अमिय कुमार सामल देखरेख में यह आयोजन है। इस अवसर पर प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने अपनी-अपनी प्रतिभा के कई रंग बिखेरे। अदरिजा एवं अनुष्मिता ने कथक नृत्य पेश किया। शिव प्रताप की मिमिक्री, जागृति और अक्षय का माइम, अभिषेक, सक्षम और अंकित के गीतों से प्रशंसा बटोरी। जी-20 थीम पर रंगोली प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रहा। किन्नर अविवेकी पर आधारित स्किट 'सार्थक संचरना' ने सबका ध्यान खींचा।

हार्ट अटैक में सीपीआर बन सकता है वरदान

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में नेहरू युवा केन्द्र, वाराणसी युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 14वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में बुधवार को हार्ट अटैक होने पर (विशेष परिस्थिति में) पीड़ित के जीवन की रक्षा विषय पर प्रशिक्षण सत्र में लोगों को इसकी उपायोगिता बतायी गयी। कार्यक्रम में आए लगभग छह प्रदेश के 10 जिलो से 250 युवक एवं युवतियों को इस बात की जानकारी देते हुए राजकीय चिकित्सा अधिकारी डा. शिवशंकर प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि हार्ट अटैक वर्तमान समय में तेजी से बढ़ता डिजिज है। हार्ट अटैक आने पर बरती जाने वाली सावधानियों और सीपीआर की बारीकियों से सभी युवाओं को उन्होंने अवगत कराया। बताया कि कोरोना के बाद कार्डियक अरेस्ट के मामलों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। आजकल जॉगिंग और डांस करते समय भी लोगों को दिल का दौरा पड़ रहा है। ऐसी घटनाओं में देश के विभिन्न हिस्सों में कई लोगों की जान भी जा चुकी है। ऐसे समय में सीपीआर देने की जानकारी अधिक से अधिक लोगों को होनी चाहिए। सीपीआर एक मेडिकल थेरेपी की तरह है। इससे हार्ट अटैक आने पर मरीज को सीपीआर देते हुए अस्पताल पहुंचाया जाता है।

क्या होता है सीपीआरः कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) एक आपातकालीन प्रक्रिया है जो किसी व्यक्ति की सांस या दिल के रुकने पर उसकी जान बचाने में मदद कर सकती है। जब किसी व्यक्ति का दिल धड़कना बंद कर देता है, तो उसे कार्डियक अरेस्ट कहते हैं। कार्डिएक अरेस्ट के दौरान हृदय, मस्तिष्क और फेफड़ों सहित शरीर के बाकी हिस्सों में रक्त पंप नहीं कर सकता है।

शोधार्थी की तार्किक क्षमता शोध से होती है विकसित

बोले प्रो. त्यागी

काशी विद्यापीठ में कुलपति ने किया प्री-पीएचडी कोर्स वर्क का उद्घाटन

वाराणसी। काशी विद्यापीठ में बुधवार को प्री पीएचडी कोर्स वर्क का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी, मुख्य वक्ता प्रो. महेश विक्रम सिंह, संकायाध्यक्ष प्रो. अनुराग कुमार एवं इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जया कुमारी आर्यन उपस्थित रहीं। विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. आर्यन ने मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता का स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। कुलपति ने कहा कि शोध कार्य व्यक्ति की तार्किक क्षमता को विकसित करता है। इसके साथ ही उन्होंने शोध निर्देशक एवं शोध छात्र के बीच के संबंधों की भी चर्चा की।

मुख्य वक्ता प्रो. महेश विक्रम सिंह ने अपने वक्तव्य में बताया कि शोध कार्य में स्त्रोतों का क्या महत्व है। ईश्वर के बाद यदि कोई संसार की प्रकृति को देखता है तो वह इतिहासकार होता है। उन्होंने बताया कि शोध सत्य की खोज का दीपक है।

मनविकी संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. अनुराग कुमार ने बताया कि अनुसंधान एक तरह की खोज है। साहित्य और दर्शन भी अनुसंधान है अनुसंधान एक चिंतक बनाता है। उन्होंने शोध के वस्तुनिष्ठता एवं विषयनिष्ठता पर भी बात की। बताया कि इतिहास मौखिक इतिहास की तरफ बढ़ रहा है। इतिहास साहस व समर्पण का विषय है।

प्रो. कुमार ने बताया कि शोध कार्य में एक इतिहासकार को अपने विचारों को नहीं थोपना चाहिए, तभी हम एक निष्पक्ष इतिहास लिख सकते हैं। कार्यक्रम में चीफ प्रॉक्टर प्रो. अमिता सिंह भी उपस्थित रहीं।

संचालन डॉ. अंजना वर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. रविंद्र कुमार गौतम ने किया। कार्यक्रम में प्रो. योगेंद्र सिंह, प्रो. आनंद शंकर चौधरी ,डॉ. शैलेश कुमार, डॉ. वीरेंद्र कुमार, डॉ. सुधीर सिंह, डॉ. मनोज सिंह, डॉ. प्रिया श्रीवास्तव, डॉ. अनिरुद्ध तिवारी, डॉ. अंजू सिंह एवं डॉ. अर्चना गोस्वामी आदि उपस्थित रहे।

अतिक्रमण हटवा कर वसूला जुर्माना और गृहकर

वाराणसी। नगर निगम प्रवर्तन दल ने बुधवार को चेतगंज पुलिस के सहयोग से लहूराबीर से दालमंडी चौराहे तक सघन अतिक्रमण अभियान चलाया। अभियान में दुकानदारों द्वारा किए गए तमाम स्थाई व अस्थाई अतिक्रमण हटवा कर पूरे इलाके की सड़क और पटरी खाली कराई गई। अभियान के दौरान अत्याधिक अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों का कुछ अतिक्रमित सामान जब्त कर जुमार्ना किया गया। जिसमें कुल 21,400 जुर्माना वसूला गया। वहीं जोनल अधिकारी दसाश्वमेध जोन संजय तिवारी के निर्देशन में कबीर मठ इलाके में गृह कर बकायेदारों के खिलाफ अभियान चलाते हुए 50,843 रुपये गृहकर वसूल किया गया। जबकि जोनल अधिकारी आदमपुर जोन राजेश अगरवाल के निर्देशन में कर निरीक्षक दिलशाद के साथ मिलकर पिली कोठी और प्रहदघाट क्षेत्रों में गृहकर बकायेदारों के खिलाफ अभियान चलाते हुए 30,000 रुपये गृहकर वसूल किया गया।

पिछड़ा वर्ग आयोग की बैठक आज

वाराणसी। उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के द्वारा 23 फरवरी गुरुवार को सर्किट हाऊस के प्रथम तल के सभागार में मंडल स्तर पर की जाने वाली सभा गोष्ठी (बैठक) का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आरक्षण का परीक्षण किया जाएगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति राम औतार सिंह और सदस्य बृजेश कुमार गुरुवार को जनपद आ रहे हैं।

नगर निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग के राजनैतिक प्रतिनिधित्व के संबंध में अनुभवजन्य साक्ष्य एकत्रित किया जाना है। इसके लिए आयोग के द्वारा यह निर्णय किया गया है कि उत्तर प्रदेश के सभी जिलों से नगर निकायों के जनप्रतिनिधि जैसे मेयर, उप मेयर, पूर्व मेयर, पूर्व उप मेयर, नगर पालिका अध्यक्ष, नपा उपाध्यक्ष, पूर्व नपं अध्यक्ष, पूर्व नपं उपाध्यक्ष, नपं अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पूर्व नपं सदस्य व कुछ जातिय संगठनों, संस्थाओं, पक्ष व विपक्ष के प्रतिनिधियों का मत राजनैतिक आरक्षण के संबंध में जाना जाय। प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय डीएम ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि 23 फरवरी गुरुवार को सर्किट हाऊस प्रथम तल, सभागार में दोपहर तीन बजे से उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के द्वारा मंडल स्तर पर की जाने वाली सभा गोष्ठी (बैठक) में भी ऐसे व्यक्ति अपना लिखित अभिमत व विचार आयोग को स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। बताया कि अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व के संबंध में अनुभाविक जांच व अध्ययन के साथ निकायवार व अनुपातिक आरक्षण के बाबत समकालीन आख्या के लिए यदि किसी व्यक्ति, संस्था, पार्टी को अपना पक्ष प्रस्तुत करना है, तो वह लिखित या मौखिक आकलन आयोग के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है, जिससे वास्तविक निष्कर्ष तक पहुंचा जा सके।

जापानी दल ने सीखीं शास्त्रीय संगीत की बारीकियां

वाराणसी। भारत और जापान के मैत्री संबंध पर आधारित एक सांगीतिक गोष्ठी भेलूपुर स्थित शिल्पायन के कालविंट सभागार में बुधवार को संपन्न हुई। इस गोष्ठी में जापान से आये 12 सदस्यीय दल ने भागीदारी की। जापान से आए हुए दल ने काशी में प्रख्यात गायक पं. देवाशीष डे एवं गायिका डा. रागिनी सरना से भारतीय शास्त्रीय संगीत की बारीकियां सीखी।

काशी में पांच दिनों तक रह कर यह जापानी दल भारतीय शास्त्रीय संगीत की बारीकियों की और भी जानकारी लेगा। इस दौरान जापानी दल ने भारतीय शास्त्रीय संगीत के बारे में कई सवाल भी पूछे जिसका पं देवाशीष दे एवं डॉ रागिनी सरना ने समुचित उत्तर देकर उन्हें संतुष्ट किया। इस प्रकार भारतीय संस्कृति काशी के वैभवपूर्ण संगीत परंपरा से जापान के दल का बखूबी परिचय हुआ। जापानी दल का पिछले दिनों अस्सी घाट स्थित सुबह-ए-बनारस के मंच पर गायन भी हुआ।

आयोजन

भारत-जापान के मैत्री संबंध पर हुई संगोष्ठी

पं. देवाशीष डे ने बताया कि अब उनका 24,25 व 26 फरवरी को भारत-जापान के मैत्री संबंध को लेकर फिर संगोष्ठी होगी। इसमें 24 फरवरी को शिल्पायन में कार्यक्रम आयोजित है। जापानी दल में दो पुरुषों के अलावा शेष महिलाएं शामिल हैं जो भारतीय शास्त्रीय संगीत को जानने के लिए उत्सुक हैं। दल ने शास्त्रीय गायन में राग दुर्गा, वैरागी भैरव, भीम पलासी व राग यमन के बारे में जानकारी ली।

सीएम व न्यायालय के हवाले का सौंपा पत्रक

मांगा न्याय

प्राइवेट बस संचालक कल्याण समिति के लोगों ने एआरटीओ प्रशासन से की मुलाकात

वाराणसी। प्राइवेट बस संचालक कल्याण समिति केलोगों ने एआरटीओ प्रशासन सर्वेश चतुर्वेदी से मुलाकार कर चौकाघाट से बस स्टैंड को हटाये जाने के संदर्भ में एक पत्रक सौंपा।

समिति के अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में समिति के पदाधिकारियों ने पत्रक सौंपते हुए कहा कि 1983 से इस इस मार्ग पर गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। इसके लिए बकायदा सभी बसों का टैक्स भी दिया जाता है, परिवहन विभाग की ओर से बस संचालन के जो भी मानक बनाये गये है उसका पूरी तरह से पालन भी किया जाता है, बावजूद इसके विभाग की ओर से इस मार्ग की बसों के साथ सौतेला व्यवहार किया जाना न्यायोचित नहीं है। पत्रक में इस बात का भी हवाला दिया गया कि मुख्यमंत्री व न्यायालय ने इस मार्ग की बसों के लिए साफ तौर पर प्रावधान किया है।

एआरटीओ प्रशासन को पत्रक सौंपते अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह

बताया कि जिस डग्गामार व अवैध बसों को प्रदेश सरकार की ओर खदेड़ने की बात की जा रही है उसमें इस मार्ग की बसें शामिल नहीं हैं। पत्रक को लेते हुए एआरटीओ प्रशासन सर्वेश चतुर्वेदी ने आश्वासन दिया कि जो भी न्यायोचित होगा उसी तरह से कार्य किया जायेगा।

चोरी के मोबाइल संग एक गिरफ्तार

वाराणसी। कैंट जीआरपी की ओर से चोरी के मोबाइल के साथ एक को गिरफ्तार किया गया। इंस्पेक्टर हेमंत सिंह ने बताया कि जांच के दौरान मिली सूचना के आधार पर एक युवक को गिरफ्तार किया गया उसके पास से एक चोरी का मोबाइल बरामद किया गया उसकी पहचान दिनेश साहनी(20) पुत्र श्याम सुन्दर साहनी निवासी सराय मोहना के रुप में की गयी।

बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि 10 मार्च तक

वाराणसी। उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2023 का अयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 10 फरवरी से शुरू कर दी गई है। जो आने वाले माह में 10 मार्च तक निर्धारित है। काशी विद्यापीठ एवं समस्त महाविद्यालयों व संस्थाओं में अध्ययनरत स्नातक अंतिम वर्ष और सेमेस्टर के इच्छुक विद्यार्थी संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।

सीडीओ ने कंपोजिट विद्यालय का किया निरीक्षण

वाराणसी। मुख्य विकास अधिकारी (वीडीओ) हिमांशु नागपाल द्वारा अर्दली बाजार स्थित कंपोजिट विद्यालय में आयोजित प्रदर्शनी का बुधवार को निरीक्षण किया गया। इस दौरान डेनमार्क से आई कलाकार इंगर ने बच्चों को कागज की मोतियों से माला बनाना सिखाया। इन मोतियों में बच्चों ने अपनी आकांक्षाओं के बारे में लिखा के वो बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं। कार्यशाला का उद्देश्य यही था कि बच्चे अपने जीवन को बेहतर बनाने के मूल्यों को सीख और समझ सकें।

संक्षेप

अनियमित दिनचर्या बढ़ा रहा हाइपरटेंशन

वाराणसी। चौकाघाट स्थित राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय व चिकित्सालय की ओर से सम्पूर्णानंद विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय सेमिनार के अंतिम दिन बुधवार को आयुर्वेद के काय चिकित्सा के डॉ.अजय की ओर से हाइपर टेंशन पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में युवाओं में हाइरपटेशन तेजी से बढ़ता एक रोग है जो अनियमित दिनचर्या के कारण पनप रहा है। बताया कि कार्यशैली में बदलाव के चलते व करियर की भागदौड़ जीवन ने इस रोग को बढ़ावा दिया है। हाइरपटेंशन के लिए दवा कम योग पर ज्यादा निर्भर रहना चाहिए। बताया कि भारत की बड़ी आबादी इससे ग्रसित हो रही है। अपने दिनचर्या को संयमित रखिये और निरोग रहिए, डॉ.पियूष जुनेजा व डॉ.अजय कुमार ने अंतिम दिन के सेमिनार का शुभारम्भ किया। पूरे देश भर के लगभग एक हजार आयुर्वेद छात्र व चिकित्सक इस सेमिनार में हिस्सा लिया। इस दौरान डॉ.अजय को वाकिंग विकिपीडिया अवार्ड से सम्मानित भी किया गया।

वार्षिकोत्सव में बच्चों ने मचाया धमाल

चौबेपुर। प्रदेश सरकार के निर्देश पर बुधवार को ग्राम पंचायत शाहपुर के प्राथमिक विद्यालय पर बुधवार को वार्षिकोत्सव मनाया गया। जिसमें नौनिहालों ने जमकर धमाल मचाया। मुख्य अतिथि बतौर जिला महामंत्री भाजपा किसान मोर्चा पवन चौबे ने विद्यालय की हेड मास्टर प्रेमा यादव के साथ दीप प्रज्वलित कर सरस्वती मां की वंदना की, उसके बाद वहां मौजूद ग्राम पंचायत के सर्वश्रेष्ठ अभिभावकों को सम्मानित किया। साथ ही अपने कक्षा में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कार बांटा। मुख्य अतिथि ने कहा कि हमारी सरकार ने यह ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए प्रदेश भर के सभी विद्यालयों को वार्षिकोत्सव मनाने एवं नन्हे-मुन्ने बच्चों के प्रतिभा को निखारने का जो अवसर दिया है इससे बच्चों का भविष्य सुनहरा होगा। वार्षिकोत्सव समारोह में में नौनिहालों ने बसंत आगमन, फाल्गुन गीत और लघु नाट्य के जरिए समाज की बुराईयों पर दहेज प्रथा व नशाखोरी पर जमकर हमला किया। इस अवसर पर रविंद्र यादव, ज्योति भूषण त्रिपाठी, प्रेमा देवी, किरण राय, श्रवण राजभर, परमानंद गिरि, रीता सिंह, स्नेह लता, अर्चना ओझा, अमृता पांडे, चंद्रभान सहित समस्त ग्रामीण उपस्थित रहे।

चौड़ीकरण कार्य में सड़क किनारे छोड़ दिए गड्ढे, रोष

मोहनसराय। लहरतारा मार्ग सड़क चौड़ीकरण में सड़कों के किनारे गड्ढे खोद कर छोड़ जाने से स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने कई जगहों पर ऐसे गड्ढे खोदकर छोड़ दिए हैं जिससे स्थानीय ठेले खोमचे वाले व्यापारी काफी दुखी हैं, वहीं दूसरी ओर खुदाई के कारण सड़कों पर जमे धूल पर से जब भारी वाहनों का आवागमन होता है तो बहुत ही अधिक मात्रा में धूल उड़ती है जो आंखों के साथ-साथ हमारे स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचा रही है, लोगों ने बताया कि जब सड़क पर चल रहे होते हैं तो बगल से गुजरने वाले वाहनों के हॉर्न से गड्ढे में उतरना पड़ता है, जिससे दोपहिया वाहनों का भी बैलेंस बिगड़ जाता है। इससे दुर्घटना का भी खतरा बना हुआ है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ एनएसएस शिविर खत्म

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का बुधवार को समापन हुआ। जिसमें प्रोग्राम ऑफिसर प्रो. नंदिनी सिंह, डॉ. नीरज धनकड व डॉ. अनीता की स्वयंसेविकाओं ने योगाभ्यास के बाद अपने-अपने क्षेत्रों, सामने घाट, भगवानपुर, छित्तूपुर में जाकर क्षेत्रवासियों को सरकारी योजनाओं को जानकारी दी। जिसके बाद पुनः अपने शिविर स्थल, गायत्री शक्तिपीठ नगवां में शिविर के अंतिम दिन के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. निशा सिंह और विशिष्ट अतिथि गायत्री शक्ति पीठ के रमाकांत त्रिपाठी रहे। संचालन स्वयंसेविका पूजा ने किया, अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीरज धनकड़ ने किया। छात्राओं ने शिव तांडव पर नृत्य प्रस्तुत किया, देश भक्ति गीत, स्वरचित कविताएं आदि के माध्यम से विगत दिनों में सीखें समस्त कार्यक्रमों को सांस्कृतिक रूप में प्रस्तुत किया। जिसमें स्वयंसेविका सजल, हर्षिता, मुस्कान, वर्तिका सिंह, सोनाली, कीर्ति, शाहीन, साक्षी, प्रिया, नेहा कुमारी, अनुष्का वर्मा, श्रेया सिंह, अंजलि विश्वकर्मा, अनन्या, सृष्टि चौरसिया, ज्योति वर्मा, नेहा भारती, शिल्पी कुमारी इत्यादि ने अपनी मोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

दवा व्यापारियों ने रक्तदान-महादान का दिया संदेश

वाराणसी। विगत आठ सालों से रक्तदान कर रहे सप्तसागर के दवा व्यापारियों ने इस वर्ष भी इस महादान के संदेश को प्रसारित करते हुए बुधवार को 103 यूनिट ब्लड डोनेट किया। सप्तसागर मंडी में ही शिवप्रसाद गुप्त मंडलीय अस्पताल के ब्लड बैंक के चिकित्सकों की देखरेख में सभी ने ब्लड डोनेट किया। सामाजिक संस्था श्रद्धा एक प्रयास के बैनर तले दवा व्यापारियों की ओर से बीते आठ वर्षो से यह कार्यक्रम आयोजित हैं। विनोद कुमान ने बताया कि अब तक आठ सौ यूनिट ब्लड डोनेट किया जा चुका है। सभी ब्लड शिवप्राद गुप्त मंडलीय अस्पताल के ब्लड बैंक को ही डोनेट किया जाता है। बताया कि यह भ्झी एक महादान की श्रेणी में आता है। हमारे प्रयास के चलते लोगों की जिन्दगी बच सकती है। कार्यक्रम में रवि गुप्ता, संजीव गोयल, दिनेश कुमार, प्रशांत जायसवाल, अशोक सिंह, अतुल जैन, मनीष, अनूप जायसवाल, कौस्तुभ जैन, प्रदीप आदि ने सहयोग किया।

भारतीय संस्कृति का है सकारात्मक संदेश

वाराणसी। प्रो. कृष्णकांत शर्मा ने कहा है कि चाहे वैदिक संस्कृति हो या श्रमण, दोनों में मैत्री, करुणा, मुदिता और उपेक्षा जैसे ब्रह्म विहारों की महत्ता पर प्रकाश डाला गया है। अपने प्राणों की परवाह किए बिना भी पर प्राण की रक्षा करने का संदेश भारतीय संस्कृति ने दिया है। बीएचयू के संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय में बुधवार को 'वैश्विक संस्कृति के विकास में श्रमण परंपरा का योगदान' विषयक एकदिनी राष्ट्रीय संगोष्ठी में वह मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे। इस मौके पर विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार जैन ने कहा कि श्रमण संस्कृति ने विश्व को समता और समन्वय संग रहने का संदेश दिया है। मुख्य वक्ता प्रो. विजय शंकर शुक्ल काशी को आनंद-कानन कहते हुए विदेशी भूमि पर बौद्ध दर्शन प्रचारित करने वालों को सराहा। प्रो. कमलेश कुमार जैन ने जैन दर्शन की अहिंसा मूलक संस्कृति को विश्व शांति में प्रमुख भूमिका निभाने वाली बताया। आयोजन में प्रो. विमलेंद्र कुमार, प्रो. कमलेश कुमार जैन, प्रो. प्रद्युम्न शाह सिंह, डॉ. आनंद कुमार जैन, डा. ज्ञानदास आदि ने भी विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर डॉ. अर्चना शर्मा एवं डॉ. अर्पिता चटर्जी द्वारा संपादित 'श्रमण परंपरा के विविध आयाम' पुस्तक का लोकार्पण किया गया।

प्रतीक मूंदड़ा अध्यक्ष, हरिओम माहेश्वरी मंत्री

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। माहेश्वरी क्लब वाराणसी के बैनर तले महमूरगंज स्थित माहेश्वरी भवन में संस्था का 45 वां पद ग्रहण समारोह धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम भगवान महेश के चित्र पर श्री राम चितलांगिया भारती करवा गोविंद बजाज इंदु चांडक ने माल्यार्पण कर प्रारंभ किया! पद ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि डॉ डी वासुदेवन मुख्य महाप्रबंधक वाराणसी स्मार्ट सिटी एवं विशिष्ट अतिथि समाज के राष्ट्रीय पदाधिकारी अजय काबरा ने संयुक्त रूप से नई टीम को शपथ दिलाई पदग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित वर्ष 2023 के पदाधिकारी इस प्रकार रहे।

प्रतीक मूंदड़ा- अध्यक्ष, कमल राठी- उपाध्यक्ष, अनुराग सोनी- मंत्री, हरिओम माहेश्वरी- कोषाध्यक्ष, लोकेश मूंदड़ा- उपमंत्री, सागर दम्मानी व वत्सल दुजारी- सांस्कृतिक मंत्री, क्षितिज र७ाठी- प्रचार मंत्री व सुशील राठी-क्रीड़ा मंत्री को शपथ दिलायी गई। इस मौके पर गौरव राठी दीपक सारडा सहित 10 सदस्यों की संस्था से विदाई की स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्रम

भेंट किया गया। समारोह में मुख्य रूप से सर्वश्री मांगीलाल सारडा किशोर मूंदड़ा निशांत नेवर वरुण ज मूंदड़ा सविता राठी बालकिशन आसावा नीलेश चांडक अमित मूंदड़ा अमितांशु मंत्री अनुपम मारू अंकित चिराग दुजारी वैभव राठी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

काशी में स्थापित होगा मेहंदीपुर दरबार

वाराणसी। राजस्थान के मेहंदीपुर बालाजी दरबार का प्रमुख देवों का दर्शन अब काशी में भी होगा। इसके लिये दुर्गाकुंड स्थित धर्मसंघ परिसर में मंदिर का निर्माण पूर्ण हो चुका है। शुक्रवार 24 फरवरी को मेहंदीपुर बाला जी के मूल विग्रह के पाषाण कृति की प्राण प्रतिष्ठा होगी। धर्मसंघ के सचिव जगजीतन पाण्डेय ने बताया धर्मसम्राट स्वामी करपात्री जी महाराज द्वारा स्थापित धर्मसंघ शिक्षा मण्डल में बने मणिमंदिर में श्री रामदरबार, 151 नर्वदेश्वर लिंग के साथ स्फटिक के द्वादश ज्योर्तिलिग स्वरूप स्थापित है। इसी क्रम में परिसर में ही मेहंदीपुर बाला जी दरबार का एक अन्य देवालय बनाया गया है। जिसमें मेहंदीपुर बालाजी हनुमान के साथ श्री भैरवबाबा व प्रेतराज सरकार के मूल विग्रह के पाषाण कृतियों को स्थापित किया जायगा। इसके लिये तीनों विग्रहों का शुक्रवार को वैदिक रीति से प्राण प्रतिष्ठित किया जाएगा। जगजीतन पांडेय ने बताया विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के बाद बालाजी दरबार से जुड़े आचार्य महेशचन्द्र मिश्र रविवार को दोपहर सवामनी का भोग लगा कर 12 से 3 बजे तक दरबार भी लगायेंगे।

निर्विरोध चुने जाएंगे 32 ग्रापं सदस्य

उपचुनाव

जाल्हूपुर के ग्राम प्रधान पद के लिए तीन प्रत्याशियों के बीच होगी टक्कर, बड़ागांव ब्लॉक में सदस्य सीट के लिए भी होगी वोटिंग

वाराणसी। जनपद में ग्राम प्रधान पद के एक और ग्राम पंचायत सदस्य पद के खाली पदों के लिए हो रहे उपचुनाव के तहत बुधवार को नाम वापसी और प्रतीक चिह्न वितरण किया गया। इनमें चिरईगांव के जाल्हूपुर में ग्राम प्रधान पद के लिए तीन प्रत्याशी उतरेंगे और ग्राम पंचायत सदस्य की रिक्त सीटों के तहत सिर्फ बड़ागांव के वार्ड-11 के लिए मतदान होगा। अन्य ब्लॉकों में खाली ग्राम पंचायत सदस्य पद की खाली सीटों के अंतर्गत 32 दावेदार निर्विरोध चुने जाएंगे। वोटिंग दो मार्च को और काउंटिंग चार को होगी।

जिले में ग्राम प्रधान पद के एक और ग्राम पंचायत सदस्य पद के कुल 105 सीटों के लिए यह बाई इलेक्शन है। लेकिन ग्राम प्रधान पद जाल्हूपुर सीट को छोड़ दें तो कुल मिलाकर मात्र 40 पर्चे ही दाखिल हुए थे। बीते मंगलवार को नामांकन-पत्रों की जांच में दो पर्चे खारिज कर दिये गये। वहीं, 32 सीटों पर सिर्फ एक-एक दावेदार होने और उनके पर्चे सही पाए जाने के चलते उनका निर्विरोध चुना जाना तय है। चिरईगांव प्रतिनिधि के अनुसार स्थानीय विकास खंड के जाल्हूपुर में ग्राम प्रधान पद के लिए खड़े चार उम्मीदवारों में से एक शकुंतला ने पर्चा वापस ले लिया।

इस इस सीट पर प्रत्याशी शिवपूजन, सोनू और हरिश्चंद्र के बीच टक्कर होगी। निर्वाचन अधिकारी दिनेश कुमार सिंह ने उन्हें सिंबल वितरित किये। दूसरी ओर, ग्राम पंचायत सदस्य पद के रिक्त रह गये पदों के तहत ब्लॉकवार चिरईगांव में सभी 26, पिंडरा में 13, हरहुआ में सात, आराजी लाइन में एक और काशी विद्यापीठ विकास खंड में 21 पद रिक्त रह जाएंगे।

कार्यालय नगर पंचायत चोपन - सोनभद्र

पत्रांकः 272/न0पं0चो02022-23 दिनांकः 21.02.2023

ई-टेण्डरिंग सूचना

नगर पंचायत चोपन, सोनभद्र में समस्त इच्छुक व्यक्ति/ठेकेदारों/फर्मो को सूचित किया जाता है कि मुख्यमंत्री नगर सृजन योजनान्तर्गत सीमा विस्तारीत क्षेत्र में कराये जाने वाले कार्य के लिए कार्य दिनांक 23.02.2023 को सायं 5.00 बजे से वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा की समस्त अभिलेख एवं शर्तें वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 23.02.2023 से दिनांक 16.03.2023 को सायं 5.00 बजे तक उपलब्ध रहेगी तथा टेक्निकल दिनांक 17.03.2023 को दोपहर 12.00 बजे से ई-निविदा खोली जायेगी। निविदा के साथ अनुमानित धनराशि पर धरोहर धनराशि 02 प्रतिशत ई-टेण्डर डालते समय व 08 प्रतिशत टेण्डर स्वीकृत होने के पश्चात एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0 जो अधिशासी अधिकारी के पक्ष में बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य होगा। एवं निविदा मूल्य (कार्य के समक्ष लिखित मूल्य का बैंक ड्राफ्ट या नगर पंचायत चोपन, सोनभद्र यूको बैंक के खाता सं0-06510200041134, IFSC Code-UCBA0000651 नगर पंचायत चोपन के नाम से जमा किया जाए, किसी एक या सम्पूर्ण निविदा की स्वीकृति/अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी निहित होगा, कार्य के विवरण को कार्यालय के समय व दिवस में देख समझा जा सकता है। किसी कारणवश अवकाश होने पर निविदा तिथि अगला कार्य दिवस मानी जायेगी।

(महेन्द्र कुमार सिंह)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत चोपन
सोनभद्र

(सहदेव कुमार मिश्र)
प्रशासक
नगर पंचायत चोपन
सोनभद्र

यूपी बजट : जिले में रही मिली जुली प्रतिक्रिया

बातचीत

योगी सरकार के बजट से कुछ लोग खुश तो कुछ नाखुश

जनसंदेश न्यूज

बलिया। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार 2.0 ने अपना दूसरा बजट पेश कर दिया है। 2023-24 का यह बजट 6 लाख 90 हजार 242 करोड़ 43 लाख रुपए का है। इस बजट में सुरक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़ी ज्यादातर योजनाएं हैं।

सरकार ने बजट में हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज खोलने का ऐलान किया है। बलिया जिले के लोग इस बजट को लेकर खासा उत्साहित हैं। यहां के लोगों ने बताया कि यह बजट यूपी को देश की सबसे बड़ी इकोनॉमी के तौर पर स्थापित करने में सहायक होगा। वहीं इस बजट को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आयी है।

ऐतिहासिक है यह बजट

उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री बलिया के पूर्व सांसद भाजपा के वरिष्ठ नेता भरत सिंह ने योगी सरकार के 6.15 लाख करोड़ के बजट को ऐतिहासिक बताया है। कहा है कि यह बजट अभूतपूर्व है। शिक्षा, स्वास्थ्य, युवाओं को रोजगार महिलाओं की सुरक्षा सहित सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है।

बजट में की गयी आंकड़ों की बाजीगरी

बैरिया के सपा विधायक जयप्रकाश अंचल ने योगी सरकार के बजट को निराशाजनक बजट बताते हुए कहा है कि इसमें केवल आंकड़ों की बाजीगरी की गई है। इस बजट से किसी को कोई फायदा होने वाला नहीं है। शिक्षामित्रों को नए बजट में बहुत उम्मीद थी। उनके कल्याण के लिए कुछ नहीं किया गया है।रसोईयो के कल्याण के लिए भी कोई कोई कदम नहीं उठाया गया है। निचले तबके के गरीब व दबे कुचले लोगों के लिए इस बजट में कुछ भी नहीं है।

कुछ नया नहीं है बजट में

कांग्रेस के नेता विनोद सिंह ने इस बजट के आलोचना करते हुए कहा है कि नए बजट में कुछ भी नया नहीं है। जब जब भाजपा की सरकार उत्तर प्रदेश में बनती है।तब तब कागजी बाजीगरी की जाती है। वही इस बार भी हुआ है।इस वजट से पूंजी पतियों को फायदा मिलेगा। गरीब और गरीब होंगे।

निराशाजनक है यह बजट

बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता बैरिया के पूर्व बसपा विधायक सुभाष यादव ने बजट को निराशाजनक व गरीबों के हितों के विपरीत बताया है। कहा है कि इसमें गरीबों के लिए कुछ भी नहीं है। यह कारपोरेट जगत के हितों को ध्यान में रखकर बजट बनाया गया है। इससे गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई और बढ़ेगी। अधिकारियों में व्याप्त भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कोई कदम उठाने की घोषणा नहीं की गई है।

सभी वर्गों के लिये लाभकारी है यह बजट

सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने उत्तर प्रदेश के योगी सरकार की बजट को जनोपयोगी व ऐतिहासिक बताते हुए कहा है कि इस बजट में सभी वर्गों के हितों का ख्याल रखा गया है। इस बजट से उत्तर प्रदेश में विकास को गति मिलेगी। रोजी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। शिक्षा, कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य, बिजली, परिवहन सहित सभी व्यवस्थाएं और बेहतर होंगी। भय, भूख, भ्रष्टाचार के खिलाफ यह बजट है। इस बजट में छात्रों को टैबलेट, मुफ्त राशन, व्यवस्था सहित कई सराहनीय जनोपयोगी कदम उठाए गए हैं।

बजट में हुई सिर्फ लोक लुभावन घोषणाएं

सामाजिक कार्यकर्ता सुशील राजभर ने उप्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट के बारे में कह कि आम नागरिकों के लिये इस बजट में कुछ नहीं है। इसमें किसानों, नौजवनों, बेरोजगारों, महिलाओं व व्यापारियों के लिये कुछ नहीं है। एक्सप्रेस-वे, स्टेडियम व मेट्रो रेल के नाम पर सिर्फ लोक लुभावन घोषणाएं की गयी है। यूपी सरकार ने भ्रामक बजट पेश को आम जनता को महंगाई के दलदल में धकेल दिया है।

जिले के सभी थानों में बनेंगे महिला शौचालय

बलिया। जिले के करीब 22 थानों में महिला शौचालय का निर्माण होगा। शासन की ओर से निर्देश जारी होने के बाद पुलिस महकमा इसकी तैयारी में जुट गया है। हर थानों में महिला शौचालय के बन जाने से न सिर्फ महिला फरियादियों बल्कि महिला पुलिसकर्मियों को भी सहुलियत होगी। जनपद में तीन कोतवाली नगर, रसड़ा व बांसडीह के अलावे 20 थाने संचालित हो रहे हैं। इनमें महिला थाना, फेफना, गड़वार, नरहीं, चितबड़ागांव, नगरा, सिकन्दरपुर, खेजुरी, पकड़ी, उभांव भीमपुरा, बांसडीहरोड, सुखपुरा, रेवती, सहतवार, बैरिया, दोकटी, डुल्दी व दुबहड़ शामिल है। कोतवालियों व थानों में पुरुष पुलिसकर्मियों के लिए कार्यालय के आसपास शौचालय का इंतजाम है, लेकिन महिलाओं के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। सूत्रों की मानें तो लगभग सभी थानों पर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती है। हर दिन दर्जनों की संख्या में महिला फरियादी भी पहुंचती है। इसको देखते हुए शासन की ओर से सभी कोतवालियों व थानों में महिला शौचालय का निर्माण कराने का निर्देश दिया गया है। करीब 5.50 लाख रुपये की लागत से तैयार होने वाले उक्त शौचालय में वॉशरूम का भी इंतजाम होगा।

संक्षेप

ट्रैक्टर में भिड़ी बुलेट, तीन युवक घायल

बेल्थरारोड (बलिया)। उभांव थाना क्षेत्र अंतर्गत बेल्थरा रोड-नगरा राजमार्ग पर मंगलवार की शाम करीब 6 बजे एक ट्रैक्टर तथा बुलेट की टक्कर में बुलेट सवार तीन युवक बुरी तरह चोटिल हो गए। उनका प्राथमिक उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीयर में कराया गया। चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद दो घायलों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार नगरा की तरफ से एक ट्रैक्टर ट्राली ग्राम चौकियां में धर्म कांटा परिसर से बाहर सड़क पर निकल रहा था। उसी दौरान चौकियां की तरफ से आ रही बुलेट ट्रैक्टर ट्राली में जाकर भिड़ गई। इस घटना में सोनू (30), दीपक गोंड (27) तथा साहिल (15) चोटिल हो गए। चिकित्सक ने चोटिल सोनू तथा दीपक गोंड को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। घटना की सूचना पाकर सभी चोटिलो के परिजन अस्पताल चुके थे। सूचना पाकर पुलिस भी अस्पताल पहुंचकर घटना की जांच में जुट गई। चिकित्सक की माने तो बुलेट सवार सोनू शराब का सेवन किए हुए था।

बच्चों को दी गयी फाइलेरियारोधी दवा

बलिया। द होराइजन स्कूल गड़वार में बच्चों को फाइलेरिया यानि हाथीपांव से होने वाली विकलांगता से बचाने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रतसर की टीम दवा की खुराक पिलाई। इस दौरान चिकित्सकीय टीम ने बच्चों को इस बीमारी के प्रति जागरूक किया। इस अभियान में 3 साल से उपर तक के बालक बालिकाओं कों दवा खिलाया गया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक, प्रधानाचार्य, छात्र-छात्राएं आदि मौजूद रहे।

नवनिर्वाचित सदस्यों को दी गयी बधाई

बलिया। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश पांडेय तत्वावधान में बैठक की गयी। इसमें एआईसीसी में नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई दी गयी। जिलाध्यक्ष ने कहा कि राघवेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश कांग्रेस कमेटी में महासचिव को एआईसीसी बनने के बाद संगठन में गति आएगी। इसके लिए शीर्ष नेतृत्व सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मलिकार्जुन खरगे का आभार व्यक्त किया गया। इस अवस पर दिग्विजय सिंह, बृजेश सिंह गाट, सत्यप्रकाश उपाध्याय, धीरेंद्र ओझा, अरुण यादव, मुनेंद्र सिंह विशाल चौरसिया, हृदयानंद पांडेय, अत्ताउल्लाह खान आदि उपस्थित रहे।

16 गांवों में 70 प्रतिशत बैनामे का कार्य पूरा : आत्रेय

बैरिया (बलिया)। आगामी 27 फरवरी को केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा बलिया मांझी घाट ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के शिलान्यास के मद्देनजर बैरिया तहसील प्रशासन की गतिविधि तेज हो गयी है। ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के लिए भूमि बैनामे के कार्य में तत्परता दिखाते हुए तहसील बैरिया के 16 राजस्व ग्रामों से ग्रीन फील्ड में आने वाली 70 प्रतिशत भूमि का बैनामा संपादित कराया जा चुका है। शेष बैनामा शिघ्र पूरा करने का प्रयास जारी है। उप जिलाधिकारी बैरिया आत्रेय मिश्र ने बताया कि पिछले एक हफ्ते से बैनामदारो की भारी संख्या के चलते बैनामे का कार्य अनवरत रात दस बजे रात तक चल रहा है। इस कार्य को संपादित कराने के लिए दो अतिरिक्त मजिस्ट्रेट, तीन कानूनगो, दस लेखपाल तहसील बैरिया में संबद्ध किए गए हैं। वही इस कार्य में सामाजिक लोगों से भी सहयोग लिया जा रहा है। ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से बैरिया तहसील का पूरा इलाका जुड़ने के साथ-साथ बिहार के सारण, आरा, भोजपुर की कनेक्टिविटी होगी। वही बिहार की राजधानी पटना की दूरी भी बहुत कम हो जाएगी। एसडीएम ने दावा किया है कि ग्रीन फील्ड का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ हो जाएगा। वही बैनामेदारो का धन भुगतान का भी कार्य चल रहा है। सभी बैनामेदार का 15 से 20 दिन के भीतर भुगतान कर दिया जायेगा। इस ग्रीन फील्ड के बन जाने से बैरिया नहीं बल्कि पूरा जनपद विकास की मुख्यधारा से जुड़ जाएगा। एसडीएम बैरिया ने आग्रह किया है कि ग्रीन फील्ड में आने वाली भूमि के भू स्वामी जिन्होंने अभी तक बैनामा नहीं किया है वे शीघ्र अपना बैनामा कराए।

ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे जल्द लेगा मूर्त रूप

बलिया। नगर के लिए महत्वाकांक्षी परियोजना ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का सपना अब जल्द ही साकार रूप लेगा। ऐसे तो परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह के प्रस्ताव पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस परियोजना को मई, 2022 में ही हरी झंडी दे दी थी, लेकिन जमीन के अधिग्रहण आदि की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब 27 फरवरी को इसका शिलान्यास होने जा रहा है।

यह जनपद के लिए बहुत बड़ी सौगात होगी। जिले में आए दिन लगने वाले जाम आदि की समस्या को देखते हुए यहां लंबे समय से रिंग रोड व लिंक एक्सप्रेस-वे की मांग उठ रही थी। इसे लेकर पिछली सरकारों में घोषणाएं भी हुईं, पर यह मूर्त रूप नहीं ले सका। ऐसे में यहां विधानसभा चुनाव के पूर्व नगर विधायक व परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने भी इसकी घोषणा की थी। चुनाव जीतने के बाद मंत्री ने इसका प्रस्ताव केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को भेजने के साथ ही प्रदेश सरकार के सौ दिन के कार्ययोजना में भी इसे शामिल करा दिया था। इसमें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने परिवहन मंत्री दयाशंकर के प्रस्ताव को मई 2022 में ही हरी झंडी देते हुए इससे संबंधित पत्र भेज दिया था। इसके बाद से ही एनएचआई व अन्य विभाग तैयारी में लग गए। ऐसे में जमीन आदि के अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब 27 फरवरी को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी इसका शिलान्यास करने जनपद में आ रहे हैं। इस सौगात के मिलने से पूरे जनपद में हर्ष का माहौल है। मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के साथ ही एक और रिंग रोड का प्रस्ताव तैयार कराया जा रहा और ये भी जल्द धरातल पर दिखेगा।

पहल

2022 में ही मंत्री नितिन गडकरी ने दे दी थी हरी झंडी

यदि हम होते तो हार जाती भाजपा : शिवपाल यादव

बलिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव मंगलवार की शाम फेफना स्थित होटल बलियांस में आयोजित एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान वर-वधु को उन्होंने आशीर्वाद दिया। मीडिया ने सवाल किया कि आप आजमगढ़ को भी अपना गढ़ मानते हैं, ऐसे में आजमगढ़ लोकसभा का उपचुनाव सपा हार गयी। जबकि इस सीट से सपा के पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव व सपा के राष्ट्रीय अखिलेश यादव भी सांसद रहे हैं। उसके बावजूद भी सपा वहां से चुनाव हार गयी।

उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि यदि उस वक्त मैं रहा होता तो सपा ही जीतती और भाजपा हार जाती। इस सीट से अखिलेश यादव के चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव चुनाव लड़े थे। लेकिन भाजपा के सामने चुनाव नहीं जीत पाये। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में सपा हर सीटों पर चुनाव लड़ेगी और चुनाव कैसे लड़ा जाता है, अब भाजपा को पता चलेगा। चूंकि एक वैवाहिक कार्यक्रम था, इसलिये पत्रकारों ने उनके सामने ज्यादा सवाल नहीं रखें, लेकिन स्वामी प्रसाद मौर्या के बयान को लेकर शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि रामचरित मानस के संबंध में स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान से सपा का कोई संबंध नहीं है। हम सभी धर्मों को मानने वाले लोग हैं। भाजपा समाज को बांटने के लिये मुख्य मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाना चाहती है। स्वामी प्रसाद मौर्य को पार्टी की ओर से निर्देश दिये गये हैं कि उन्हें धार्मिक मुद्दों में नहीं उलझना है। पूर्व प्रमुख मंजू चौधरी एवं सतीश चौधरी के पुत्र अमित चौधरी का शादी समारोह था। जिसमें उन्होंने पुत्र अमित चौधरी व पुत्रवधु डॉ. प्रियंका यादव को आशीर्वाद दिया। मौके पर नागा चौधरी ने शिवपाल सिंह यादव का स्वागत किया। वहीं उन्हें बधाई देने वालों में पूर्व मंत्री अंबिका चौधरी, पूर्व मंत्री नारद राय, जिपं अध्यक्ष आनंद चौधरी आदि मौजूद रहे।

वर-वधु को आशीर्वाद देते सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव व अन्य

अपनी बात

वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल हुए सपा के राष्ट्रीय महासचिव

भाजपा को सत्ता से हटाने की दिशा में हो रहा काम

होटल बलियांस में आयोजित एक वैवाहिक कार्यक्रम में पत्रकारों से मुखातिब शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि हम भाजपा को सत्ता से हटाने की दिशा में काम कर रहे है। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के बयान पर कहा कि ओमप्रकाश राजभर जैसे नेताओं की उन्हें जरूरत नहीं है। हमने सबके लिये दरवाजे खोले है। वो चाहें अफजाल अंसारी ही क्यों न हो।

11 घंटे बलियांस में रहे शिवपाल

फेफना के होटल बलियांस में सतीश चौधरी उर्फ नागा चौधरी के निमंत्रण में लगभग 11 घंटे तक शिवपाल सिंह यादव रहे। उनके साथ सुरक्षा कर्मी भी होटल के इर्द-गिर्द भ्रमण करते नजर आये। वहीं बुधवार की सुबह 5:30 बजे लखनऊ के लिये सड़क मार्ग से रवाना हो गये।

शिक्षित होकर एक महिला समाज, परिवार को करती है शिक्षित

बोलीं कल्पलता पांडेय

जेएनसीयू में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कल्पलता पांडेय के मार्गदर्शन व शैक्षणिक निदेशक डॉ पुष्पा मिश्रा के निर्देशन में जननायक चद्रशेखर विश्विद्यालय के कौशल प्रशिक्षण सभागार में व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दो दिवसीय सोलर लैंप निर्माण व विपणन का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। शुभारंभ कुलपति द्वीप प्रज्जलन से किया गया।

कुलपति ने महिलाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि एक महिला शिक्षित होकर पूरे परिवार और समाज को शिक्षित करती है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण ग्रामीण महिलाओं के लिए अत्यंत उपयोगी है। प्रशिक्षण प्राप्त वह अपने परिवार और स्वयं का जीवन स्तर बेहतर बना सकती है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गांव की 28 महिलाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं में कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण देकर उनको लघु उद्योगों से जोड़ना है। डा. रूबी, डॉ. प्रेमभूषण यादव, डॉ. संजीव कुमार व प्रवीण कुमार यादव एवं लक्ष्मण चौधरी ने महिलाओं को प्रशिक्षण दिया। संचालन हरीश यादव ने किया। आशीष कुमार, सोनी यादव, प्रशांत कुमार उपाध्याय, प्रदीप गुप्ता, अमन गुप्ता आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के तहत अपायल गांव की महिलाओं ने सोलर लैंप निर्माण व विपणन सीखने के लिए बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

विश्वविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षणार्थी।

विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कल्पलता पांडेय के मार्गदर्शन व शैक्षणिक निदेशक डॉ पुष्पा मिश्रा के निर्देशन में जननायक चद्रशेखर विश्विद्यालय में व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत चल रहे 15 दिवसीय बेसिक अकाउंटिंग कोर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को समापन हुआ। डॉ.पुष्पा मिश्रा ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं को बेसिक अकाउंटिंग कोर्स का प्रशिक्षण देना था। जिससे महिलाए एवं बालिकाओं के लिए अत्यंत उपयोगी है। प्रशिक्षण में 25 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. रूबी, डा. संजीव सर, डॉ. प्रेम भूषण यादव, डॉ. हर्ष त्रिपाठी, डॉ. नीलमणि त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

बिजली विभाग के जेई पर उपभोक्ता ने ताना रिवाल्वर

जनसंदेश न्यूज

बांसडीह। बांसडीह-मनियर मुख्य मार्ग पर स्थित एचपी पेट्रोल पंप के सामने एक आवासीय मकान की बिजली बिल बकाए की धनराशि भुगतान नहीं करने पर विभाग द्वारा कनेक्शन विच्छेदन करने पर उपभोक्ता द्वारा बिजली विभाग टीम पर रिवाल्वर दिखाया गया, इस आरोप के साथ जेई ने पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने मांग किया है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार की शाम बिजली विभाग की टीम जेई आलमगीर के नेतृत्व में पेट्रोल पंप के सामने वार्ड न तीन स्थित सलीम अंसारी के यहां बिजली विभाग की छानबीन कर रही थी। विद्युत बकाए की धनराशि को लेकर उपभोक्ता और बिजली विभाग के कर्मचारियों में तू तू मैं मैं होने लगी।

जेई ने भुगतान नहीं होने की दशा में पोल से बिजली कनेक्सन विच्छेदन करने के दौरान उपभोक्ता से विवाद हो गया। आरोप है कि इसी बीच सलीम घर के अंदर गया और अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर निकल जूनियर इंजीनियर आलमगीर सहित टीम को धमकाने लगा।

मामले की सूचना प्रभारी निरीक्षक कोतवाली को दिए। वहीं उपभोक्ता सलीम का कहना है कि बिजली विभाग के कर्मचारी घर बैठे मीटर की गलत रीडिंग भेजकर अधिक बिल वसूलते हैं जबकि मौके पर मीटर रीडिंग कम पाया गया, जबरिया हम से पैसे की मांग कर रहे थे।

इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बांसडीह योगेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा आरोपी पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मुकदमा दर्ज

उपभोक्ता का आरोप, गलत रीडिंग कर वसूल रहे पैसा

दुबई में कराटे लीग मैच के लिये रवाना हुए आयुष व अनुराग

बलिया। जनपद के उदयमान सब जूनियर कराटे खिलाड़ी ग्राम निधरिया के आयुष सिंह (14 वर्ष) एवं सहतवार निवासी अनुराग कुमार दुबई में होने वाले वर्ल्ड यूथ कराटे लीग मैच में सहभागिता के लिये बुधवार को दिल्ली एयरपोर्ट से भारतीय दल के खिलाड़ियो के साथ रवाना हो गये। पिछले सात सालों से नियमित अभ्यास कर रहें बच्चों का साथ दे रहे अभिभावकों के साथ ही इनके प्रशिक्षक सुमित झां के लिए यह काफी भावुक पल था। आयुष के पिता एडवोकेट अखिलेश सिंह एवं माता शालिनी सिंह के साथ ही अनुराग कुमार के पिता व्यवसाई विनोद कुमार गुप्ता व माता रिंकू देवी ने अपने बच्चो के सपनों को पंख लगा देख बहुत गर्वांवित महसूस किए। स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन ऑफ बलिया के अध्यक्ष बालकृष्ण मूर्ति ने दोनों खिलाड़ियों के खेल उपलब्धि को बताते हुए कहा कि ये दोनो इससे पूर्व में 2018 और 2019 का एसजीएफआई नेशनल खेल चुके है। दोनों ने 2022 में नेशनल कराटे चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर अपना चयन वर्ल्ड यूथ कराटे लीग के लिए सुरक्षित कर लिया था। इस अवसर पर दिनेश कुमार गुप्ता, एड.राजेश श्रीवास्तव, डॉ. अखिलेश सिन्हा एड.अरविन्द सिंह, आरिफ हुसैन, सुरेन्द्र गुप्ता, आशीष कुमार, प्रवीण मिश्र, नकुल रावत, राहुल यादव, गरिमा सिंह, कृष्ण मोहन मूर्ति, राजशेखर, सन्नी, अजय वर्मा, डॉ. समित सिन्हा आदि ने शुभकामनाएं दी।

फर्जी प्रवेश पत्र के साथ पकड़े गये एक दर्जन परीक्षार्थी

नगरा (बलिया)। उप्र बोर्ड परीक्षा को सकुशल नकलविहीन सम्पन्न कराने मे पूर्णरुप से तैयारी में जुटे प्रशासन के हनक के आगे नकल माफियाओं की एक नहीं चल रही है। मंगलवार को बोर्ड परीक्षा के दौरान लगभग एक दर्जन परीक्षार्थी फर्जी प्रवेश पत्र के साथ पकडें गये हैं। इस कार्यवाही से क्षेत्र मे हडकम्प मच गया है। मंगलवार को जनता इंटर कॉलेज नगरा में दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने के आरोप मे एक दर्जन युवक पकड़े गये हैं। हाईस्कूल में गणित व इंटरमीडिएट में व्यावसायिक विषयों की परीक्षा मंगलवार को हुई। जिन परीक्षार्थियों के स्थान पर यह परीक्षा दे रहे थे, वह सभी छात्र इंटर कॉलेज पाल चंद्रहा के छात्र थे। इस मामले में परीक्षा केंद्र जनता इंटर कॉलेज के केंद्र व्यवस्थापक डॉ. उमेशचंद पांडेय की तहरीर पर पुलिस ने इंटर कॉलेज पालचंद्रहा के प्रबंधक भोला यादव व उनके छोटे भाई अनिल यादव के विरुद्ध कूटरचित धोखाधड़ी, परीक्षा अधिनियम समेत अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश देना शुरू कर दिया है। इसके अलावा, पकड़े गए छात्रों पर परीक्षा अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पकड़े गए सभी छात्र नाबालिग हैं। एसडीएम रसड़ा सर्वेश यादव, सीओ रसड़ा फहीम के साथ नगरा एसओ बृजेश सिंह को सूचना मिली कि हाईस्कूल गणित विषय की परीक्षा में जनता इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर दूसरे की जगह छात्र परीक्षा दे रहे हैं। केंद्र व्यवस्थापक डॉ. उमेशचंद पांडेय के साथ परीक्षा केंद्र के गेट पर तलाशी लेना शुरू कर दिया। तलाशी के दौरान गेट पर ही चार छात्र पकड़ लिए गए। कमरों में जांच के दौरान अंदर सात और छात्र पकड़े गए। पकड़े गए छात्रों ने पुलिस को बताया कि प्रबंधक भोला यादव व उनके अनुज अनिल यादव ने दूसरे की जगह बैठाया था। जिन परीक्षार्थियों की जगह यह परीक्षा दे रहे थे, उनके प्रवेश पत्र पर अलग से फोटो लगा था। इसे विद्यालय की ओर से प्रमाणित किया गया था। किसी का प्रवेश पत्र स्कैन किया गया था।

व्यापारियों पर कोई उंगली उठाएगा तो खैर नहीं

बोले वीरेंद्र सिंह मस्त

व्यापारियों ने बैठक में रखी प्रमुख मांगें

बलिया। संयुक्त व्यापार मंडल बलिया के तत्वावधान में व्यापारी बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सांसद विरेंद्र सिंह मस्त रहे। अध्यक्षता अरविंद गांधी, प्रदेश उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल और संचालन राहुल कुमार गुप्ता ने किया। व्यापारियों ने यह बैठक स्वर्गीय नंदलाल गुप्ता के परिवार को न्याय, व्यापारियों की समस्या का समाधान और नगर के चौमुखी विकास पर चर्चा बिंदु पर आयोजित किया था।

मुख्य अतिथि श्री मस्त ने कहा कि स्वर्गीय नंदलाल गुप्ता और पूरे व्यापारी समाज के साथ में हूं। स्वर्गीय नंदलाल गुप्ता के परिवार को न्याय मिलेगा और उत्तर प्रदेश सरकार सहायता देगी। व्यापारी की हर समस्या में मैं खड़ा रहूंगा। नगर के विकास में आड़े नहीं आएगा। आप ही लोगों के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ बहुत जल्द बैठक करके इसकी रूपरेखा तैयार की जाएगी। सांसद ने कहा कि स्वर्गीय नंदलाल गुप्ता मामले में आंदोलनरत किसी भी व्यक्ति को अगर कोई धमकी देगा बलिया में नहीं रहेगा। यह मैं कानून के दायरे में कह रहा हूं।

अध्यक्षता करते हुए अरविंद गांधी, प्रदेश उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने कहा कि हम सभी लोगों को आप पर भरोसा है कि स्वर्गीय नंदलाल गुप्ता के परिवार को न्याय मिलेगा और व्यापारियों की समस्या का समाधान होगा।

सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त को ज्ञापन सौंपते व्यापारी।

बैठक में उपस्थित व्यापारी गण।

व्यापारियों ने उठायी प्रमुख मांगें

संयुक्त व्यापार मंडल के द्वारा मांग की गयी कि एफआईआर में दर्ज बाकी आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी हो और कठोर कार्रवाई हो। स्वर्गीय नंदलाल गुप्ता के द्वारा किए गए बैनामा को निरस्त किया जाए, नंदलाल गुप्ता के परिवार को नौकरी दिया जाए और 50 लाख मुआवजा दिया जाए, सूदाखोरो से बलिया के व्यापारियों को मुक्त कराई जाए। इस मामले की सीबीआई जांच कराई जाए, घटना में संलिप्त लोगों की आय से अधिक संपति की जांच हो। जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर को अत्याधुनिक यंत्रों से सुसज्जित किया जाए, अल्ट्रासाउंड की व्यवस्था को चालू कराया जाए, चमन सिंह बाग रोड पर सड़क नाली और बिजली की व्यवस्था कराई जाए, शहर के चारों तरफ शौचालय शुद्ध पानी की व्यवस्था कराई जाए, शहर में वाहन पार्किंग की व्यवस्था कराई जाए, शहर को भीड़ से मुक्त कराने के लिए यातायात व्यवस्था दुरुस्त किया जाए।

बैठक को इन्होंने किया संबोधित

व्यापारियों की बैठक को संबोधित करने वालों में प्रमुख रूप से सुनील कुमार परख, मंजेश सिंह, अरुण कुमार गुप्ता, सतीश कुमार गुप्ता, आनंद सिंह, घनश्यामदास जोहरी, संजीव कुमार, डॉ विजय शंकर गुप्ता, आशीष रौनियार आदि ने संबोधित किया। वहीं बैठक में विजय शंकर गुप्ता, प्रभुनाथ गुप्ता, बलराम सिंह, आलोक कुमार राजेश गुप्ता, श्याम जी रौनियार, अशोक कुमार गुप्ता, विजय कुमार गुप्ता, दुर्गा प्रसाद आदि मौजूद रहे।

प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप वर्मा एडवोकेट ने कहा कि स्वर्गीय नंदलाल गुप्ता के मामले में हमारी जो मांग है उसे पूरा किया जाए और चमन सिंह बाग रोड का विकास होना चाहिए। सबसे पहले लक्ष्मण सिंह, अरविंद गांधी, प्रदीप वर्मा आदि ने मुख्य अतिथि का अंगवस्त्रम और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत और अभिनंदन किया।

अधिवक्ता रहे हड़ताल पर, जनता परेशान

रोष

न्यायालय के मुख्य द्वार को बंद कर किया प्रदर्शन

बलिया। ग्राम न्यायालयों को सभी तहसीलों में भेजे जाने के विरोध में क्रिमिनल एंड रेवेन्यू बार एसोसिएशन तथा दी सिविल बार एसोसिएशन के वकीलों ने मंगलवार को संयुक्त बैठक कर कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया था, जिसके क्रम में सिविल बार तथा क्रिमिनल बार के वकीलों ने अलग-अलग कोर्ट के गेट पर तालाबंदी कर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान वकीलों ने प्रदेश सरकार व जनप्रतिनिधियों के खिलाफ जमकर भड़ास निकाला।

कहा कि बागी बलिया कि धरती से फूंका गया बिगुल हर किसी की बत्ती गुल कर देता है। इस दौरान वकीलों ने कहा कि प्रदेश सरकार व हाईकोर्ट की मनमानी किसी भी हालत में हम लोग चलने नहीं देंगे। सूबे की सरकार ग्राम न्यायालय के नाम पर गांव के गरीब व गुरबत में जीवन यापन करने वाले लोगों को परेशान करने के लिए ग्राम न्यायालयों का गठन कर रही है, जबकि वास्तव में ग्राम न्यायालय हर गांव में खुले तो माना जाएगा कि सरकार गांव के गरीबों की सच्ची हितैषी है।

संयुक्त बार एसोसिएशन के आह्वान पर बुधवार को सुबह 4:00 बजे खुलने से पहले ही क्रिमिनल बार के वकील व कार्यकारिणी के पदाधिकारी मुख्य गेटों पर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान वकीलों ने दो नंबर एवं एक नंबर गेट पर तालाबंदी कर अपना विरोध जताया। वहीं परिवार न्यायालय पर सिविल बार के वकीलों ने परिवार न्यायालय के गेट पर तालाबंदी किया इस दौरान क्रिमिनल बार के सभागार में सिविल व क्रिमिनल बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने बैठक की जिसमें वकीलों ने निर्णय लिया कि गुरुवार व शुक्रवार को भी वकील 10:00 बजे से पहले आकर कोर्ट के मुख्य गेट पर तालाबंदी कर पूर्व की भांति धरना-प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान किसी भी कोर्ट में न्यायिक कार्य नहीं होने दिया जाएगा। क्रिमिनल बार के अध्यक्ष देवेंद्र नाथ मिश्रा ने कहा कि प्रदेश सरकार के तानाशाही रवैए के चलते तहसील स्तर पर न्यायालयों को स्थानांतरित किया जा रहा है, लेकिन शासन की मंशा का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि तहसीलों पर न्यायालय भेजकर और ग्राम न्यायालय की संज्ञा दी जा रही है, जो गांव के गरीब व वादकारियों के साथ पूरी तरह से छलावा है, जिसे हम अधिवक्ता किसी तरह से बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस मौके पर सिविल बार के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार दुबे ने झांकी प्रदेश सरकार हमेशा वकीलों को दो धड़े में बांटने का कार्य किया है। जहां एक तरफ अधिवक्ता न्याय के लिए आजीवन संघर्ष करता है। वहीं सरकार तहसील व जिला मुख्यालय के वकीलों को अलग-अलग बांट करके अपना उल्लू सीधा करना चाहता है। जबकि इससे न तो तहसील के अधिवक्ताओं को फायदा है न तो जिला मुख्यालय के अधिवक्ताओं को कोई लाभ होने वाला है। मौके पर सिविल बार के महासचिव कुबेरनाथ पांडेय, महासचिव अनिल, उपाध्यक्ष शिवकुमार, प्रदीप कुमार गुप्ता, उमाशंकर, धीरज, विवेकानंद, अनिलेश, शंकर राम, दयाशंकर, सुभाष चंद, मनोज, सत्यप्रकाश, अखिलेश, डॉ. निर्भय आदि मौजूद रहे। अध्यक्षता देवेंद्रनाथ, देवेंद्र व संचालन कुबेरनाथ व अनिल ने किया।

ग्राम न्यायालय का अनावश्यक विरोध कर रहे बलिया के वकील

जनसंदेश न्यूज

बेल्थरा रोड। शासन के निर्णय के अनुसार बेल्थरा रोड में प्रस्तावित ग्राम न्यायालय के समर्थन में स्थानीय तहसील अधिवक्ता एसोसिएशन के बैनर तले अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधि मंडल एकजुटता दिखाई और ग्राम न्यायालय के समर्थन में बुधवार को तहसीलदार ओमप्रकाश पांडे को एक लिखित ज्ञापन भी सौंपा।

तहसील अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष सरफराज अहमद के नेतृत्व में डीएम के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें जल्द से जल्द बेल्थरा रोड में ग्राम न्यायालय का संचालन शुरू करने की मांग किया गया। ग्राम न्यायालय स्थापना के खिलाफ लामबंद होकर बलिया के अधिवक्ताओं के विरोध-प्रदर्शन की निंदा की गई। कहा कि बेल्थरा रोड में ग्राम न्यायालय के खुल जाने से दीवानी तथा फौजदारी मामले में वादकारियों को काफी सहूलियत हो जायेगी। यह भी कहा कि स्थानीय तहसील में ग्राम न्यायालय संचालन को लेकर सभी औपचारिकताएं पूर्ण हो चुकी हैं।

ज्ञापन देने में तहसील एसोसिएशन के अध्यक्ष सरफराज अहमद, ज्ञान चंद प्रजापति, रोशित कमाल पाशा, राघवेंद्र मौर्या, कलिंदर यादव, हरिंदर राजभर, देवेंद्र कुमार गुप्त सहित अन्य अधिवक्तागण मौजूद रहे।

उत्कृष्ट कार्य के लिये शिक्षकों को किया गया सम्मानित

सिकंदरपुर (बलिया)। क्षेत्र के कटघरा बंशी बाजार में स्थित आरएसएस गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी एकेडमी में बुधवार को सम्मान सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्रबंधक जय प्रताप सिंह, प्रधानाचार्य विजय कुमार गुप्ता ने मां सरस्वती का माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। सत्र 2022-23 में कक्षा नर्सरी से 12वीं तक 7वी राउंड का प्रार्थना समाप्त होने के बाद मैनेजमेंट जांच कमेटी द्वारा कक्षा की साफ-सफाई, अनुशासन और प्रार्थना सभा की जांच करने के बाद ग्रुप ए से कक्षा नर्सरी की कक्षाध्यापिका श्वेता राय एवं रुचि सिंह, ग्रुप बी से कक्षा दितीय ब की कक्षाध्यापक विजय सिंह, ग्रुप सी से कक्षा 7वीं की कक्षाध्यापक शुभम कुशवाहा और ग्रुप डी से कक्षा 11वी के कक्षाध्यापक यशवंत कुमार सिंह को विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय कुमार गुप्ता एवं उप प्रधानाचार्य विनोद कुमार दुबे के द्वारा शील्ड देकर सम्मानित किया गया एवं सभी का सभी शिक्षक गण एवं बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया। संचालन विद्यालय के प्रार्थना प्रभारी आदिति के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी शिक्षक गण उपस्थित रहे।

दो पक्षों के विवाद में चली गोली, घोड़े की मौत

मझौवां। बैरिया थाना क्षेत्र के गंगा उस पार नौरंगा भुवाल छपरा गांव में सूखी लकड़ी के विवाद में दो पक्षों में चली गोली से एक घोड़े की मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची बैरिया पुलिस ने तीन लोगों को मौके से गिरफ्तार कर थाने ले गई। एक सार्वजनिक जमीन में सूखा पेड़ टूट करके गिर गया, जिस पर भुवाल छपरा निवासी बरमेश्वर मिश्र व कौशल कुमार ठाकुर, अपना-अपना हक जमाने लगे। इसी हक-हकूक के चक्कर में दोनों पक्ष से हवाई फायरिंग होने लगी, जिसमें बरमेश्वर मिश्र के घोड़े को जाकर एक गोली लग गई और मौके पर ही घोड़ा छटपटा कर मर गया। सूचना पर पहुंची बैरिया पुलिस ने मौके से बरमेश्वर मिश्र, कौशल ठाकुर व शंभू ठाकुर को थाने लेकर गई। अभी भी मौके पर एसआई गंगा प्रसाद और हेड कांस्टेबल राम नगीना यादव मौजूद है। इस संबंध में एसएचओ बैरिया धर्मवीर सिंह ने बताया कि दोनों तरफ से मुकदमा लिखवाया गया है, कार्रवाई की जा रही है। साथ ही घोड़े के पोस्टमार्टम के लिए पशु चिकित्सक की टीम भेजी गई है। मौके पर एहतियात के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

पत्नी का इलाज करा रहे शिक्षक के घर लाखों की चोरी

बलिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के घुरहू नारायण छपरा मोहल्ले में बंद पड़े एक मकान से बुद्धवार की सुबह लगभग 12 लाख रुपए की चोरी की घटना उस समय सामने आयी जब पड़ोसी ने इसकी जानकारी वाराणसी बेचू में पत्नी का इलाज करा रहे प्रांजल मिश्र को दी। जैसे इसकी जानकारी हुई उन्होंने अपने छोटे भाई सौरभ मिश्र को बलिया भेजा। करीब 4:30 बजे सौरभ मिश्र घर पहुंचे तो देखा कि मुख्य दरवाजें का ताला टूटा पड़ा हुआ है। वहीं बंद कमरे का ताला व आलमारी का ताला टूटा पड़ा था। मौके पर पहुंची ओक्डेनगंज पुलिस चैकी के सिपाहियों ने मौका मुआयना किया। उधर सौरभ मिश्र ने इसकी जानकारी लिखित रूप से ओक्डेनगंज पुलिस चैकी व कोतवाली में दी है। 25 जनवरी को प्रांजल मिश्र की पत्नी स्वाती मिश्र की अचानक तबियत खराब हो गयी और वह वाराणसी बेचू के लिए रेफर हो गयी। पूरे परिवार के लोग बनारस में है। जिसका फायदा चोरों ने उठाया और घर से लगभग 12 लाख का जेवर उठा ले गये।

शहर में चोरी की घटनाओं का नहीं हो रहा खुलासा : बलिया शहर में कई चोरी की घटनाएं हुई, लेकिन एक भी चोरी का खुलासा बलिया पुलिस नहीं कर पायी। ऐसे में चोर सक्रिय रूप से चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे है। ओक्डेनगंज पुलिस चैकी क्षेत्र के जगदीशपुर क्षेत्र में भी कुछ माह पहले चोरी की घटना हुई थी। उसके बाद रामदहिन पुरम कालोनी में भी दिन दहाड़े चोरी हुई थी। सिविल लाइन पुलिस चैकी अंतर्गत निराला नगर में चोरी की घटना हुई थी। लेकिन अभी तक इन घटनाओं का वर्कआउट नहीं हो पाया है।

पुजारी को बाइक ने मारी टक्कर, गंभीर

बैरिया (बलिया)। मंदिर से पूजा करके घर जा रहे पुजारी को परीक्षा देकर बाइक सवार जा रहे छात्रों ने टक्कर मार दी। इससे पुजारी घायल हो गये। स्थानीय लोगों ने उपचार के लिए सीएचसी सोनबरसा पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार कर चिकित्सकों ने पुजारी की स्थिति को गंभीर देखते हुए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। दलपतपुर गांव में मनमोहन दास की मठिया पर पिछले 40 वर्षों से जमालपुर निवासी सभापति वर्मा 75 वर्ष पूजा करते आ रहे हैं। गुरुवार को 11 बजे के लगभग मठिया पर पूजा संपादित करने के बाद पुजारी अपने घर खाना खाने के लिए पैदल ही जमालपुर जा रहे थे कि परीक्षा देकर छात्र बाइक से अपने घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान एक बाइक सवार छात्र ने पुजारी सभापति वर्मा को टक्कर मार दिया। जिससे वह सड़क पर गिर कर लहूलुहान हो गये। पीछे से जुटे अन्य छात्रों ने उन्हें उठाकर सीएचसी सोनबरसा पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

संक्षेप

विकास से कोसों दूर रहने वाला है बजटः रामगोविन्द चौधरी

बलिया। उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं सपा के राष्ट्रीय सचिव रामगोविंद चौधरी ने प्रदेश के आम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा का वर्तमान 2023-24 का बजट जनता को छलने वाला दिवास्वप्न दिखाने वाला और वास्तविक विकास से कोसों दूर रहने वाला बजट है। सरकार सबसे बड़ा बजट पेश करने का ढिंढोरा पीट रही है, जबकि वर्तमान महंगाई को देखा जाए तो यह शून्य बढ़ोत्तरी का साबित होगा। सरकार स्वच्छता अभियान का जो ढिंढोरा पीट रही है और सफाई कर्मियों की मौत पर उनके परिजनों को दी जाने वाली धनराशि विभाग को नहीं दी गई। संतों, पुजारियों, पुरोहितों के कल्याण बोर्ड का गठन तक नहीं किया गया। इस बजट से किसान, युवा, बेरोजगार, श्रमिक, लघु उद्यमियों, व्यापारियों, अधिवक्ता, छात्रों और विशेष करके मध्यमवर्गीय परिवारों को इस बजट से कोई राहत नहीं मिलने वाली है।

बजट में आम जनता के लिए कुछ भी नहीं: सुरेश प्रधान

बलिया। बसपा के वरिष्ठ नेता सुरेश प्रधान यूपी के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आम जनता के लिए सबसे मूल सुविधा स्वास्थ्य, शिक्षा कुछ भी नहीं मिला। इस बजट से आम जनता को सिर्फ हाथ लगा है और बड़ी उम्मीद से बजट का इंतजार करते हुए जब बजट आया तो आम जनता की उम्मीदें टूट गयी। योगी सरकार आम जनता को छलने का काम किया है। वहीं वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति के मंत्री सूरज समदर्शी ने भी कहा कि जब यह बजट आम जनता को छलने का काम किया है और बड़ी उम्मीद थी कि शिक्षा पर कुछ नया आयेगा, लेकिन निराशा ही मिली। जिसे आम जनता इस बजट से नाखुश है।

डीएम ने राजकीय पुस्तकालय का किया निरीक्षण

बलिया। डीएम सौम्या अग्रवाल ने बुधवार को जिला राजकीय पुस्तकालय का निरीक्षण किया। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिया कि इस पुस्तकालय का जीर्णोद्धार करा कर बेहतर से बेहतर बनाया जाए। किताबों के लिए जो 2.5 लाख का बजट है, उससे यहां प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पर्याप्त मात्रा में किताबें रखी जाए, ये सभी काम 10 दिन में हो जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अभ्युदय योजना अंतर्गत एनडीए, सिविल सर्विस के अलावा नीट, इंजीनियरिंग जैसी तैयारी कराई जाए। इस योजनान्तर्गत पढ़ने वाले छात्रों के संबंध में जानकारी ली। बताया गया कि टाउन हॉल में इसकी कक्षाएं चलेगी। वर्तमान में टाउन इंटर कॉलेज में चल रही कक्षा में 102 पंजीकृत छात्र हैं। इसके बाद रामलीला मैदान में भूमिगत पार्किंग की पहल को देखते हुए अधिकारी ने नपा के अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ निरीक्षण कर विचार विमर्श किया।

डीएम ने नाला निर्माण जल्द कराने के दिए निर्देश

बलिया। जिलाधिकारी सौम्या अग्रवाल में एनसीसी तिराहा से होटल पार्क-इन तक बनने वाले नाले का निरीक्षण किया। उन्होंने नगर पालिका परिषद के अधिकारी को निर्देश दिया कि जितना जल्द हो सके, इस नाले का निर्माण की प्रगति में तेजी लाई जाए। गौरव नर्सिंगहोम के पास सड़क किनारे स्थित ट्रांसफार्मर के संबंध में उन्होंने बिजली विभाग के इंजीनियर को निर्देश दिया कि इसे हटाने की कार्यवाही जल्द से जल्द की जाए। निरीक्षण के दौरान सीडीओ प्रवीण वर्मा, सीआरओ अनिल अग्निहोत्री व अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

निधन पर शोक

मझौवां। बेलहरी विकास खण्ड के ग्राम पंचायत गंगापुर के प्रधान प्रतिनिधि उमेश यादव के चाचा जयराम राम 56 वर्ष की अचानक गश्त खाकर जमीन पर गिर गए, जिनको स्थानीय चिकित्सक के यहां ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसकी जानकारी होते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। उनके घर पर सांत्वना देने वालों का तांता लग गया। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को हुकुमछपरा गंगा घाट पर किया जाएगा।

भारत सरकार का जागरूकता कार्यक्रम, फाइलेरिया मुक्त बलिया

बलिया। राष्ट्रीय सेवा योजना श्री मुरली मनोहर टाउन स्नाकोत्तर महाविद्यालय के सप्त दिवसीय शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने व्यायाम किया तत्पश्चात पूरे विद्यालय की सफाई का कार्य किया। स्वयंसेवक एवं सेविकाएं टोली बनाकर जीराबस्ती गांव में गए तथा वहां पर स्थित शिव मंदिर एवं अन्य मंदिरों की साफ सफाई का कार्य किया। आज बौद्धिक सत्र के मुख्य वक्ता जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. सुनील कुमार यादव थे। उन्होंने शिविरार्थियों को भारत सरकार के जागरूकता कार्यक्रम-फाइलेरिया मुक्त बलिया के कार्यक्रम से परिचय कराया। साथ ही, उन्हें फाइलेरिया से बचाव हेतु दवा खिलवाई। बौद्धिक सत्र के दूसरे वक्ता टीडी कॉलेज में समाजशास्त्र के प्राध्यापक डॉ. अनिल कुमार रहे। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व एवं प्रभाव पर प्रकाश डाला। मौके पर डॉ. सुनील कुमार यादव एवं उनके सहयोगी कार्यक्रम अधिकारी डा. अनिल सिंह, डा शिवनारायण यादव, डॉ. राजीव शुक्ला, डॉ. अवनीश पांडेय, अमित सिन्हा, डॉ. दुर्गा सिंह आदि उपस्थित रहे।

हाईस्कूल की परीक्षा में धराया एक मुन्ना भाई

बैरिया (बलिया)। महात्मा गांधी इंटर कालेज दलन छपरा में एक मुन्ना भाई परीक्षा देते हुए बुधवार को हाईस्कूल की परीक्षा मे पकड़ा गया। जिसके खिलाफ बाह्य केंद्र ब्यवस्थापक के तहरीर पर दोकटी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मुन्ना भाई को न्यायालय के सुपुर्द कर दिया है। थानाध्यक्ष दोकटी मदन पटेल ने बताया कि बुधवार के सुबह के पाली में बोर्ड के दसवी की संस्कृत के परीक्षा के दौरान महात्मा गांधी इंटर कालेज दलनछपरा में रामनाथ पाठक इंटर कालेज मुरारपट्टी का छात्र गौतम यादव पुत्र गंगा दयाल यादव निवासी मुरारपट्टी का परीक्षा था। जिसके जगह पर अभय कुमार यादव पुत्र संजय कुमार यादव निवासी मुरारपट्टी परीक्षा दे रहा था। बाह्य केंद्र ब्यवस्थापक जितेंद्र कुमार शुक्ल द्वारा जब अभिलेख से छात्रों का मिलान किया जा रहा था। तो उक्त आरोपी पकड़ में आ गया। केंद्र ब्यवस्थापक ने तत्काल पुलिस को बुलाकर उसे सौप दिया। परीक्षा समाप्त के बाद बाह्य केंद्र ब्यवस्थापक जितेंद्र कुमार शुक्ल के तहरीर पर पुलिस ने दोनों किशोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाई में जुट गई। वर्तमान में नकल विहीन परीक्षा होने के बावजूद इस तरह की घटना से चर्चाओ का बाजार गर्म है।

बजट में बलिया के लिए है शून्यः कान्हजी

बलिया। प्रदेश सरकार द्वारा बुधवार को विधानसभा में प्रस्तुत बजट को लेकर विपक्षी दलों ने खासकर सपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। सपा के जिला प्रवक्ता सुशील कुमार पाण्डेय 'कान्हजी' ने कहा कि वैसे तो पूरे उत्तर प्रदेश के लिए बजट में कुछ भी नहीं है, लेकिन बलिया को और भी अधिक निराशा हुई है, यह बजट जिले के लिए शून्य है। कान्हजी प्रेस को जारी अपने बयान में कहा कि 2017 तक सपा सरकार के दौरान प्रदेश सरकार के खजाने का मुंह बलिया की तरफ रहता था। उसे मोड़कर कर दूसरी तरफ कर दिया गया है। उद्योग शून्य जिला को इस बार भी कुछ नहीं मिला न तो सड़क और न ही किसी बड़े संस्थान की घोषणा हुई है। कान्हजी ने कहा कि भाजपा सरकार में बलिया की अनदेखी यहां के जनप्रतिनिधियों की नाकामी है।

शराब माफियाओं के खिलाफ नहीं हुई कोई कार्रवाई

बेरुआरबारी। शराब तस्करों द्वारा युवक की बुरी तरह से पिटाई कर अधमरा छोड़ देने के बाद गड़वार पुलिस ने सम्बंधित धराओं में मुकदमा तो पंजीकृत कर दिया, लेकिन आज पांच दिनों बाद भी सुखपुरा थाने के हिस्ट्रीशीटर व शराब माफियाओं के खिलाफ कोई कार्रवाई न होने से जहां पीड़ित पक्ष घर के अन्दर ही सहमा व डरा हुआ है, वहीं तस्करों का हौसला बुलंद हैं। बता दें कि गड़वार थाना क्षेत्र के नारायनापाली में स्कार्पियों सवार शराब माफियाओं ने हरिपुर निवासी पियूष सिंह 27 वर्ष को बेरहमी से पीट कर उस समय बुरी तरह से घायल कर दिया जब वे अपने चारपहिया वाहन से नारायणना पाली से कुछ साथियों के साथ वापस अपने घर हरिपुर आ रहे थे। घटना के पीछे शराब माफियाओं के विरुद्ध पुलिस की मुखबिरी करना बताया जाता है। इस संबंध में गड़वार पुलिस ने पांच नामजद सहित 7-8 अज्ञात लोगों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 323, 504, 506 व 308 आईपीसी दर्ज किया गया है। लेकिन पुलिस के तरफ से किसी शराब माफियाओं के विरुद्ध कोई कार्रवाई न करना लोगों के समझ से परे है। शराब माफिया संगम यादव, पंचानन यादव, अखिलेश यादव, यह तीनों अपराधी सुखपुरा थाने के हिस्ट्रीशीटर भी है कारण की सुखपुरा थाने पर इन शराब माफियाओं को संरक्षण देने वाला पुलिस कर्मी का भरपूर संरक्षण प्राप्त है। जिसके कारण बेखौफ होकर अपराधी घूम रहे हैं इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं तथा क्षेत्रीय लोगों में काफी आक्रोश है।

ट्रेनों के रूट डायवर्जन से यात्रियों को हो रही परेशानी

बैरिया (बलिया)। बलिया-छपरा रेलखंड रूट से कई ट्रेन बुधवार को भी कैंसिल की गई। वही कई ट्रेनों को डाईबर्ट भी किया गया। जिसके कारण यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को भी बलिया-सियालदह एक्सप्रेस को बलिया के बजाय छपरा से ही चलाया गया। डाउन इंटरसिटी एक्सप्रेस, छपरा एक्सप्रेस, उत्सर्ग एक्स. व छपरा औड़िहार पैसेजर ट्रेन को कैंसिल किया गया। वहीं स्वतंत्रता सेनानी एक्स., सदभावना एक्स. को डाईबर्ट कर चलाया गया। जबकि अप इंटरसिटी एक्स., उत्सर्ग एक्स. व छपरा-वराणसी सिटी पैसेजर ट्रेनों को कैंसिल किया गया। वहीं साबरमती एक्स. व स्वतंत्रता सेनानी एक्स. को डाईबर्ट कर चलाया गया।

संक्षेप

सनबीम स्कूल की अनन्या पाण्डेय व अद्वैत कार्तिक का फिट इंडिया क्विज में हुआ चयन

मऊ। विद्यार्थियों को उनकी फिटनेस के बारे में जागरूक करने के लिए शिक्षा विभाग, भारत सरकार ने फिट इंडिया क्विज 2022 का आयोजन किया था जिसमें सनबीम स्कूल की कक्षा दसवीं की छात्रा अनन्या पाण्डेय तथा कक्षा नौवीं के छात्र अद्वैत कार्तिक का चयन मेरिट लिस्ट में हुआ है। अब ये विद्यार्थी इसी क्विज के अगले राउंड में प्रतिभाग करेंगे। जैसे ही विद्यार्थियों के उत्तीर्ण होने की सूचना मिली पूरे विद्यालय में हर्षोल्लास का वातावरण बन गया। विद्यालय के प्रबंधक राकेश गर्ग ने चयनित विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित की। विद्यालय के प्रधानाचार्य मिनहाज अली हैदर खान ने इसे एक बहुत बड़ी उपलब्धि बताया। अनन्या तथा अद्वैत के परिवार में इस सूचना के मिलते ही खुशी की लहर दौड़ गई। फिट इण्डिया क्विज में खेलों के इतिहास, कॉमन वेल्थ गेम्स, ओलमपिक्स, योग, एशियन गेम्स, खेलो इंडिया गेम्स और दूसरे लोकप्रिय खेलों से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गए थे। इस प्रतियोगिता में पूरे देश से विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया है। यह प्रतियोगिता चार चरणों में संपन्न होगी तथा विजेता छात्र को ढ़ाई लाख रूपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। यह इस प्रतियोगिता का प्रथम चरण था इसके पश्चात ये विद्यार्थी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

पिछड़ा वर्ग आयोग की बैठक आज

मऊ। नगर निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के संबंध में अनुभाविक जांच एवं अध्ययन तथा साक्ष्य एकत्रित किए जाने हेतु उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग की बैठक आजमगढ़ मंडल स्तर पर 23 फरवरी को अपराहन 2:30 बजे से आहूत की गई है। अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व के संबंध में अनुभाविक जांच एवं अध्ययन के साथ-साथ निकायवार एवं अनुपातिक आरक्षण के बाबत समकालीन आख्या के लिए यदि किसी व्यक्ति/संस्था/पार्टी को अपना पक्ष प्रस्तुत करना है तो वह लिखित/मौखिक आकलन आयोग के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं, साथ ही सूचना प्रकाशन तिथि से 07 दिन के भीतर आयोग को अथवा जिलाधिकारी कार्यालय मऊ में लिखित रूप से अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

समय से निर्माण कार्य पूरा न होने पर होगी कार्रवाई : सीडीओ

मऊ। बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी प्रशान्त नागर के अध्यक्षता में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) विभाग द्वारा संचालित पेयजल योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) ने बताया कि जनपद मऊ में नामित कार्यदाई संस्था मेसर्स एलसी इंफ्रा, अहमदाबाद को कुल 461 राजस्व ग्रामों में हर घर नल योजना के निर्माण कार्य का लक्ष्य आवंटित है। कार्यदाई संस्था द्वारा राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन को कुल 218 नग पेयजल योजनाओ का प्रेषित डीपीआर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन को जिला पेयजल योजना एवं स्वच्छता समिति के माध्यम से प्रेषित किये जा चुके है। जिनमें से 213 नग डीपीआर की राज्य पेयजल एवं स्वच्छता समिति से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। जिनमें से 142 योजनाओ पर कार्य शुरू भी किया जा चुका है। मुख्य विकास अधिकारी ने नामित कार्यदाई संस्था को राज्य स्तर से स्वीकृत सभी 71 योजनाओं पर 1 सप्ताह के अंदर कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान स्वीकृत योजनाओं की भौतिक प्रगति ठीक न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कार्यदाई संस्था के जिला प्रतिनिधि को 1 सप्ताह के अंदर सभी कार्य स्थलों पर मशीनों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही मजदूरों की संख्या को बढ़ाते हुए निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने जिला प्रतिनिधि को समस्त कार्य स्थलों पर सुरक्षा मानकों को अपनाने एवं आमजन की दिक्कतों को देखते हुए कार्य कराने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान अधिशासी अभियन्ता जल निगम ने बताया कि जनपद मऊ में जल जीवन मिशन हर घर नल योजना के अन्तर्गत जनपद मऊ हेतु नामित कार्यदायी संस्था जीए इन्फ्रा विश्वनाथ प्रोजेक्ट लिमिटेड को कुल 509 राजस्व ग्रामों हेतु आगणन विरचन एवं निर्माण कार्य का लक्ष्य आवंटित है।

पट्टे की जमीन पर कब्जे को लेकर ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

जनसंदेश न्यूज

कोपागंज, मऊ। गंगुआ बारी के भैरोंपुर में पट्टे की जमीन पर कब्जे को लेकर महिलाओं बुधवार को जमकर विरोध प्रदर्शन किया। चेतावनी दिया कि जमीन ग्राम ग्राम समाज की है और जमीन पर कब्जे करने का प्रयास किया गया ग्रामीण सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होंगे मौके पर पहुंची पुलिस और राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन कर रहे महिलाओं को किसी तरह समझा-बुझाकर उन्हें शांत कराया। गंगुआ बारी के भैरोपुर में बंजर की तीस कड़ी जमीन गांव के ही एक व्यक्ति को आवंटित की गई है। जमीन आवंटन के विरोध दूसरे पक्ष द्वारा न्यायालय में काफी दिनों से लंबित रहा। जमीन पर विवाद को कब्जे को लेकर दोनों पक्षों विवाद और तनाव बरकरार रहा। जिसके बाद आवंटित की गई जमीन के विरोध में मामला डीएम न्यायालय और कमिश्नरी तक पहुंचा जहां दोनों जगहों से आवंटित गई जमीन के आदेश को सही ठहराया गया। जिसके बाद बुधवार को क्षेत्रीय लेखपाल रामाशीष और कृष्ण मुरारी आवंटित की गई जमीन की जांच के लिए मौके पर पहुंचे इसी दौरान दूसरे पक्ष द्वारा पट्टे के लिए आवंटित की गई जमीन पर कब्जे को लेकर महिलाएं आक्रोशित हो गई और विरोध प्रदर्शन करने लगीं। विरोध प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने कहा कि जमीन ग्राम समाज की है और काली माता मंदिर के सटे हुए है। जिस पर गांव के ही कुछ लोग कब्जा करने के प्रयास में लगे हैं। सूचना के बाद पहुंची डायल 112 पुलिस और राजस्व कर्मचारियों ने ग्रामीणों को समझाते बुझाते हुए उन्हें शांत कराया और आवंटित की गई जमीन को लेकर प्रशासन के आदेश को समझाया। विरोध प्रदर्शन के दौरान सरिता देवी, नर्सरी, रीता, भगवंती, मालती, फुलवा, ललही, चनपतिया आदि महिलाएं मौजूद थीं। उधर महिलाओं के आक्रोश को देखते हुए ग्राम प्रधान मौके से फरार हो गया।

गुंडा ऐक्ट के तहत डीएम ने पांच लोगों को किया जिला बदर

मऊ। बुधवार को जिलाधिकारी अरुण कुमार ने गुंडा एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 लोगों को 6 माह के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी किए। जिला बदर किए गए अपराधियों में टेन सिंह भास्कर पुत्र भगवानदास, निवासी बरडीहा थाना मोहम्मदाबाद गोहना जनपद मऊ, मुलायम पुत्र भगवानदास निवासी बरडीहा थाना मोहम्मदाबाद गोहना जनपद मऊ, कैलाश यादव पुत्र रामपति यादव निवासी दौलसेपुर थाना रानीपुर जनपद मऊ, पंकज यादव पुत्र हीरा यादव निवासी रामपुर चकिया थाना दक्षिण टोला मऊ एवं अभय राव हरिजन उर्फ महाकाल पुत्र अभय कुमार हरिजन, निवासी पावर हाउस कॉलोनी निजामुद्दीनपुरा थाना कोतवाली नगर जनपद मऊ के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए जिलाधिकारी श्री अरुण कुमार ने 6 माह के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी किए। इन सभी अपराधियों पर विभिन्न थानों में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक को निष्कासन अवधि के दौरान इन पर कड़ी नजर रखने एवं जनपद की सीमा में प्रवेश न करने हेतु व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

प्रकृति ने दी बसंत आने की दस्तक, आम के पेड़ों पर दिखा बौर

कोपागंज, मऊ। सर्द मौसम के बाद अब मौसम गुलाबी हो रहा है। खुद प्रकृति ने बसंत आने की दस्तक दी है। आम के पेड़ों पर आई बौर और गेहूं की फसल में आ रही बाली का रग सुनहरा हो रहा है बसंती मौसम का अहसास करा रही है, लेकिन मौसम मे तेजी से बदलाव आम की फसल को नुकसान होने की भी आशंका पैदा कर रहा है। मौसम साफ होने और गुनगुनी धूप होने के साथ ही आम के पेड़ों में बौर आ गये हैं। वह चाहे देशी आम के पेड़ हों या फिर कलमी लेकिन, बदलता मौसम आम के बौर के लिए नुकसान दायक है। मौसम के बदलाव से आम के बौरों में कीट लगने का खतरा बढ़ जाता है। बौर में लासा लग जाता है। इससे आम के बौर में फल नहीं आते और आम का बौर नष्ट हो जाता है। बसंत ऋतु के आगमन के साथ ही आम के पेड़ों में बौर आना शुरू हो गया है। इसलिए बाग वाले किसानों व व्यापारियों ने अच्छी फसल लेने के लिए आम के पेड़ों में बौर आते ही उसकी देखभाल शुरू कर दी है।

धान खरीद की अद्यतन स्थिति के संबंध में समीक्षा बैठक संपन्न

मऊ। बुधवार को जिलाधिकारी अरुण कुमार की अध्यक्षता में धान खरीद की अद्यतन स्थिति के संबंध में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान डिप्टी आरएमओ विपुल सिन्हा ने बताया कि जनपद के 50 धान क्रय केंद्रों मे से वर्तमान में खाद्य विपणन विभाग द्वारा संचालित धान क्रय केंद्रों पर ही खरीद हो रही है, जो 28 फरवरी तक चलेगी। शेष एजेंसियों द्वारा संचालित क्रय केंद्रों पर धान क्रय का कार्य गत माह से ही बंद है।

उन्होंने बताया कि खाद्य विपणन विभाग द्वारा संचालित धान क्रय केंद्रों के निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 100 प्रतिषत खरीद का कार्य पूर्ण हो चुका है। अन्य एजेंसियों द्वारा संचालित धान क्रय केंद्रों के माध्यम से उनके लिए निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष कम धान खरीद के कारण अब तक जनपद के लिए निर्धारित लक्ष्य का कुल 75.33 प्रतिशत धान खरीद का कार्य हुआ है। उन्होंने बताया कि क्रय केंद्रों से धान डिलीवरी का कुल प्रतिशत 91.36 है जिसमें सबसे कम 79.23 प्रतिषत पीसीएफ द्वारा संचालित क्रय केंद्रों का है। पीसीएफ द्वारा संचालित धान क्रय केंद्रों से मिलो को धान डिलीवरी की स्थिति सबसे खराब होने पर डीएम ने इस माह के अंत तक धान डिलीवरी की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश पीसीएफ के जिला प्रबंधक को दिए। साथ ही उन्होंने राइस मिलों को पर्याप्त मात्रा में बोरो की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा,जिससे सीएमआर की स्थिति में सुधार हो सके एवम् क्रय केंद्रों से धान उठान की कारवाई शीघ्र पूर्ण की जा सके।अन्यथा की स्थिति में उन्होंने कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी। खाद एवं रसद विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारी ने बताया कि माह के प्रारंभ में कुल रिक्त दुकानों की संख्या 3 थी, जिनमें से 2 रिक्त दुकानों में माननीय न्यायालय से स्थगन आदेश पारित होने के कारण उनकी नियुक्ति नहीं हो पाई है।

गणित की परीक्षा में दो मुन्नाभाई गिरफ्तार

जनसंदेश न्यूज

कोतवाली परिसर में मुन्नाभाई को मीडिया के समक्ष पेश करती पुलिस।

गाजीपुर। यूपी बोर्ड परीक्षा में आएं दिन मुन्नाभाई पकड़े जा रहे है। जिला प्रशासन ने बुधवार को परीक्षा के दौरान दूसरे की जगह पर परीक्षा देते दो मुन्नाभाई को पकड़ा जिसे पुलिस के हवाले कर दिया।

पुलिस मुन्नाभाई के खिलाफ कार्रवाई करने में जुट गई है। ज्ञात हो कि जन भारती इण्टर कालेज, खानगीचक में प्रथम पाली में हाई स्कूल की गणित विषय की परीक्षा चल रही थी और उस दौरान परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र के आधार पर सत्यापन केन्द्र व्यवस्थापक चन्द्रिका यादव पुत्र स्व. निफिकिर यादव निवासी ग्राम खानगीचक थाना कोतवाली द्वारा किया जा रहा था। कक्ष संख्या एक में परीक्षार्थी धर्मेन्द्र कुमार प्रजापति अनुक्रमांक 1232400228 के स्थान पर हरे राम पुत्र मुसाफिर निवासी ग्राम वयेपुर, देवकली थाना कोतवाली व कक्ष संख्या 05 में ज्ञानेन्द्र यादव पुत्र संतोष यादव अनुक्रमांक 1232364470 के स्थान पर राजन यादव पुत्र पप्पु यादव निवासी परसही (सकरा) थाना कोतवाली अनुचित ढंग से परीक्षा देते हुये पाये गये। धोखाधड़ी करके और अभिलेखों में हेराफेरी कर के मूल परीक्षार्थी के स्थान पर परीक्षा देते हुए पकड़े गये।

एसडीएम के निरीक्षण में तीन शिक्षक गायब

बोले डीएम

वर्णित मॉड्यूल के अनुसार निरीक्षण करने का निर्देश

जनसंदेश न्यूज

परिषदीय विद्यालयों का निरीक्षण करते उप जिलाधिकारी सेवराई राजेश प्रसाद चौरसिया।

सेवराई/गहमर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने बेसिक शिक्षा विभाग के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों का निरीक्षण प्रेरणा एप के माध्यम से करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिला स्तरीय टास्क फोर्स में शामिल अधिकारियों को विद्यालयों का निरीक्षण करने के दौरान प्रेरणा एप का प्रयोग करने के लिए कहा है। जिसके तहत बुधवार को उपजिलाधिकारी सेवराई राजेश प्रसाद चौरसिया ने प्राथमिक पाठशाला संतरामगंज बाजार भदौरा व कम्पोजिट विद्यालय सेवराई का निरीक्षण किया।

प्रेरणा पोर्टल से आनलाइन निरीक्षण में प्राथमिक विद्यालय संतरामगंज बाजार के शिक्षक सुनीता सिंह व चंदन कुमार तथा कम्पोजिट विद्यालय सेवराई के विरेन्द्र कुमार अनुदेशक गायब मिले।

वहीं मेन्यू के अनुसार दोनों विद्यालयों में मध्याहन भोजन व दूध बच्चों को नहीं दिया गया था। उपजिलाधिकारी सेवराई राजेश प्रसाद चौरसिया ने बताया कि विद्यालयों में पढ़ाई का माहौल तैयार करने के लिए डीएम ने शासनादेश में वर्णित माड्यूल के अनुसार निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। जिसमें प्रतिमाह पांच विद्यालयों का निरीक्षण करना है। इसके बाद निरीक्षण आख्या को प्रेरणा एप के माध्यम से ऑनलाइन सुरक्षित करके निदेशालय के केंद्रीय सर्वर पर भेजा दिया गया।

धात्री महिलाओं में पोषाहार वितरित

स्थानीय विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय चकदाऊद में लाभार्थियों को राशन वितरण करती आंगनबाड़ी कार्यकत्री।

मनिहारी। स्थानीय विकासखंड के चकदाऊद प्राथमिक विद्यालय पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा योजना के तहत गर्भवती व धात्री महिलाओं एवं छोटे बच्चों को पोषाहार का वितरण किया गया। इस दौरान उपस्थित महिलाओं को पोषाहार के बारे में विस्तार से जानकारी भी दी गई।आंगनबाड़ी केंद्र-की कार्यकत्री प्रियंका मिश्रा एवं मिनी आंगनबाड़ी मधु सुमन देवी द्वारा गर्भवती महिला और धात्री महिलाओं एवं बच्चों को टेक होम राशन योजना के तहत पोषाहार बांटा गया।

जिसमें आंगनबाड़ी केंद्र में पंजीकृत सात से 3 वर्ष तक के 41 बच्चों को दलिया, चने की दाल, रिफाइन तेल तथा 30 गर्भवती महिलाओं और धात्री महिलाओं को चने की दाल, नमक, आदि वितरण किया गया। सीडीपीओ ए.के.दूबे ने बताया कि दो आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा लाभार्थियों को राशन नहीं बांटने की शिकायत मिली है। इसकी जांच कराई जा रही है। दोषी मिलने पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।इस मौके पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री प्रियंका मिश्रा व मिनी आंगनबाड़ी कार्यकत्री मधुसुमन देवी, सहायिका लखपतिया, शिवरानी, वंदना, अजय यादव, दुर्गेश, प्रदीप, आराध्या, किरन देवी, जितेन्द्र यादव, विशाल, गीता देवी आदि मौजूद थी।

निजी वाहनों का चालान, सरकारी पर मेहरबान

बंधवा पुल के पास से बिना हेलमेट गुजरता सुरक्षाकर्मी।

विकास भवन चौराह के पास बिना नंबर प्लेट व इंडीकेटर के जाता ट्रैक्टर-ट्राली।

> सरकारी वाहनों को सरकार की ओर से टैक्स, फिटनेस, इंश्योरेंस की छूट दी गई है। मगर, प्रदूषण जांच कराना अनिवार्य है। जिन अधिकारियों के लिए निजी टैक्सी गाडियां लगी हैं, उनको आम वाहनों के सभी नियमों का पालन करना अनिवार्य है। जनता और अधिकारियों के लिए नियम समान हैं।
>
> राम सिंह, एआरटीओ

अनदेखी

यातायात पुलिस सुरक्षाकर्मियों पर नहीं लगाती लगाम

गाजीपुर। यातायात पुलिस से लेकर परिवहन विभाग तक आमजन के वाहनों के चालान काटने में दनादन लगा हुआ है। इसको लेकर कई बार पुलिस-जनता और जनप्रतिनिधियों का आपस में टकराव भी हो चुका है। थानों के सामने पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी से लेकर मामला गाली-गलौज तक पहुंच चुका है।

यह गुस्सा यूं ही नहीं है। यातायात नियम तोड़ने पर जनता पर भारी-भरकम जुमार्ना लाद दिया जाता है। पर, अपने ही अधिकारियों पर मेहरबानी दिखाई जाती है। जिला प्रशासन से लेकर पुलिस विभाग तक के अधिकारियों के वाहनों के दस्तावेज पूरे नहीं है। यह हाल तब है जब सरकारी वाहन को शासन ने टैक्स, इंश्योरेंस, फिटनेस परमिट जैसे मानकों से दूर रखा है। सिर्फ उन पर प्रदूषण जांच कराना अनिवार्य है। मगर, यह एक जांच भी नहीं कराई जा रही है। कई लोगों पर तो चालान लंबित हैं। इनको भरा नहीं जा रहा है। इससे साफ है कि अधिकारियों के रौब के आगे सरकार के दावे फेल और कानून बौना है। यहां कुछ अधिकारियों के वाहनों की जानकारी दी जा रही है, जो कि सिर्फ बानगी भर है। जिले में दर्जनों अधिकारियों के सरकारी और निजी वाहन है, जिनको नियमों को ताक पर रख सड़कों पर दौड़ाया जा रहा है।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट न लगाने पर कब होगा चालान

गाजीपुर। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के जांच अभियान में निजी वाहनों का तो चालान किया जा रहा है पर सरकारी वाहन बेरोकटोक फर्राटा भर रहे हैं। पुलिस व रोडवेज विभाग के कई वाहन पुरानी नंबर प्लेट लगाकर सड़कों पर दौड़ रहे हैं। जिम्मेदार इसे लेकर खामोश हैं। निजी वाहन चालक राजू, प्रमोद, शकील, दीपू व अफरोज ने आरोप लगाया कि अधिकारी कार्रवाई करते हैं, जबकि सरकारी वाहनों को छोड़ दिया जाता है।

लटकती मौत, जिम्मेदार कौन ?

लापरवाही

लटकते बिजली के तार जमीन पर गिरने को बेताब

आवास के ऊपर से गुजरता हाईटेंशन तार।

गाजीपुर। बस्ती के ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन किसी बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण दे रहे हैं। हाईटेंशन तार के नीचे जाली नहीं लगायी गयी है और न ही कोई सुरक्षा कवच की व्यवस्था की गयी है, जिससे हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। विभिन्न जगहों पर झुके खंभों पर बिजली के जर्जर तार काल बनकर लटक रहे हैं। इनके संपर्क में आने से अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है। थोड़ी भी तेज हवा में बेतरतीब ढंग से झूलते तारों के नीचे से गुजरना खतरे से खाली नहीं। जबकि बिजली विभाग के जिम्मेदार इस ओर से आंखें बंद किए हुए हैं।

आए दिन शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न हिस्सों में बिजली के तार से प्रवाहित करंट की चपेट आने से मौत की खबरें आती रहती हैं। चार दशक पूर्व तक शहर का विस्तार महज 3 से 5 किमी तक सिमटा हुआ था, मगर आहिस्ता-आहिस्ता शहर फैलता चला गया। शहर का विस्तार अब 10-12 किमी तक हो गया है। आज से वर्षों पहले शहर के किनारे हाईटेंशन लाइन, 33 केवी और 11 केवी लाइन का जाल बिछाया गया, मगर बाद मे शहर के विकास के साथ-साथ जमीन भी बिकती गई।

लोग जमीन खरीदते भी गए। धड़ाधड़ मकान बनाते गए। इसके बाद वही तार उनके घर की छतों के ऊपर आ गए। ये बिजली के तार सीधे तौर पर मौत के तार हैं। अब ये मौत का आमंत्रण ही दे रहा है। ऐसे ही नए मुहल्ले और कॉलानियों का जायजा जनसंदेश टाईम्स की टीम ने लिया। जहां पर पाया गया कि उनके घर और मकान की छतों से सीधे तौर मौत के तार झूल रहे हैं, जरा सी चूक हुई कि बड़ा हादसा इंतजार कर रही है। फुल्लनपुर में बिजली के पोल और तार खतरनाक ढंग से लगे हैं। यहां के मुहल्ले में उलझे हुए बिजली के तार के रूप में लोगों की मौत झूल रही है, जो एक बड़े हादसे को आमंत्रित करती है। यहां एक ही पोल से सैकड़ों कनेक्शन बेतरतीब ढंग से दिए गए हैं, जिससे तारों का मकड़जाल बन गया है। तार भी इतना नीचे है कि कोई भी उसके संपर्क में आ सकता है। बता दें कि 2020 में इसी मकड़जाल में फंसकर एक घर की छत पर प्लास्टर का काम कर रहे एक राजमिस्त्री की मौत हो गई थी। इन बस्तियों में रहने वाले दिहाड़ी मजदूर, ठेले खमोचे लगाने वाले किसी तरह जुगाड़ कर सर छुपाने के लिए घर बना कर रहते हैं।

> **क्या कहते हैं स्थानीय लोग**
>
> सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश सिंह, जसपाल सिंह व मोइन खान ने कहा कि जिले में बिजली के तार व पोल की स्थिति काफी दयनीय है। अक्सर लोग हादसे के शिकार होते रहे हैं। ऐसी घटनाओं के लिए बिजली विभाग पूरी तरह जिम्मेदार है। नंगे बिजली तारों के नीचे कहीं भी सपोर्ट नहीं है, जिससे जर्जर तार टूटकर सीधे जमीन पर गिर जाते हैं और राहगीर उनकी चपेट में आकर जान गंवा बैठते हैं। विभाग को जर्जर बिजली तारों व पोल को तुरंत बदलते हुए तार के नीचे जाली देनी चाहिए। इससे अनहोनी से बचा जा सकता है।

क्षतिग्रस्त पुलिया से गुजर रहे ओवरलोड वाहन

रेवतीपुर बाया गहमर लिंक रोड की क्षतिग्रस्त पुलिया।

रेवतीपुर। भुतहिया पुलिया के नाम से यह प्रसिद्ध पुरानी पुलिया रेवतीपुर बाया गहमर लिंक रोड पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। लेकिन विभाग पुलिया को ठीक कराने का जिम्मेदारी नहीं उठा रहा है। जिससे राहगीरों को बड़ी दुर्घटना का डर सता रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि पुलिया का निर्माण हुआ ही नहीं और सड़क प्रधानमंत्री सड़क रोजगार योजना के तहत कई बार बनाया एवं रिपेयर किया जा चुका है। जिस कारण इस पुलिया की ऐसी दशा है जिसके दोनों तरफ सड़क की मिट्टी रोकने के लिए दीवाल बनी रहती है। वह गिर चुकी और सड़क के दोनों तरफ खाई जैसा दिखाई दे रहा है। यह खतरे को बढ़ावा दे रहा है और पुलिया के बगल से मिट्टी और रोड कटके पुलिया के नीचे गहराई में गिर रहा है और पुलिया जर्जर हो चुकी मेन रोड पर ही बोर्ड लगा दिया गया। पुलिया जर्जर हैं। भारी वाहन प्रवेश वर्जित है। लेकिन क्या केवल बोर्ड लगा देने से भारी वाहनों का आना जाना है रुक जाएगा भारी वाहन प्रवेश नहीं करेंगे। जबकि पुलिया के पूरब कामाख्या गहमर के तरफ कई गिट्टी, बालू, सीमेंट की दुकानें हैं। जिससे भारी वाहनों का आना जाना लगा रहता है और गैस गोदाम भी इसी साइड है। इसलिए भारी वाहन प्रवेश का आना जाना नहीं रुकने वाला है। पीडब्ल्यूडी के तरफ से वर्षो से लगाये गये बोर्ड को पुलिया नव निर्माण कर हटाया जाएगा। बोर्ड इसी तरह से रहेगा और पुलिया दिन-ब-दिन जर्जर होती रहेगी।

रेलवे परिसर में टैम्पो चालकों का कब्जा,यात्री परेशान

सोनवल रेलवे क्रासिंग के पास बेतरतीब तरीके से ट्रैक किनारे खड़े टैम्पों लगा जाम।

सुहवल। स्थानीय थाना क्षेत्र के सोनवल क्रासिंग के समीप बनाए गये अस्थाई प्लेटफार्म के पास टैंपो चालकों के द्वारा ट्रैक से सटे मनमाने तरीके से वाहनों को खड़ा कर दिए जाने आए दिन जाम जैसे स्थिति उत्पन्न हो जा रही है। लोगों ने बताया कि इस ब्रांच लाइन पर चलने वाली यह एकमात्र पैसेंजर ट्रेन दिन में तीन फेरा लगाती है। ट्रेन के दिलदारनगर से सोनवल आने एवं यहाँ से जाते समय सवारी बैठाने के चक्कर ये टैंपों चालक बनाए गये अस्थाई प्लेटफार्म के एकदम समीप के साथ ही कभी कभार तो बीच क्रासिंग पर खड़ी कर सवारियां बैठाने से बाज नहीं आते,इनके द्वारा सवारी बैठाने के प्रयास में आपस में आए दिन नोकझोंक आम बात हो गई है, अगर इसी तरह आरपीएफ व स्थानीय थाना पुलिस उदासीन बनी रही तो भविष्य में कभी ये टैंपो चालकों के बीच सवारियों के बैठाने को लेकर संघर्ष हो सकता है। ग्रामीणों ने मांग किया कि ट्रेन के आने एवं जाने के समय मौके पर स्थानीय पुलिस व सम्बन्धित रेलवे पुलिस फोर्स का रहना जरूरी है।

इस संबंध में दिलदारनगर आरपीएफ पोस्ट प्रभारी निरीक्षक बाल गंगाधर ने बताया कि सुरक्षा को लेकर महकमा गंभीर है,जल्द ही ऐसे लोगों के खिलाफ अभियान चला कार्यवाई की जायेगी।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में संजना प्रथम

गाजीपुर। राजकीय महिला महाविद्यालय में महाविद्यालय स्तरीय विगत दिनों विभिन्न प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता ,निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा वादविवाद प्रतियोगिता शामिल थीं। महाविद्यालय स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संजना विश्वकर्मा ने प्राप्त किया, तथा रिया सिंह और जागृति सिंह ने क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही निबंध प्रतियोगिता में ज्योति विश्वकर्मा (एमए प्रथम सेमेस्टर) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि जूही जायसवाल बीए तृतीय सेमेस्टर और समरा फिरदौस बीए तृतीय सेमेस्टर ने क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाद विवाद प्रतियोगिता जिसका विषय था,'शिक्षा का निजीकरण होना चाहिए?' इस पर छात्राओं ने पक्ष और विपक्ष में खुलकर अपने विचार रखें। इसमें प्रथम स्थान अंजली वर्मा बी ए तृतीय सेमेस्टर ने प्राप्त किया द्वितीय और तृतीय स्थान क्रमशः जयती जैन और संजना विश्वकर्मा ने प्राप्त किया । सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का संयोजन डॉ राजेश यादव तथा डॉ अरुण प्रताप सिंह ने किया वहीं निबंध प्रतियोगिता तथा वाद विवाद प्रतियोगिता का संयोजन डॉ संगीता मौर्या तथा डॉ शशि कला ने किया।

सहकारिता आंदोलन के प्रमुख नेता थे राजकुमार त्रिपाठी : मनोज सिन्हा

कार्यक्रम

मुहम्मदाबाद में प्रतिमा का उपराज्यपाल ने किया अनावरण

जनसंदेश न्यूज

मुहम्मदाबाद में आयोजित कार्यक्रम में बोलते उपराज्यपाल मनोज सिन्हा।

मुहम्मदाबाद। सहकारिता रत्न से विभूषित कुशल शिक्षा व वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार त्रिपाठी की प्रतिमा का अनावरण बुधवार को जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने यूसुफपुर सहकारी समिति के प्रांगण में किया। इसके पश्चात सहकारी समिति के प्रांगण में स्वर्गीय राजकुमार त्रिपाठी की प्रतिमा का अनावरण मंत्रोचार के बीच हुआ। अनावरण के समय पंडित अभिषेक तिवारी व मुक्ति पांडे ने संयुक्त रूप से मंत्रोचार द्वारा दीप जलाकर प्रतिमा का अनावरण कराया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में योगेंद्र कुमार उप निदेशक इफ्फको दिल्ली थे। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि स्वर्गीय राजकुमार त्रिपाठी का बहुत सहयोग रहा है। त्रिपाठी जी के कारण ही सहकारी समिति हमेशा आगे रही। उन्होंने कहा कि त्रिपाठी जी उत्तर प्रदेश में सहकारिता आंदोलन के प्रमुख नेता थे। उन्होंने सहकारिता के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई। अंतरराष्ट्रीय सहकारी बैंकों में भी भाग लिया। वे मृदुभाषी व मिलनसार व्यक्ति थे। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा मुहम्मदाबाद में प्राप्त की । वे एक मिलनसार व्यक्ति थे। उपराज्यपाल ने अपने बचपन की यादों को ताजा करते हुए कहा कि स्वर्गीय त्रिपाठी के साथ उन्होंने भी बहुत समय बिताया है। स्व. त्रिपाठी ने शिक्षा के क्षेत्र में प्रवक्ता के रूप में और पत्रकार के रूप में अपनी पहचान बनाए रखी ।दोहरी भूमिका में उन्होंने सहकारिता को ग्रामीण समस्याओं के समाधान के रूप में पहचाना।

वे सहकारिता के लिए समर्पित थे। अंत में उपस्थित नागरिकों ने 2 मिनट का मौन रखकर स्वर्गीय त्रिपाठी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मंच का संचालन आनंद कुमार त्रिपाठी ने किया। सभा की अध्यक्षता विजय शंकर राय ने की। उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय राजकुमार त्रिपाठी की फोटो पर पुष्प अर्पित कर तथा दीप जलाकर सहकारी विचार गोष्ठी आरंभ किया। अंत में सभा अध्यक्ष ने सबको धन्यवाद देते हुए सभा का समापन किया।

संक्षेप

तय कीमत से अधिक वसूल रहे गैस सिलिंडर के दाम

गाजीपुर । जिले में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत से ज्यादा वसूली जा रही है। इससे रसोई गैस उपभोक्ताओं में रोष है। गैस सप्लाई करने वाली गैस एजेंसियों की मनमानी से उपभोक्ताओं को चूना लग रहा है। शहर क्षेत्र में रसोई गैस सिलेंडरों की सप्लाई के लिए छह से अधिक गैस एजेंसी की गाड़ियां भेजी जाती है। जहां उपभोक्ताओं को प्रत्येक सिलेंडर की तय कीमत 1125 रुपये का प्रति सिलेंडर का बिल काट कर दिया गया। लेकिन उपभोक्ताओं से 1175 रुपये वसूले गए। यानी प्रति सिलेंडर पचास रुपये अधिक की राशि ली गई। जब किसी उपभोक्ता ने एतराज जताया तो गैस सिलेंडर देने में हाकर आनाकानी करते हुए गोदाम से सिलेंडर लेने का फरमान सुना देते है।

सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करते बैंक प्रबंधक

गाजीपुर । कई बैंक अभी भी एटीएम बूथ के लिए तय सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं कर रहे हैं। पुलिस भी अपने ही अधिकारियों के निदेर्शों के पालन के प्रति सजग नहीं है। उसी का फायदा बदमाश उठाते हैं और उनकी तलाश करने में लगे पुलिस कर्मियों के वाहन हजारों रुपये का ईधन गटक जाते हैं। शहर में अभी भी विभिन्न बैंकों के 150 से अधिक एटीएम बूथों में 100 में सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं है। इसके अलावा मुहम्मदाबाद, सैदपुर, जखनिया, कासिमाबाद, दिलदारनगर, मरदह, नंदगंज आदि क्षेत्रों में भी कई एटीएम सुरक्षित नहीं हैं। कुछ बैंक सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं कर रहे हैं। एटीएम बूथ में तो न गार्ड होते हैं और न कैमरे। जबकि एटीएम बूथ की सुरक्षा व्यवस्था त्रिस्तरीय होनी चाहिए। पहले तो बूथ ऐसा हो, जिसके अंदर उपभोक्ता ही जाए, तीसरी आंख से लैस बूथ में गार्ड भी मशीन तक न जा सके। दूसरे, बूथ में तेजतर्रार गार्ड लगे, न कि किसी को भी खड़ा कर दिया जाए। तीसरे, बूथ ऐसी जगह लगे जहां पर पुलिस का सख्त पहरा हो। लेकिन ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है।

एससी-एसटी के छात्रों को मुफ्त शिक्षा दे रहा इग्नू

गाजीपुर। इंदिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, (क्ग्नडव) की ओर से शैक्षणिक सत्र जनवरी 2023 में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यूजी, पीजी, (स्नातक एवं स्नातकोत्तर) प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा आदि पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 20 फरवरी से बढ़ाकर 28 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। इच्छुक छात्र पीजी कालेज में स्थित इग्नू अध्ययन केन्द्र से सम्पर्क करें। इस आशय की जानकारी डा.एसएन सिंह ने दी है।

स्वामी सहजानंद सरस्वती की मनी जयंती

भांवरकोल। स्थानीय विकास खंड क्षेत्र के सहरमा स्थित किनवार कीर्ति स्तंभ परिसर में बुधवार को स्वामी सहजानंद सरस्वती का जयंती समारोह धूमधाम के साथ मनाया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ आयोजन के मुख्य अतिथि पूर्व प्रधानाचार्य विजय शंकर राय ने स्वामी सहजानंद सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया वक्ताओं ने स्वामी जी की जीवन शैली पर व्यापक प्रकाश डालते हुए उनके चरित्र को अनुकरणीय बताया कहा कि स्वामी जी आजीवन समाज एवं किसान हित में किसान आंदोलन से जुड़े रहे। इस अवसर पर सहरमा किनवार संस्थान के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने अंगवस्त्रम एवं माल्यार्पण से सम्मानित कर आगंतुकों का स्वागत किया ।इस मौके पर वेणीमाधव राय, बृजेंद्र नाथ राय, विनय कुमार राय, कमलेश राय शर्मा ,रामायण दादा ,नागा दुबे, संजय पाण्डेय ,अखिलेश्वर सिंह आदि रहे।

ओवरब्रिज के नीचे अतिक्रमण, आवागमन में दिक्कत

गाजीपुर। नगर में पुलिस अतिक्रमण नहीं हटा पा रही है। शहर के रौजा टैक्सी स्टैंड मार्ग के ओवरब्रिज के नीचे दुकानों ने कब्जा जमा लिया है। इससे आवागमन में लोगों को दिक्कत हो रही है। ओवरब्रिज के नीचे शहर का प्रमुख रोडवेज बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जाने के लिए रास्ता है। यहां पर सड़क से निकलना मुश्किल हो गया है। आसपास पूरे फुटपाथ पर कब्जा हो गया है। कोतवाली के सामने भी अतिक्रमण रहता है। स्थानीय निवासी दुकानदार बालकृष्ण, राजू, सुरेश प्रसाद, मोहन गुप्ता आदि ने बताया कि दुकानदार फुटपाथ पर कब्जा किए हैं।

बेतरतीब वाहन पार्किंग से यातायात व्यवस्था बदहाल

मुहम्मदाबाद। कस्बे में बेतरतीब ट्रैफिक व्यवस्था राहगीरों के लिए सिरदर्द बन गई है। बाजार में लोग जहां-तहां मनमर्जी से अपने वाहन खड़े कर देते हैं, इससे लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। मैन रोड, चौराहों पर जहां-तहां वाहन खड़े नजर आते हैं। इससे सभी परेशान होते हैं। बाजार चौक से लेकर मेन रोड, सब्जी मंडी, किराना मंडी तक व्यापारी गाड़ियों की लोडिंग व अनलोडिंग का कार्य करते हैं, इससे शनिवार और मंगलवार को जाम की स्थिति काफी विकट होती है। इस पर प्रशासन भी ध्यान नहीं देता। लोगों के मुताबिक दुकानों के लोडिंग व अनलोडिंग वाहन खड़े होने से आए दिन आवागमन को लेकर विवाद की स्थिति बन जाती है। बार-बार गुहार लगाने पर भी इस दिशा में प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इससे हालात सुधरने की जगह बिगड़ते जा रहे हैं।

नेटवर्क संकट से जूझ रहे मोबाइल धारक

गाजीपुर । मोबाइल फोन पर नेटवर्क न मिलने से क्षेत्र के लोग परेशान हो गए हैं। हालत यह है कि इतना स्लो नेटवर्क मिल रहा है कि लोग अपना जरूरी काम भी नहीं कर पा रहे हैं। क्षेत्र में कुछ जगह के लोगों को टू जी का भी नेटवर्क नहीं मिल पा रहा है। पूर्व रेल राज्यमंत्री मनोज सिन्हा के संचार मंत्रालय सम्भालने के बाद जिलेवासियों में उम्मीद जगी थी कि जैसा रेलवे के क्षेत्र में विकास देखने को मिल रहा है। उसी तरह दूर संचार के क्षेत्र में भी विकास होगा। लेकिन जनपद वासियों की यह उम्मीद धरातल पर नहीं उतर पाई है। जिले के जमानियां, मुहम्मदाबाद क्षेत्र में लोगों के पास मोबाईल तो है लेकिन नेटवर्क नहीं रहता। यहां पर बीएसएनएल समेत निजी कंपनियों के भी नेटवर्क न मिलने से मोबाईल खिलौना बन कर रह गया है। प्रतिस्पर्धा के दौर में अन्य क्षेत्रों के लोग विभिन्न कंपनी के 4 जी स्पीड डेटा का आनंद ले रहे वहीं ग्रामीण क्षेत्र के लोग नेट स्पीड की बात तो दूर फोन से आपस में बात भी नहीं कर पा रहे हैं। जो दूर दराज टावर लगे भी है तो उनके सिग्नल इतने कमजोर हैं कि बिना छत पर चढ़े लोग बात तक नहीं कर पाते हैं। नेटवर्क न मिलने की शिकायत लोग कंपनी के कस्टमर केयर से लेकर अधिकारियों तक से सैकडों बार कर चुके हैं लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है।

दौड़भाग कर हो रहे निराश, नहीं मिल रहा न्याय

मुहम्मदाबाद। संपूर्ण समाधान दिवसों के आयोजन के बाद भी फरियादियों की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। उन्हें मामलों के निस्तारण के लिए लगातार भटकना पड़ रहा है। कोई पैमाइश के लिए तहसीलों का चक्कर लगा रहा है तो रुकी हुई जल निकासी को बहाल करवाने के लिए परेशान है। भूमि पर अवैध कब्जे के मामलों में भी कई जगह कार्रवाई के लिए फरियादी परेशान हैं। आए दिन तहसील का चक्कर तो कभी जिलास्तरीय अधिकारियों का चक्कर लगाने के बावजूद न्याय से दूरी बनी हुई है। ऐसे फरियादियों से बात की गई तो उनका दर्द उभरकर सामने आ गया।

मशीनें खींच रहीं दूध की 'ताकत'

गाजीपुर । जिले भर में सौ से अधिक क्रीम निकालने की मशीनें लगी है। इन मशीनों के जरिए दूध से क्रीम निकालकर उसे टोंड व सेपरेटा बना दिया जाता है। हालांकि इस तरह के दूध से सेहत को तो कोई नुकसान नहीं, लेकिन पौष्टिक तत्व कम होने से बच्चों का विकास प्रभावित होता है। मिलावट पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने खाद्य सुरक्षा अधिनियम को संशोधित कर उसे और अधिक प्रभावी बनाया। सीएमओ से हटाकर विभाग सीधे प्रशासन के अधीन कर दिया। एडीएम प्रशासन को प्राधिकारी बना दिया गया। जिले में अभिहित अधिकारी के साथ तहसीलों के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की तैनाती कर दी गई। लेकिन उसका कोई फायदा नजर नहीं आ रहा है।

खाली प्लाटों व गलियों में जलभराव

गाजीपुर। नगर से सटी फतेहपुर सिकंदर ग्राम पंचायत की आवासीय बस्तियों में खाली प्लाटों में भरा पानी संक्रामक रोगों को दावत दे रहा है। गलियों में भरे पानी के कारण राहगीरों का निकलना दूभर हो रहा है। महंगे सरकारी सर्किल रेट देकर प्लाट का बैनामा कराने वाले लोग यहां विकास न होने से परेशान हैं। क्षेत्रीय लोगों ने खाली प्लाटों एवं गलियों में जलभराव से निजात की मांग की है। नगर से सटी ग्राम पंचायत फतेहपुर सिकंदर में लोगों ने जल्द विकास की उम्मीद संजोकर महंगे सर्किल रेट पर प्लाट खरीदकर मकान बनवाए। लगभग दो दशकों से यहां पर आलीशान मकानों का निर्माण बदस्तूर जारी है। कई कालोनियां यहां बस भी गईं। सैकड़ों की संख्या में बने मकानों में लोग रहने भी लगे हैं, लेकिन गलियों का निर्माण सिर्फ वहीं पर हुआ, जहां रहने वालों की अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से पकड़ है। इसके अलावा अधिकतर गलियां अभी भी ऊबड़-खाबड़ हैं। अधिकतर गलियां अभी बनने की बाट जोह रहीं हैं। जलनिकासी के इंतजाम न होने के कारण गलियों और खाली प्लाटों में पानी भरा रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गंदा पानी प्लाटों में भरा होने के कारण प्रत्येक वर्ष लोग संक्रामक रोगों से जूझते हैं।

जनसंपादकीय

जातीय राजनीति की मानसिकता से कब उबरेंगे

गिरीश्वर मिश्र

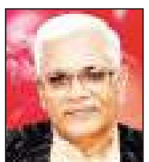

लोकतंत्र की व्यवस्था में राजनीति समाज की उन्नति के लिए एक उपाय के रूप में अपनाई गई । इसलिए सिद्धांततः उसकी पहली और अंतिम प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी जनता और देश के साथ बनती है । दुर्भाग्यवश आज की दलगत राजनीति के चलते एक दूसरे के साथ उठने वाली वर्चस्व की प्रतिस्पर्धा के बीच नेता गण राजनीति के इस बड़े प्रयोजन से आसानी से आँख मूँद लेते हैं । दूसरी ओर वे ऐसे मुद्दों और प्रश्नों को लेकर चिंताओं और विमर्शों को जीवित करने में कोई कसर नहीं छोड़ते जिनके सहारे उनके पक्ष की कुछ पुष्टि होती दिखती है या फिर मीडिया में चर्चा के बीच बने रहने के लिए कुछ जगह मिल जाती है । इस सिलसिले में ताजी हलचल जाति की प्रतिष्ठा को ले कर मची हुई है । हमारे राजनेता जाति को लेकर बड़े ही संवेदनशील रहते हैं क्योंकि वे एक ओर जाति का विरोध करते नहीं थकते क्योंकि वह अनेक विषमताओं का कारण मानी जाती है । एक सामाजिक समस्या के रूप में जाति का प्रकट विरोध किया जाता है । पर यह बात वे सिद्धान्त में ही स्वीकार की जाती हैं । व्यवहार के स्तर पर नेता गण जमीनी हकीकत को पहचानते और जानते हैं कि किस तरह जाति बिरादरी रिश्तों-नातों को आयोजित करती है । जाति एक राजनैतिक हथियार भी है । जाति की इस सच्चाई से वे भलीभाँति वाकिफ हैं और उसकी रक्षा के लिए जी जान से जुटे रहते हैं । वे जानते हैं कि अपने लिए वोट उसी के आधार पर बटोरना होगा । विचार और व्यवहार की यह दुविधा देश की नियति हो चुकी है । यह एक ऐसी खाई है जिसे भारतीय राजनीति पार करने या पाटने के लिए अपने को अभी तक तैयार नहीं कर सकी है । इस तरह जो जातिविरोधी हैं वे जाति की जयकार करते भी नहीं अघाते । उनका असमंजस वाला विचार यही है कि जाति ठीक तो नहीं है पर जाति जाए भी नहीं ! और इस तरह जाति-विरोध और जाति-सुरक्षा दोनों पर एक ही वक्ता सज धज कर मंच पर बैठे मिलते हैं और संदर्भ की दुहाई दे कर अपने छद्म को सही साबित करने की जुगत करते रहते हैं । अवसर निकाल कर जाति को आसानी से 'धर्म' से जोड़ दिया जाता है , फिर जाति और वर्ण को इच्छानुसार मिला दिया जाता है और उसे पाप मानते हुए अपनी सुविधानुसार किसी के भी ऊपर ठीकरा फोड़ा जाता है । यह कहानी जब तब दुहराई जाती रहती है , खास तौर पर तब जब हाथ में कुछ नहीं रहता और चुनाव आदि की सुनगुन के बीच बढ़ते वैचारिक शून्य को भरने की उतावली रहती है । इस बीच गोस्वामी बाबा तुलसीदास पर हाथ साफ किया जा रहा है । राजनीतिज्ञ जनों को मीडिया में भी सनसनी लाने के बहाने चाहिए सो उन्हें व्याख्या कुव्याख्या पेश करने का अवसर मिलता है । इन सबके बीच अभिव्यक्ति की आजादी अज्ञान पर टिके वैचारिक प्रदूषण का एक अनोखा जरिया भी बनता जा रहा है ।ऐसे में गोस्वामी तुलसीदास जैसे संत और उनकी वाणी को आरोपित करना और बिना समझे बूझे साहित्य से बहिष्कृत करने तक की संस्तुति देना अब बड़ा सरल हो गया है । अच्छा हो साहित्य के अध्ययन-विश्लेषण का कार्य साहित्यकारों को ही करने दिया जाय । व्यक्ति के रूप जो कोई कुछ करना और कहना चाहे उसके लिए वह जरूर स्वतंत्र है । यह चिंता का विषय है कि आज हवा हवाई बात करना एक राजनीतिक शगल होता जा रहा है । गैर ज़िम्मेदार तथ्यहीन बयानबाजी करते रहना राजनीति के खिलाड़ियों का जन्मजात अधिकार जैसा होता जा रहा है ।

इधर हुई चर्चा का लक्ष्य तुलसीदास जी का रामचरितमानस और फिर पंडित शब्द को बनाया गया । तुलसीदास जी की चौपाइयों को पिछली पाँच सदियों में आम आदमी ने गले लगाया है और वे आज भी लोक की जनस्मृति में दर्ज है । उनका अर्थ अनर्थ किया जाता रहता है । जहां तक पण्डित शब्द का प्रश्न है उसका एक मात्र अर्थ वह व्यक्ति है जो बुद्धिमान हो । बुद्धि का विकास तो इस बात में होता है कि व्यक्ति बड़े सत्य को देख सके । जो सब प्राणियों में एक ही तत्व देख सके (सर्वभूतेषु येनैकं भावमव्ययमीक्ष्यते) वह पंडित हुआ । भगवद्गीता की मानें तो पण्डित समदर्शी होता है और जो भेद बुद्धि अपनाए वह बुद्धि से रहित होता है । इसी तरह धर्म शब्द का अर्थ वह नियम है जिससे सब कुछ धारण किया जाता है । जो भी सृष्टि में विद्यमान है उसका आधार धर्म है । वह सबको संचालित करने वाला तत्व है । धर्म का आदर और पालन करना व्यक्ति , समाज और समस्त विश्व के लिए कल्याणकारी है । व्यवहार में धर्म के अनेक अर्थ मिलते हैं जिनमें आंतरिक गुण , नैतिकता , कर्तव्य , आदर्श नियम , प्रकृति आदि प्रमुख हैं। निश्चय ही रेलिजन एक सीमित अर्थ का बोधक है । एक प्रमुख विचार यह भी है कि धर्म वह है जिससे अभ्युदय और निःश्रेयस की प्राप्ति होती है। आचार , आनृशंस्य (करुणा), अहिंसा , सत्य को भी धर्म कहा गया है । साधारण धर्म , विशेष धर्म , सनातन धर्म , आपद धर्म , वर्णाश्रम धर्म भी होते हैं । धर्म का विचार गूढ़ है और परिस्थिति सापेक्ष होता है । धर्मशास्त्र , स्मृतियाँ , महाभारत आदि ग्रंथों में धर्म का विस्तृत विवरण मिलता है। धर्म , जिसे मनुष्यता का लक्षण कहा गया , धर्म के विचार के साथ न्याय न कर उसे सेकूलर का विरोधी घोषित कर रेलिजन का समानार्थी बना दिया गया ।

हमें धर्म शब्द का विवेक के साथ उपयोग करना चाहिए । रही बात तुलसीदास जी की और उनके धर्म और जाति के विवेक की तो खुद उन्हीं के शब्द याद करने की जरूरत है । वे अपने आराध्य श्रीराम से कहते हैं : सो सब धर्म कर्म जरि जाऊ । जिहि न रामपद पंकज भाऊ । जाति-पाति धनु धरमु बड़ाई । सब तजि रहे तुम्हहि लौं लाई । हे राम जी ! जाति-पाति , धन , धर्म , बड़ाई , सब कुछ छोड़ कर जो तुममें लौ लगाए , आप वहीं रहो । जो आदमी धर्म से चिपका रहे , जाति से चिपका रहे , वहाँ न रहो , तुम्हारे लिए वहाँ जगह नहीं है , वहाँ रहो जहां यह सब छोड़ कर केवल तुममें ध्यान रहता है । राम में ध्यान का मतलब है सबके सुख दुःख का ध्यान , सबकी आवश्यकता का ध्यान । राम का ध्यान समूचे जीवन को देखना है । उनका ध्यान करने का आशय है क्षुद्र सीमाओं का अतिक्रमण कर व्यापक होना है और मानवीय मूल्य को प्रतिष्ठित करना है । यही धर्म है और उससे निरपेक्ष नहीं हुआ जा सकता । लोभ और स्वार्थ से ऊपर उठाना धर्म का प्रयोजन है ।

(लेखक वर्धा विवि के कुलपति रहे हैं, संपर्क 9922399666)

चाय सुबह सुबह

सुबह सुबह आत्मा मांगती है एक प्याली चाय
और आंखें हॉकर का इंतजार करती हैं
सुबह सुबह कोई चाय का कप दे तो उसका हाथ छूने का मन करे
चाय से उठती हुई भाप को देखकर याद आती है
गली के नुक्कड़ की चाय की दुकान और वह दुबली पतली श्यामल लड़की
जो हर बार मुस्करा कर हमें देती थी चाय
और हमारे चाय का स्वाद बढ़ जाता था
चाय के एक दो घूंट पीने के बाद मुझे चाय बागान की
स्त्रियां बेतरह याद आती है
जिनकी चपल उंगलियां चुनती हैं चाय की कोमल पत्तियां
उस तरह तो हम जीवन के लम्हें भी नही चुन पाते

- स्वप्निल श्रीवास्तव

हिंदी पट्टी में राजनैतिक, सामाजिक आंदोलन

सामयिकी

मनोज पासवान

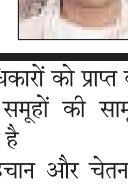

राजनैतिक हिस्सेदारी के सवाल पर हमें सामाजिक न्याय, अस्मिता, पहचान की राजनीति को करीब से देखना होगा। डा अम्बेडकर,फूले, पेरियार की उत्तर भारत में वैचारिक, सामाजिक, राजनैतिक उपस्थिति के पूर्व जो सामाजिक न्याय का आधुनिक विमर्श बना उसके मूल में जातिगत अस्पृश्यता का विरोध ,वंचितों को अवसर, सामाजिक तौर हाशिए पर स्थित वर्गों को शिक्षा का अवसर एवं पाखंड, अंधविश्वास के विरोध के साथ साथ उन वर्गों की सांस्कृतिक विरासत को सहेजना और वैज्ञानिक चिंतन प्रमुख था।

जिसके लिए आरंभ में चंद्रिका प्रसाद जिज्ञासु,रामचरन मल्लाह, बौद्ध भिक्षु बोधानंद,स्वामी अछूतानंद हरिहर,छेदी लाल साथी, शिवदयाल चौरसिया जैसे पिछड़े व दलित वर्ग के नायक थे,(तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था में शूद्र और गैर अधिकार प्राप्त वर्ग) इसमें बोधानंद अपवाद है जो कि ब्राह्मण थे हालांकि वह असमानतावादी ब्राह्मणवादी, सांस्कृतिक मूल्यों के मुखर विरोधी थे।

प्रारंभ में सामाजिक व्यवस्था में पीड़ित, शोषित,गैर अधिकार प्राप्त वर्गों को सामाजिक सामानता और आत्मसम्मान दिलाने की लड़ाई बाद में इन वर्गों को राजनीति व प्रशासन में हिस्सेदारी तक पहुंची।

विदित है कि चंद्रिका प्रसाद जिज्ञासु ने इसके लिए काफी मशक्कत की।

जिज्ञासु समेत शूद्र वर्ग के सामाजिक आधार वाले तमाम नायकों ने तब बैकवर्ड क्लासेज लीग का गठन किया था। 1930 में भारत के प्रमुख नेता महात्मा गांधी को इस बाबत उनके लखनऊ आगमन पर एक ज्ञापन भी सौंपा था।

चूंकि बैकवर्ड क्लासेज लीग के अधिकतर नेता आदि हिंदू आंदोलन से निकले थे ,जिनका लक्ष्य था सामाजिक परिवर्तन और लोकतंत्र में निचले वर्गों की भागीदारी। इसलिए वे ब्राह्मणवाद, सामंतवाद और पूंजीवाद के जबरदस्त विरोधी थे।

1948 में शेड्यूल्ड कास्ट फेडरेशन का पांचवां प्रांतीय सम्मेलन लखनऊ में हुआ। सम्मेलन को डा अम्बेडकर ने सम्बोधित किया था , जिसमें बड़ी तादाद में पिछड़ी जातियों (ओबीसी) के नेता भी शामिल थे।

बाबा साहब ने इस सम्मेलन में कहा था कि यह दुखद है कि दो ऐसे वर्ग जिनकी आवश्यकताए समान है,आपस में एक नहीं है।उन्होंने कहा कि इसका कारण यह है कि पिछड़े वर्ग के लोगों को यह डर है कि अनुसूचित जातियों से जुड़कर उनका स्तर भी उन्हीं के जैसे हो जाएगा। लेकिन,उनका डर गलत है ।वे अपना पृथक सामाजिक अस्तित्व बनाए रख सकते हैं , परन्तु उन्हें अपने पिछड़ेपन को दूर करने के लिए अनुसूचित जातियों के साथ मिलकर एक राजनैतिक पार्टी का गठन करने में कोई हर्ज नहीं होना चाहिए। आशय यह है कि सामाजिक न्याय की राजनीति के शुरूआती समय से ही इसके केन्द्र में वंचित समूहों की एकता एवं प्राकृतिक ,मानवीय अधिकारों को प्राप्त करना रहा है जिसमें कमोबेश वंचित समूहों की सामूहिक भागीदारी को साफ देखा जा सकता है

70 के दशक में जब जातीय पहचान और चेतना की राजनीति का उभार नही हुआ था, तब सामाजिक न्याय की राजनीति और व्यापक सामाजिक परिवर्तन के लिए उत्तर भारत में रामस्वरूप वर्मा, महराज सिंह भारती,ललई सिंह यादव,कपूर्री ठाकुर के वैज्ञानिक चिंतन और प्रयासों ने पिछड़े समाज को प्रगतिशीलता और आत्मसम्मान के मूल्यों के साथ भागीदारी प्राप्त करने का आह्वान किया।

इसी दौरान समाजवादी आंदोलन धारा ने उत्तर भारत की कामगार जातियो को करीब से छुआ और सामाजिक न्याय के सवाल पर डा लोहिया और महाराज सिंह भारती ने एक स्पष्ट रेखा खींच कर भारतीय राज्य निर्माण में वंचितो की हिस्सेदारी के सवाल को जरूरी मानकर उनके प्रति प्रतिबद्धता जताई।

डा लोहिया हिंदू समाज,जाति,वर्ण, सामाजिक न्याय और संस्कृति और भावना के सवाल पर तत्कालीन समय में काफी प्रगतिशील माने जा सकते हैं। 1957 में बनारस में दिए गए भाषण में स्पष्ट करते हुए कहते हैं कि 'अब मैं ऐसे मुद्दे पर बोलना चाहता हूँ जिसका ताल्लुक आमतौर पर धमार्चार्यों से है लेकिन वे गैरजरूरी और बेकार बातों में लिप्त हो गये हैं, इससे विरत ह जहाँ तक मेरा सवाल है, यह साफ कर दूँ कि मैं एक नास्तिक हूँ. किसी को यह गलतफहमी न हो कि मैं ईश्वर पर विश्वास करने लगा हूँ. आज के और अतीत के भी भारत की जीवन-पद्धति, दुनिया के दूसरे देशों की ही तरह, लेकिन और बड़े पैमाने पर, किसी न किसी नदी से जुड़ी रही है. राजनीति की बजाय अगर मैं अध्यापन के पेशे में होता तो इस जुड़ाव की गहन जाँच करता. राम की अयोध्या सरयू के किनारे बसी थी. कुरु, मौर्य और गुप्त साम्राज्य गंगा के किनारों पर फले-फूले, मुगल और शौरसेनी रियासतें और राजधानियाँ यमुना के किनारों पर स्थित थीं. साल भर पानी की जरूरत एक वजह हो सकती है, लेकिन कुछ सांस्कृतिक वजहें भी हो सकती हैं. एक बार मैं महेश्वर नाम की जगह में था जहाँ कुछ समय के लिए अहल्या ने एक शक्तिशाली शासन स्थापित किया था. वहाँ ड्यूटी कर रहे संतरी ने यह पूछकर मुझे दंग कर दिया कि मैं किस नदी का हूँ. यह दिलचस्प सवाल था क्योंकि मेरी भाषा, मेरे शहर या मेरे कस्बे के बारे में पूछताछ करने की बजाय उसने मुझसे मेरी नदी के बारे में पूछा. सभी बड़े साम्राज्य नदी-तटों पर बसते आए हैं, - चोल, पांड्य और पल्लव साम्राज्य क्रमशः कावेरी, व्गगीर और पालर नदियों के किनारों पर थे.

हमारे देश की कुल चालीस करोड़ की आबादी में से तकरीबन एक या दो करोड़ लोग रोजाना नदियों में डुबकी लगाते हैं और पचास से साठ लाख लोग नदी का पानी पीते हैं. उनके दिल और दिमाग नदियों से जुड़े हुए हैं. लेकिन नदियाँ शहरों से गिरने वाले मल और अवजल से प्रदूषित हो गयी हैं. गंदा पानी ज्यादातर फैक्ट्रियों का होता है और कानपुर में ज्यादातर फैक्ट्रियां चमड़े की हैं जो पानी को अब और भी नुकसानदेह बना रही हैं. फिर भी हजारों लोग यही पानी पीते हैं, इसी में नहाते हैं. साल भर पहले इस दिक़्कत पर कानपुर में मैं बोला भी था.

क्या हमें नदियों के प्रदूषण के खिलाफ एक आंदोलन शुरू करना चाहिए? अगर ऐसा आंदोलन सफल हो जाय तो अकूत धन की बचत भी हो पायेगी. अवजल को शोधित करके गंगा या कावेरी में ही डाल देने की बजाय ड्रेन पाइपों के जरिये उन्हें नदी से दस-बीस मील दूर ले जाया जाय और मैदानों में छोड़ा जाय. इस जगह पर खाद बनाने की फैक्ट्री खोली जा सकती है. देखने में यह खचीर्ला लगता है. लेकिन समूची दृष्टि को क्रांतिकारी तरीके से बदलना होगा. खर्च करोड़ों में होगा लेकिन सरकार पंचवर्षीय योजनाओं में २२०० करोड़ रुपए सालाना क्या नहीं खर्च कर दे रही है? मुमकिन है, कुछ अन्य परियोजनाओं के अमल को टालना पड़े. लेकिन ऐसी योजना को लागू करने के रास्ते में आने वाले अवरोधों को भी मैं जानता हूँ. हमारे वर्तमान शासक और भविष्य में शासक बनने के आकांक्षी जन नकली और सतही तौर- तरीकों से देश का यूरोपीयकरण कर डालने के बारे में सोचते हैं. और आज के शासक हैं कौन? वे एक लाख होंगे, या इससे भी कम, जो जरा-सी अंग्रेजी जानते हैं. वे जानते हैं कि छुरी-काँटे का इस्तेमाल कैसे किया जाता है और टाई और कोट कैसे पहनना चाहिए. उन्होंने एक ताकतवर संसार बना लिया है और उनके नेता हैं पंडित नेहरू. श्री संपूणार्नंद भी उसी संसार का प्रतीक हैं, हालाँकि अपने कपड़े-लत्ते से वह यूरोपियन नहीं लगते लेकिन अगर श्रीयुत नेहरू को अमेरिका जाना हो तो वहाँ वह भी ऐसी ही शख्सियतों में गिने जायेंगे.

शहर बनारस में भगवान विश्वनाथ को लेकर आंदोलन चला है. अब उनका एक नया मंदिर भी बनाया जा रहा है. दरअसल यह आंदोलन भगवान विश्वनाथ के लिए था ही नहीं. संघर्ष तो ब्राह्मणों के देवता और हरिजनों के देवता के बीच था. हिन्दू मानस बेकार ही फालतू मामलों में उलझा रहता है. अगर सिर्फ.करपात्री जी ने उस अंदाज में काम कर दिखाया होता जिसका संकेत मैंने किया है, तो समस्या सुलझ गयी होती. लेकिन करपात्री जी कौन सी दुनिया की नुमाइंदगी करते हैं. वे राजस्थान के धनकुबेरों और घनघोर सामंतों के प्रतिनिधि हैं. एक की बजाय दो विश्वनाथ मंदिर बनवा देने से कोई समाधान नहीं होगा. जरूरत पूरे देश की पुनर्रचना और गरीबी के उन्मूलन की है.

आज हमारी सेना के जवान कौन हैं? ये गरीब के बेटे हैं और वे लोग हैं जो जान देते हैं. ये वे हैं जो देहरादून और सैंडहर्स्ट के नकली माहौल में प्रशिक्षित अधिकारियों के हुक्म की तामील करते हैं. अफसर समृद्ध वर्गों के हैं. वे आधुनिक विश्व के नुमाइंदे हैं. वे क्यों इस देश के लाखों लोगों के लिए दिक हों? उनके पास भारतीय दिमाग है भी नहीं. अगर ऐसा होता तो नदियों की सफाई की योजनाएँ आज बिल्कुल तैयार होतीं. मैं चाहता हूँ कि पार्टी से बाहर के लोग बैठकें करने, जुलूस निकालने और संगोष्ठियाँ आयोजित करके सरकार को नदी-प्रदूषण-निवारण परियोजनाओं को उठाने के लिए बाध्य करने की खातिर सोशलिस्ट पार्टी से हाथ मिला लें. हमें खुद भी इस संकल्प के साथ तैयार रहना होगा कि यदि तीन से छह महीने के भीतर अवजल के प्रवाह को मैदानों की ओर नहीं मोड़ा गया तो हम वर्तमान ड्रेनेज सिस्टम को तोड़ देंगे और इस तोड़फोड़ में किसी किस्म की हिंसा नहीं होगी.

कबीर ने कहा हैः माया महाठगनि मैं जानी, केशव की कमला बन बैठी, शिव के भवन भवानी, पंडा की मूरत बन बैठी, तीरथ में भई पानी। तीर्थ में क्या है? झ्र सिर्फ.पानी. तो लोगों को सरकार को डाँटना चाहिए, ह्यतुम बेशर्म लोग, बंद करो यह मलिनता.ह्न मैं तो फिर भी नास्तिक हूँ. मेरे लिए सवाल तीर्थ का नहीं है, यह है कि हमारा देश तीस लाख लोगों का है कि चालीस करोड़ का।'

इसलिए यह आरोप महज बेबुनियादी और बचकाना है कि सामाजिक न्याय की राजनीति और सामाजिक परिवर्तन की वैज्ञानिक आधार वाली धारा का परिणाम सिफर रहा या इसका लाभ सामाज के कुछ हिस्सों तक पहुंचा, यह महज वंचित वर्गों के बीच अतीत से रही वैचारिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक, सामाजिक सहयोग की परस्पर भावना को तोड़ने का षणयंत्र है।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं, संपर्क-7897659292)

दरअसल यह आंदोलन भगवान विश्वनाथ के लिए था ही नहीं. संघर्ष तो ब्राह्मणों के देवता और हरिजनों के देवता के बीच था. हिन्दू मानस बेकार ही फालतू मामलों में उलझा रहता है. अगर सिर्फ.करपात्री जी ने उस अंदाज में काम कर दिखाया होता जिसका संकेत मैंने किया है, तो समस्या सुलझ गयी होती. 1लेकिन करपात्री जी कौन सी दुनिया की नुमाइंदगी करते हैं.

दूर की कौड़ी है विपक्ष की एकता

प्रसंगवश

राजेश माहेश्वरी

देश की राजनीति का रूख 2024 की ओर मुड़ चुका है। राष्ट्रीय स्तर और प्रदेश स्तर के राजनीतिक दल 2024 की तैयारियों, दांव-पेंच और तिकड़मों में व्यस्त हो गए हैं। जिन राज्यो में इस वर्ष चुनाव होने हैं वहां का माहौल कुछ ज्यादा ही गमार्या हुआ है। विपक्ष इस बार 2024 का चुनाव फतेह करने का अवसर गंवाना नहीं चाहता। लेकिन विपक्ष की जीत के बीच में एकता की एक बड़ी बाधा खड़ी है, जो उसे दिल्ली की सत्ता तक पहुंचने नहीं दे रही है। विपक्ष ने 2014 और 2019 के आम चुनाव में एकता के प्रयास किये थे, लेकिन उसका अंजाम सर्वविदित है। असल में विपक्ष मोदी सरकार को केंद्र की सत्ता से हटाना तो चाहता है लेकिन चाहकर भी उसमें एकता स्थापित नहीं हो पाती, और उसके मंसूबे धरे के धरे रह जाते हैं। इस बार भी नये सिरे से कोशिशें शुरू हुई हैं। अब यह देखना अहम होगा कि 2024 में विपक्ष मोदी को किस प्रकार चुनौती देता है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में जीत के बाद टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने विपक्ष की धुरी बनने का प्रयास किया था। उन्होंने स्वयं को विपक्ष का मुख्य चेहरा साबित करने के लिए कोलकाता से लेकिन दाल गलती न देख वो दिल्ली से दूरी बनाये हुए हैं। महाराष्ट्र से शरद पवार ने भी विपक्ष का मुख्य चेहरा बनने की कोशिश की। महाराष्ट्र में महाअघाड़ी गठबंधन बनाने के बाद से उन्हें ऐसा लग रहा था कि महाराष्ट्र में एनसीपी-कांग्रेस और शिव सेना का सफल गठबंधन देश की राजनीति को एक नयी दिशा दिखाएगा। चूंकि इस गठबंधन के सूत्रधार और कर्ताधर्ता वहीं हैं, ऐसे में विपक्ष में उनके नाम पर सहमति बनने में अधिक दिक्कत पेश नहीं आएगी। उद्धव ठाकरे की सरकार गिरने के बाद से महाअघाड़ी कितने दिन तक मंच पर रहेगा ये गंभीर प्रश्न है। ऐसे में विपक्ष का चेहरा बनने के शरद पवार के प्रयासों पर भी पानी फिरता नजर आ रहा है।

बीजेपी के खिलाफ विपक्षी दलों में पिछले कुछ वक्त से लगातार एकजुट होने की बात की जा रही है. ऊपरी तौर पर सभी दल इसे स्वीकार कर रहे हैं लेकिन अंदर की सच्चाई कुछ और ही सामने आ रही है। हाल ही में नीतीश कुमार ने कांग्रेस के सामने विपक्षी एकता का पत्ता चला है। लेकिन, इस पर कांग्रेस ने नीतीश के बयान का स्वागत भी किया और कई सवाल भी खड़े कर दिए। इससे स्पष्ट हो गया है कि विपक्षी एकता फिलहाल एक अवधारणा के तौर पर ही काम कर रही है। नीतीश कुमार ने विपक्षी एकजुटता के लिए कांग्रेस की पहल का आग्रह किया है। उनका दावा है कि यदि 2024 में भाजपा बनाम विपक्ष का साझा उम्मीदवार के आधार पर चुनाव लड़ा जाता है, तो भाजपा 100 सीटों तक सिमट सकती है।

नीतीश के अतिउत्साह में कहे गये इस आंकड़े का गणित और राजनीति के लिहाज से क्या आधार है लेकिन कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष यह जानता है कि कोई गलतफहमी पालना ठीक नहीं है। बहरहाल कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने नीतीश के आग्रह और अपील का स्वागत किया है, लेकिन बिना नाम लिए यह तंज भी कसा है कि कुछ लोग विपक्ष की बैठकों में भाग लेते हैं, विपक्षी एकता के सरोकार भी लगातार जताते रहे हैं, लेकिन वे सत्ता-पक्ष की गोद में भी बैठते रहे हैं। असल में कांग्रेस नीतीश के रवैये को लेकर भी खुश नहीं है। श्रीनगर में बुलावे पर नहीं आना जबकि केसीआर के बुलावे पर अखिलेश, केजरीवाल का साथ रैली करना और नीतीश का उनसे मिलना भी कांग्रेस को नागवार गुजरा है। मायावती का रुख भी कांग्रेस गठबंधन के लिहाज से सही नहीं मानती है। इसीलिए कांग्रेस के सूत्र कहते हैं कि, इस तरह राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता सम्भव नहीं है।

कांग्रेस हमेशा भाजपा का वैचारिक विरोध करती रही है। विपक्षी गठबंधन पर कांग्रेस अपने रायपुर राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान विमर्श करेगी और फिर कोई रणनीति तय करेगी। जयराम रमेश ने नीतीश ही नहीं, सभी विपक्षी दलों को यह जरूर स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस के बिना कोई भी विपक्षी एकता सफल नहीं हो सकती, लिहाजा विपक्ष को कांग्रेस की छतरी तले ही एकजुट होना है। ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या राहुल गांधी विपक्ष का चेहरा बन पाएंगे? सवाल यह भी है कि क्या विपक्ष राहुल गांधी को अपने नेता मानकर उनका नेतृत्व स्वीकार कर पाएगा? भारत जोड़ो यात्रा से कांग्रेस कितना मजबूत हुई ये तो आने वाला समय ही बताएगा लेकिन एक बात तो है कि राहुल राष्ट्रीय नेता के रूप में अपनी जगह बनाने में काफी हद तक सफल रहे जो उन्हें दूसरे विपक्षी नेताओं से कुछ ऊपर रखने में सहायक होगी। लेकिन ये भी उतना ही सही है कि ममता, अखिलेश, केसीआर जैसे क्षेत्रीय छत्रप उनकी रहनुमाई शायद ही स्वीकार करेंगे क्योंकि कांग्रेस उनके राज्य में अपना हिस्सा मांगे बिना नहीं रहेगी जो उन्हें स्वीकार्य नहीं होगा। राजनीतिक पंडितों के अनुसार, यदि इस साल होने वाले मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और कर्नाटक के चुनावों में कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन करती है तो राहुल गांधी की 2024 की दावेदारी को और ज्यादा मजबूती मिल जाएगी।

राहुल गांधी की मजबूती से क्षेत्रीय दल असहज ही होंगे क्योंकि कांग्रेस की मजबूती का मतलब है कि उनका अपने-अपने राज्य में जनाधार कम हो जाएगा। ऐसे में विपक्ष मोदी का मुकाबला तो करना चाहता है कि लेकिन वो कांग्रेस को मजबूत होते देखना नहीं चाहता है। ऐसे में राष्ट्रीय मोर्चा की संभावनाएं क्षीण हैं, क्योंकि विपक्ष के भीतर ही विपक्ष मौजूद है। हालिया त्रिपुरा चुनाव का ही उदाहरण लें, तो एक तरफ वामदल और कांग्रेस का गठबंधन था, तो उनके विरोध में तृणमूल कांग्रेस चुनावी अखाड़े में है। इसके समानांतर केरल में वाममोर्चा और कांग्रेसी मोर्चा आमने-सामने होंगे। आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, बंगाल आदि राज्यों में विपक्षी एकता की दिशा और दशा ही भिन्न है। वहां कई नेता प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षाएं पाले हुए हैं। यह दीगर है कि उनके राज्यों के बाहर उनकी स्वीकृति ह्यशून्यह्न सी है। वहीं आम आदमी पार्टी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, कर्नाटक और मिजोरम राज्यों में सभी सीटों पर चुनाव लडने की रणनीति पर काम कर रही है। यह राजनीति कांग्रेस और नीतीश के विपक्षी इरादों के बिल्कुल विपरीत है। दरअसल विपक्षी एकता के बयान तो खूब आते रहे हैं, लेकिन प्रयास नहीं किए जा पा रहे हैं, जबकि आम चुनाव करीब 15 माह दूर ही हैं। चुनाव की दृष्टि से यह बहुत समय नहीं है।

कांग्रेस देश भर में 'हाथ से हाथ' जोडने के दिवास्वप्नों में ही डूबी है। उसे लगता है कि राहुल गांधी की यात्रा का प्रभाव और प्रयोग बेहद सफल रहा है, और राहुल गांधी मोदी का मुकाबला करने के लिए तैयार हो गए हैं। चुनावी यथार्थ यह भी है कि देश के 17 राज्यों में कांग्रेस का एक भी सांसद नहीं है। कुल मिलाकर कांग्रेस को पता है कि वो अपनी कीमत पर अपनी जमीन क्षेत्रीय दलों के हवाले नहीं करना चाहती है और कई राज्यों में क्षेत्रीय दल कांग्रेस को दोबारा पनपने या मजबूत होने नहीं देना चाहते। हालांकि, कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, 2024 के पहले राज्यों के चुनावों के बाद दिसम्बर के आस-पास गठबंधन की सही तस्वीर सामने आएगी, तब सबकी असली स्थिति भी सामने होगी। राजनीतिक विशलेषकों के अनुसार आज जो विपक्षी मोर्चा आकार ग्रहण कर सकता है, वह संपूर्ण लामबंदी नहीं होगा। राष्ट्रीय मोर्चा भी नहीं होगा। राज्यों के स्तर पर, सुविधा के मुताबिक, गठबंधन किए जा सकते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

कश्मीर में विकास की गति तेज

टिप्पणी

के. विक्रम राव

इस महाशिवरात्रि पर कश्मीर के गोपाद्रि पर्वत शृंखला के ज्येष्ठेश्वर, शंकराचार्य मंदिर में श्रद्धावान उपासकों का अपार जनसमूह दिखा। भोलेनाथ के उत्सव पर दर्शकों की कतारें विराट थीं। इन संकेतों से पता चलता है कि मोदी सरकार इस हिमालय घाटी से सेना को कम करने की योजना बना रही है। बड़ी सहजता से जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि कश्मीर का जमीनी नजारा बदल रहा है। राज्य अब प्रगति तथा विकास पर अग्रसर है।

अर्थात हर हिंदू, केवल शैव ही नहीं, आह्लादित है कि राजतरंगिनी के रचयिता कवि कल्हण का कश्मीर निखर रहा है। भले ही क्रमशः। मसलन गत वर्षांत तक 1.88 करोड़ पर्यटक इस वादी में घूमने आए थे। इनमें 91 लाख विदेशी सैलानी थे। उसके पूर्व 2018 में केवल साढ़े आठ लाख पर्यटक ही आए थे। इस दफा सरकार ने करीब एक सौ पर्यटन केंद्रों को विकसित कर आकर्षक बनाया। फारुख-महबूब हुकूमत में वे सब उपेक्षित थे। धारा 370 और 35-अ (5 अगस्त 2019) निरस्त होने के बाद से संख्या बढ़ती ही जा रही है। शीतकालीन खेलो इंडिया राष्ट्रीय क्रीड़ा ने हसीन गुलमर्ग की वादियों में अपार सफलता पायी। खेल निदेशिका गुल नजहत आरा ने इसकी तस्दीक भी की विविध भारती के कार्यक्रम में।

अत्यंत सुविधा इस बार यह रही कि घर में टिको वाली योजना के कारण हर नगर में पर्यटक लोग मुस्लिम नागरिकों के आवास में ठहराये गये। सस्ता भाड़ा देकर रहे। खर्चे में बचत भी हुई, मेजबान को अतिरिक्त लाभ भी। रोम में पेंशनेयर आवास की पद्धति पर यह आधारित है। कोकरनाग, पहलगाम, सोनमर्ग आदि स्थलों में तो यह योजना बहुत कारगर रही। अब तावी नदी रिवर फ्रंट को रम्य बनाकर जम्मू भी पर्यटकों के आकर्षण का सबब बन रहा है।

शंकराचार्य पर्वत के मंदिर का धर्मशास्त्रों में विशेष उल्लेख है। करीब चार हजार किलोमीटर ऊंचाई पर स्थित कलड़ी (केरल) ग्राम से आदि शंकराचार्य पैदल यहां आए थे। मां आर्याम्बु तथा शिवगुरु के यह युवा पुत्र अद्वैत वेदांत के प्रचारार्थ कश्मीर पधारे थे। इसी पर्वत माला पर निवास किया था। मंदिर का निर्माण कराया था। यहीं उनकी तपस्या स्थली भी है।

मनोज सिन्हा ने अद्भुत शिवालय शिव खोड़ी के जीर्णोद्धार के बारे में भी बताया। सदियों पूर्व सियालकोट (वर्तमान में पाकिस्तान में) के राजा सालवाहन ने शिव खोड़ी में शिवलिंग के दर्शन किए थे और इस क्षेत्र में कई मंदिर भी निर्माण करवाए थे, जो बाद में सालवाहन मंदिर के नाम से प्रसिद्ध हुए। यहां स्वयंभू शिव की मूर्ति है। गुफा की छत पर सपार्कृति चित्रकला है, जहां से दूध-युक्त जल शिवलिंग पर टपकता रहता है। डुग्गर प्रांत की पवित्र गुफाओं में शिव खोड़ी का नाम अत्यंत प्रसिद्ध है। यह गुफा तहसील रियासी के अंतर्गत पौनी भारख क्षेत्र के रणसू स्थान (जम्मू) के नजदीक है। यह भगवान शिव के प्रमुख पूजनीय स्थलों में से एक है। इस गुफा के बारे में कहा जाता है कि यहां भगवान शिव साक्षात विराजमान हैं। इसका दूसरा छोर अमरनाथ गुफा में खुलता है। पवित्र गुफा शिव खोड़ी की लंबाई 150 मीटर बताई जाती है। इस गुफा के अंदर भगवान शिव शंकर का चार फीट ऊंचा शिवलिंग है। इसके साथ ही इस गुफा में पिण्डियां विराजित हैं। इन पिण्डियों को शिव, माता पार्वती, भगवान कार्तिकेय और गणपति के रूप में पूजा जाता है। इस गुफा को बनाने का कारण भस्मासुर को सबक सिखाना था। भगवान शिव और भस्मासुर के बीच भीषण युद्ध छिड़ा। इस रण के कारण ही इस क्षेत्र का नाम रणसु पड़ा।

विगत वर्षों में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने शंकराचार्य हिल का नाम बदलकर 'तख्त-ए-सुलेमान' कर दिया` एएसआई ने पर्यटक सूचना पट्टिका पर शंकराचार्य हिल के इतिहास की एक बेतुकी और भ्रामक प्रस्तुति की है । इसमें बताया गया है कि इस पहाडी पर कभी यहूदियों का कब्जा था इसलिए इसका नाम 'तख्त ए सुलेमान' या 'सुलेमान का सिंहासन' किया गया है । जबकि वस्तुस्थिति यह है कि शंकराचार्य पहाड़ी पर स्थित संरचना का निर्माण भारत में इस्लाम के आने से भी सदियों पहले का है` शंकराचार्य मंदिर की बाबत एक निजी संदर्भ का भी मैं उल्लेख कर दूं। बात करीब 1970 की है। पहली बार हम परिवारजन अमृतसर और कश्मीर गए थे। शंकराचार्य मंदिर के दर्शनार्थ। वहां बॉर्डर रोड संगठन के आला अधिकारी और कर्नल के. राजगोपालन के मित्र लखनऊ निवासी कर्नल एनपी भटनागर तैनात थे। कर्नल भटनागर की बात सुनकर हृदय प्रफुल्लित हो गया। उस पर्वत पर रक्षा सड़क का निर्माण हो रहा था। मंदिर से करीब सौ फीट हटकर बन रहा था। मंदिर के पुजारी ने कर्नल भटनागर से निवेदन किया कि यदि मंदिर के द्वार को मुख्य भाग से जोड़ दिया जाए तो वृद्ध और दिव्यांग आराधक भी शिवलिंग के सरलता से दर्शन कर पाएंगे। कर्नल भटनागर ने इंजीनियरिंग विभाग को तर्क दिया कि दूसरी ओर के पोली चट्टान के कारण मंदिर से सटी हुई शिलाओं पर सड़क बनाओ। आज लाखों आराधको की दुआयें स्व. कर्नल भटनागर को मिल रही होंगी। भटनागरजी के कारण हमें कोकरनाग, वेरीनाग, गुलमर्ग, पहलगाम आदि देखने का मौका मिला। बाद में अपना कर्तव्य समझकर मैं ने 1986 में लगभग पांच सौ श्रमजीवी पत्रकारों को कश्मीर और वैष्णो देवी के दर्शन कराए। अवसर था आई एफ डब्लू जे के राष्ट्रीय परिषद के अधिवेशन का जिसका उद्घाटन राज्यपाल श्री जगमोहन ने किया था। आज फिर आशा बंधी है कि हम हमारे के साथियों के लिये दूसरी बार शंकराचार्य मंदिर और पहलगाम जाने का संयोग बनेगा। इंशा अल्लाह ।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, संपर्क : 9415000909)

रचनाएं हमें ई-मेल से भी भेज सकते हैं-
<raisubhash953@gmail.com>

पिकअप की चपेट में आने से मजदूर की मौत,दूसरा गंभीर रूप से घायल

जनसंदेश न्यूज

मौके पर जुटी स्थानीय लोगों की भीड़

पटवध (आजमगढ़)। रौनापार थाना अंतर्गत हाजीपुर-अंजान शहीद मार्ग पर स्थित सपहा पाठक गांव के पास बुधवार की सुबह पिकअप की चपेट में आने से साइकिल सवार एक मजदूर की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल भेजा। वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भेज दिया।

रौनापार क्षेत्र के सिरही गांव निवासी उदयभान 25 वर्ष और बृजेश 40 वर्ष बुधवार की सुबह एक ही साइकिल पर सवार होकर मजदूरी करने के लिए बघावर जा रहे थे। उदयभान साइकिल चला रहा था और बृजेश पीछे बैठा था। बघावर-बनकटा मार्ग पर स्थित सपहा पाठक गांव के पास सामने से आ रही पिकअप ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में उदयभान की मौके पर ही मौत हो गई और बृजेश गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पिकअप चालक वाहन लेकर फरार हो गया। सूचना मिलते ही रौनापार पुलिस मौके पर पहुंच कर मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पेड़ से दबकर मासूम की मौत

बिलरियागंज (आजमगढ़)। स्थानीय थाना क्षेत्र के करमैनी गांव निवासी अरमान 6 वर्ष पुत्र अब्दुल मन्नान बुधवार की दोपहर घर से बाजार जा रहा था। उसी दौरान उसी गांव की सड़क के किनारे काटा जा रहा पेड़ अचानक उसके ऊपर गिर जाने से मौके पर ही अरमान की मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने 4 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने अवैध गांजा के साथ किया गिरफ्तार

तरवां थाने में गिरफ्तार अभियुक्त

जनसंदेश न्यूज

आजमगढ़। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए थाना तरवा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में चालान कर दिया।

तरवां पुलिस अपराधियों की तलाश में क्षेत्र भ्रमण पर थी। इसी दौरान जरिये मुखबीर सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध गांजा लेकर पल्हना की तरफ से भरथीपुर आने वाला है। उसकी भरथीपुर में पान की दुकान है यदि जल्दी किया जाये तो पकड़ा जा सकता है। इस सूचना पर विश्वास कर पुलिस उक्त स्थान पर पहुंच गयी और वहां से अभियुक्त चन्द्रशेखर उर्फ बमबम राजभर पुत्र श्यामलाल राजभर निवासी महुवारी थाना तरवा को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से अवैध 680 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

संक्षेप

दुर्दशा का शिकार है प्राथमिक विद्यालय का शौचालय

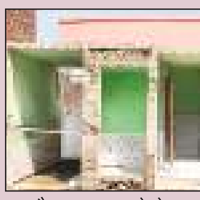

पवई (आजमगढ़)। स्थानीय शिक्षा क्षेत्र के ग्राम पंचायत जल्दीपुर के इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल में स्थित शौचालय लगभग 6 माह से दुर्व्यवस्था का शिकार हो गया है। जिसके कारण वहां पढ़ने वाले छात्र छात्राओं से लेकर अध्यापक को शौच के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लाख कहने के बावजूद भी यहां के प्रधान द्वारा इसकी व्यवस्था सही नहीं कराई जा रही है। जल्दीपुर के इस इंग्लिश मीडियम प्राइमरी विद्यालय में लगभग 200 छात्र-छात्राएं अध्ययन करते हैं। तथा पांच पुरुष शिक्षक एवं एक महिला शिक्षामित्र कार्यरत हैं। इस विद्यालय में बने 4 सीटर शौचालय का आलम यह है कि इसके दरवाजे टूटे हुए हैं, पानी की टंकी भी नहीं रखी गई है तथा पाइप एवं टोटी भी जर्जर हो चुके हैं जिसके कारण शौच के लिए छात्र छात्राओं को बाल्टी में पानी लाना पड़ता है। यही नहीं शौचालय तक जाने वाले रास्ते में गड्ढा खोद दिया गया है जिसके कारण टूटे-फूटे इस शौचालय तक आने जाने में बच्चों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में यहां के अध्यापकों द्वारा कई बार ग्राम प्रधान से कहा भी गया पर उनके कानों में जूं तक नहीं रेंगी। प्रधानाध्यापक राम सजीवन प्रजापति का कहना है कि इस संबंध में ग्राम प्रधान से पिछले छह माह से कहा जा रहा है लेकिन प्रधान द्वारा मेरी बातों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

जॉबकार्ड धारकों का किया गया पंजीयन

लालगंज (आजमगढ़)। स्थानीय विकास खंड सभागार में बुधवार को विकास खंड के विभिन्न गांव के जॉबकार्ड धारकों का श्रम विभाग में पंजीयन किया गया। इस मौके पर विभिन्न ग्रामों के जॉब कार्ड धारक महिला पुरुष यहां आकर अपना आधार कार्ड, फोटो, मोबाइल नंबर, बैंक पासबुक के साथ पंजीकरण करा रहे हैं। कोटा बुजुर्ग का 7 श्रम पंजीकरण, राजा देवलपुर का 5, नारायणपुर नेवादा का एक, कटौली खुर्द एक, खेतौरा का पांच, बैरीडीह, करिया गोपालपुर का पांच पांच, इस्माइलपुर बरहती, रेवसा गड़ौली उसरौली वेर्मा बिशंभरपुर का 5- 5 पंजीकरण किया गया। इसी प्रकार उपेंदा सरूपहा में तीन तीन पंजीकरण तथा सोफीपुर में चार पंजीकरण किया गया। इस अवसर पर मनोज कुमार सिंह अध्यक्ष ग्राम रोजगार सेवक संघ उमेश सरोज रिंकू पासवान विनोद कुमार वीरेंद्र प्रसाद अंजू पाल राजकुमार चैहान अश्विनी कुमार उर्मिला यादव दुर्गेश राय द्वारा किया जा रहा है। काम करने वाले लोगों ने बताया कि नेट का पूर्ण रूप से न चलना पंजीकरण में बाधा पैदा कर रहा है।

रफी मेमोरियल स्कूल का वार्षिकोत्सव संपन्न

माहुल (आजमगढ़)। स्थानीय नगर स्थित रफी मेमोरियल स्कूल का वार्षिकोत्सव मंगलवार को धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। शाम से शुरू होकर देर रात तक चले बच्चो के प्रेरणादायक सांस्कृतिक कार्यक्रम को लोग मंत्रमुग्ध हो कर देखते रहे। इस दौरान मेधावी बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कुरान के तिलावत के साथ शाम पांच बजे हुई। उसके बाद बच्चो के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दौर शुरू हुआ। एक तरफ जहां नाटक के माध्यम से बच्चों ने ह्यमुझे मत काटो दुखता हैह्न से पेड़ पौधों की कटाई पर प्रहार किया। वहीं दूसरी तरफ वर्तमान समय में सोशल मीडिया का बच्चों पर पड़ रहे दुष्प्रभाव को बच्चों ने नाटक के माध्यम से प्रदर्शित किया। यही नहीं स्वच्छता से लाभ, प्रकृति की रक्षा, मां की ममता आदि की जीवंत प्रस्तुति बच्चो द्वारा की गई। रात 11 बजे तक चले बच्चो के इस प्रेरणादायक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लोग दातों तले उंगली दबा कर लेते रहे। संस्था के प्रबंधक लियाकत अली ने सभी आगंतुकों का आभार प्रगट किया। इस अवसर पर आल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुस्लमीन के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली, अनवार आलम, चंद्रिका प्रसाद यादव, राशिद अली, विनय कुमार पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

रंगदारी मांगने वाला चढ़ा पुलिस के हत्थे

आजमगढ़। थाना बरदह पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रंगदारी मांगले वाले एक अभियुक्त को गरिफ्तार कर संबंधित धाराओं में जेल भेज दिया। बरदह पुलिस अपराधियों की तलाश बड़गहन तिराहे पर मौजूद थी। इसी दौरान जरिये मुखविर सूचना मिली कि एक मुकदमें से संबंधित अभियुक्त राहुल गौतम पुत्र रामहरख निवासी अजाउर थाना बरदह दुबरा नहर पुलिया के पास खडा है और कहीं जाने के लिए साधन का इंतजार कर रहा है। इस सूचना पर विश्वास कर पुलिस उक्त स्थान पर पहुंच गयी। संदेह के आधार पर एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। पकडे गये व्यक्ति से नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम राहुल गौतम पुत्र रामहरख गौतम निवासी अजाउर थाना बरदह बताया।

तीन श्रमिकों को किया गया सम्मानित

रानीकीसराय (आजमगढ़)। श्रम कल्याण विभाग द्वारा श्रमिक दिवस के अवसर पर बुधवार को रानी की सराय ब्लाक सभागार में पंजीकरण कर तीन श्रमिकों को सम्मानित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी ने श्रमिकों के लिए संचालित योजनाओं के बाबत बताया। उन्होंने कहा कि योजना श्रमिकों के कल्याण और उत्थान के बाबत संचालित है। इस दौरान श्रमिको का पंजीकरण किया गया। तीन श्रमिक लाभार्थियों को प्रमाण पत्र मुख्य विकास अधिकारी ने वितरित किया। इस दौरान खंड विकास अधिकारी आराधना त्रिपाठी, एडीओ पंचायत राज नाथ तिवारी, पुनीत सिंह, पंचरतन सिंह, अनिल मौर्य, विमल आदि मौजूद थे।

फर्जी परीक्षार्थी को किया गिरफ्तार, रिपोर्ट दर्ज

देवगांव कोतवाली में गिरफ्तार मुन्नाभाई

जनसंदेश न्यूज

आजमगढ़। थाना देवगांव पुलिस ने मंगलवार को प्रातः पाली में हाईस्कूल गणित विषय की परीक्षा के दौरान श्रीकृष्ण गीता राष्ट्रीय इंटर कालेज लालगंज, में परीक्षा कक्ष में आकस्मिक निरीक्षण पर आये तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार द्वारा तीन ऐसे परीक्षार्थी पकड़े गये जो दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते पाये गये थे। जिनमें वास्तविक परीक्षार्थी मो.सलाहिन व क्षद्म परीक्षार्थी अरविन्द विश्वकर्मा निवासी माधोपुर धरांग, आजमगढ़, वास्तविक परीक्षार्थी विशाल, छद्म परीक्षार्थी मुकेश निषाद पुत्र चन्द्रदेव निषाद निवासी बम्मावन थाना गद्दी जौनपुर, वास्तविक परीक्षार्थी आदित्य मौर्य छद्म परीक्षार्थी सुनील कुमार पुत्र धर्मेन्द्र कुमार निवासी व्यवहरा, लालगंज, को श्रीकृष्ण गीता इण्टर कालेज से पुलिस हिरासत में लिया गया। पुलिस ने संबंधित धाराओं में चालान कर दिया।

दो ईंट भट्ठा संचालकों के खिलाफ विद्युत चोरी का मुकदमा दर्ज

फूलपुर (आजमगढ़)। स्थानीय उपखण्ड कार्यालय विद्युत के अभियंता ग्रामीण द्वारा ग्रामीण अंचल के ग्राम पंचायत महुवारा में बकायादारों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान महुवारा गांव में एबीएस मार्का ईंट भट्ठा व 999 मार्का ईंट भट्ठा पर भारी लोड के साथ विद्युत चोरी की जा रही थी। अभियंता बिद्युत ग्रामीण मनीष कुमार द्वारा भट्ठा संचालक से कागजात मांगा गया, नहीं देने पर दोनों भट्ठा संचालकों सन्तोष कुमार यादव पुत्र जगधारी यादव व अभिषेक सिंह पुत्र बिजय प्रताप के खिलाफ बिद्युत अधिनियम की धारा 135 में मुकदमा पंजीकृत कराया गया। वहीं पोल्ट्री फार्म संचालक घनश्याम राजभर पुत्र मुरली राजभर के खिलाफ के मुकदमा पंजीकृत कराया गया। नगर क्षेत्र में अभियंता बिद्युत निखिल शेखर सिंह के नेतृत्व में मिर्चा मंडी सहित घास मंडी क्षेत्र के मुहल्लों में चेकिंग अभियान चलाया गया। मीटर के पास से बाईपास तार जोड़कर बिद्युत चोरी कर रहे चार उपभोक्ताओं शाहनवाज पुत्र वलिम बेवी पत्नी मंजू मनोज गुप्ता पुत्र श्रीचंद अबुशाद पुत्र मजीद के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया गया। इस अभियान में पंकज, प्रशान्त, आशीष पाल, आशीष, रमाकान्त, इम्तेयाज, राजकुमार, रूपेश राय आदि उपस्थित रहे।

पत्नी ने पति पर गला दबाकर तीन तलाक देने का लगाया आरोप

गुहार

पहले किया प्रेम विवाह फिर मारपीट कर दिया तलाक

जीयनपुर थाने पर दी तहरीर लगाई न्याय की गुहार

जनसंदेश न्यूज

जीयनपुर कोतवाली में तहरीर देने जाती पीड़िता

अंजान शहीद (आजमगढ़)। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र की निवासी मुस्लिम महिला ने अपने पति पर गला दबाकर तीन तलाक देने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। उसका आरोप है कि पहले प्रेम विवाह किया और विदेश से लौटा तो मारपीट कर तीन तलाक दे दिया।

बुशरा खातून पुत्री शहाबुद्दीन खान निवासी अतरकच्छा बरडीहा ने जीयनपुर थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया कि मोहम्मद कमरुद्दीन पुत्र इश्तियाक अहमद निवासी अलीनगर अजमतगढ़ ने वर्ष 2015 में प्रेम विवाह कोर्ट मैरिज से किया जिसके पश्चात अपनी पत्नी को लेकर मुंबई चला गया। वहीं उमेश्वरा एक पुत्री हुई जिसके बाद कमाने के लिए कमरुद्दीन विदेश सऊदी चला गया। नवंबर 2022 में सऊदी से वापस आने पर अपनी पत्नी व बच्ची को लेकर अपने घर अजमतगढ़ आया जिसके बाद से उसका रवैया बदला बदला रहने लगा। आए दिन मारपीट व गाली गलौज देकर प्रताड़ित करता था। बीते 19 फरवरी की रात्रि में पति बकरुद्दीन ने अपनी पत्नी बुशरा खातून को मारा-पीटा और गला दबाकर तीन तलाक बोला और जबरदस्ती उसके हाथ से सादे कागज पर दस्तखत करा लिया। जिसके बाद बुसरा खातून रात्रि में ही अपने मायके चली गई। वहीं पति के भाई सलाउद्दीन, नूरुद्दीन, जलालुद्दीन व बहन अमीना खातून पर पति को उकसाने व मारपीट में सहयोग करने का आरोप लगाते हुए जीयनपुर थाने पर तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष पर हमले से ब्राह्मण समाज में आक्रोश

जनसंदेश न्यूज

नाराजगी

प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन, की कार्रवाई की मांग

आजमगढ़। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के कार्यकार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष बलदेव शुक्ल के नेतृत्व में कानपुर देहात में ब्राह्मण परिवार की मां बेटी को जिन्दा जला देने की घटना व संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित राजेन्द्र नाथ त्रिपाठी के ऊपर जान लेवा हमला किये जाने को लेकर डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंप मामले में उचित कार्रवाई की मांग की।

जिलाध्यक्ष बलदेव शुक्ल ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित राजेंद्रनाथ त्रिपाठी 15 फरवरी को रात में मां विध्यवासिनी का दर्शन करके सपरिवार गोरखपुर जा रहे थे। तभी रात में लगभग 12 बजे के बीच उनकी गाड़ी को सिपाह पुलिस चैकी के लगभग 500 मीटर पहले एक कार ने टक्कर मार दिया व त्रिपाठी को गाली गलौज करने लगे। इसी दौरान उन्हीं लोगों के 10-12 साथी राइफल व अन्य असलहा सहित दूसरी गाड़ी से आये व राष्ट्रीय अध्यक्ष पर हमला कर दिया और राइफल के कुड़े से वार किया व परिवार के साथ भी मारपीट करने लगे। सरकारी गनर द्वारा रोकने पर गनर को भी मारा और उसकी कारवाईन छीनने का प्रयास करने लगे। ये अपराधी साजिशन त्रिपाठी जी पर जानलेवा हमला करने आये थे। तब तक पुलिस मौके पर आ गयी व दोनों पक्षों को सिपाह पुलिस चैकी ले गयी और बताया कि हमलावर भाजपा जिलाध्यक्ष के माई छोटू सिंह उर्फ ऋतमुराण सिंह है जिसका अपराधिक इतिहास भी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष से इनसे न लड़ने के लिये बोला और समझौता का दबाव बनाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा सिपाह चैकी इंचार्ज को प्रार्थना पत्र दिया गया परन्तु अभी तक एक एफआईआर दर्ज नहीं की गयी है। वही कानपुर देहात के ग्राम मडौली में 13 फरवरी को गरीब ब्राह्मण नरेश दीक्षित की झोपडी पर अधिकारियों की मिली भगत से बुलडोजर चला दिया गया जिसमें परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मां और बेटी की झोपड़ी के नीचे दबाकर आग लगा दी व अधिकारी आग लगाने के बाद परिवार को जलता हुआ छोडकर भाग गये। जिसमे माँ और बेटी की जिदा जलकर मृत्यु हो गयी व नरेश दीक्षित भी काफी हद तक झुलस गए प्रशासन ने जबरदस्ती परिवार की सहमति के बिना मृतकों के पार्थिव शरीर का दाह संस्कार करा दिया अभी तक परिवार को कोई भी मदद नहीं मिली है ये घटना मानवता को शर्मसार करने की उपरोक्त प्रकरणों से ब्राह्मण समाज में बहुत रोष है संघटन तत्काल राष्ट्रीय अध्यक्ष जी पर हमला करने वालों पर एफआईआर दर्ज कर आरोपियो को गिरफ्तार करने की मांग की।

पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष का आगमन आज

आजमगढ़। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यगण महेन्द्र कुमार तथा संतोष कुमार विश्वकर्मा का आगमन जनपद में 23 फरवरी को मण्डलायुक्त कार्यालय सभागार में अपरान्ह 2:30 बजे प्रस्तावित है। अन्य पिछडा वर्ग के प्रतिनिधित्व के सन्दर्भ में अनुभाविक जांच एवं अध्ययन के साथ निकायवार एवं अनुपातिक आरक्षण के बाबत समकालीन आख्या के लिए यदि किसी व्यक्ति, संस्था, पार्टी को अपना पक्ष प्रस्तुत करना है, तो वह लिखित, मौखिक आकलन आयोग के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं, जिसके वास्तविक निष्कर्ष तक पहुंचा जा सके।

समाजसेवी ने कैंसर पीड़ित के लिए किया भिक्षाटन

स्कूल में भिक्षाटन करते समाजसेवी राम कुंवर यादव

आजमगढ़। विकास खंड तरवा क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता रामकुंवर यादव ने दूसरों के दर्द को अपना समझ कर उन्हें जिंदगी दिलाने के लिए दिन रात एक कर दिया है। अपने चहेतों की जिन्दगी की भगवान से प्रार्थना कर रहे हैं। रामकुंवर यादव क्षेत्र के दो ब्लड कैंसर से पीड़ित मासूमों का भिक्षाटन कर दवा ईलाज करा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को स्वयं माता कौशल्या देवी इंटर कालेज व आरजेएस पब्लिक स्कूल रासेपुर द्वारा 12830 रुपया छात्र-छात्राओं व शिक्षकों द्वारा गरीब, विवश ब्लड कैंसर पीड़ित मासूम आदित्य यादव की जिंदगी की सलामती के लिए सहयोग दिया गया। बताते चलें कि जौनपुर जनपद के डोभी इंटर कॉलेज के प्रवक्ता एवं वानर सेना के सदस्य शशि भूषण सिंह द्वारा 15000 रुपया की मदद दवा ईलाज के लिए दिया गया। प्रवक्ता शशि भूषण सिंह ने समाजसेवी रामकुंवर यादव को इस नेक कार्य के लिए धन्यवाद दिया। भिक्षाटन के समय प्रधानाचार्य रंजना सिंह, शिक्षक चंद्र मोहन विश्वकर्मा, यशवंत चौहान, दिनेश यादव, सपना श्रीवास्तव, पूनम यादव, नेहाल मौर्य, सुहानी, परमानंद आदि उपस्थित थे।

पुलिस मुठभेड़ में चार पशु तस्कर गिरफ्तार

कार्रवाई

अंधेरे का लाभ उठाकर पांच फरार

अवैध असलहा और कारतूस बरामद

जनसंदेश न्यूज

मुबारकपुर थाने में गिरफ्तार अभियुक्त

अभियुक्तों के कब्जे से बरामद असलहे

आजमगढ़। थाना मुबारकपुर पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान पशुओं की चोरी करके बेचने वाले 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में चालान कर दिया। उनके कब्जे से पशुओं सहित अवैध असलहा व कारतूस बरामद हुआ।

बीते 17 फरवरी को मो.अनवर पुत्र अब्दुल गफ्फार निवासी नेवादा थाना मुबारकपुर द्वारा ग्राम नेवादा स्थित वादी मुकदमा के खेत से अज्ञात चोरो द्वारा एक भैंस, दो बकरा व एक बकरी चुरा लेने के सम्बन्ध में लिखित सूचना प्राप्त हुई। जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। इसी क्रम में 22 फरवरी को वादिनी मुकदमा आरती देवी पत्नी रामकेश यादव निवासिनी ग्राम नूरपुर सरायहाजी थाना मुबारकपुर द्वारा अज्ञात चोरो द्वारा वादिनी की भैंस चोरी कर लिये जाने की सूचना प्राप्त हुई। इसी क्रम में 31 जनवरी को वादी मुकदमा रविन्द्र यादव पुत्र रामकवल यादव निवासी ग्राम जाफरपुर थाना सिधारी द्वारा चोरो द्वारा वादी की 3 राशि भैंस चोरी कर लिये जाने की सूचना प्राप्त हुई। इसी क्रम में 28 जनवरी को वादी मुकदमा हरेन्द्र सरोज पुत्र चन्द्रदेव सरोज निवासी ग्राम हथिया सिधारी द्वारा चोरो द्वारा वादी की भैंस चोरी कर लिये जाने की सूचना प्राप्त हुई। इसी क्रम में 13 फरवरी को वादी मुकदमा रामकेवल यादव पुत्र चन्द्रभान यादव निवासी ग्राम शाहडीह थाना रौनापार द्वारा 25 जनवरी को अज्ञात चोरो द्वारा वादी की भैंस चोरी कर लिये जाने की सूचना प्राप्त हुई। इसी क्रम में 17 फरवरी को वादी मुकदमा मदन सिंह यादव पुत्र जयनरायन यादव निवासी प्रगति नगर कोतवाली जनपद आजमगढ़ द्वारा अज्ञात चोरो द्वारा वादी की स्कार्पियों चोरी कर लिये जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सभी घटनाओं का मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में थी।

प्रभारी निरीक्षक मुबारकपुर राजकुमार सिंह हमराहियों के साथ बम्हौर अण्डर पास के पास संयुक्त रूप से अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियन्त्रण हेतु आपस मे वार्ता कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि ग्राम नेवादा व गजहड़ा में कुछ दिन पहले भैंस चोरी हुआ था, वह सभी भैंस बम्हौर पुराना पुल से कुछ दूर पहले ही रोड से नीचे खेत में चोर लाकर रखे हैं। वहीं से पिकअप तथा स्कार्पियों से लादकर कहीं बेचने हेतु ले जाने वाले हैं। इस सूचना पर पुलिस उक्त स्थान पर पहुंच गयी। पुलिस को देख अभियुक्त द्वारा जान से मारने की नियत से लक्ष्य कर के फायर कर दिया गया। पुलिस ने मौके से ही कुल चार अभियुक्तों को पकड़ लिया। पांच अभियुक्त अंधेरे का लाभ उठाकर स्कार्पियों व मोटर साइकिल से भाग गये।

त्यौहार से पूर्व सेना व पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

अंजान शहीद (आजमगढ़)। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के जीयनपुर कस्बा में आरएएफ व पुलिस के जवानों ने चुनाव से पूर्व भ्रमण कर अभ्यास किया। पहली बार फ्लैग मार्च में महिला जवान भी शामिल हुई। कस्बा वासियों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। बुधवार को जीयनपुर थाने पर उप कमांडेंट प्रमोद एस सिरसट के नेतृत्व में आरएएफ 91 बटालियन के 70 जवान जीयनपुर थाने पर पहुंचे और जीयनपुर कोतवाल यादवेंद्र पांडेय व पुलिस बल के साथ बैठक के बाद जीयनपुर थाने से लेकर जीयनपुर चैक आजमगढ़ मार्ग कुरैश नगर, समता नगर, नौशहरा, आजाद नगर होते हुए जीयनपुर दोहरीघाट मार्ग भ्रमण किया। नगर पंचायत चुनाव व होली के त्यौहार के पूर्व जीयनपुर कस्बे में आरएएफ के जवान व पुलिस जवानों ने फ्लैग मार्च कर जीयनपुर कस्बे में सुरक्षा का एहसास कराया। कोतवाल यादवेंद्र पांडेय ने कहा कि होली के त्यौहार व शबे बरात व चुनाव में शरारती तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर है। माहौल खराब करने का शरारती तत्वों ने प्रयास किया तो उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध खनन व ओवरलोडिंग पर लगायें लगाम : जिलाधिकारी

बैठक

जनपद से गुजरने वाली गाड़ियों की करें चेकिंग

बैठक को संबोधित करते जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज

आजमगढ़। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में मंगलवार की शाम कलेक्ट्रेट सभागार में अवैध खनन की रोकथाम के संबंध में गठित जिला स्तरीय समिति गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे से संबंधित प्रतिकर भुगतान एवं मिट्टी की उपलब्धता की समीक्षा बैठक हुई।

जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त उपजिलाधिकारी, एआरटीओ एवं खनन विभाग के अधिकारी सुनिश्चित करें कि जनपद में कहीं भी अवैध खनन और ओवरलोडिंग की शिकायत न मिलने पाए। उन्होंने कहा कि जनपद से गुजरने वाली अन्य जनपदों की गाड़ियों पर विशेष नजर रखी जाए। उन्होने कहा कि यदि अवैध खनन एवं ओवरलोडिंग मैं किसी भी अधिकारी और कर्मचारी की संलिप्तता पाई जाती है, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनपद के हाइवे से गुजरने वाली बनारस, गोरखपुर और फैजाबाद से आने वाली गाड़ियों की चेकिंग करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाय। जिलाधिकारी ने समस्त एसडीएम को निर्देश दिया कि पूरी तैयारी के साथ पर्याप्त पुलिस फोर्स के साथ प्रॉपर तरीके से गाड़ियों की चेकिंग करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निजी कार्य में प्रयोग हेतु मिट्टी खनन पर किसी प्रकार की रोक नहीं है। उन्होंने कहा कि निजी कार्य के प्रयोग हेतु खनन पर किसी व्यक्ति का उत्पीड़न न किया जाय। उन्होंने कहा कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए बैनामा कर चुके लोगों से तत्काल जमीन खाली कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बैनामा कर चुके लोगों का तत्काल प्रतिकर भुगतान करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए मिट्टी की उपलब्धता की समस्या का समाधान किया जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन अनिल कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व आजाद भगत सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

फांसी लगाने से युवक समेत अधेड़ की मौत

दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में घटी घटना

मीरजापुर। दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में फांसी लगाने से दो की मौत हो गई। जहां थाना चुनार क्षेत्रान्तर्गत ग्राम शिवपुर निवासी श्यामजी पटेल उर्फ मंगरू पुत्र स्व.छविनाथ उम्र करीब-25 वर्ष में अपने खेत में ही फांसी लगा लिया।

वही दूसरी तरफ थाना को. कटरा क्षेत्रान्तर्गत रेबना निवासी सुरेश मौर्य पुत्र स्व. शिव जियावन मौर्य उम्र करीब 55 वर्ष द्वारा बीती रात कमरे के अंदर नायलॉन की रस्सी के सहारे फांसी लगा लेने की सूचना पर उच्चाधिकारी व थाना पुलिस बल द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में लेकर नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। बुधवार को थाना चुनार क्षेत्रान्तर्गत ग्राम शिवपुर निवासी श्यामजी पटेल उर्फ मंगरू पुत्र स्व.छविनाथ उम्र करीब-25 वर्ष द्वारा अपने खेत में पाही पर फांसी लगा ली गयी। सूचना पुलिस उच्चाधिकारी व थाना चुनार पुलिस बल द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में लेकर नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। मृतक के परिजनों द्वारा बताया गया कि उसकी मानसिक स्थिति ठीक नही थी जिसका दवा इलाज प्रचलित था।

अज्ञात वाहन के धक्के से वृद्ध की मौत

जिगना। स्थानीय थाना क्षेत्र के छतरीपुर गौरा गांव निवासी सूर्यनाथ सिंह पुत्र विश्वनाथ सिंह उम्र लगभग 70 वर्ष मंगलवार को अपने किसी काम से अपने मित्र राजेंद्र प्रसाद के साथ लालगंज गए थे। रात में घर वापसी करते समय मनिकठी से गौरा मार्ग से जा रहे थे। उसी दौरान गांव के करीब पहुंचने पर मोटरसाइकिल पर साथ में बैठे राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि मुझे शौच लगने के कारण मैं मोटरसाइकिल से उतर गया। शौच के बाद में मैं पैदल ही घर के लिये जाने लगा। आगे देखा तो किसी बड़े वाहन से इनका एक्सीडेंट हो चुका था और घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई थी। इसकी सूचना मैंने तुरंत ही घर वालों को दिया। घटनास्थल से अज्ञात वाहन फरार भी हो चुका था। जिसकी जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक को 3 बच्चे हैं। घटना के बाद घर में कोहराम मचा हुआ था।

अज्ञात वाहन की चपेट में आया बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

अहरौरा। स्थानीय थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर हिनौता ग्राम सभा के समीप बाइक सवार अमर कुशवाहा पुत्र रामचन्द्र उम्र 45 वर्ष निवासी सूकृत सोनभद्र जो किसी कार्य से चकिया आया था। अपना काम समाप्त कर वह चकिया से अपने निवास स्थान सोनभद्र को जा रहा था कि अहरौरा स्थित हिनौता के समीप अज्ञात चार पहिया वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको स्थानीय लोगों ने अहरौरा पुलिस को सूचना दी गई जिस पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को ग्रामीणों की मदद से अहरौरा सीएससी सेंटर पहुंचाया। जहां गंभीर चोट होने की वजह से प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए वाराणसी स्थित ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

दोस्तों को परीक्षा दिलाने आये दो युवक गंगा में डूबे

घटना के बाद मौके पर जुटे ग्रामीण

मीरजापुर। कछवां थाना क्षेत्र के बरैनी घाट पर बुधवार को गंगा में स्नान के दौरान पानी में अठखेलिया करना दो युवकों को महंगा पड़ गया। गहरे पानी में जाने दो युवक डूबने लगे। भदोही जिले के ज्ञानपुर निवासी उमेश को बचा लिया गया जबकि डूबे आकाश पाल की तलाश एसडीआरएफ और स्थानीय नाविक कर रहे है।

भदोही जिले के ज्ञानपुर से आकाश पाल और उमेश मौर्य अपने मित्रों को यूपी बोर्ड की परीक्षा दिलाने कछवां आये थे। उनके सेंटर में जाने पर दोनों साथी गंगा स्नान के लिए बरैनी घाट पर आ गये। दोनों गंगा स्नान के लिए कपड़े उतार कर पानी में उतर गए। इसी बीच पानी में खेलते हुए दोनों गहरे पानी में चले गए। उन्हें डूबता देख नाव से मछली मार रहा नाविक उन्हें बचाने आगे बढ़ा। उसने उमेश को तो बचा लिया। लेकिन आकाश पानी में डूब गया। तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चला। सीओ सिटी परमानंद कुशवाहा ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से तलाश कर रही हैं। डूबे युवक की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम को भी लगाया गया है।

दुखद

भदोही के ज्ञानपुर से परीक्षा दिलाने आये युवक हादसे का बने शिकार

एक लापता, तलाश में जुटी एसडीआरएफ

डीएम ने जन जाति प्रमाण पत्र से संबन्धित प्रकरणों पर की सुनवाई

बैठक में अधिकारियों को संबोधित करतीं डीएम

जनसंदेश न्यूज

मीरजापुर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने बुधवार को समाज कल्याण विभाग एवं तहसील स्तर पर लम्बित जन जाति प्रमाण पत्र से सम्बन्धित लम्बित प्रकरणों का कलेक्ट्रेट में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक कर सुनवाई की गयी।

बैठक में समिति के सदस्य अपर जिलाधिकारी (भू./रा.) सत्य प्रकाश सिंह, उप जिलाधिकारी सदर चन्द्रभानु सिंह, उप जिलाधिकारी मड़िहान अश्वनी कुमार सिंह, तहसीलदार सदर, तहसीलदार मड़िहान, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कुलदीप मिश्र, सदस्य सचिव जिला समाज कल्याण अधिकारी गिरीश चन्द्र उपस्थित रहे। बैठक में तहसील सदर के 01 प्रकरण लवकुष कुमार पुत्र प्रेमचन्द निवासी बरकछॉ कला मीरजापुर एवं तहसील मड़िहान के 03 प्रकरण विनीत कुमार पुत्र कुन्नू प्रसाद निवासी ग्राम कुसुम्हॉ पो. पटेहरा खुर्द मीरजापुर, श्याम लाल पुत्र भोला ग्राम जमुई बाजार मड़िहान मीरजापुर, मनमोहन पुत्र बुद्धिराम निवासी ग्राम बसहीं पो. जमुई तह. मड़िहान के जाति प्रमाण-पत्र के निस्तारण किया गया।

टैक्ट्रर की चपेट में आने से बाइक सवार घायल

चील्ह। स्थानीय थाना क्षेत्र के चील्ह गोपीगंज मार्ग पर ट्रैक्टर के टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गई। जिला अस्पताल से प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार बृजेंद्र कुमार मिश्रा 35 पुत्र विष्णु चरण मिश्रा निवासी कोल्हेपुर थाना जिगना जो एचडीएफसी बैंक में कर्मचारी है। बुधवार की शाम पांच बजे गोपीगंज मार्ग पर कलेक्शन करके वापस मीरजापुर लौट रहे थे जैसे ही लखनपुर गांव के पास पहुंचे थे कि गोपीगंज की तरफ जा रही ट्रैक्टर की चपेट में आ गए जिससे बृजेंद्र कुमार मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी पर मौके पर पहुंची पुलिस 108 एंबुलेंस बुलाकर स्थानीय लोगों की मदद से घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया गया तथा परिजनों को सूचना दी गई। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बिहारी बदमाश घायल

मुठभेड़ में शामिल पुलिस टीम के साथ एसपी सिटी

मीरजापुर। जनपद पुलिस ने बीती रात मुठभेड़ में थाना कोतवाली शहर के 25 हजार के इनामिया बदमाश गिरफ्तार किया गया। गोली लगने से घायल बदमाश को मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने लूट, चोरी व टप्पेबाजी करने वाले अन्तर्राज्यीय गैंग का खुलासा किया हैं। जिसके कब्जे से अवैध तमंचा कारतूस व पल्सर मोटर साइकिल बरामद किया गया। घायल बदमाश अभिषेक यादव पुत्र स्व.प्रकाश यादव निवासी नयाटोला जुराबगंज थाना कोड़हा जिला कटिहार बिहार का रहने वाला है। यह जानकारी एसपी सिटी श्रीकांत प्रजापति ने दी। बताया कि पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के निर्देश पर जिले में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। 22 फरवरी की रात थाना कोतवाली शहर पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बिसुन्दरपुर काशीराम आवास के पास रोकने पर बदमाश पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर करने लगा। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ फायरिंग किया। जिससे गोली उसके पैर में लगने से वह घायल हो गया। बदमाश के कब्जे से तमंचा 315 बोर, खोखा, जिंदा कारतूस तथा पल्सर मोटर साइकिल बरामद किया गया। चोरी के मुकदमें में पकड़े गए बदमाश पर 25 हजार रूपया का इनाम घोषित था। वांछित बदमाश अभिषेक यादव गैंग बनाकर आपराधिक वारदातों को अंजाम देता था। गत दिनों बाइक की डिग्गी का ताला तोड़कर चोरी का मामला दर्ज किया गया था। इसके एक साथी राहुल यादव पुत्र स्व.राजेश यादव निवासी नयाटोला जुराबगंज थाना कोड़ा जिला कटिहार बिहार को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली शहर अरविन्द कुमार मिश्रा ने पुलिस टीम के साथ गिरफ्तार किया था।

विंध्याचल थाना क्षेत्र के गोपालपुर अष्टभुजा निवास श्यामधर पाण्डेय पुत्र शालिग्राम पाण्डेय ने अपनी मोटर साइकिल की डिग्गी तोड़कर चोरी का मामला दर्ज कराया था।

यूपी के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होगा बजट : अनुप्रिया पटेल

बातचीत

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" के अनुरूप है बजट : आशीष

जनसंदेश न्यूज

राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल

मीरजापुर। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में प्रस्तुत 6.90 लाख करोड़ के बजट की प्रशंसा करते हुए कहा है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा प्रस्तुत यह मेगा बजट प्रदेश के हर वर्ग के चेहरे पर मुस्कान लाने में मील का पत्थर साबित होगा।

केंद्रीय मंत्री श्रीमती पटेल ने कहा, उत्तर प्रदेश की लोकप्रिय एनडीए सरकार ने प्रदेश की 25 करोड़ जनता की आशाओं व आकांक्षाओं के अनुरूप आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की संकल्पना को साकार करने वाला 2023-24 का लोक कल्याणकारी बजट पेश किया है।

इस बजट के माध्यम से प्रदेश के गरीब, किसान, महिला, मजदूर, आदिवासी समाज के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व वित्त मंत्री सुरेश खन्ना को धन्यवाद एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई देती हूँ।

सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास के मूलमंत्र के अनुरूप है यह बजट : आशीष पटेल

अपना दल (एस) के कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रदेश के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा प्रस्तुत लोक कल्याणकारी बजट की प्रशंसा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में बुधवार वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वर्ष 2023-24 का लोक कल्याणकारी बजट पेश किया। यह बजट सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र के अनुरूप प्रदेश के गरीबों, वंचितों, पिछड़ों, किसानों, युवाओं व महिलाओं के सर्वांगीण विकास को समर्पित है। आशीष पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से डबल इंजन की एनडीए सरकर उत्तर प्रदेश को उन्नति के शिखर पर ले जाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

घर-घर खोजे जा रहे हैं टीबी रोगी

लालगंज। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालगंज पर सक्रिय टीवी खोज अभियान टीम मेंबर और सुपरवाइजर को बुधवार को प्रशिक्षित किया गया। 20 प्रतिशत जनसंख्या को लक्ष्य करते हुए 24 फरवरी से 05 मार्च 2023 तक अज्ञात टीबी रोगी खोजी विशेष अभियान के तहत स्वास्थ्य कर्मियों को खोज निकालने हेतु प्रशिक्षित किया गया। लालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टर मनिंदर सिंह द्वारा उपस्थित टीम के मेंबरों को टीबी के सम्पूर्ण लक्षणों से परिचित कराते हुए निभाए जाने वाले समस्त जिम्मेदारियों के विषय में विस्तार से बताया और सम्मान जनक परिणाम लाने की आशा जताई। क्षेत्रीय सुपरवाइजर शमीम अहमद ने कहा कि घर घर टीबी रोगी खोजी अभियान को सफल बनाने हेतु दस टीम दो सुपरवाइजर के साथ साथ मेडिकल ऑफिसर भी योजना में अपना योगदान दें रहे है। आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदीप कुमार, अनिल बीसीपीएम, एलटी नीरज व राजेश, चीफ फार्मासिस्ट एसएन सरोज आदि लोग उपस्थित रहे।

जेडीसी ने किया धनसिरिया गांव का औचक निरीक्षण

ब्लॉक में विकास कार्य की जानकारी लेते जेडीसी

मीरजापुर। संयुक्त विकास आयुक्त सुरेश चंद्र मिश्रा ने बुधवार को विकासखंड राजगढ़ के ग्राम पंचायत धनसिरिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जेडीसी सुरेश मिश्रा ने सर्वप्रथम विकासखंड राजगढ़ के विकासशील ग्राम पंचायत धनसिरिया का दोपहर में स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम ग्राम पंचायत भवन धनसिरिया के रजिस्टर के रखरखाव व वहां पर उपलब्ध सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। तत्पश्चात जेडीसी में अमृत उद्यान, सुलभ शौचालय व आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण में जेडीसी द्वारा सब कुछ ठीक-ठाक पाया गया। निरीक्षण के दौरान जेडीसी ने निर्देश देते हुए कहा कि पंचायत भवन के द्वारा ही सभी विकास कार्यों का संपादन किया जाए। गो आश्रय स्थल के निरीक्षण के दौरान उन्होंने मवेशियों की संख्या के अलावा मवेशियों को खाने के लिए भूसा एवं अन्य सामग्री की भी पूछताछ किया। सुलभ शौचालय के निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि सुलभ शौचालय को हमेशा साफ सुथरा रखा जाए ताकि अधिक से अधिक लोग सुलभ शौचालय का प्रयोग करें और खुले में शौच से जिले को मुक्ति मिल सके। निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी राजगढ़ रमाकांत, ग्राम प्रधान जन्मेजय सिंह, ग्राम विकास अधिकारी संजय पांडेय, मुन्नीलाल, दीपक मिश्रा आदि लोग मौके पर मौजूद रहे।

पेंशन धारकों के सत्यापन के बाद 17 हजार खातों को किया गया ब्लॉक,जिला प्रोबेशन अधिकारी ने दी जानकारी

मीरजापुर। जिले में आधार प्रमाणीकरण न कराने पर लगभग 17 पेंशनरों का खाता समाज कल्याण विभाग ने ब्लॉक कर दिया है। प्रदेश सरकार के द्वारा पेंशन धारकों के सत्यापन करने को लेकर मुहिम चलाने के बाद आधार सत्यापित नही होने 17 हजार को ब्लॉक दिया है। समाज कल्याण विभाग ने इन खातों को ब्लॉक करने की कार्यवाई की गई है। बिना आधार प्रमाणीकरण के खाते में अगली किस्त नही जाएगी।

जिले में शासन के निर्देश के बाद पेंशन धारकों के सत्यापन के बाद 17 हजार 537 खाता ब्लॉक किया गया है। 15 हजार 210 से अधिक पेंशन धारक की या फिर मृत्यु हो चुकी है, या फिर जिले से बाहर मिले है। कुछ पेंशन धारक अपात्र भी मिले है, जिनको भी विभाग ने ब्लॉक कर दिया है। समाज कल्याण विभाग में अभी तक वृद्धा पेंशन के लिए एक लाख 752 लोग पंजीकृत है। जिसमें 80 हजार 481 लोगों का आधार प्रमाणीकरण करा लिया गया है। अभी भी लगभग पांच हजार लोग जो कि शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्र में रहते है, इनका प्रमाणीकरण कराना शेष है। जिला समाज कल्याण अधिकारी गिरीश दूबे ने बताया कि जिन पेंशनधारकों का खाता ब्लॉक किया गया है, अगर वो कार्यालय पर आते है तो उनका खाता पुनः आधार प्रमाणीकरण करके खोला जा रहा है। इसके साथ ही ब्लॉक किये गए खातों को चिन्हित किया है कि इनमें से कितने की मृत्यु हो चुकी है, कितने अपात्र है और कितने गांव छोड़कर बाहर चले गए है।

80 हजार 481 लोगों का करा लिया गया है आधार प्रमाणीकरण

पेंशन धारक के सत्यापन को लेकर अभियान चलाया गया था, जिसके बाद इन खातों का प्रमानिकरण न होने पर खाता ब्लॉक किया गया है।

परिवार रजिस्टर की नकल पाना टेढ़ी खीर

लालगंज। विकासखंड स्तर पर परिवार रजिस्टर की नकल एवं मृत्यु प्रमाण पत्र न मिलने से ग्रामीणों में मायूसी देखी जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि सुबह से लेकर शाम तक इंतजार करने के बावजूद भी ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के न मिलने से प्रमाण पत्र नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि विकासखंड स्तर पर मृत्यु प्रमाण पत्र एवं परिवार जिस्टर की नकल बनवाने के लिए विगत कई दिनों से ग्राम पंचायत विकास अधिकारी का इंतजार करने के बावजूद भी दोनों प्रमाण पत्र लेने के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। कहा कि ग्राम पंचायत विकास अधिकारी का विकासखंड स्तर पर समय और दिन निश्चित है या नहीं यह भी जानकारी देने वाला कोई नहीं है। कहा कि परिवार रजिस्टर की नकल एवं मृत्यु प्रमाण पत्र आवश्यक आवश्यकता का अभिलेख होने की वजह से ग्रामीणों में आवश्यकता होती है किंतु विकासखंड स्तर पर मिलना मुश्किल प्रतीत हो रहा है।

राजस्थानी पत्थर की धीमी गति विंध्य कॉरिडोर के राह का रोड़ा बनी

यह है हाल

विलंब का कारण तलाशने राजस्थान जायेंगे अधिकारी

कॉरिडोर का निरीक्षण करतीं डीएम

मीरजापुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल विंध्य कारीडोर का जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने बुधवार को निरीक्षण किया। नवरात्रि तक तय कार्य को पूरा किए जाने के वादे को कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को याद दिलाया।

इस दौरान कार्यदायी संस्था के अधिकारी ने बताया कि राजस्थान से गढ़कर आने वाले पत्थर में विलंब किया जा रहा है। निर्माण कार्य काफी तेजी से चल रहा है। जो पत्थर राजस्थान और अन्य जगहों से आ रहे हैं। उसमें थोड़ा धीमापन महसूस हो रहा है। इसलिए प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया है कि वह स्वयं वहां जाकर चेक करें कि कितने सीएनसी की मशीन है। किस तरह से पत्थरों की नक्काशी वहां पर चल रही है। हमारा स्ट्रक्चरल वर्क कंप्लीट है। जैसे ही वह पत्थर हमें वहां से प्राप्त हो जाएंगे। उन्हें लगाकर हमारा कार्य कंप्लीट हो जाएगा। नियत तिथि के पहले भव्य कारीडोर का कार्य पूर्ण किया जायेगा। इससे कार्य में आशा के अनुकूल तेजी नहीं आ पा रही हैं। समय से पत्थर न मिलने पर चाह कर भी हम सब बेबस हैं। विंध्य परिपथ का करीब 60 प्रतिशत कार्य किया जा चुका है। पत्थरों की वजह से थोड़ा धीमा पन कार्य में हो रहा है। बाकी कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया है। कारीडोर को निर्माण कार्य को पूरा करने का समय दिसंबर 2023 तय किया गया है। समय पर कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि चैत्र नवरात्रि के पूर्व मंदिर आने वाले चारों मार्ग को ठीक कराने को कहा गया था। ताकि भारी संख्या में आने वाले भक्तों को मां विंध्यवासिनी के दरबार में दिक्कत न हो। नवरात्रि के पहले जितने भी कार्य पूर्ण हो जाए उतना अच्छा रहेगा। नवरात्रि तक जहां जहां श्रद्धालुओं को जाना है उस मार्ग को हम ठीक कराने का निर्देश दिया।

संक्षेप

एएसपी नक्सल को पुलिस विभाग ने किया विदा

मीरजापुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन का गैर जनपद स्थानान्तरण होने पर शुभकामनाओं के साथ भव्य विदाई दी गई। बुधवार को पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा द्वारा पुलिस लाइन सभागार कक्ष में गैर जनपद स्थानान्तरण होने पर अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन-महेश सिंह अत्री को बुके, प्रतीक चिह्न, उपहार भेंट कर जनपद में किये गये कार्यों की सराहना करते हुए नये जनपद में कार्यभार के लिये मंगलमय भविष्य की कामना की गयी। विदाई समारोह के इस कार्यक्रम में जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारीगण तथा प्रभारी निरीक्षकगण द्वारा भी स्थानान्तरित अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन के साथ में कार्य करने के सुखद अनुभव को साझा करते हुए उनकी कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए पुष्पमाला पहनाकर, बुके, उपहार भेंट करते हुए भविष्य के लिये शुभकामनाएं दी गयी। ज्ञातव्य हो कि अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन का स्थानान्तरण मीरजापुर से जनपद मऊ के लिए हुआ है। विदाई समारोह के इस कार्यक्रम में समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रतिसार निरीक्षक व जनपद के विभिन्न प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष सहित पुलिस के अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सात दिवसीय श्री मद्भागवत कथा के लिए निकाली गई शोभायात्रा

लालगंज। अंतर्राष्ट्रीय बाल संत संजय जी महाराज की अगुवाई में सात दिवसीय श्री मद्भागवत कथा लिए भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें 51 कन्याओं ने रामटीला मंदिर के पास बेलन नदी से जल भरते हुए सिर पर कलश रखकर राम जानकी मंदिर की परिक्रमा करते हुए शोभायात्रा को सफल बनाया। कलशयात्रा राम जानकी मंदिर से चलकर बरौंधा बाजार होते हुए धनावल के लिए प्रस्थान किया। इस दौरान बाल संत संजय जी महाराज ने कहा कि भागवत कथा मानव जीवन का दर्शन है। जब मनुष्य के जन्म जन्मांतर के पुण्य का उद्भव होता है तब उसे भागवत कथा सुनने का अवसर मिलता है। भागवत कथा के श्रवण मात्र से लोगों को दैहिक दैविक और भौतिक ताप से मुक्ति मिल जाती है। कथा के आयोजक राम चंद्र पांडेय ने बताया कि कलशयात्रा के पश्चात व्यास पीठ का हवन पूजन किया जाएगा।

धोखाधड़ी कर जमीन का बैनामा करने वाली आरोपिता गिरफ्तार

मीरजापुर। थाना चुनार पुलिस द्वारा धोखाधड़ी कर जमीन का बैनामा करने के अभियोग से सम्बंधित आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थाना चुनार मीरजापुर पर 08 अगस्त 2016 को वादी सुनील कुमार तिवारी पुत्र रमेश कुमार तिवारी द्वारा नामजद अभियुक्ता के विरूद्ध धोखाधड़ी कर जमीन का बैनामा करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना चुनार पर अभियोग पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा द्वारा उक्त घटना में संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी करने हेतु प्रभारी निरीक्षक चुनार को निर्देश दिये गये थे। उक्त निर्देश के अनुक्रम में बुधवार को मुकदमा उपरोक्त की विवेचना के क्रम में उ.नि. जयशंकर राय व म.का.नीलम यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना चुनार क्षेत्र अभियुक्ता सुनीता देवी पत्नी महेन्द्र कुमार सिंह निवासी अतरौली कला थाना अहरौरा मीरजापुर को गिरफ्तार कर थाना चुनार पर पंजीकृत मुकदमा धारा 419, 420, 467, 468, 471,504, 506 भादवि में नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया।

20 लीटर शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

मीरजापुर। थाना लालगंज पुलिस 20 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब के साथ दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन में जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान तथा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री में संलिप्त आरोपियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये है। उक्त निर्देश के अनुक्रम में बुधवार को उ.नि. जितेन्द्र कुमार व उ.नि. एजाज खाँ मय पुलिस टीम द्वारा थाना लालगंज क्षेत्र से क्रमशः 02 आरोपियों विशाल पुत्र स्व.अमर सिंह निवासी खुजरी थाना लालगंज मीरजापुर व मनोज कुमार यादव पुत्र छैलू प्रसाद यादव निवासी चेरूई राम थाना लालगंज मीरजापुर को 10-10 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब(कुल 20 लीटर) के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना लालगंज पर धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई।

खेतों को चरकर नष्ट कर दे रहे हैं छुट्टा पशु

लालगंज। विकासखंड क्षेत्र में छुट्टा पशुओं के आतंक से किसान बेबस नजर आ रहे हैं। छुट्टा पशुओं की रखवाली दिन में तो किसी तरह कर लेते हैं लेकिन रात में भी झुंड के झुंड छुट्टा पशु खेतों में पहुंचकर फसल को चरकर नष्ट कर दे रहे हैं। किसान रात में भी अपने खेतों की रखवाली करने के बाद भी फसल नहीं बचा पा रहे है। लालगंज क्षेत्र के मेढरा, वभनी गहरवार, सौरेह, मानिकपुर, अमहां, घुर्मा, नेवढ़िया, बनवारी, बरडीहा, निनवार उत्तर, डगडगपुर, पूरा ठाकुर राम, आदि दर्जनों ग्रामों में छुट्टा पशु के आतंक का कहर छाया हुआ है। झुंड के झुंड आवारा पशु खेत में पहुंचकर फसल को चरकर रौद दे रहे हैं। किसान के रखवाली के बावजूद भी फसल को बचाना मुश्किल हो रहा है। लालगंज निवासी विजय शंकर मिश्रा ने कहा कि छुट्टा पशु का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि खेत की रखवाली करने के बाद तनिक मौका मिलते ही छुटा पशु खेत में पहुंचकर फसल को नष्ट कर दे रहे हैं ।मेढरा निवासी राकेश पांडे ने कहा कि आवारा छुट्टा पशु की रखवाली दिन में तो किसी तरह कर ले रहे हैं किंतु रात में भी जागरण कर रखवारी करना कठिन प्रतीत हो रहा है। सौरेह निवासी कन्हैया लाल पाल ने कहा कि किसानों के हित में छुट्टा पशु को संरक्षित करने के लिए 1 गोवंश आश्रम लालगंज में खोला जाना नितांत आवश्यक है। निनवार उत्तर निवासी सुभाष पटेल ने कहा कि किसानों की फसल बचाने के लिए केवल एक ही रास्ता है कि लालगंज के समीप 1 गोवंश आश्रय खोला जाए जिससे किसानों की फसल बचाई जा सके।

सफाईकर्मी गायब बाजार में लगा कूड़े का अम्बार

कलवारी। स्थानीय थाना क्षेत्र मड़िहान के कलवारी चौराहे पर और नहर में गंदगी का अंबार लग हुआ है। सरकार की तरफ से स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है लेकिन यहां तो गंदगी फैलाया जा रहा है। अभी कुछ दिन पहले सिंचाई विभाग की तरफ नोटिस देकर नहर पर साफ सफाई की गई थी। अतिक्रमण को हटाया गया था। लेकिन आज भी वहां ठेला, खमोचा लगाया जा रहा है। ठेला, खमोछा लगाने से नहर में गंदगी हो रही है। सबसे ज्यादा सड़ी सब्जी, अंडा के छिलका सब नहर में फेंका जाता है। अगर इसी तरह नहर में लोग कूड़ा फेकते रहे तो नहर जल्द ही भठ जाएगी और चौराहे से आमजन का चलना दूभर हो जाएगा। कलवारी बाजार आठ मूहीचौराहा है जहाँ कई क्षेत्रों से आवागमन रहता है। यहां सफाई कर्मी एक महीने में एक हफ्ता आता है और कभी साफ भी नही करता है। घर पर बैठकर पगार लेते रहते हैं। अगर सफाई कर्मी सही ढंग से रोज सफाई करे तो गंदगी का अंबार ना लगे। सफाई कर्मी की वजह से गांव-गांव में गंदगी का ढेर लगा हुआ है। अगर प्रशासन के द्वारा ठेले, खमोचे नहीं हटाया गया तो नहर बहुत जल्द पट जाएगी। सिंचाई के लिए पानी आने में किसानों को दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। नहर में गंदगी फैल गया तो आए दिन मच्छर का प्रकोप बढ़ जाएगा जिससे लोग बीमार हो जाएंगे।

कर्मचारियों की कमी से लड़खराई परियोजनाएं अब जल्द होंगी दुरुस्त

मीरजापुर। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में कुछ समय काफी रिक्त पद चल रहे है जिसके कारण पोषण की परियोजनाएं सब से ज्यादा प्रभावित हो रही है। इस आशय की जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास विभाग की वाणी वर्मा ने दी। बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि विभाग में कर्मचारियों की कमी होने के कारण कुछ परियोजनाएं धीमी गति से काम हो रहा है। इसलिए विभागीय स्तर से निदेशालय को इन पदों पर जल्द से जल्द भरने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। कर्मचारियों की कमी होने के कारण जिले के सबसे ज्यादा कुपोषित बच्चों व माताओं के पोषण कार्यक्रम पर सबसे ज्यादा असर हो रहा है। उन्होने बताया कि विभाग के विभिन्न संवर्गो में सीडीपीओ के स्वीकृति पद 13 के सापेक्ष 5 भरें 8 पद रिक्त हैं। मुख्य सेविका .88 के सापेक्ष 34 भरें और 54 पद रिक्त हैं। आंगनवाड़ी कार्यकत्री के 2668 के सापेक्ष 2298 भरे और 370 पद रिक्त हैं। सहायिका का 2180 के 1794 पद भरे और 386 पद रिक्त पड़े है। इससे विकास खण्ड स्तर पर संचालित परियोजनायें प्रभावित हो रही है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

मीरजापुर। देहात कोतवाली पुलिस ने मंगलवार की शाम कोतवाली देहात क्षेत्र के एक गाँव में नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार किया हैं। कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। बताया जाता हैं कि मंगलवार की शाम नाबालिक के साथ युवक ने जबरन दुष्कर्म किया। पीड़िता ने यह जानकारी अपनी माँ को दी। सूचना प्राप्त होने पर तत्काल थाना कोतवाली देहात पुलिस बल द्वारा मौके पर पहुंची। पीड़िता की माता से तहरीर प्राप्त कर सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया। आरोपी की तलाश में जुटीं पुलिस ने बुधवार को उसे गिरफ्तार किया। पीड़िता को मेडिकल परीक्षण हेतु भेजा गया था। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में हाजिर किया गया। जिसे जेल भेजा जा रहा है। पुलिस मामला दर्ज कर अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई में लगी है।

जिला सूचनाधिकारी को पितृ शोक

मीरजापुर। जनपद में नियुक्त जिला सूचनाधिकारी ओमप्रकाश उपाध्याय के 87 वर्षीय रिटायर्ड अध्यापक शम्भूनारायण उपाध्याय निवासी बड़ेपुर अम्बेडकर नगर का बुधवार को निधन हो गया। निधन की सूचना मिलते ही परिवार समेत जिले के अधिकारियों व पत्रकारों में शोक की लहर दौड़ पड़ी। मृतक उपाध्याय का अंतिम संस्कार गाँव में ही कर दिया गया।

निर्माणाधीन वाशिंग पिट भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा

लापरवाही

ट्रेनों की धुलाई के लिए बनाया जा रहा था यह वाशिंग पिट

धराशाही वाशिंग पिट

चोपन। जहां एक तरफ केंद्र की सरकार रेलवे को हाईटेक बनाने के लिए नित्यदिन भारी भरकम बजट उपलब्ध करा रही है ताकि रेलवे का कायाकल्प हो और हर चीजें हाईटेक हो जिसके परिपेक्ष में चोपन में भी रेलवे के द्वारा करोड़ों रुपए के लागतों से तमाम तरह के निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। जिसमें ट्रेनों के धुलाई के लिए भी लगभग पांच सौ मीटर लंबा वाशिंग पिट बनाए जाने का कार्य किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह किन्हीं कारणों से लगभग तीन सौ मीटर वाशिंग पिट धराशाही हो गया। जिसे संज्ञान में आते ही ठेकेदार द्वारा कमियों को छुपाने के लिए पूरे धराशाई हुए वाशिंग पीट को काले प्लास्टिक से ढक दिया गया ताकि किसी की नजर ना पड़ सके परंतु कुछ लोगों ने घटना को देख लिया और यह बात लोगों तक पहुंच गई। खबर पाते ही मौके पर जाकर स्थानीय मीडिया कर्मियों ने धराशाही हुए वाशिंग पिट को अपने कैमरे में कैद कर लिया। वही इस बात की जानकारी जब रेलवे के उच्च अधिकारियों को हुई तो हड़कंप मच गया हालांकि जब कंट्रक्शन विभाग के आईओडब्ल्यू अवधेश कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामला संज्ञान में आया है बरहाल मैं छुट्टी पर हूं, आने के बाद जांच किया जाएगा तथा घटना के बाबत उच्चाधिकारियों को सूचना दे दिया गया है। बड़ी बात यह है कि जब इसी विभाग के एक्सईएन से बात किया गया तो उन्होंने एकबारगी घटना के बाबत अनभिज्ञता जाहिर की। लेकिन मीडिया कर्मियों द्वारा पूरी जानकारी देने पर उन्होंने बताया कि यह कार्य गलत तरीके से हुआ था जिसके चलते इसको हम लोगों ने डिस्ट्रॉय करवाया है ना कि अपने से धराशाई हुआ है। अब सवाल यह उठता है कि जब रेलवे कंस्ट्रक्शन विभाग के द्वारा कराए जा रहे कार्यों की समय-समय पर कंस्ट्रक्शन विभाग के उच्चाधिकारियों सहित डीआरएम, मुख्य प्रबंधक आदि उच्चाधिकारियों के द्वारा मानिटरिंग भी की जाती रही है साथ ही मौके पर ड्यूटीरत कंट्रक्शन विभाग के संबंधित अधिकारीगण भी अपने देखरेख में कार्य करवाते हैं। तब प्रश्न उठता है कि इतना लंबा वाशिंग पिट जब गलत तरीके से निर्माण हो रहा था तो यह संबंधित अधिकारी कहां थे समय रहते ही क्यों नहीं कार्य को रुकवा कर गुणवत्ता पूर्वक करवाए अब जबकि लगभग तीन सौ मीटर वाशिंग पीट को बनाने में बताया जा रहा है कि लगभग करोड़ों रुपए खर्च हो चुका है आखिर इसकी भरपाई कहां से होगी।

भाजपा नेता ने डाला, ओबरा पर किया चक्काजाम

डाला । स्थानीय चौकी क्षेत्र के सेक्टर बी चौराहा पर भाजपा नेता ने निर्माण कार्य की बात को लेकर नगर पंचायत डाला बाजार के अधिशासी अधिकारी देवहूति पांडेय के द्वारा अभद्रता व्यवहार किये जाने को लेकर डाला ओबरा मार्ग को बुधवार की सायंकाल एक घंटे तक जाम कर दिया। सड़क जाम की सूचना मिलते ही चोपनए कोन व डाला पुलिस मौके पर पहुच गई और घंटो कडी मशक्कत के बाद एक घंटे बाद डाला लिपिकी के आश्वासन पर डाला ओबरा मार्ग का जाम हट सका। चक्का जाम कर रहे भाजपा नेता मनीष तिवारी ने बताया कि सेक्टर बी पोखरा पर राकेश जायसवाल के घर से नाला तक लगभग 40 मीटर की नाली निर्माण को लेकर लगभग आठ माह पूर्व टेंडर किया गया है लेकिन आज तक नाली का निर्माण नहीं हो सका है जब इसके बारे में नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी देवहूति पांडेय से पूछा गया तो वह यह अभद्रता व्यवहार करते हुए महिला के नाम पर मुकदमा दर्ज करवाने की धमकी देने लगी जिसको लेकर हमें अपने साथीयों के साथ चक्का जाम करना पड़ा और नगर के विकास कार्य में दोहरी नीति की भूमिका निभाई जा रही और अधिशासी अधिकारी नियमित नगर पंचायत कार्यालय में मौजूद नहीं रहती है। इस सन्दर्भ में डाला नगर पंचायत की ईओ देवहूती पांडेय ने बताया कि अभद्रता की शिकायत सरासर गलत है जबकि भाजपा नेता द्वारा स्वयं हमे डाला से हटा दिए जाने की धमकी दी गई है। नगर पंचायत द्वारा छूट हुआ कार्य दो दिनो के भीतर लगा दिया जाएगा।

कलश यात्रा के साथ विराट रुद्र महायज्ञ व रामकथा 24 से होगा प्रारंभ

धर्म कर्म

अंतिम दिन 4 मार्च को होगी गरीब कन्याओं की शादी, अयोध्या, हरिद्वार व प्रयागराज से आए महंत देंगे आशीर्वाद

सोनभद्र। उमामहेश्वर गुप्तकाशी शिवद्वार धाम मंदिर परिसर में नौ दिवसीय विराट रूद्र महायज्ञ एवं रामकथा 24 फरवरी से शुरू होगी। जिसका समापन 4 मार्च को गरीब कन्याओं की शादी के साथ होगा। अयोध्या, हरिद्वार एवं प्रयागराज से आए महंत एवं संत भी विवाह के साक्षी बनेंगे। प्रतिदिन विशाल भंडारा चलेगा, जिसमें श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे।

कार्यक्रम के आयोजक/ संयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि उमा महेश्वर गुप्तकाशी शिवद्वार धाम मंदिर परिसर में नौ दिवसीय विराट रूद्र महायज्ञ, रामकथा एवं गरीब कन्याओं का शुभ विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। 24 फरवरी को कलश यात्रा, कलश स्थापना व अग्नि प्रवेश के साथ ही विराट रूद्र महायज्ञ शुरू होगी। प्रतिदिन हरिद्वार से आए कथा व्यास राघवेंद्र चार्य जी महाराज द्वारा दोपहर दो बजे से शाम सात बजे तक रामकथा का पान कराया जाएगा। इसके बाद शाम सात बजे से आरती होगी। श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन विशाल भंडारा भी चलेगा, ताकि श्रद्धालु कथा श्रवण के साथ ही प्रसाद भी ग्रहण कर सकें। उन्होंने यह भी बताया कि गरीब कन्याओं की शादी 4 मार्च को होगी, कन्याओं को आशीर्वाद देने के लिए अयोध्या के महंत कमल नयन दास जी महाराज व प्रयागराज के महंत बलबीर गिरी जी महाराज भी आएंगे। इसमें भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट कसारी रामगढ़, सोन विंध्य गंगा सेवा संस्कृति संस्थान, श्री शिव पार्वती मंदिर सेवा समिति शिवद्वार व विराट रूद्र महायज्ञ समिति ओबरा के पदाधिकारी,सदस्य व कार्यकर्ता कार्यक्रम को सफल बनाने में जुट गए हैं।

मैनेज टेंडर के खेल से राजस्व की छति

सोनभद्र। जिला पंचायत के निविदा प्रक्रिया में लगातार किए जा रहे भ्रष्ट्राचार को लेकर बढ़ौली निवासी अधिवक्ता राजीव कुमार चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर टेंडर मैनेज के खेल का आरोप लगाया है। मांग किया कि सभी बिंदुओं की जांच कराते हुए टेंडर प्रक्रिया को पारदर्शी व नियमानुसार कराते हुए जिम्मेदार पर कठोर कार्यवाही की जाए। श्री चौबे ने कुछ आठ बिंदुओं पर आरोप लगाया है। आरोप है कि जिला पंचायत में अपर मुख्य अधिकारी व अभियंता द्वारा लगातार निविदा प्रक्रिया को नियम विरूद्ध जा कर अपने चहेते ठेकेदारों का टेंडर मैनेज करने हेतु दोष पूर्ण निविदा प्रकाशित कर जिला पंचायत में विभागीय दर से एक प्रतिशत कम दर पर लगभग 20 करोड़ का टेंडर मैनेज कर राज्य सरकार के मंशा के विपरीत टेंडर में प्रतिस्पर्धा न करा कर टेंडर मैनेज का खेल लगातार किया जा रहा है। यह अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत व अभियंता द्वारा जिला पंचायत में वित्तीय अनियमितता होने का खुला खेल खेला जा रहा है। ऐसा करने से राजस्व की छति लगातार की जा रही है। टेंडर में प्रतिशपर्धा न होने से लगभग 150 कार्यों का टेंडर विभागी दर से एक प्रतिशत कम दर पर किया जाना अपने आप में भ्रष्ट्राचार के पराकास्ठा है।

ग्रीन-सौर ऊर्जा संयंत्र का डीएम ने किया उद्घाटन

ग्रीन-सौर ऊर्जा संयंत्र का जायजा लेते जिलाधिकारी

डाला। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के ग्रीन-सौर ऊर्जा संयंत्र का जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने बुधवार को फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा को पुनः उत्पन्न करने, और कमी के डर के बिना फिर से भरने आदि पहलुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की, उन्होंने कहा कि सूर्य का उपयोग ऊर्जा स्रोत के रूप में किया जाता है, सौर ऊर्जा, ऊर्जा पर्यावरण के अनुकूल है क्योंकि सौर ऊर्जा हवा को प्रदूषित नहीं करती है या पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की तरह ग्रीन हाउस गैसों का उत्पादन नहीं करती है। इस मौके पर अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, डाला के प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि 8.50 एमडब्लूपी डीसी की क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र चालू किया गया है, जिसमें बिजली उत्पादन के कुशल और आर्थिक संचालन के लिए स्विचयार्ड में ट्रांसमिशन सिस्टम के लिए सभी इकाइयां, पैनल, इनवर्टर और सहायक उपकरण शामिल हैं सुविधा। चूँकि सौर ऊर्जा एक हरित ऊर्जा है और यह गैर-नवीकरणीय ऊर्जा की जगह लेगी जो स्थिरता के तहत कार्बन उत्सर्जन को कम करने में इंटर्न करती है। कोयला आधारित पावर प्लांट से एक मेगावाट बिजली की खपत में कमी से 820 किलोग्राम सीओ2 उत्सर्जन में कमी आएगी। यह 2050 तक 100ः हरित ऊर्जा के अल्ट्राटेक विजन के तहत है। संयंत्र और कॉलोनी में सभी उत्पन्न ऊर्जा का उपयोग किया जाएगा। अल्ट्राटेक ग्लोबल वार्मिंग यानी 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा से 500 जी बिजली उत्पादन के लिए हमारे प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण में योगदान देने के लिए भी प्रतिबद्ध है। आधिकारिक उद्घाटन जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह एवं यूनिट हेड, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, डाला राहुल सहगल के द्वारा किया गया। इस दौरान डीएम ने अपने संबोधन में अल्ट्राटेक सीमेंट लि0 के द्वारा किया गया यह प्रयास काफी सराहनीय व कारगर है, इस तरह के कार्य करने से जनपद में सौर ऊर्जा के उत्पादन में वृद्धि होगी और विद्युत की बचत भी होगी, जनमानस को सौर ऊर्जा के माध्यम से ऊर्जा मिलने के साथ ही बिजली की बचत भी होगी, इस दौरान अल्ट्राटेक सीमेंट लि0 के प्रतिनिधियों द्वारा सौर ऊर्जा के माध्यम से विद्युत उत्पादन किये जाने वाले संयंत्र के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। संचालन रमेश चन्द्र पाण्डेय ने किया। मौके पर पंकज पोद्दार मानव संसाधन प्रमुख, प्रशांत, जगदीश, विवेक खोसला, शिराज आदि मौजूद रहे।

संक्षेप

एसडीओ वन ने किया छठ घाट का निरीक्षण

बीजपुर। जरहा वन रेंज के डोडहर, मिटीहिनी में काटी गई पहाड़ी व महुली के लखार टोले के छठ घाट का छपी अबैध खनन की खबर को गम्भीरता से लेते हुए एसडीओ वन भानेन्द्र सिंह ने औचक बुधवार को मौके की जांच की। उन्होंने जरिये मोबाइल पर बताया कि कांट्रेक्टर कालोनी से सोलर ऊर्जा प्लांट के लिए बन रही सड़क में पहाड़ी काटकर अवैध रूप से प्रयोग किया गया। वही लखार टोले में भी बन रहे छठ घाट में जंगल के बालू बोल्डर के प्रयोग किए जाने की खबर अखबार में प्रकाशित हुई थी। जिसकी मौके की जांच की गई। इसका जांच रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजा जाएगा उनकी अनुमति के पश्चात कार्यवाई की जाएगी।

कलंकी पिता गिरफ्तार

बीजपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम सभा बीजपुर पुनर्वास निवासी एक आरोपी को बुधवार की सुबह दुद्धिया मंदिर से गिरफ्तार कर संबंधित कोर्ट में चालान कर दिया गया। प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी अवधेश कुमार पुत्र स्व हरदिास निवासी ग्राम करैल थाना कोन व हाल पता बीजपुर के विरूद्ध उसकी बेटी ने पिता के ऊपर दुष्कर्म, मारपीट आदि का तहरीर देकर आरोप लगाया था। तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस छानबीन में जुट गई। इसी बीच निरीक्षक अपराध अशोक यादव ने आरोपी को दुद्धिया मंदिर के पास से पकड़ लिया।

विस्थापन सूची में नाम बढ़ाने को युवा कर रहे आवेदन

दुद्धी। कनहर सिंचाई परियोजना डूब क्षेत्र को खाली करने को लेकर प्रशासन के तल्ख तेवर से भयभीत डूब क्षेत्र के सैकड़ों लोग इन दिनों तहसील मुख्यालय स्थित उपजिलाधिकारी कार्यालय पर विस्थापन सूची में नाम बढ़ाने व अन्य समस्याओं के बारे में आवेदन दे रहे है। बुधवार को डूब क्षेत्र सुंदरी व कोरची आदि गाव के दर्जनों लोगों ने अपने पिता व दादा के आधार पर विस्थापन सूची में नाम दर्ज करने को लेकर आवेदन किया। वहीं कुछ विस्थापितों ने पुनर्वास पैकेज, डूब क्षेत्र का सीमांकन सुंदरी गांव के करिवालेवा व पहाड़ टोला के लोगो को डूब क्षेत्र में सामिल करने आदि समस्याओं से सम्बन्धित भी शिकायती पत्र दिया।

ट्रक ने महिला को मारी टक्कर, मौत

चोपन। स्थानीय थाना क्षेत्र के वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर पटवध बसकटवा मोड़ के पास ट्रक ने बाइक सवार दम्पति को टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पति को मामूली चोट आयी है। घटना की खबर लगते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्ट्म हेतु भेज दिया। वहीं लोगों ने टक्कर मारकर भाग रही ट्रक को पकड़ लिया। पुलिस वाहन को अपने कब्जे में ले लिया। बुधवार को चकरिया निवासी कपूरचंद यादव अपनी पत्नी नेहा को लेकर किसी कामवश चोपन आया था। चोपन से चकरिया वापसी के दौरान पटवध बसकटवा मोड़ के पास एक ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे सड़क पर गिरी पत्नी नेहा 35 वर्ष पर ट्रक का पहिया चढ़ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जिससे उसके शव के चिथड़े उड़ गए। वही कुछ दूर पर गिरा पति कपूरचंद को मामूली चोट आयी।

एससी शुक्ला को मिला प्रदूषण विभाग का अस्थायी चार्ज

सोनभद्र। अपने कार्यालय में बैठकर पैसे लेकर एनओसी जारी किए जाने के वायरल वीडियो में फंसे प्रदुषण अधिकारी टीएन सिंह को लखनऊ से अटैच कर दिया गया है और उनके स्थान पर जनपद का चार्ज क्षेत्रीय कार्यालय बस्ती में तैनात पर्यावरण अभियंता आशुतोष चौहान को दिया गया लेकिन श्री चौहान द्वारा अवकाश में चले जाने के कारण अभी तक कार्यभार ग्रहण नहीं किया गया है। जनपद सोनभद्र एक संवेदनशील क्षेत्र होने के कारण नितांत अस्थाई वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में डा. एससी शुक्ला क्षेत्रीय अधिकारी (प्र.)वाराणसी द्वारा उनके वर्तमान कार्यों के साथ-साथ अग्रिम आदेशों तक क्षेत्रीय अधिकारी का दिया गया। अब देखने वाली बात यह है कि विवादित बन चुका सोनभद्र प्रदूषण विभाग में एससी शुक्ला चार्ज लेते है की नहीं।

कोल हैंडलिंग में कार्य के दौरान श्रमिक घायल, रेफर

ओबरा। स्थानीय तापीय परियोजना के ब ताप विद्युत गृह में मंगलवार की देर शाम कोल हैंडलिंग में कार्य के दौरान एक श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गया। मामले में परियोजना अस्पताल के एक कर्मी ने बताया कि घायल मजदूर का दोनो पैर एड़ी के पास से कटकर अलग हो गया है। जिससे मजदूर की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। इस दौरान घायल व्यक्ति को इलाज के लिए स्थानीय परियोजना अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेज दिया गया। ओबरा तापीय परियोजना के कोल हैंडलिंग में स्ट्रेकर डिस्मेंटलिंग का काम कर रही निजी कंपनी में कार्यरत 50 वर्षीय मजदूर रमेश भारती पुत्र तिलकराम मंगलवार की देर शाम कार्य के दौरान घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद अधिकारियों ने गंभीर रूप से घायल रमेश भारती को इलाज के लिए परियोजना अस्पताल में भर्ती कराया। जहाँ हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां भी हालत में सुधार नहीं होने पर उसे ट्रामा सेन्टर वाराणसी भेज दिया गया। जहां उसके हालत में सुधार बताया जा रहा है। घटना की सूचना ओबरा पुलिस को अस्पताल के मेमो द्वारा दी गयी है।

जिपं की बैठक 15 मार्च को

सोनभद्र। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत ने बताया कि उत्तर प्रदेश विधान सभा/विधान परिषद सत्र 25 फरवरी तक चलने के कारण जिला पंचायत सोनभद्र की बैठक 25 फरवरी के स्थान पर अब 15 मार्च को समय 12 बजे से आहूत की गयी है।

26 को होगा ठेका मजदूर यूनियन का सम्मेलन

ओबरा। ठेका मजदूरों को कानून के खिलाफ स्थाई कामों में जिंदगी भर कम मजदूरी पर नौकरी कराई जाती है। इन मजदूरों को श्रम कानूनों में मिले ग्रेच्युटी, बोनस, हाजरी कार्ड, वेतन पर्ची, रोजगार कार्ड जैसे न्यूनतम अधिकार भी नहीं दिए जाते हैं। इसे लेकर आंदोलन की रणनीति बनाने और ठेका मजदूरों की पक्की नौकरी की मांग को उठाने के लिए ठेका मजदूर यूनियन का जिला सम्मेलन 26 फरवरी को पिपरी में आयोजित होगा।

अनुदान के लिए अपने खाते से भुगतान करें किसान

चंदौली। उपकृषि निदेशक बसन्त कुमार दुबे ने बताया कि सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर मेकेनाइजेशन योजना एवं कृषि यंत्रीकरण की समस्त योजना में शासनादेश के निर्गत होने की तिथि 13 फरवरी के उपरान्त कृषक द्वारा जो भी कृषि यंत्र क्रय किया जाये उस यंत्र के क्रय हेतु फर्मों को शत-प्रतिशत धनराशि का भुगतान लाभार्थी स्वयं के खाते से करे। ऐसा करने वाले किसानों को ही अनुदान भुगतान हेतु आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश प्राप्त हुए है। इस क्रम में उन्होंने जनपद के समस्त किसानों से कहा कि उक्त शासनादेश निर्गत होने की तिथि के उपरान्त कृषि यंत्रीकरण की समस्त योजनान्तर्गत कृषि यंत्रों व कृषि रक्षा उपकरणों एवं कस्टम हायरिंग सेंटर, फार्म मशीनरी बैंक से संबंधित कृषि यंत्रों की धनराशि का भुगतान लाभार्थी किसान के स्वयं के खाते से शत-प्रतिशत आरटीजीएस, नेफ्ट अथवा चेक इत्यादि के माध्यम से ही करें।

खराब पड़ी मिली एक्सरे मशीन, जांच में खुली स्वास्थ्य महकमे की पोल

जांच

अनुपस्थित डॉक्टरों व कार्मिकों के वेतन भुगतान पर डीएम ने लगाई रोक

जनसंदेश न्यूज

सीएचसी में दवाओं के रखरखाव की जानकारी लेते जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह

चोपन। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करने बुधवार को जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह धमक पड़े। अचानक निरीक्षण करने पहुंचे डीएम को कई डाक्टर समेत कर्मी अनुपस्थित मिले। अनुपस्थित डॉक्टरों व कार्मिकों के वेतन भुगतान पर रोक लगाने के साथ सम्बन्धितों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिये। वहीं तीन माह से खराब पड़ा एक्सरे मशीन को तत्काल ठीक कराने का निर्देश दिया।

डीएम चंद्रविजय सिंह ने साफ सफाई से लेते हुए पूरे अस्पताल परिसर का निरीक्षण किये साथ ही मरीजों से भी बात कर सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। सीएचसी पहुंचने के बाद वह सीधे लेबर रूम, जच्चा-बच्चा हॉल, ऑपरेशन रूम, रिकार्ड रूम, ओपीडी, दवा स्टाक, स्टाफ रूम आदि का निरीक्षण किया। डीएम ने ईलाज व दवा की उपलब्धता की जानकारी डॉक्टरों से प्राप्त की, तो संतोषजनक उत्तर नहीं दे पायें। जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य में सुधार लाने के निर्देश दिये। प्रशिक्षण कक्ष में जहां मौके पर आशा एवं एएनएम को प्रशिक्षित किया जा रहा था। वहां पर अव्यवस्थित ढंग से अल्ट्रासाउण्ड मशीन व कार्टूनों में कुछ दवाएं, फार्म व ग्लूकोज पाउडर रखा पाया गया। जिसके सम्बन्ध में वीपीएम पवन सोनकर, बीसीपीएम सुनील मौर्या व एसटीएस अरूण सोनकर से जानकारी ली गयी तो, संतोषजनक उत्तर नहीं दे पायें, जिस पर डीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित कार्मिकों के वेतन भुगतान पर रोक के निर्देश दिया। इस दौरान डीएम को एक्स-रे कक्ष में लगी एक्सरे मशीन खराब हाल में मिली। जिस पर सीएससी प्रभारी को एक्सरे मशीन को तत्काल ठीक कराकर एक्सरे का कार्य प्रारंभ कराने का निर्देश दिया। एक्सरे मशीन तीन माह तक खराब पड़ी रही और इसका संचालन न होने के सम्बन्ध में सम्बन्धित से स्पष्टीकरण प्राप्त कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। इस दौरान वे उपस्थित पंजिका का भी निरीक्षण किया, उपस्थित पंजिका के निरीक्षण के दौरान सुरेश कुमार गौतम वरिष्ठ सहायक, डॉ. नीतू मल डेन्टल सर्जन, डा. दीपिका केशरवानी निश्चेतक, डॉ. विद्यानन्द त्रिपाठी जनरल सर्जन, डॉ. प्रमोद कुमार मेडिकल आफिसर, कल्लन स्वेच्छक, विनीत सिंह डीआरए, डॉ. प्रमोद कुमार फीजिशियन अनुपस्थित पाये गये। जिस पर डीएम ने अनुपस्थित डॉक्टरों व कार्मिकों के वेतन भुगतान पर रोक लगाने के साथ सम्बन्धितों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिये।

उपस्वास्थ्य केंद्र तो बना है, प्रसव कराने को जायें कहां, एएनएम रहती हैं नदारत

कोन। विकास खंड कोन के अंतर्गत ग्राम चांचीकला के उप स्वास्थ्य केन्द्र में तैनात एएनएम अक्सर ड्यूटी समय में नदारद रहती हैं। जिसके कारण स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। यहां पदस्थ आशा कार्यकर्ता को सहयोगी बना दिया गया है। जिसके कारण वह भी यहां नहीं रहती। लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के मुताबिक उप स्वास्थ्य केन्द्र चांचीकला में एएनएम के पद पर मिना कुमारी पदस्थ हैं और वे अक्सर ड्यूटी समय में यहां-वहां रहती हैं। जिसके चलते यहां आने वाले मरीजों को खासकर महिलाओं को परेशान होना पड़ता है। स्थिति यह है कि सभी सुविधाएं होने के बाद भी उप स्वास्थ्य केन्द्र का लाभ उतना लोगों को नहीं मिल पा रहा जितना मिलना चाहिए। ग्रामीण इस संबंध में काफी आक्रोशित हैं। उन्होंने एएनएम की शिकायत उच्चाधिकारियों से करने का मन भी बनाया है। लोगों का कहना है कि एएनएम के रहने के लिये उप स्वास्थ्य केन्द्र में ही व्यवस्था की गई है, लेकिन वह यहां न रहकर कोन बस्ती में अपना हेड क्वार्टर बनाएं हुए हैं। चांचीकला उप स्वास्थ्य केन्द्र से लगे गांव नरहटी, नकतवार, मझिगवां, चाचीखुर्द, नैकहा तथा देवाटन सहित कई गांव के लोग उप स्वास्थ्य केन्द्र में ताला लगा देखकर लौट जाते है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जब भी वह उप स्वास्थ्य केन्द्र जाता है उसे वहां ताला लगा ही मिलता है। दिक्कतें ही दिक्कतें हैं और उप स्वास्थ्य केन्द्र का लाभ सबको नहीं मिल पा रहा। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि एएनएम उप स्वास्थ्य केंद्र पर निवास नहीं कर रही है तो हम सब ग्रामीण मिलकर धरना प्रदर्शन करने के बाध्य होंगे। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन के अधीक्षक सुभाष चंद्र से बात की गई तो उनका कहना था कि वहाँ मोबाइल टॉवर न होने के कारण एएनएम उप स्वास्थ्य केंद्र पर निवास नहीं कर रही है। एएनएम के उप स्वास्थ्य केंद्र पर निवास करने के लिए मेरे द्वारा लिखित आदेश बना दिया गया है। एएनएम के द्वारा अपने कार्य में हीला-हवाली की जा रही है।

अनुशासन व एकता के महत्व पर बौद्धिक संगोष्ठी

खुली लूट

खैरटिया में स्वच्छता जागरूकता अभियान व्यापक पैमाने पर चलाते हुए निकाली रैली

ओबरा। पीजी कालेज ओबरा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के शिविरार्थियों ने विशेष शिविर के तीसरे दिन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संतोष कुमार सैनी के निर्देशन में योगाभ्यास किया। तत्पश्चात कार्यक्रम अधिकारियों डॉ सैनी एवं डॉ. विकास कुमार के नेतृत्व में शिविरार्थी छात्र-छात्राओं ने अधिग्रहीत ग्राम खैरटिया में स्वच्छता जागरूकता अभियान व्यापक पैमाने पर चलाते हुए स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली।

ग्रामीणों को गंदगी से होने वाली बीमारियों मलेरिया, डेंगू, हैजा, फाइलेरिया दूषित जल से होने वाली बीमारियों ज्वाइंडिस, टाइफाइड, हेपेटाइटिस इत्यादि के बारे में स्वच्छता के महत्व को बताया। जागरूकता अभियान के पश्चात कु. वर्षा सिंह अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ताइक्वांडो द्वारा छात्राओं को सेल्फ डिफेंस हेतु मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया गया। आयोजित बौद्धिक गोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ रंजीत सिंह विभागाध्यक्ष हिंदी द्वारा स्वच्छता, अनुशासन एवं एकता के महत्व पर कविताओं, गजलों के माध्यम से व्याख्यान दिया। संचालन विकास कुमार ने स्वागत भाषण डॉ विभा पांडेय ने, आभार ज्ञापन डॉ. सैनी द्वारा किया गया। बौद्धिक गोष्टी के पश्चात मनोरंजक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रा वर्ग में झांसी की रानी ग्रुप से कु. प्रियंका सिंह प्रथम, अंशु कुमारी द्वितीय तथा ज्योति तृतीय स्थान पर रही। छात्र वर्ग में दीपक कुमार प्रथम, नितेश द्वितीय तथा मुकेश तृतीय स्थान पर रहे।

यूपी सरकार के बजट पर प्रतिक्रिया

विपक्षी नेताओं ने बजट को बताया जनता के साथ धोखा, भाजपा ने बताया सबसे उत्तम बजट

अमृत काल का महाबजट-भूपेश चौबे

भाजपा विधायक भूपेश चौबे ने इस बजट को लोगों की उम्मीद से बेहतर बताया। सभी क्षेत्रों के विकास को ध्यान में रखकर यह बजट पेश किया गया है। कहा कि सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास के तर्ज पर काम करते हुए सरकार आगे बढ़ रही है और यह अमृत काल का महाबजट है। बजट गरीबों आदिवासियों के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। यूपी के विकास में सोनभद्र एक शक्ति का केंद्र बनेगा।

पुनः वादों का पिटारा : बी सागर

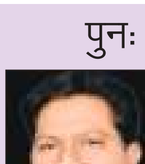

बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष बी सागर ने कहा कि यह बजट जनहित व जनकल्याण का कम एवं लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर भ्रमकारी एवं चुनावी स्वार्थ को लेकर पुनः वादों का पिटारा है। महंगाई से त्रस्त जनता के लिए गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, पिछड़ेपन एवं अराजकता आदि से उत्पन्न बदहाली को दूर करने हेतु अपनी कथनी व करनी में अंतर से यह जनता के साथ विश्वासघात है। जो की आम जनता के हित व कल्याण के लिए ठीक नहीं है। यह सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। प्रति व्यक्ति आय व विकास की जमीनी हकीकत मिथ्या प्रचार और जुमलेबाजी है यह बजट ऊंट के मुंह में जीरा है।

बजट पर चर्चा जनसंदेश टाइम्स के साथ

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बुधवार को राज्य का बजट प्रस्तुत किया। बजट पर जनसंदेश टाइम्स ने सत्ता पक्ष व विपक्षी नेताओं से राय जानी। जिसमें विपक्षियों ने बजट की आलोचना की। वहीं भाजपाइयों ने इसे विकास परक, ऐतिहासिक और हर वर्ग के लिए संतुलित बताया है।

झूठ का पुलिंदा है बजट-अविनाश कुशवाहा

समाजवादी पार्टी के नेता व पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा ने बजट को आम जनता से धोखा बताया है। कहा कि पिछला बजट ही सरकार खत्म नहीं कर सकी है। पिछले बजट में कई परियोजनाओं के लिए जारी किया गया बजट संबंधित विभाग के थे ही नहीं। ऐसे में यह बजट भी झूठ का पुलिंदा है। आम जनता महंगाई के बोझ तले दबी हैं किंतु बजट में महंगाई कम करने की कोई नीति नहीं बताई गई है।

ये घिसा पिटा बजट है-राजेश द्विवेदी

कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेश द्विवेदी ने बजट का प्रावधान लागू नहीं हो पाया। लोगों को उसका लाभ नहीं मिल पाया। जिन चिजों का लाभ जनता को मिला। वो कांग्रेस के जमाने की बनाई योजना थी। जब केंद्र में मनमोहन सिंह की सरकार थी। चाहे वो खाद्य सुरक्षा योजना हो या मनरेगा। जिसके जरिए मुफ्त राशन मिलता था और रोजगार। वो सब कांग्रेस की देन है। भाजपा ने कहा था कि रोजगार देंगे, महंगाई कम करेंगे लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। यह भाजपा के दावे लोकलूभावन है और बजट घिसा पिटा है।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण का डीएम ने लिया जायजा

सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह द्वारा विशेष पहल पर जनपद के समस्त आईसीडीएस एवं स्वास्थ्य विभाग के कार्यकर्ताओं को विकास भवन सभागार में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कराया जा रहा है। प्रशिक्षण का जायजा लेने के लिए डीएम पहुंच गए। प्रशिक्षण को सम्बोधित करते हुए डीएम चंद्र विजय सिंह ने कहा कि यह प्रशिक्षण जनपद गोरखपुर से आये राज्य स्तरीय प्रशिक्षकों द्वारा कराया जा रहा है, प्रशिक्षण का समन्वय प्रवीण चन्द्र दूबे द्वारा किया जा रहा है, इनकी टीम द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों में विगत 15 से 20 वर्षों से कराया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का मूल्यांकन एवं निरीक्षण सफल संचालन में जिला कार्यक्रम अधिकारी तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा सहयोग किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिशु मृत्यु दर मातृ मृत्यु दर में कमी, गर्भवती तथा धात्री महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार, नवजाति शिशु की देखभाल, वृद्धि निगरानी तथा गंभीर कुपोषित बच्चों के प्रबन्धन एवं संदर्भन के साथ जनपद में माताओं एवं बच्चों में स्तनपान एवं समय पर उपरी आहार शुरू कर कुपोषण में कमी लाना है। 30 जनवरी से शुरू हुए प्रशिक्षण में अभी तक सात बैचो में कुल 400 से अधिक आंगनबाड़ी, आशा का प्रशिक्षण हो चुका है।

बिजली विभाग की मनमानी के खिलाफ महिलाओं का प्रदर्शन

जनसंदेश न्यूज

सकलडीहा। अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण उपखंड तृतीय कार्यालय पर अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा आये दिन दुर्व्यवहार और शोषण को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को बलुआ सराय गांव के दलित बस्ती की महिलाओं ने भाकपा माले के नेतृत्व में बिजली विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों के मनमानी व दुर्व्यवहार को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

इस दौरान दोषी कर्मचारियों को दंडित करने व शोषण बंद करने की मांग किया। अंत में मांगों के समर्थन में बिजली विभाग के अधिकारियों को पत्रक सौपा। महिलाओं ने आरोप लगाया कि एक ओर से सरकार गरीबों को निःशुल्क बिजली मुहैया कराने का ढ़ोल पीट रहा है। वही दूसरी ओर बगैर मीटर लगाये 50 से 70 हजार प्रति घरों को बिजली का बिल भेजकर जबरन वसूली व मुकदमा दर्ज कराने का भय दिखाया जा रहा है। एक साथ करीब 70 से 80 घरों की विद्युत काट दिया गया है। जबकि इस समय बोर्ड परीक्षा चल रहा है। यही नहीं बिजली विभाग के कर्मचारियों द्वारा महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार भी किया जाता है। गांव की महिलाओं ने दोषी कर्मचारियों को दंडित करने बिजली आपूर्ति शुरू करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। अंत में वक्ताओं ने पंजाब और दिल्ली के तर्ज पर गरीबों को बिजली फ्री देने की मांग किया। इस मौके पर भाकपा माले नेता श्रवण कुशवाहा, रमेश राम, धर्मेंद्र मौर्या, रविन्द्र, ओमप्रकाश, शरद, हरिशंकर विश्वकर्मा, श्यामदेई, मुन्ना, सीता, अच्छे, प्रिंस, कंचन देवी, निर्मला, उर्मिला, दुर्गा, चंपा, किशुन, मोना, शैला, पवन, सोनू, विश्वजीत, रविन्द्र आदि मौजूद रहे।

सकलडीहा एक्सईएन कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते ग्रामीण।

कांग्रेसियों ने मौलाना अबुल कलाम आजाद को किया याद

डीडीयू नगर। शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कांग्रेसजनों ने बुधवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व देश के प्रथम शिक्षामंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की पुण्यतिथि मनाई। इस दौरान उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उनके आदर्शों पर चलने का कांग्रेसजनों ने संकल्प लिया। साथ ही गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि देश के प्रति किए गए मौलाना अबुल कलाम आजाद के कार्यों के फलस्वरूप उन्हें भारतरत्न से अलंकृत किया गया। उनकी जयंती को शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में उनका कार्य अविस्मरणीय है।

इस दौरान रामजी गुप्ता ने कहा कि देश में आईआईटी की शिक्षा उनके शिक्षा मंत्रित्व काल में आरंभ हुई। वर्ष 1923 में मौलाना आजाद भारतीय नेशनल कांग्रेस के सबसे कम उम्र के अध्यक्ष बने।

कहा कि मौलाना आजाद ने देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। किसी वर्ग विशेष के हित की बजाये वे हमेशा देश हित के बारे में सोचा करते थे। आज उनके आदर्शों पर चलने की आवश्यकता है। कार्यक्रम मे आनंद शुक्ल, बृजेश गुप्ता, विजय कुमार गुप्ता, दशरथ चौहान, डा नन्दलाल प्रसाद गुप्ता, दीपक गुप्ता, अमरनाथ, संतोष चौहान आदि लोग थे। संचालन विजय कुमार गुप्ता ने किया।

डीडीयू नगर में पुण्यतिथि मनाते शहर कांग्रेस कमेटी के लोग।

चोरों ने नकदी सहित डेढ़ लाख के उड़ाये आभूषण

सकलडीहा। कोतवाली क्षेत्र के बरठी गांव के हरिनारायण राम के घर में चोरों ने दरवाजा तोड़कर घर में घुस गये। दो कमरों का ताला तोड़कर डेढ़लाख की आभूषण सहित 57 हजार रूपया नगदी लेकर चंपत होगये। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस तहरीर लेकर जांच में जुट गयी। बरठी गांव के हरिनारायण अपनी पत्नी रीता के साथ घर में अकेले सोये हुए थे। करीब चार पांच की संख्या में चोर सामने से लोहे की दरवाजा का ताला तोड़कर घर में घुस गये। सो रहे पति पत्नी की कमरे के दरवाजा को चोरों ने बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद घर के दो कमरों से 44 हजार नगदी और समूह का रखा हुआ करीब 13 तेरह हजार रूपया और सोने की चैन, कनफूल, नथुनी सहित करीब डेढ़ लाख की आभूषण चोरों ने दो अटैची और दो बाक्स के साथ चंपत हो गये। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने 112 पर फोन कर अवगत कराया। पुलिस के आने से पूर्व चोर फरार हो गये थे। पीड़ित परिवार की ओर से तहरीर लेकर पुलिस जांच में जुट गयी है। इस बाबत कोतवाल अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि चोरी की घटना का तहरीर लेकर कार्रवाई की जा रही है।

अल्पसंख्यकों तक पहुंचाएं सरकार से जुड़ी योजनाएं

बोले हैदर अब्बास

पीडब्ल्यूडी डाक बंगले पर अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य ने की बैठक

चंदौली। सूबे के अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य हैदर अब्बास चांद बुधवार को जनपद दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने पीडब्ल्यूडी डाक बंगले पर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं और अल्पसंख्यक से जुड़े मामलों की समीक्षा की। जनपद के अधिकारियों को निर्देश दिया कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र अल्पसंख्यकों तक पहुंचाने में अपना सहयोग प्रदान करें। मदरसा संचालकों ने आधुनिक शिक्षकों के मानदेय संबंधित ज्ञापन स्वीकार किया।

इस दौरान उन्होंने कौशल विकास योजना के तहत अल्पसंख्यक समुदाय के 173 युवाओं का नामांकन किया गया। दीनदयाल गारमेंट योजना के तहत 70 बुनकर पंजीकृत है। सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि जनपद के कुछ स्थानों पर गरीब के ईलाज व जांच के नाम पर वसूली की जा रही है। दवाएं बाहर से लिखी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अफसरों को निर्देश दिया कि ऐसी शिकायतों को संज्ञान में लेकर समस्याओं को दूर करें, ताकि सरकार की छवि खराब न होने पाए।

डाक्टरों के व्यवहार में गुणात्मक सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाए। एसडीएम सदर ने बताया कि जनपद में चलो चंदौली अभियान के तहत पात्र गरीबों को योजनाओं का लाभ गांव में कैम्प लगाकर किया जा रहा है। बताया कि चंदौली में 75 मान्यता प्राप्त मदरसे हैं जिसमें तीन एडेड है।

मदरसों का सत्यापन कराया जा रहा है ताकि इस बात को सुनिश्चित किया जा किए कोई भी व्यक्ति फर्जी डिग्री पर पढ़ाने न पाए।

बताया कि सामूहिक विवाह में अल्पसंख्यक समुदाय की भागीदारी कम रही है। 765 में मात्र 16 की शादी सामूहिक विवाह में कराई गई। इसके अतिरिक्त तीन तलाक के बारे में विस्तार से जानकारी दी। खालिद वकार आबिद ने मुलाकात की और उन्हें लिखित ज्ञापन देते हुए मदरसों के आधुनिकीकरण, उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड द्वारा मिनी आईटीआई को एनसीवीटी का दर्जा दिलाने एवं अल्पसंख्यक छात्रों को छात्रवृत्ति के बजट को अधिक से अधिक किए जाने का मांग की। इस मौके पर एसडीएम सदर अजय मिश्रा, सीएमओ डा.वाईके मिश्रा, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, इकबाल अहमद राजू, इम्तियाज अहमद, गुफरान खान, सोहराब अली, तबरेज खान, अफसर अहमद आदि मौजूद रहे।

अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य हैदर अब्बास को ज्ञापन सौंपते लोग।

दुलहीपुर में हुआ अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य का स्वागत

डीडीयू नगर। अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य हैदर अब्बास चांद का दुल्हीपुर बाजार में काशी क्षेत्र के महामंत्री इकबाल अहमद राजू हवारी के नेतृत्व में स्वागत किया गया। क्षेत्रीय महामंत्री ने उन्हें अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया। जिसपर आयोग के सदस्य हैदर अब्बास चांद ने गंभीरता के साथ सहयोग व कार्यवाही करने की बात की। इस दौरान जमा खान शानू, शाहिद हाशमी, एस के उरूज हैदर, इस्तियाक अहमद सलमानी, इरफान रब्बानी, हलीम इदरीसी, रिजवान रजा, अमीनुद्दीन, जावेद, जुनैद, अजमल, राज अंसारी, जुल्फकार, अजमल, आरिज हैदर, साहिल शाहिद आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीडीपीओ ने गैरहाजिर आंगनबाड़ी का मानदेय रोका

जनसंदेश न्यूज

सैयदराजा। बाल विकास परियोजना अधिकारी बरहनी रामप्रकाश मौर्या द्वारा ग्राम सभा पोखरा धनाईतपुर के आंगनबाड़ी केंद्र की आंगनबाड़ी कार्यकत्री मीरा त्रिपाठी के विरुद्ध प्राप्त आईजीआरएस शिकायत की जांच की गयी। जांच के समय एएनएम सुनीता सिंह आंगनबाड़ी सहायिका बंसती देवी तथा प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक मुहम्मद वकील सहित बाल विकास परियोजना के प्रधान सहायक सौरभ सिंह सहित शिकायत कर्ता सुरेन्द्र यादव, अनिल गौतम, ओम प्रकाश विकास राम बबलू यादव बृजेश कुमार गौतम कुमार उपस्थित रहे।

आंगनबाडी केंद्र धनाईतपुर में टीकाकरण का सत्र भी आयोजित हो रहा था जिसमें धनाईतपुर आंगनबाड़ी केंद्र की आंगनबाड़ी कार्यकत्री मीरा त्रिपाठी अनुपस्थिति रही। ग्रामवासियों द्वारा लिखित रूप से बयान दिया गया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री आंगनबाड़ी केंद्र पर नही आती है। बाल विकास परियोजना अधिकारी बरहनी ने शिकायतकताओं को बताया कि तत्काल प्रभाव से मीरा त्रिपाठी आंगनबाड़ी कार्यकत्री के मानदेय पर रोक लगाई जाती है तथा उनके सेवा समाप्ति हेतु उच्चाधिकारियों को पत्रावली भेजी जाएगी। इसके साथ ही बाल विकास परियोजना अधिकारी बरहनी राम प्रकाश मौर्य द्वारा ग्रामसभा दैथा के प्राथमिक विद्यालय में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया गया, जहां आंगनबाड़ी कार्यकत्री शकुंतला देवी अनुपस्थिति पायी गयी तथा चिरईगांव ग्राम सभा में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र की आंगनबाड़ी कार्यकत्री सरिता और भगवानी उपस्थित पायी गयी।

सीडीपीओ बरहनी ने बताया कि सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आंगनबाड़ी केंद्र पर समय से उपस्थित हो कार्यों में शिथिलता कत्तई बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

धनाइतपुर आंगनबाड़ी केंद्र पर मौजूद सीडीपीओ बरहनी।

शिक्षकों के सम्मान की लड़ाई लड़ेगा संघ

सकलडीहा। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक ईकाई के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का बुधवार को बीआरसी धरहरा पर शपथ ग्रहण समारोह सकुशल संपन्न हुआ। इस दौरान शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती और संगठन हित में कार्य करने का संकल्प दोहराया। इस मौके पर शिक्षकों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को माला फूल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। ब्लॉक अध्यक्ष जयनारायण यादव ने कहा कि शिक्षक समाज का मार्ग दर्शक होता है। शिक्षकों के सम्मान और अधिकार की लड़ाई संगठन मजबूती के साथ लड़ेगा। इसके पूर्व संरक्षक अशोक सिंह,महामंत्री चन्द्रकांत सिंह, शिवकुमार, विवेकानंद शर्मा, सुरेश गौतम, रत्नाकर सिंह, सूर्यकांत भारती ने संघ के अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों के साथ शपथ ली। इस मौके पर जिपंस प्रतिनिधि रमेश राम, दुर्गा प्रसाद गुप्त, चन्द्रधर द्विक्षित, हिमांशु पांडेय, संजय सिंह, प्रशांत पांडेय, अरूण रत्नाकर, निठोहर सत्यार्थी, गिरजेश दादा मौजूद रहे।

यूपी सरकार के बजट से सर्वजन का होगा कल्याण

यूपी का बजट

विपक्षी दलों ने इससे बजट की बजाय जनता के लिए झुनझुना बताया

चंदौली। सूबे के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बुधवार को विधानसभा में बजट पेश किया। इसके साथ ही उन्होंने सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। सरकार के बजट पर पक्ष व विपक्ष ने अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दी। सत्ता पक्ष ने बजट को सराहा, वहीं विपक्षी दलों ने इससे बजट की बजाय जनता के लिए झुनझुना बताया।

भाजपा के जिलाध्यक्ष ने कहा कि यह बजट गरीबों के साथ-साथ सभी वर्गों को ध्यान देने वाला है। सरकार की मंशा है कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास बजट के माध्यम से कायम किया जाए इसका पुरजोर लाभ दिया गया है। प्रदेश एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि यह बजट पूरी तरह से गरीबों नौजवानों और गरीबो सहित समाज के सभी वर्गों को छलने वाला है। इससे गरीब जनता को कुछ मिलने वाला नहीं है। यह बजट सिर्फ पूजी पतियों को बढ़ावा देने वाला है।

सपा जिलाध्यक्ष सत्यनारायण राजभर ने कहा कि इंडिया बजट गरीब मजदूर नौजवान के लिए नहीं है। इसमें किसी भी वर्ग का ख्याल नहीं रखा गया। यह सिर्फ जनता को धोखा देने वाला जनहित के कार्यों को पूरी तरह से नकार दिया है। इससे जनता का लाभ नहीं होगा है।

बसपा कोआर्डिनेटर घनश्याम प्रधान ने कहा कि यह बजट सिर्फ मनचाहा लोगों को लाभ देने के लिए है। इससे गरीब, नौजवान मजदूर वर्गों को रोजगार नहीं मिलेगा। यह सिर्फ अपने लोगों को लाभ देने के लिए ही बजट प्रस्तुत किया गया है यह सिर्फ झुनझुना है।

उप्र में पीड़ित महिलाओं को नहीं मिल रहा न्याय : रीबू

सपा कार्यालय पर महिला कार्यकर्ताओं को संबोधित करती प्रदेश अध्यक्ष रीबू।

जनसंदेश न्यूज

चंदौली। समाजवादी पार्टी महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मंत्री रीबू श्रीवास्तव बुधवार को भाजपा सरकार पर हमलावर रही। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया। कहा कि यूपी के 75 जिलों में बेटियों, लड़कियों के साथ दुष्कर्म हो रहे हैं और ऐसे कुकृत्य में भाजपा के लोग शामिल हैं। यही वजह है कि दुष्कर्म पीड़िताओं को न्याय नहीं मिल पा रहा है। कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में बड़ा अंदर है। सरकार निवेश, रोजगार व सुविधाओं की बात करती है, लेकिन धरातल पर कुछ भी अस्तित्व में नहीं है। महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष रिबू श्रीवास्तव समाजवादी पार्टी कार्यालय पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं।

इस दौरान उन्होंने कहा कि गांवों में उज्ज्वला योजना के तहत मिले गैस सिलिंडर धरे के धरे हैं। सरकार ने महंगाई इतनी बढ़ा दी है कि गरीब सिलेंडर को भराने में समर्थ नहीं है। यूपी सरकार ने महिलाओं से जुड़ी विभिन्न योजनाओं को बंद व बर्बाद करने का काम किया है। कहा कि महिलाओं में अब इतनी जागृति आ गई है कि वे पांच किलो अनाज के बदले अपने बच्चों का भविष्य दांव पर नहीं लगा सकती। सरकार रोजगार व नौकरी के अवसरों को खत्म कर रही है। सरकारी संपत्तियों को प्राइवेट हाथों में सौंपा जा रहा है। सरकार की गलत नीतियों से किसान, नौजवान, व्यापारी व महिलाएं सभी परेशान है। कहा कि सूबे के सभी जिलों का भ्रमण कर समाजवादी पार्टी के महिला विंग को इतना सशक्त बनाने का काम होगा कि वे युवाओं व महिलाओं के साथ ही किसानों के मुद्दे पर मजबूती के साथ मुखर हो और 2024 के लोकसभा चुनाव में सत्ता परिवर्तन करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें। इतना ही नहीं जनता को बेरोजगारी, महंगाई व अपराध से निजात दिलाने के लिए आगे आएं। सपा की सोच है कि किसानों को बीज व पानी मिले। उन्हें खेती के लिए निःशुल्क बिजली तथा बुनकरों को फ्लैट रेट पर बिजली उपलब्ध कराई जाए। इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष सत्यनरायन राजभर, मुसाफिर सिंह चौहान, जिलाध्यक्ष गार्गी सिंह पटेल, मीरा जायसवाल, उर्मिला चैहान, रिंकू तिवारी, बबिता यादव, आशा चौहान, पूनम चैहान, सोनी यादव, प्रिया देवी, श्वेता पटेल, जानकी यादव, नन्दनी देवी, सरिता मौर्या, कोमल सिंह, राजा बहादुर खान आदि उपस्थित रहे। संचालन आशा विश्वकर्मा ने किया।

पूर्व मंत्री रीबू श्रीवास्तव का जगह-जगह हुआ स्वागत

डीडीयू नगर। नगर के सुभाष पार्क के समीप सपा महिला प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रीबू श्रीवास्तव के आगमन पर बुधवार को सभासद आरती यादव के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं को युवकों ने फूल मालाओं से लादकर जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर कोमल सिंह, बदामा देवी, खूशी कुमारी, संगीता सिंह, सबा खान, अलका तिवारी, सबनम बेगम, रेखा देवी, पूनम यादव, पूजा यादव, मजू देवी, मायावती देवी, सुनिता यादव मौजूद रहे। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी की महिला सभा के प्रदेश अध्यक्ष रिबु श्रीवास्तव ने चंदौली से लौटते समय भरछा के पूर्व प्रधान संतोष सिंह से औपचारिक भेंट की। सपा के कार्यकर्ता संतोष सिंह से उनके रेस्टोरेंट पर जाकर मिली और और उनका कुशलक्षेम पूछा और पार्टी के विस्तार हेतु विचारों पर मंथन भी किया। लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी हेतु संगठन को लगातार मजबूत कर रही हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य बबिता यादव, पूर्व प्रधान संतोष सिंह सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षेप

स्काउट-गाइड ने मनाया लार्ड बेडेन पावेल की जयंती

चंदौली। भारत स्काउट और गाइड जनपद चंदौली के तत्वावधान में स्थानीय जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज चंदौली एवं पंडित कमलापति त्रिपाठी राजकीय पीजी कॉलेज चंदौली में स्काउट गाइड के जन्मदाता लार्ड बेडेन पावेल एवं उनकी पत्नी लेडी बेडेन पावेल की जयंती चिंतन दिवस के रूप में धूमधाम से मनायी गयी। कार्यक्रम में उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण किया गया इस अवसर पर ध्वजारोहण के साथ-साथ चिंतन संगोष्ठी का आयोजन किया गया इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला संगठन कमिश्नर गाइड अंजु कुमारी, डा. पवन कुमार गुप्ता, डा.संगीता, डा.अरविंद, डा.मुखर्जी आदि लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे। संचालन सैयद अली अंसारी जिला संगठन कमिश्नर जनपद चंदौली ने किया।

संत गाडगे की जयंती आज

चंदौली। उत्तर प्रदेश धोबी कल्याण समिति जिला इकाई की ओर से गुरुवार को मुख्यालय स्थित धरना स्थल पर संत गाडगे की जयंती धूमधाम के साथ मनाई जाएगी। यह जानकारी जिलाध्यक्ष दुलारे राम कनौजिया ने देते हुए बताया कि जयंती अवसर पर विविध कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। गोष्ठी के दौरान संत गाडगे के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला जाएगा।

मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम आज

नियामताबाद। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नियामताबाद पर 23 फरवरी को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी चंदौली डा. वाईके राय होंगे। यह जानकारी प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा. कुमार विमल ने दी है।

असलहा व कारतूस संग एक गिरफ्तार

इलिया। थाना क्षेत्र के मालदह नहर तिराहे के पास चेकिंग के दौरान पुलिस ने तमंचा तथा कारतूस के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर स्थानीय पुलिस गौ तस्करों तथा शराब तस्करों की धरपकड़ के लिए मंगलवार की देर शाम चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी बीच एक संदिग्ध व्यक्ति आता दिखाई दिया, जिसे पुलिस ने रोककर तलाशी ली तो उसके पास 315 बोर का तमंचा तथा एक जिंदा कारतूस पाया गया। थानाध्यक्ष मिर्जा रिजवान बेग ने बताया कि अवैध तमंचा तथा जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा गया मगन राम बिहार प्रांत के कैमूर जिला अंतर्गत पतेरी गांव का निवासी है। जिसे आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

टांडाकला गंगा घाट पर मिले शव की हुई शिनाख्त

टांडाकला। बलुआ थाना क्षेत्र के टांडा कला गंगा तट पर बीते मंगलवार को मिले हाथ बधे दो शवों की पहचान मुगलसराय थाना के दुलहीपुर निवासी महेश पटेल पुत्र प्रभु पटेल व रंजना पटेल पुत्री रामसमझ पटेल के रूप में हुई है। बलुआ इंस्पेक्टर विनय प्रकाश सिंह ने बताया कि ये दोनों पड़ोसी थे। इनमें प्रेम प्रसंग होने की बात सामने आ रही है। प्रथम दृष्टया ये दोनों गंगा में कूदकर आत्महत्या किये थे।

रिक्शा चालकों को ट्रस्ट ने दिया अनुदान

डीडीयू नगर। सब जग चल्ल्लनहार ट्रस्ट की बैठक बुधवार को नई बस्ती स्थित कार्यालय में हुई। जिसमें संस्था के सदस्यों ने होली पर्व के मद्देनजर रिक्शा चालकों का त्योहार के लिए कुछ अनुदान की बात हुई। इस मौके पर अध्यक्ष जितेंद्र जुनेजा विक्की ने कहा कि रिक्शा चालकों का भी पर्व बढ़िया से मने इसके लिए संस्था के सदस्यों ने 25 हजार रुपये का अनुदान रिक्शा चालक के अध्यक्ष क्यामुद्दीन अंसारी के सौंपने का फैसला लिया। इस मौके पर महामंत्री डब्लू राय, सागर गुप्ता, बनारसी दूबे, पियूष सिंह आदि मौजूद रहे।

न्यायालय निर्माण न होने से वकीलों ने जताई नाराजगी

चंदौली। डिस्ट्रिक्ट डेमोक्रेटिक बार एसोसिएशन की बैठक बुधवार को बार सभागार में हुई। इसमें जनपद सृजन के बाद अभी तक न्यायालय भवन का निर्माण ना होने पर अधिवक्ताओं ने नाराजगी जाहिर की। इस दौरान अध्यक्ष जय प्रकाश सिंह ने कहा कि 25 वर्ष बीत जाने के बाद भी जिला मुख्यालय पर दीवानी न्यायालय भवन का निर्माण नहीं हो सका। उक्त समस्या को बार एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल धरना प्रदर्शन के माध्यम से कई बार उच्च न्यायालय ऊपर अत्याचार पत्राचार के माध्यम से अवगत कराया, लेकिन आज तक इस पर कोई पहल नहीं की गई। प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा माधवपुर ढोल बनाने की घोषणा की गई थी इसके अलावा उच्च न्यायालय से संपर्क करने पर बारिश के प्रति मंडल को आश्वासन मिला कि शासन से नक्शा पास होते ही मौके पर निर्माण प्रारंभ हो जाएगा किंतु आज तक नक्शा सुकृति का मामला शासन में अटका हुआ है इसे तत्काल पास कराकर उचित कार्रवाई की जाए। इस दौरान विद्याचरण सिंह, आनंद कुमार, संतोष कुमार, अनिल कुमार, शहाबुद्दीन, राकेश रतन, मोहम्मद अकरम, राजेश, सुल्तान अहमद, अभिनव आनंद, जन्मेजय, रमेश कुमार, जंग बहादुर यादव आदि उपस्थित थे। संचालन राजबहादुर सिंह ने किया।

आगामी वित्तीय वर्ष में नए आयाम स्थापित करेगा यूपी : डॉ. महेंद्रनाथ पाण्डेय

चंदौली। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री व सांसद डा. महेंद्रनाथ पांडेय ने यूपी सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए पेश किए गए बजट को सराहा। कहा कि अमृतकाल में प्रदेश सरकार द्वारा पेश किया गया बजट प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास को नए आयाम देगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में प्रदेश लगातार उन्नति कर रहा है। यह बजट गरीबों, किसानों, नौजवानों, मजदूरों के उत्थान में बहुत ही महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। बजट से तरक्की की राह खुलेगी और हर वर्ष की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। बजट में किसानों के साथ नौजवानों व अन्य सभी वर्ग के हितों व उनकी सुख-समृद्धि का पूरा ध्यान रखा गया है। आगे आने वाले वित्तीय वर्ष में उत्तर प्रदेश विकास व जनकल्याण के मामले में नए आयाम स्थापित करेगा।

विधवाओं की समस्या को लेकर घेरेंगे प्रोबेशन कार्यालय

चंदौली। शिवसेना जिला इकाई की बैठक बुधवार को मुख्यालय स्थित कैंप कार्यालय में हुई। इस दौरान संगठन से तमाम बिंदुओं पर चर्चा की गई। शिव सैनिकों ने जिला प्रोबेशन कार्यालय का घेराव करने का निर्णय लिया। चेताया कि तत्काल अगर विधवा महिलाओं का पेंशन उनके खाते में नहीं भेजा गया तो आंदोलन उग्र होगा। इस दौरान वक्ताओं ने कहा इन दिनों जिला प्रोबेशन कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा आए दिन विधवा महिलाओं के साथ उपेक्षा की जा रही है। विधवा महिलाओं का केवाईसी आधार कार्ड लिंक होने के बाद भी सात महीना बीतने के बाद भी उनके खाते में पेंशन नहीं भेजा जा रहा है। जिला प्रोबेशन कार्यालय कर्मचारी व अधिकारी अपनी रवैया सुधारे नहीं किया तो शिवसैनिक सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान चंद्रमोहन सिंह, अजय पासवान, रामाश्रय, रचना, श्वेता, शकुंतला, दुर्गा देवी, श्रीकांत, सूरज यादव, बुल्लू यादव, गुड्डू सोनकर, जामा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन संजय मौर्य किया।

शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करना प्राथमिकता: राजेश

चहनियां। चहनियां में शिक्षा के बेहतरी और शिक्षक व छात्र हित में शासन की मंशा और उच्च अधिकारियों द्वारा प्राप्त गाइडलाइंस के अनुसार कार्य करना और अधीनस्थों से कराना प्राथमिकता है। जिसके लिए विभागीय लोगों के साथ लगातार प्रयास होगा। उक्त बातें चहनियां खंड शिक्षा अधिकारी राजेश चतुर्वेदी ने बुधवार को मारूफपुर स्थित एक विद्यालय पर पत्रकार वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि डीजी के आदेश पर अस्थाई रूप से कार्य करने को अनुदेशक को निर्देशित किया गया था जबकि एकल विद्यालय पर नियुक्त महिला शिक्षक द्वारा मातृत्व अवकाश लेने के कारण वहां की व्यवस्था संचालन के लिए एक शिक्षक को उच्च अधिकारियों के संज्ञान में निर्देशित किया गया था। कहा कि शासन द्वारा प्राथमिक शिक्षा के सुधार के लिए उठाये जा रहे कदमों के अनुसार नियमों का सख्ती से पालन कराना, शिक्षकों की विद्यालय पर समय से शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराना, शिक्षा की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए कटिबद्ध हूं।

प्रदेश सरकार ने किसानों की सुविधाओं का रखा ध्यान

चंदौली। कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में आयोजित एग्रोक्लाइमेटिक जोनवार तीन दिवसीय किसान मेला (विंध्य जोन) के दूसरे दिन बुधवार को किसानों को सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, कृषि विज्ञान केंद्र, काला चावल समिति, कृषि निदेशालय ब्यूरो, इफको, एफपीओ, ग्रामीण आजीविका मिशन एवं निजी कृषि यंत्र विक्रेताओं की ओर से लगाए गए स्टालों का किसानों ने अवलोकन किया। इस दौरान जिला कृषि अधिकारी बसंत दुबे ने कहा कि इस वर्ष जनपद में रिकार्ड धान की खरीद गई है। राज्य सरकार की ओर से 70 करोड़ रुपये की लागत से नरायणपुर पंप कैनाल का क्षमता विस्तार किया जा रहा है। इससे टेल के किसानों को भी सुगमता से सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो जाएगा। कहा कि पूर्व में ग्रामीण क्षेत्र में छह से सात घंटे ही बिजली मिलती थी। वर्तमान सरकार में 18 से 20 घंटे बिजली मिल रही है। सरकार गरीबों को आवास व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। सम्मान निधि योजना के तहत साल भर में छह हजार रुपये मिल रहे हैं। धान के कटोरे के किसान सरकार की योजनाओं से लाभांवित हो रहे हैं। उन्होंने खेती में अग्रणी कृषक राजेश राय, हरिशंकर तिवारी, चंद्रमा सिंह आदि को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मेले में परियोजना निदेशक सुशील कुमार, जिला कृषि अधिकारी बसंत दुबे सहित किसान उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स

दीपक चाहर ने कहा- मैं पूरी तरह से फिट हूं और आईपीएल की तैयारी कर रहा हूं

नई दिल्ली। पिछले साल दो 'बड़ी' चोटों से जूझने के बाद भारतीय तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने कहा है कि वह पूरी तरह से फिट हैं और 31 मार्च से शुरू हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग से वापसी करने को तैयार हैं। तीस वर्षीय तेज गेंदबाज को स्ट्रेस फ्रैक्चर और फिर जांघ की तीसरे ग्रेड की चोट से उबरने में काफी मुश्किल हुई। वह पिछली बार भारत की ओर से बांग्लादेश में दूसरे एकदिवसीय में खेले थे जहां वह सिर्फ तीन ओवर गेंदबाजी कर पाए थे। वर्ष 2022 में चाहर भारत के लिए केवल 15 मैच ही खेल सके थे और चोट के कारण टी20 विश्व कप से भी बाहर हो गए थे। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में व्यापक रिहैबिलिटेशन के बाद चाहर आईपीएल की तैयारी कर रहे हैं जहां वह चेन्नई सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। चाहर ने कहा, मैं अपनी फिटनेस पर पिछले दो-तीन महीनों से कड़ी मेहनत कर रहा हूं, मैं पूरी तरह से फिट हूं और आईपीएल के लिए अच्छी तैयारी कर रहा हूं। उन्होंने कहा, मुझे दो बड़ी चोट लगी थीं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में करना होगा भारत को अपने खेल में सुधार

महिला टी20 विश्व कप में उतार चढ़ाव भरा प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम को लड़नी होगी जंग

केपटाउन। अभी तक महिला टी20 विश्व कप में उतार चढ़ाव भरा प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम को गुरुवार को यहां होने वाले पहले सेमीफाइनल में मजबूत आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने खेल में काफी सुधार करना होगा। भारत पिछले पांच वर्षों में शीर्ष टीमों में शामिल रहा है लेकिन कोई बड़ी ट्रॉफी अपनी झोली में नहीं डाल सका है और उम्मीदों के अनुरूप उसने एक और आईसीसी टूर्नामेंट के अंतिम चार में प्रवेश कर लिया है।

हालांकि भारतीय टीम बीते समय में इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है, विशेषकर नॉकआउट मैचों में। आस्ट्रेलिया ने पिछले टी20 विश्व कप फाइनल में भारत को हराया था और हाल में पिछले वर्ष बर्मिंघम में स्वर्ण पदक मैच में भी उसने जीत दर्ज की थी। वर्ष 2017 में वनडे विश्व कप फाइनल में पहुंचने के बाद भारत में महिला क्रिकेट काफी तेजी से ऊपर की ओर बढ़ा है और अब समय आ गया है जब वह गुरुवार को करो या मरो के मुकाबले में उम्मीदों को प्रदर्शन में तब्दील करे। हालांकि हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम ने ग्रुप चरण में पिछले चार में से तीन मैच जीते हैं लेकिन उसकी किसी भी जीत को दमदार नहीं कहा जा सकता, यहां तक कि आयरलैंड के खिलाफ जीत को भी नहीं। टीम को एकमात्र हार इंग्लैंड से मिली। अभी तक भारत ने टूर्नामेंट में जिस तरह का खेल दिखाया है, उसे देखते हुए केवल यही उम्मीद ही लगायी जा सकती है कि किसी तरह से टीम बड़े मैच से पहले अपनी सभी समस्याओं से निजात पा लें, जिसमें शीर्ष क्रम की अनिरंतरता के अलावा ऋचा घोष को छोड़कर खिलाड़ियों की छक्के जड़ने की अक्षमता शामिल है। टीम को डॉट गेंद का ज्यादा प्रतिशत भी कम करना होगा। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने तीन साल पहले अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, हालांकि वह अब भी किशोरी ही हैं लेकिन वह अपनी गलतियों से सबक लेने में नाकाम रही हैं जिसमें स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पाना और शॉर्ट गेंद के खिलाफ उनकी कमियां शामिल हैं। कप्तान हरमनप्रीत खुद काफी दबाव में हैं, वह अभी तक इस विश्व कप में कोई उपयोगी पारी नहीं खेल पायी हैं। वह उन कुछ बल्लेबाजों में शामिल हैं जो गेंद को लंबी दूरी तक हिट कर सकती हैं लेकिन वह कुछ ज्यादा ही लंबे समय से अनिरंतर चल रही हैं। विश्व कप नॉकआउट मैच में हार से उनका कप्तानी कार्यकाल खत्म हो सकता है। जेमिमा रोड्रिग्स ने अभी तक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन टीम की मदद के लिये उनके इससे कहीं ज्यादा की उम्मीद है। स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना निरंतर बल्लेबाजी करने वाली खिलाड़ियों में शामिल रही हैं और एक बार फिर वह आस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम के लिये महत्वपूर्ण होंगी। वहीं मेग लैनिंग की अगुआई वाली आस्ट्रेलियाई टीम टी20 मैचों में लगातार 22 मैच जीतकर सेमीफाइनल तक पहुंची है।

ऋचा घोष बोलीं- हमें सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कम से कम 180 रन बनाने होंगे

केपटाउन। भारत की स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष का मानना है कि अगर उनकी टीम को टी20 महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के सामने कड़ी चुनौती पेश करनी है तो उन्हें कम से कम 180 रन बनाने होंगे। भारत भले ही दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में 1-4 से हार गया था लेकिन उसने सभी मैचों में कड़ी चुनौती पेश की थी।

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम फिर से ऐसा ही प्रदर्शन करना चाहेगी। भारत की तरफ से विश्वकप में अब तक सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली घोष ने कहा, ऑस्ट्रेलिया लक्ष्य का पीछा करने में सहज महसूस करता है क्योंकि उनकी बल्लेबाजी में गहराई है। हम भी ऐसा करना पसंद करेंगे लेकिन टॉस पर किसी का नियंत्रण नहीं है। इसलिए जो भी परिस्थिति हो हमें उससे गुजरना होगा। हमने इस मैच के लिए अपनी रणनीति तैयार कर ली है। उन्होंने कहा, हम नहीं जानते कि कल पिच कैसा व्यवहार करेगी लेकिन यह अभी अच्छी दिख रही है।

अगर हमारे सभी बल्लेबाज चलते हैं तो हम उनके सामने 180 के आसपास का लक्ष्य रख सकते हैं। अगर हम पहले गेंदबाजी करते हैं तो हम उन्हें 140 से 150 रन पर रोकने की कोशिश करेंगे क्योंकि उनके पास अच्छे बल्लेबाज हैं।

टेस्ट रैंकिंग में अश्विन दूसरे स्थान पर पहुंचे, रविंद्र जडेजा शीर्ष 10 में शामिल

बुमराह शीर्ष 10 में शामिल एक अन्य भारतीय गेंदबाज हैं, वह पांचवें स्थान पर काबिज हैं

दुबई। भारत के रविचंद्रन अश्विन बुधवार को जारी ताजा आईसीसी पुरुष टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग में एक पायदान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंच गए जबकि रविंद्र जडेजा सात पायदान के लाभ से शीर्ष 10 गेंदबाजों में शामिल हुए। जडेजा नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 10 विकेट चटकाने के बाद नौवां स्थान हासिल करने में सफल रहे। वह सितंबर 2019 के बाद पहली बार शीर्ष 10 में पहुंचे हैं। चोटिल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शीर्ष 10 में शामिल एक अन्य भारतीय गेंदबाज हैं, वह पांचवें स्थान पर काबिज हैं।

इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन सूची में शीर्ष पर हैं लेकिन ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस दो पायदान के नुकसान से तीसरे स्थान पर खिसक गये हैं। अक्षर पटेल अपनी शानदार बल्लेबाजी की बदौलत आल राउंडर सूची में शीर्ष पांच में शामिल हो गये जिसके शीर्ष पर जडेजा और अश्विन मौजूद हैं। आस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर बरकरार हैं जिनके बाद स्टीव स्मिथ दूसरे और पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम तीसरे स्थान पर हैं।

भारत के ऋषभ पंत कार दुर्घटना के बाद अनिश्चित समय तक क्रिकेट से बाहर हैं लेकिन वह छठे स्थान पर कायम हैं जबकि कप्तान रोहित शर्मा ने भी अपना सातवां स्थान बरकरार रखा है। इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप (23वें), हैरी ब्रूक (31वें) और बेन डकेट (38वें) तथा न्यूजीलैंड के टॉम ब्लंडेल (11वें) और डेवोन कॉनवे (17वें) ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल कर ली है।

बॉलीवुड न्यूज

टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन की 'गणपथ' की रिलीज डेट का ऐलान

मुंबई। टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन स्टारर भारत की पहली डायस्टोपियन एक्शन थ्रिलर गणपत का सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे है। लेकिन अब उनका ये इंतजार खत्म होता दिख रहा है, क्योंकि पूजा एंटरटेनमेंट ने फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा कर दिया है। मेकर्स ने एक पावर पैक्ड अनाउंसमेंट वीडियो जारी करते हुए इस बात का एलान किया है कि गणपत हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और तेलुगु सहित पांच भाषाओं में 20 अक्टूबर 2023 को दशहरा के खास मौके पर रिलीज के लिए तैयार है। जारी वीडियो में टाइगर श्रॉफ रॉ और अट्रैक्टिव अवतार में नजर आ रहे हैं जिसने फैन्स के बीच हलचल पैदा कर दी है। हाल में टाइगर को उनके फोरआर्म पर एक टैटू बनवाते हुए कैप्चर किया गया था जो फिल्म की रिलीज डेट की अनाउंटमेंट के लिए एक बड़ा खुलासा था। वहीं इस फिल्म में यंग एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ और खूबसूरत कृति सेनन के साथ लेजेंड्री एक्टर अमिताभ बच्चन के भी होने की घोषणा की गई हैं, जो फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगे। ऐसे में यह पहली बार होगा जब दर्शक अमिताभ बच्चन और टाइगर श्रॉफ को एक साथ स्क्रीन पर देखेंगे। पूजा एंटरटेनमेंट, गुड कंपनी के सहयोग से 'गणपथ' प्रस्तुत करता है। विकास बहल द्वारा निर्देशित इस फिल्म को वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख और विकास बहल ने निर्मित किया हैं। यह भारत की पहली डायस्टोपियन एक्शन थ्रिलर है जो 20 अक्टूबर, 2023 को दुनिया भर में रिलीज होगी।

नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने पर ताहा शाह बादुशा खुश

इंदौर। हाल ही में नसीरुद्दीन शाह, धर्मेंद्र, अदिति राव हैयाद्री और ताहा शाह बादुशा सहित कलाकारों की एक बड़ी स्टारकास्ट वाली बहुत महत्वाकांक्षी मैग्नम ओपस ताज-डिवाइडेड बाय ब्लड का ट्रेलर लॉन्च किया गया था, जिसे नेटिजन्स से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। महान अकबर के शासन में मुगल साम्राज्य के अज्ञात विवरणों का खुलासा करते हुए, ताज- डिवाइडेड बाय ब्लड में नसीरुद्दीन शाह द्वारा निभाए गए अकबर के दूसरे बेटे मुराद की भूमिका निभा रहे हैं होनहार अभिनेता ताहा शाह बादुशा। नसीरुद्दीन शाह के साथ शूटिंग के अपने समृद्ध अनुभव के बारे में बताते हुए, ताहा शाह बादुशा ने कहा, ताज-डिवाइडेड बाय ब्लड के लिए महान अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के साथ मुराद जैसी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए स्क्रीन स्पेस साझा करने में सक्षम होने पर मैं भाग्यशाली महसूस करता हूं। जहाँ उनके ऑनस्क्रीन बेटेका रोल करनेका अवसर मिलनाही सौभाग्य की बात थी, ऑफस्क्रीन उनके साथ समय बिताना, और भी खास था। उनके साथ काम करते हुए कला के बारे में सुझाव लेना जीवन भर की सीख समान अनुभव था। इस तरह के एक अनुभवी कलाकार होने के बावजूद, नसीर सर ने स्क्रिप्ट के प्रति अपने दृष्टिकोण, एक प्रोजेक्ट के लिए किए गए विश्लेषण और काम की मात्रा से मुझे चकित कर दिया, अपने जैसे शानदार करियर के वर्षों के बाद भी, वह हमेशा अपनी स्क्रिप्ट को पढ़ रहे हैं। एक नये कलाकार जैसे उत्साह लिए, प्रत्येक दृश्य को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहे थे, और यह देखना मेरे लिए एक विनम्र अनुभव था। वह न केवल स्क्रीप्ट के प्रति अपने इनपुट साझा करते हैं बल्कि अपने सह-अभिनेताओं के विचारों को भी प्रोत्साहित करते हैं, चाहे वे कितने भी नए या स्थापित क्यों न हों, जिसने मुझे प्रेरित किया।

पिता और कोच इमरान मिर्जा ने कहा- हमने सानिया पर जीत के लिए कभी किसी तरह का दबाव नहीं बनाया

दुबई। सानिया मिर्जा के पिता और कोच इमरान मिर्जा ने कहा कि इस बात पर यकीन नहीं होता कि सानिया को पहली बार टेनिस रैकेट थामे हुए 30 साल हो गए हैं। निश्चित तौर पर वह अभूतपूर्व प्रतिभा की धनी थी और मुझे यह समझने में ज्यादा समय नहीं लगा। मैं जब युवावस्था में था तब मैंने क्लब स्तरीय टेनिस और राज्य रैंकिंग टूनामेंट में ही हिस्सा लिया था लेकिन जब मैं स्कूल में था तभी से इस खेल का बेहद करीब से अनुकरण और विश्लेषण करता था। मैं कभी बहुत अच्छा टेनिस खिलाड़ी नहीं रहा लेकिन मेरा मानना है कि इस खेल के लिए मेरे पास पारखी नजर और विश्लेषणात्मक दिमाग था।

सानिया की किस्मत में उस खेल में नाम और शोहरत कमाना लिखा था जिसे वह प्यार करती थी। टेनिस टूर पर कई प्रसिद्ध प्रशिक्षकों ने मुझे निजी तौर पर बताया कि जिस तरह खुदा ने सानिया को टेनिस में प्रचुर प्रतिभा का तोहफा दिया था, उसी तरह उन्होंने मुझे भी उनकी टेनिस प्रतिभा और स्वभाव को विकसित करने के लिए खेल को देखने और समझने की शक्ति प्रदान की थी। खुदा ने मेरी पत्नी को भी बहुत ही विशेष कौशल दिया जिसने हमारी बेटी के इस खेल में एक पेशेवर करियर बनाने में पूरक का काम किया। मेरे परिवार की खेल पृष्ठभूमि ही थी जिसने हमें हार और जीत से सही रवैये के साथ निपटने में मदद की। इससे सानिया को एक टेनिस खिलाड़ी के रूप में निखारने और उनका करियर लंबा खींचने में मदद मिली।

टेनिस एक ऐसा खेल है जिसमें हार और जीत दिमाग से जुड़ी होती हैं और इसमें मानसिक मजबूती बेहद महत्वपूर्ण है। सफलता में संयम की भूमिका अहम होती है और मेरा मानना है कि टेनिस कोर्ट पर सानिया को निर्भीक बनाने में माता-पिता के रूप में हमारा सबसे बड़ा योगदान रहा। जब कोई बच्चा खेल के मैदान पर हारता है तो उसे इसकी परवाह नहीं होती है कि दुनिया उसकी हार के बारे में क्या सोच रही है। लेकिन उसकी हार पर माता-पिता का रवैया कैसा होता है यह उसे मानसिक और मनोवैज्ञानिक तौर पर काफी प्रभावित करता है।

बच्चे का स्वभाव उसकी असफलताओं पर माता-पिता की प्रतिक्रिया से तय होता है। सानिया ने जब पहली बार रैकेट पकड़ा था तो मैं इसको लेकर बेहद सतर्क था और हमने उस पर जीत के लिए कभी किसी तरह का दबाव नहीं बनाया।

कबाड़ी का काम करने वाले की बेटी अदिति ने भारतीय तीरंदाजी टीम में बनाई जगह

कोलकाता। कोविड-19 का कहर जब अपने चरम पर था तब कबाड़ का काम करने वाले राजकुमार जायसवाल का परिवार दिन में केवल एक समय का भोजन कर पा रहा था। उनकी दुकान बंद थी और जल्द ही उनका घर भी पानी में डूब गया क्योंकि चक्रवाती तूफान अम्फान ने बंगाल में तबाही मचा दी थी। कोरोनावायरस और तूफान की यह दोहरी मार हालांकि उनकी बेटी अदिति के दृढ़ संकल्प को नहीं डिगा पाई जिन्होंने हाल में विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के लिए भारतीय तीरंदाजी टीम में जगह बनाई।

इस बीच उन्हें राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता राहुल बनर्जी का साथ भी मिला जो कि अब पूर्णकालिक कोच हैं। बागुईआटी में कबाड़ी का काम करने वाले की बेटी अदिति मेधावी छात्रा रही है और उन्होंने आईएससी परीक्षा में 97 प्रतिशत अंक हासिल किए जिससे उन्हें सेंट जेवियर कॉलेज में अर्थशास्त्र ऑनर्स में प्रवेश मिल गया। राजकुमार और उनकी पत्नी उमा चाहते थे कि अदिति भी अपने बड़े भाई आदर्श की तरह पढ़ाई पर ध्यान दें। उनके बड़े भाई वेल्लोर में इंजीनियरिंग कर रहे हैं। तब बनर्जी ने उन्हें समझाया कि अदिति इससे भी बड़ी उपलब्धि हासिल करने के लिए पैदा हुई है। सोनीपत में तीरंदाजी ट्रायल्स में भाग लेने के बाद वापस लौटी अदिति ने कहा, एक समय था जबकि लॉकडाउन के दौरान मेरे पिताजी की दुकान लगभग दो साल तक बंद रही और हम किसी तरह से एक वक्त का भोजन ही जुटा पा रहे थे।

सीओ चकिया ने शहाबगंज थाने का किया निरीक्षण

शहाबगंज। स्थानीय थाने का बुधवार को पुलिस क्षेत्राधिकारी रघुराज ने निरीक्षण किया। इस दौरान थाने की साफ-सफाई, अपराध रजिस्टर, कम्प्यूटर कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, शस्त्रों के रखरखाव का जायजा लिया। साथ ही थाना परिसर में बन रहे नवनिर्मित बैरक का भी निरीक्षण किया। थानाध्यक्ष राजेश कुमार से आपराधिक मुकदमों सहित सभी बिंदुओं पर चर्चा की। क्षेत्राधिकारी रघुराज ने बताया कि थाने का तिमाही निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण में सब कुछ ठीक ठाक मिला, जो थोड़ी बहुत कमियां है उसको दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है। तिमाही निरीक्षण का उद्देश्य है कि थाने में जो भी समस्या है उसका समयावधि में निदान किया जा सके और फरियादियों के वादों का निस्तारण हो सके। निरीक्षण से पूर्व पुलिस क्षेत्राधिकारी को पुलिस के जवानों ने सलामी दी। इस दौरान उपनिरीक्षक आनंद प्रजापति, धर्मेन्द्र कुमार, शिव कुमार यादव, सिंघासन यादव, विनोद कुमार, हरिश्चंद्र यादव, शब्बीर अहमद, रतन कुमार, राम अवतार, देवेंद्र भारतीय, नन्द कुमार आदि पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

शराब की दुकान हटाने के लिए महिलाओं का प्रदर्शन

शराब की दुकान हटाने के लिए प्रदर्शन करती महिलाएं।

चहनियां। बलुआ थाना क्षेत्र के चहनियां कस्बा में मुगलसराय मुख्य मार्ग पर देशी शराब की दुकानों के इर्द गिर्द नशे में धुत होकर नशेड़ी आये दिन महिलाओं व छात्राओ संग छेड़खानी व बदतमीजी करते है। इससे आजिज आकर महिलाओं ने प्रदर्शन कर दुकान कस्बा के बाहर करने के लिए प्रदर्शन कर चेतावनी दी है।

महिलाओं का आरोप है कि नशे में धुत नशेड़ी शराब की दुकान पर बैठकर दारू पीते है। नशे में धुत होकर महिलाओं संग मदतमीजी व छेड़खानी करते है। यही नहीं इस मार्ग पर कई कोचिंग संस्थान है जहां छात्राये भी पढ़ने आती है। उनका कभी दुपट्टा खींचते है तो कभी अश्लील शब्द का इस्तेमाल करते है। आरोप लगाया कि पुलिस इस मामले में पूरी तरह से शिथिल है। ऐसा लगता है कि इन लोगों पर कार्यवाही करने की बजाय उन्हें मुख्य मार्ग पर शराब पीने के लिए खुली छूट दी गई हो। चेताया कि यदि शराब की दुकान कस्बा से बाहर नहीं हटायी गयी तो उग्र आंदोलन किया जायेगा। प्रदर्शन करने वालों में किरन देवी, पिंकी देवी, हीरावती देवी, राधिका देवी, सुशीला देवी, सरिता देवी, सोनी देवी, उर्मिला देवी, आरती, दासी, पूजा, चिन्ता आदि महिलाएं मौजूद थी।

खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर की भागीदारी

नौगढ़। ग्राम्या संस्थान के आयोजन मे बुधवार को क्षेत्र के लालतापुर गांव स्थित चिराग केन्द्र परिसर में दो दिवसीय बाल महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि मकसूद हुसैन क्षेत्रीय वन अधिकारी व संस्थान की निदेशक बिंदु सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर के किया। महोत्सव मे बालिकाओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत की प्रस्तुति कर फूलों का गुलदस्ता भेंट कर अतिथियों का सम्मान किया। प्रतिभागियों ने पिरामिड और पीटी तथा खेल प्रतियोगिता में मेंढक दौड़, बिस्किट दौड़, सुई धागा दौड़, साइकिल धीमी रेस, गणित दौड़, रिंगदौड़, सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, घड़ा फोड़, रंगोली प्रतियोगिता, विज्ञान प्रदर्शनी, रस्साकशी, कबड्डी ईत्यादि के साथ ही शिक्षा स्वास्थ्य पर्यावरण नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति किया। निदेशक बिंदु सिंह ने सभी उपस्थित लोगों को धन्यवाद ज्ञापित कर आभार प्रकट किया। बाल मेले में आईसीडीएस विभाग से सुपरवाइजर इन्दुबाला, संध्या झा, रामजी सहित आशुतोष सुरेंद्र, नीतू, त्रिभुवन, रामविलास, नवीन कुमार, उमेश कुमार उपस्थित रहे। संचालन अजय और उमेश कुमार ने किया।

खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते स्कूली बच्चे।

प्रशिक्षण के लिए सब्जी अनुसंधान केंद्र रवाना हुए किसान

चंदौली। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड एवं मानवीय दृष्टिकोण में संयुक्त तत्वाधान में आदिवासी बाहुल्य ब्लाक नौगढ़ के ग्राम केसर एवं नुनहट के 25 किसानों का दल तीन दिवसीय प्रशिक्षण हेतु भारतीय सब्जी अनुसंधान केन्द्र, वाराणसी शैक्षणिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण के लिए रवाना हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीडीओ सुरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव एवं डीडीएम नाबार्ड तनुज सेन ने हरी झण्डी दिखाकर किसानों के दल को रवाना किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में बसन्त दूबे डीडी एग्री कल्चर, एसपी सिंह उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले किसानों के जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते सीडीओ।

किसानों का दल भारतीय सब्जी अनुसंधान केन्द्र में तीन दिवसीय दिनांक 22 से 24 फरवरी तक आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त करेंगा। भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के द्वारा वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन के माध्यम से किसानों को जैविक खेती को बढ़ावा देने एवं सब्जी उत्पादन के अत्याधुनिक पद्धति हेतु प्रशिक्षित किया जायेगा।

साथ ही साथ मृदा स्वास्थ्य एवं रासायनिक उर्वरक एवं रासायनिक कीटनाशक के दुस्प्रभाव तथा जैविक खेती के द्वारा आय-सृजन एवं सब्जी की विभिन्न प्रजातियों एवं उसमें होने वाले रोगों पर भी प्रशिक्षण दिया जायेगा। जिससे किसान अपनी आमदनी को बढ़ा सकेंगे। साथ ही साथ खेती में लागत को कम करने के लिए जैविक कीटनाशक, जैविक उर्वरक जैसे-जीवामृत, बीजामृत, निवास्त्र, ब्रह्मास्त्र आदि के बारे में प्रशिक्षित किया जायेगा, जिससे किसानों के खेतों में लागत कम होगी तथा गुणवत्तायुक्त उत्पाद प्राप्त होगा।

इस दौरान नारायण पाण्डेय, समन्वयक राजेश पाठक, दिनेश सहित अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह का हुआ पूर्वाभ्यास

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में बुधवार को 26वें दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास किया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने स्वर्णपदक पाने वाले विद्यार्थियों को पूर्वाभ्यास कराया। दीक्षांत समारोह गुरुवार को विश्वविद्यालय में आयोजित होगा। इसमें प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन

तैयारी पूरी

कुलपति समेत अधिकारियों ने किया निरीक्षण

पटेल मेधावियों को स्वर्ण पदक प्रदान करेंगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की भूमिका में इंजीनियरिंग संस्थान के प्रो. बीबी तिवारी रहे। बुधवार को पूर्वाभ्यास में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की भूमिका का निर्वहन बायोटेक्नोलॉजी विभाग की प्रो. वंदना राय ने किया। पूर्वाभ्यास की शुरुआत में शोभायात्रा निकाली गई। इसका नेतृत्व कुलसचिव महेंद्र कुमार ने किया। इसमें विद्या परिषद और कार्य परिषद के सदस्य शामिल हुए। स्वर्ण पदक धारकों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। संचालन प्रो. अजय द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय राय, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. बीडी शर्मा, प्रो. राम नारायण, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. संदीप सिंह, एनएसएस समन्वयक डॉ. राजबहादुर यादव, डा. लक्ष्मी मौर्य, डा. रसिकेश, डा. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव अमृतलाल, बबिता सिंह, दीपक सिंह, डॉ. पीके कौशिक, श्याम श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में 10:50 पर पहुंचेंगी कुलाधिपति

करंजाकला। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित हो रहे 26वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मुख्य अतिथि होंगी। कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए सुबह 10:50 पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय में बने एकलव्य स्टेडियम के हेलीपैड पर पहुंचेंगी। 10:50 से 10:55 बजे हेलीपैड से अतिथि गृह में आगमन होगा। 10:55 से 11:10 तक पुलिस के जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर 11:10 से 11:15 तक विश्वविद्यालय परिसर स्थित वीर बहादुर सिंह की प्रतिमा स्थल पर आगमन एवं पुष्पांजलि अर्पित करेंगी। उसके बाद कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी। 1:30 से 2 तक लंच का समय रखा गया है वहीं 2:05 पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में बने हेलीपैड पर पहुंचकर 2:10 पर लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगी। उधर 26वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर गिरीश्वर मिश्र बुधवार की शाम पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में पहुंचे गए है। प्रो. मिश्र हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति रह चुके है।

महिलाएं साइबर अपराधियों के खिलाफ करें रिपोर्ट : वर्षा सिंह

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में बुधवार को महिला और साइबर सुरक्षा विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन जनसंचार विभाग एवं साइबर क्लब के द्वारा इनक्यूबेशन सेंटर में किया गया। बतौर मुख्य वक्ता मीडिया इंडिया समूह की संपादकीय निदेशक वर्षा सिंह ने कहा कि महिलाओं को साइबर की दुनिया में सचेत होकर रहना है। महिलाओं के लिए यह बहुत ही संवेदनशील विषय है। साइबर अपराधियों के निशाने पर महिलाएं हमेशा से रही हैं। महिलाएं साइबर अपराधियों के खिलाफ रिपोर्ट करें तभी उनके हौसले पस्त होंगे। जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र ने कहा कि आज साइबर अपराध से हम सभी परेशान हैं। दिन-प्रतिदिन साइबर अपराध बढ़ता जा रहा है। हमें जरूरत है कि हम जागरूक हों। साइबर क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने विषय प्रवर्तन किया। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले अपराधों पर विस्तार से चर्चा की। कहा कि महिलाएं बिना संकोच साइबर अपराध की सूचना नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर दर्ज करें। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार के वीमेन हेल्पलाइन की सहायता लें। महिला अध्ययन की प्रभारी डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव ने कहा कि महिलाओं के प्रति साइबर अपराध में वृद्धि हुई है। सरकार के प्रयासों से साइबर अपराधी पकड़े भी जा रहे है। संचालन डॉ. दिग्विजय सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अवध बिहारी सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. अविनाश पार्थीडकर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अलोक गुप्ता, डॉ. गिरिधर मिश्र, डॉ. चंदन सिंह, डॉ. पुनीत धवन, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. धीरेन्द्र चौधरी, डॉ. विनय वर्मा, डाली सिंह, झांसी मिश्रा अन्य उपस्थित रहे।

आयोजन

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में महिला और साइबर सुरक्षा विषय पर हुई चर्चा

मुख्य अतिथि को मोमेंटो देकर सम्मानित करते डा. मनोज मिश्र

11 बजे से शुरू होगा दीक्षांत समारोह

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का 26वां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में गुरुवार को आयोजित होगा। इसके मुख्य अतिथि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र होंगे। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। 66 मेधावियों को राज्यपाल के हाथों स्वर्ण पदक मिलेगा। इसके साथ ही 307 पीएचडी धारकों को उपाधि प्रदान करेंगी। विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के लिए 10:50 बजे दिन में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल का आगमन विश्वविद्यालय परिसर स्थित हेलीपैड पर होगा। इसके बाद 11 बजे से 1:30 बजे तक दिन में विश्वविद्यालय के संगोष्ठी में आयोजित दीक्षांत समारोह में रहेंगीं। कक्षा 6 से 8 तक के राजकीय स्कूलों के छात्र-छात्राओं को किट वितरण राज्यपाल अपने हाथों से करेंगीं।

66 मेधावियों को स्वर्ण पदक, 307 को पीएचडी उपाधि

करंजाकला। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 26वें दीक्षांत समारोह में बृहस्पतिवार को स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रथम प्रयास में सर्वोच्च अंक पाने वाले 66 मेधावियों को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के हाथों स्वर्ण पदक मिलेगा। वहीं 307 पीएचडी धारकों को भी उपाधि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के द्वारा दी जानी है।

मारपीट में तीन घायल : शाहगंज। कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत मियांपुर गांव में जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट में पड़ोसियों ने पिता दो पुत्रियों को पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायलों को इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। क्षेत्र के उक्त गांव निवासी 48 वर्षीय रामसुरत पुत्र पुनवासी व 24 वर्षीय संध्या 18 वर्षीय साधना को जमीनी विवाद को लेकर पड़ोसियों ने लाठी डंडे से पीटकर घायल कर दिया। सभी घायलों का प्राथमिक उपचार राजकीय चिकित्सालय में हुआ। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी हुई है।

घर में घुसे चोर ने नकदी सहित दो लाख का माल उड़ाया

जनसंदेश न्यूज

मुंगराबादशाहपुर। सीढ़ी का दरवाजा खोलकर घर में घुसे चोर ने दुकान में रखे 45 हजार नकदी समेत करीब दो लाख का सामान उड़ा दिया। चोरी की घटना सीसीटीवी मे कैद हो गई। दुकान मालिक ने घटना की तहरीर थाने में दे दी है पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी है।

नगर क्षेत्र के साहबगंज निवासी अवधेश गुप्ता की किराने का थोक दुकान है। वह दुकान के उपरी हिस्से में परिवार सहित रहते है। बीती रात चोर छत पर चढ़े और सीढ़ी पर लगे दरवाजों को खोल लिया। फिर सीढ़ी से घर में घुस गये। दुकान के काउंटर में रखे नकदी 45 हजार के अलावा चोर सिगरेट, सुपाड़ी, काजू, बादाम सहित कीमती सामानों को उठा ले गये। चोरी गये सामानों की कीमत करीब दो लाख बतायी गयी है। सुबह 9 बजे जब दुकान मालिक अवधेश गुप्ता दुकान खोलने के लिए पहुंचे तो उनके पैंरो तले जमीन खिसक गई। दुकान में रखा सामान अस्त ब्यस्त था और सामान गायब था। काउंटर में रखा पैतालीस हजार रुपए भी गायब था। सीसीटीवी खंगाला तो चोरी की घटना सामने आई। चोरी की वारदात सीसीटीवी मे कैद थी।

घटना की सूचना पुलिस को दी गयी। पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की तहकीकात शुरू कर दी। इस बाबत थानाध्यक्ष विवेक तिवारी का कहना है कि चोरी की तहरीर मिली है जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा। ब्यापार मंडल अध्यक्ष आलोक कुमार गुप्ता ने नगर क्षेत्र में बढ़ती चोरी पर चिंता जाहिर करते हुए चोरी के खुलासे की मांग की है।

चोरों ने पांच घरों को बनाया निशाना, नकदी सहित गहने पार

दो जगह स्वजनों के दौड़ाने पर माल फेंक भागे चोर

खुटहन। थाना क्षेत्र के तीन अलग-अलग गांवों में मंगलवार की रात चोरों ने पांच घरों को निशाना बना डाला जिसमें लाखों रूपए के गहने व बीस हजार नकदी चोरों के हाथ लगे। दो घरों में खटपट की आवाज पर जागे परिवार के लोगों ने चोरों को दौड़ा लिया। खुद को फंसता देख चोर सामान फेंक भाग गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई है। उसरौली गांव निवासी रमेश गौतम के घर की छत से भीतर उतरे चोर बैग में रखे सोने की दो अंगूठी और चांदी की हाथपलानी उड़ा दिया। इसी गाँव निवासी कृष्ण कुमार शुक्ला के घर से चोर दो बाक्स उठा ले गए जिसे घर से लगभग सौ मीटर दूर खेत में ले जाकर चोरों ने तोड़ उसमें रखा दो सोने की अंगूठी, मंगलसूत्र व कुछ चांदी के गहने तथा बीस हजार नकदी पार कर दिया। ओइना गांव के संतोष शर्मा के घर के कमरे में सिंगारदान के भीतर रखी सोने की चेन चोरों ने पार कर दिया। इसी गांव के विजय शुक्ला के घर के भीतर कमरे में रखा सूटकेस उठा कर चोर दरवाजे से निकले ही थे कि विजय की नींद खुल गई। वह ललकारते हुए नकाबपोश चोरों के पीछे भागा। चोर सूटकेस फेंक अंधेरे में गायब हो गये। इसी तरह बीरमपुर गांव के प्रधान राजू यादव के घर भी चोरी का प्रयास करते समय खटपट की आवाज से उनके छोटे भाई अंकित यादव की नींद खुल गई। वह चोरों से भिड़ गया। चोरों ने खाली हाथ भागने में ही अपनी भलाई समझी। ग्रामीणों ने बताया कि बीरमपुर गांव से जैसे ही चोर भागे उसी समय सड़क एक पिकअप भी तेज गति से आती दिखी। अंदेशा है कि चोर उसी वाहन में बैठकर भाग गए। पिकअप पिलकिछा की तरफ भाग गयी थी।

संक्षेप

नये विद्यार्थियों को पौधा देकर स्वागत करते फादर पी विक्टर

नए बच्चों को प्रधानाचार्य ने उपहार स्वरूप पौधा दिया

नए सत्र के लिए सेंटजॉन्स स्कूल में नामांकन शुरू

जौनपुर। सेंटजॉन्स स्कूल सिद्दीकपुर में सत्र 2023-24 के लिए नामांकन प्रारंभ हुआ। इस सत्र के पहले और दूसरे विद्यार्थियों को प्रधानाचार्य फादर पी विक्टर ने मीठी नीम के पौधों को उपहार स्वरूप प्रदान किया। इस सत्र के पहले विद्यार्थी के रूप में भदेवरा निवासी अतुल कुमार यादव एवं प्रियंका यादव की पुत्री प्रीतू यादव ने एवं दूसरे विद्यार्थी के रूप में न्यू भगवती कालोनी निवासी अमित कुमार एवं सोपानी गुप्ता की पुत्री युक्ति गुप्ता ने एलकेजी में नामांकन कराया। विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर पी विक्टर ने दोनों विद्यार्थियों को पौधा देकर स्वागत किया। वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए फादर सत्रारंभ में 20 वर्षों से वृक्ष उपहार में देते हैं ताकि वृक्षारोपण के प्रति लोगों की रुझान हो सके।

हिंदी की परीक्षा देने के बाद बीमार छात्रा की मौत

खेतासराय। क्षेत्र के एक इंटर कालेज की छात्रा बोर्ड की पूरी परीक्षा नहीं दे पाई। हिंदी की परीक्षा देने के बाद बीमार होने पर छठवें दिन उसकी मौत हो गई। मारुफपुर निवासी ढोढ़ई बिंद की पुत्री सविता हफीजुल्ला नाना इंटर कालेज शाही तालाब मनेछा में इंटर की छात्रा थी। बोर्ड की परीक्षा शुरू होने पर उसने पहले दिन आदर्श कन्या इंटर कालेज खेतासराय परीक्षा केंद्र पर हिंदी की परीक्षा दी। परीक्षा देकर घर पहुंची तो उसकी तबीयत खराब हो गई। परिजनों ने उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान बीती रात उसकी मौत हो गई।

तहसीलदार ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

चंदवक। तहसीलदार अमित कुमार त्रिपाठी ने क्षेत्र में बोर्ड परीक्षा के लिए बनाए गए केंद्रों श्री गणेश राय इंटर कॉलेज डोभी, राष्ट्रीय विद्या मंदिर इंटर कॉलेज चंदवक, संत कीनाराम इंटर कॉलेज हरिहरपुर का औचक निरीक्षण किया। तहसीलदार श्री त्रिपाठी ने बताया कि परीक्षा सुचारू रूप से चल रही है। आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं।

परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते तहसीलदार

वांछित गिरफ्तार

मुंगराबादशाहपुर। पुलिस अधीक्षक डा. अजय पाल शर्मा द्वारा चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियों के सम्बन्ध में विशेष अभियान के क्रम में पुलिस टीम द्वारा पाक्सो एक्ट में वांक्षित चल रहे एक अभियुक्त को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार बुधवार को समय करीब 7.10 बजे जंघई रोड सब्जी मण्डी के पास से अभियुक्त को गिरफ्तार कर थाना लाकर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सैनिक बन्धु की बैठक कल

जौनपुर। जिला सैनिक कल्याण पुनर्वास अधिकारी ले0 कर्नल विजय अहलावत ने अवगत कराया है कि इस माह की सैनिक बन्धु बैठक 24 फरवरी को समय 10.30 बजे कलेक्टेट सभागार में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न होगी। अधिक से अधिक संख्या में भूतपूर्व सैनिक उपस्थित हो।

लड़की भगाने का आरोपी गिरफ्तार

सुइथाकला। थाना क्षेत्र के एक गांव से लड़की भगाने का आरोपी बुधवार को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद आरोपी का चालान न्यायालय को भेज दिया गया। राजधरपुर (गंगातारा) गाँव निवासी विरेन्द्र 21 पुत्र प्रेमचन्द उक्त मामले में आरोपी था जिसे बुधवार को क्षेत्र भ्रमण के दौरान उपनिरीक्षक सुनील कुमार मय हमराह द्वारा अतरडीहा बाजार से गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने बताया कि मामले में आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद आरोपी का चालान न्यायालय को भेज दिया गया। गिरफ्तारी के दौरान मय हमराह कान्सटेबल सिजाऊद्दीन मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में गई अधेड़ की जान

थानागद्दी। क्षेत्र के भीतरी निवासी आनंद पुत्र भोनू की वाराणसी सारनाथ में सिंहपुर रिंग रोड के पास बस से टक्कर लगने से मौत हो गई। मृतका के चार पुत्री, एक पुत्र है। सोमवार को नई ऑटो ली थी। रतनुपुर से पांडेयपुर तक जाते थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टेंपो के परखच्चे उड़ गए। तत्काल मौके पर ही उनके प्राण पखेरू उड़ गये।

ससुराल आए युवक ने फांसी लगाकर दी जान

थानागद्दी। क्षेत्र के ग्रामसभा नाऊपुर के एक दलित बस्ती में निजी स्कूल के पास एक युवक ने पेड़ से फांसी लगाकर जान दे दी। युवक वाराणसी का निवासी था। उसका विवाह नाऊपुर में दलित बस्ती की युवती से 14 माह पूर्व हुआ था। युवक ने लगभग आधी रात के आसपास फांसी लगा ली। इसकी सूचना पर दलित बस्ती के लोगों के हाथ पांव फूलने लगे। पुलिस जांच को लेकर कोई हाथ नहीं लगा रहा था। गांव के प्रधान प्रतिनिधि, निजी स्कूल के प्रबंधक ने दलित बस्ती के लोगों को पुलिस जांच का भय, मुकदमा का डर बताया और आनन फानन में बिना स्थानीय चौकी पर सूचना दिए युवक के परिजनों को बुलाकर डांट डपटकर शव को दे दिया।

पुलिस अधीक्षक ने किया मीरगंज थाने का आकस्मिक निरीक्षण

जनसंदेश न्यूज

मीरगंज थाने का निरीक्षण करते एसपी

मीरगंज। थाना क्षेत्र का पुलिस अधीक्षक डा. अजय पाल शर्मा ने बुधवार को औचक निरीक्षण किया। जिससे थाना परिसर में कुछ समय के लिए अफरा तफरी मच गई।

बुधवार को अपरान्ह डेढ़ बजे पुलिस अधीक्षक डा. अजय पाल शर्मा मीरगंज थाने पहुंच गये। उन्होंने थाना परिसर, थानाध्यक्ष चेम्बर, मालखाना मेस एवं पुलिस बैरक, शस्त्रागार का रख रखाव, मेस आदि की गहनता से निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा निर्देशित किया। इस दौरान लंबित विवेचानएं एवं वांछित अपराधियों की धर पकड़ तेज करने, सक्रिय अपराधियों को चिन्हित कर उनका सत्यापन करने के निर्देश थानाध्यक्ष को दिया। उन्होंने लंबित विवेचनाएं एवं बांछित अपराधी की गिरफ्तारी करने के साथ ही हिस्ट्रीशीटरों की चेकिंग थानाध्यक्ष को क्षेत्र के सक्रिय अपराधियों को चिन्हित कर उनका सत्यापन करने एवं महिला से संबंधित आने वाली शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिये। एसपी ने आरक्षियों को बीट क्षेत्र में समय-समय पर जाने की हिदायत दी। कार्यालय में समस्त अभिलेखों में प्रविष्टियां पूर्ण करने की बात कहते हुये कहा कि लापरवाही बरतने पर वह कार्यवाही करेंगे। उन्होंने मालखाने में रखे मालों का रख-रखाव तथा सरकारी संपत्ति का भौतिक सत्यापन किया। उन्होंने थाना परिसर एवं भोजनालय व कर्मचारियों के बैरक का भी निरीक्षण कर संतोष जाहिर किया।

गैंगस्टर के 3 आरोपितों की सम्पत्ति कुर्क

55 लाख की सम्पत्ति पर पुलिस ने लगाया सरकारी बोर्ड

केराकत। जिलाधिकारी के आदेश पर पुलिस ने मुनादी करवा कर गैंगस्टर के तीन आरोपितों की 55 लाख की सम्पति कुर्क करते हुए सरकारी बोर्ड लगा दिया।

पुलिस की इस कार्रवाई से आरोपितों में खलबली मची हुई है। पिछले वर्ष अवैध रूप से गोवंश की बिक्री करते हुए नगर के सिपाह मोहल्ले के वसीर, सद्दाम व जावेद पकड़े गये थे, जिसमें पुलिस ने तीनों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई की थी। जिलाधिकारी के आदेश पर मंगलवार को उपजिलाधिकारी नेहा मिश्रा व नायब तहसीलदार अमित सरोज की मौजूदगी में पुलिस ने डुगडुगी पिटवाई और वसीर उर्फ खिचडू की दस लाख, सद्दाम की बीस लाख व जावेद की पचीस लाख की सम्पत्ति कुर्क की।

दंपति की दुर्घटना में मौत से गांव में पसरा मातम

सहयोग राशि इकट्ठा कर घायल दोनों बच्चों का कराया जा रहा उपचार

शोक में रामनगर बाजार रहा बंद

खुटहन। रामनगर गांव निवासी व इसी बाजार में संचालित एक हार्डवेयर की दुकान पर मेहनत मजदूरी कर परिवार का गुजारा करने वाले संतलाल निषाद और उनकी पत्नी किस्मती देवी का सुल्तानपुर जिले में हुए सड़क हादसे में दर्दनाक मौत तथा दोनों बच्चों के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी मिलते ही गांव से लेकर बाजार तक शोक की लहर छा गई। ब्यापारियों ने बुधवार को अपने प्रतिष्ठान बंद कर संवेदना प्रकट किया। गांव व बाजार के दुकानदारों ने आपस में साठ हजार सहयोग राशि इकट्ठा कर बच्चों के उपचार में योगदान किया।

ज्ञात हो कि मंगलवार को संतलाल अपनी पत्नी किस्मती और पांच वर्षीय पुत्र अंश व अबोध पुत्री को बाइक से लिवाकर सुल्तानपुर जिले में स्थित अपनी ससुराल जा रहा था। लंभुआ के पास ट्रक की चपेट में आकर चारों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उपचार को ले जाते समय दंपती ने दम तोड़ दिया वहीं दोनों बच्चों की हालत गंभीर देख चिकित्सक ने उन्हें लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया जहां अभी भी वे दोनों जीवन मौत से संघर्ष कर रहे है। मृतक संतलाल अपने तीन भाइयों में सबसे छोटा था। सभी भाई अलग अलग रहते हैं। पांच वर्ष पूर्व उसके पिता मेढ़ू निषाद और तीन वर्ष पूर्व उसकी माता ने भी साथ छोड़ दिया था। संतलाल मेहनत मजदूरी कर परिवार का गुजारा करता था। वह बेहद नेक, इमानदार व मिलनसार प्रबृत्ति का था। उसकी मौत की खबर से लोग आहत हैं।

सीएमओ के निरीक्षण में अनुपस्थित 6 स्वास्थ्य कर्मियों से मांगा स्पष्टीकरण

जनसंदेश न्यूज

सुजानगंज। क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. लक्ष्मी सिंह ने चिकित्साधिकारी डॉक्टर मनीष केसरवानी को निर्देश देते हुए कहाकि स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें, तथा बाहर की दवाइयां किसी भी मरीज को न लिखी जाएं। अगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर दवा उपलब्ध नहीं है तो जिले से दवाइयों को मंगवाया जाए। मरीजों के लिए बिस्तर स्वच्छ एवं साफ होना चाहिए। दीवारों पर उखड़े हुए पेंट को ठीक कराने के साथ अन्य आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सबसे पहले स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति की जांच की जिसमें 6 स्वास्थ्य कर्मी अनुपस्थित पाए गए उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया। उन्होंने ओपीडी के साथ-साथ स्टोर रूम, मरीजों से पूछताछ भी की। डिलेवरी रूम का निरीक्षण किया, साफ सफाई को आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि यदि कोई भी स्वास्थ्य कर्मी समय से ड्यूटी नहीं करेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो। उन्होंने अधीक्षक को निर्देशित करते हुए कहाकि मरीज के साथ अच्छा व्यवहार किया जाए।

पात्र लाभार्थियों का नाम सूची में हो शामिल : डीएम

जनसंदेश न्यूज

बैठक

राशन वितरण में लापरवाही करने वाले दुकानदारों पर हो कार्रवाई

जौनपुर। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में आहूत की गयी।

उक्त बैठक में जिलाधिकारी द्वारा प्रमुख विभागीय बिन्दुओं अन्त्योदय/पात्र गृहस्थी राशनकार्डो का सत्यापनोंपरान्त अपात्र राशन कार्डधारकों को ऑनलाइन पात्रता सूची से उन्मूलित कराकर पात्र लाभार्थियों/परिवारों का नाम पात्रता सूची में सम्मिलित किया जाना, समस्त राशनकार्डो में आधार सीडिंग को शत-प्रतिशत किया जाना, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी/पूर्ति निरीक्षकों द्वारा शासनादेश में उल्लिखित निर्धारित लक्ष्य के अनुसार प्रवर्तन/निरीक्षण के सम्बन्ध में नियमानुसार कार्यवाही किया जाना, प्रत्येक माह जिला पूर्ति अधिकारी की अध्यक्षता में उचित दर विक्रेता संघ के पदाधिकारियों एवं उचित दर विक्रेताओं के साथ बैठक आहूत किये जाने, पेट्रोल पम्प/गैस एजेन्सी के निरीक्षण हेतु शासनादेशानुसार टीम गठित कर नियमानुसार कार्यवाही किये जाने, प्रत्येक माह खाद्यान्न वितरण की ऑनलाइन रिपोर्ट (एमआईएस) के अनुसार उचित दर दुकानवार समीक्षा की जाये तथा वितरण में लापरवाही बरतने वाले उचित दर विक्रेताओं पर नियमानुसार कार्यवाही किये जाने, रिक्त चल रही दुकानों पर यथाशीघ्र नियुक्ति किये जाने, आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का ससमय गुणवत्तापरक निस्तारण किये जाने, उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत प्रतिमाह निर्गत नये कनेक्शन का गैस एजेन्सीवार विवरण उपलब्ध कराये जाने एवं उचित दर विक्रेताओं के द्वारा निर्धारित एप्प के माध्यम से अन्त्योदय कार्डो में परिवार के साथ-साथ कार्ड में सम्मिलित परिवार के समस्त सदस्यों के आयुष्मान कार्ड निर्गत किये जाने सम्बन्धी निर्देश निर्गत किये गये।

जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक लेते जिलाधिकारी

बैठक में जिलाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित उचित दर विक्रेता प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि जनपद के समस्त उचित दर विक्रेता अपने गांवो में आने वाले होली पर्व पर यह ध्यान देंगे कि गांव में किसी भी पार्टी आदि अथवा होली त्योहार पर ग्रामीण कच्ची शराब का प्रयोग न करने पाये, यदि इस प्रकार की कहीं भी कोई प्रकरण सामने आता है तो सम्बन्धित उचित दर विक्रेता तत्काल अपने तहसील के उपजिलाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक सम्बन्धित थाने के थानाध्यक्ष को सूचित करेंगे। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी गोविन्द साहू, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, मुंगराबादशाहपुर (सदस्य), शिवशंकर गुप्ता (सदस्य) एवं अध्यक्ष, कोटेदार संघ व जनपद के समस्त परिवहन ठेकेदार उपस्थित रहे।

भ्रमण के दौरान डीएम ने सड़क खुदवाकर किया परीक्षण

जनसंदेश न्यूज

जायजा

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़कों पर पुलिस पिकेट लगाकर भारी वाहनों के आवागमन पर लगेगी रोक

जिलाधिकारी ने औराई व माधोसिंह में अतिक्रमण व साफ-सफाई के दृष्टिगत किया निरीक्षण

भदोही। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने सिंहपुर-चकवॉ नहर पटरी मार्ग एवं औराई व माधोसिंह में अतिक्रमण व साफ-सफाई का बुधवार को औचक निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान डीएम ने रास्ते में सड़क खुदवा कर सड़क की गुणवत्ता की जांच की व खामियां मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्यवाही करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी गौरांग राठी ने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग व ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के साथ प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजनान्तर्गत निर्मित सिंहपुर-चकवॉ नहर पटरी मार्ग के बीच में गाड़ी रूकवाकर सड़क को खुदवाकर गुणवत्ता व फिटनेस परीक्षण किया। आगे बढ़ने पर चकवा महावीर मंदिर के प्रवेश द्वार के पास चौराहे पर सड़क क्रेक पाये जाने पर डीएम ने सम्बन्धित जेई पर पचीस हजार का फाइन करते हुए स्पष्टीकरण नोटिस देने का निर्देश दिया। जनमानस की शिकायतों का स्वतः संज्ञान लेते हुए डीएम ने दुगार्गंज-कड़वॉ मार्ग से सम्बन्धित जेई पर 20 हजार का फाईन करते हुए स्पष्टीकरण नोटिस देने का निर्देश दिया। इन दिनों प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़कों की वाहन क्षमता कम होने पर भी हैवी ट्रक चल रहे है। निरीक्षण के क्रम में

वाकर सड़क खुदवाकर परीक्षण करते डीएम गौरांग राठी

सरकारी बस से निकलने लगा धुंआ, मची अफरातफरी

गोपीगंज। राष्ट्रीय राजमार्ग के नगर पुलिस चौकी के सामने अचानक प्रयागराज से वाराणसी को जा रही यूपी डीटी 3668 बस में अचानक धुंआ निकलने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। सभी यात्री बस के रुकते ही दरवाजे से अपनी जान बचाने को भागने लगे, किसी के घायल होने की सूचना नही है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि प्रयागराज से वाराणसी की तरफ जा रही रोडवेज की बस मे कुल 17 सवारी बैठे थे। जैसे ही पुलिस चौकी के सामने पहुंची अचानक बस के नीचे से धूंआ निकलने लगा। जिसे देखकर यात्रियों में अफरातफरी मच गई। बस के रुकते ही सभी यात्री अपनी जान बचाने को गेट से निकलने के लिए एक दूसरे पर गिरते पड़ते निकले। इसी बीच फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, जब तक फायर ब्रिगेड पहुंचती स्थानीय नागरिकों द्वारा अपने अपने घरों से पानी लाकर किसी तरह से आग पर काबू पाया। जिसकी वजह से आधे घंटे तक रोड पर जाम की हालत बनी रही। मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज मनोज राय, दीवान एजाज खान सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद जाम को हटाकर रास्ता सुचारू रूप से चालू कराया।

295 जोड़ों का हुआ सामूहिक विवाह जनप्रतिनिधियों ने दिया आशीर्वचन

आयोजन

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समाज की समरसता एवं समरूपता का प्रतिफलः मुख्य विकास अधिकारी

जनसंदेश न्यूज

भदोही। शासन के अति महत्वांकाक्षी योजना के अन्तर्गत मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा दिये गये निदेर्शों के क्रम में जनपद के समस्त विकास खण्डों में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत शादी सम्पन्न कराई गयी। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विभिन्न विकासखण्डो में ब्लाक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्यगण, नामित जिला स्तरीय अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी उपस्थित रहें।

विकासखण्ड ज्ञानपुर में 69, भदोही में 29, डीघ में 65, अभोली में 19, औराई में 52, सुरियावां में 46 तथा सभी नगर पालिका परिषद व नगर पंचायतों में कुल 15 कुल 295 जोड़ो का सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ, जिसमें 184 अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग 101 एवं अल्पसंख्यक वर्ग के 10 जोड़ो का विवाह सम्पन्न हुआ।

मुख्य विकास अधिकारी यशवंत कुमार सिंह ने कहा कि शुभ विवाह एक पवित्र गठबंधन है जिसमें पति पत्नी एक दूसरे के साथ समर्पित जीवन जीते हुए समाज एवं देश में अपना योगदान देते हैं। यह सामूहिक विवाह समाज की समरसता एवं समरूपता का प्रतिफल है। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत शासन द्वारा एक जोड़े शादी पर रू. 51000 व्यय करने की व्यवस्था की गयी है, जिसमें 35000 रुपये मात्र कन्या के बैंक खाते में अन्तरित की जायेगी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के दौरान मौजूद जोड़े

केशव प्रसाद मिश्र की रोवर्स रेंजर्स चैंपियन

प्राचार्य ने दी शुभकामनाएं

दो दिवसीय जनपदीय रोवर्स रेंजर्स समागम-2023 के अंतर्गत आयोजित हुई विभिन्न प्रतियोगिताएं

भदोही। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय भदोही में आयोजित दो दिवसीय जनपदीय रोवर्स रेंजर्स समागम-2023 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं भाषण प्रतियोगिता, क्विज, पोस्टर, निबंध, लोकनृत्य, रोल प्ले, टेंट निर्माण, मार्च पास्ट, दल अभिलेख, झांकी, स्क्लीरोमा, ध्वज शिष्टाचार, किम्स गेम, कलर पार्टी में केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय औराई के रेंजर्स की छात्राओं रानी यादव, नंदनी चौबे, एकता तिवारी, श्वेता शुक्ला, अनुप्रिया यादव, सुमन यादव, खुशी सिंह, जया, निकिता सिंह, अन्तिमा आदि ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न प्रतिभागी महाविद्यालयों काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय भदोही, घनश्याम दुबे महाविद्यालय सुरियांवा की रेंजर्स टीम के मध्य अपना वर्चस्व कायम रखा। रेंजर्स लीडर डॉ. प्रज्ञा वर्मा एवं डॉ. श्वेता सिंह ने बताया कि महाविद्यालय की रेंजर्स छात्राओं ने द्विदिवसीय रेंजर्स जनपदीय समागम रैली में ओवरऑल प्रथम स्थान प्राप्त करके महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वृज किशोर त्रिपाठी ने रेंजर्स जनपदीय समागम रैली में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत होने वाली समस्त छात्राओं एवं साथ ही रेंजर्स लीडर्स को समस्त महाविद्यालय की तरफ से ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

चैंपियन को पुरस्कृत करते प्राचार्य मुरलीधर

तमंचे से धमकाकर बाइक लूट का आरोपी गिरफ्तार

सफलता

कब्जे से लूटी गई बाइक व तमंचा मय खोखा, कारतूस बरामद

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के भगवानपुर चौथार गांव में मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तारशुदा लुटेरा थाना गोपीगंज का टॉप टेन व हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त है। उसके विरुद्ध भदोही प्रयागराज व मीरजापुर में हत्या के प्रयास चोरी जालसाजी एनडीपीएस शस्त्र व गोवध अधिनियम के अंतर्गत लगभग दो दर्जन अभियोग हैं पंजीकृत है। मुठभेड़ के दौरान फरार व लूट की घटना में शामिल लुटेरे के साथी की तलाश जारी है।

गोपीगंज थाना क्षेत्र के भगवानपुर चौथार मोड़ के पास दो अज्ञात बदमाशों द्वारा तमंचे से डरा धमका कर ईट भट्टे से लौट रहे शेषमणि से बाइक छीन लिया था। सूचना पर संक्रिय हुई पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और चेकिंग व घेराबंदी कर कार्रवाई शुरू कर दिया। लूट के शिकार हुए नथईपुर निवासी शेषमणि ईट भट्टे के मुनीब की तहरीर के आधार पर अज्ञात के विरुद्ध मुअसं. 39/2023 धारा 356 भादवि. तरमीम धारा 392 भादवि. का अभियोग पंजीकृत किया। पुलिस के अनुसार प्रभारी निरीक्षक गोपीगंज के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम गोपीगंज सुरियावा मार्ग पर पीछा करते हुए सनशाइन पब्लिक स्कूल के पास मुठभेड़ के दौरान लुटेरे अकील उर्फ मुर्गा निवासी सराय जगदीश गोपीगंज को गिरफ्तार कर लिया।

लुटेरे के कब्जे से लूटी गई बाइक व एक अदद देसी तमंचा मय दो अदद खोखा एक अदद मिस कारतूस बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी बरामदगी के आधार पर पंजीकृत अभियोग में धारा 411भादवि की बढ़ोतरी तथा पुलिस टीम पर फायरिंग की घटना के संबंध में आरोपी के विरुद्ध मु.अ.सं. 40/2023 धारा 307 भादवि 3/25 आयुध अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया।

सीएचसी सुरियावां का सीएमओ ने किया औचक निरीक्षण

सुरियावां। मुख्य चिकित्सा अधिकारी सन्तोष कुमार चक ने बुधवार को प्रातः 10:30 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावां का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने साफ सफाई, दवा की उपलब्धता, स्टॉक रजिस्टर व उपस्थित पंजिका का अवलोकन किया। सीएमओ के निरीक्षण में डॉक्टर डीएन मिश्रा परामर्शदाता एवं अर्जुन जयसवाल, आयुष्मान मित्र अनुपस्थित पाए गए। उक्त अधिकारी एवं कर्मचारी का वेतन अग्रिम आदेशों तक बाधित करते हुए स्पष्टीकरण मांगा गया।

दो चोरों को गिरफ्तार कर पुलिस ने भेजा जेल

भदोही। चौरी थाना क्षेत्र के अनेगपुर स्थित यादव बस्ती में गत तीन दिन पूर्व घर के अंदर घुस कर चोरो ने हजारों रुपये के माल पर हाथ साफ कर दिया था। बुधवार को प्रातः मुखबिर की सूचना पर थानाध्यक्ष मनोज कुमार व चौकी प्रभारी अविनाश चन्द्र त्रिपाठी ने परसीपुर रेलवे फाटक से अभियुक्त कैलाश बनवासी पुत्र स्व. सुखु निवासी कोल्हड़ व दिनेश बनवासी पुत्र स्व. भोनू निवासी चौरी निदूरपट्टी को पायल बिछियां व नगदी रुपये के साथ गिरफ्तार करते हुए धारा 380 व 411 के तहत जेल भेज दिया।

स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अब्दुल कलाम आजाद की मनाई गई पुण्यतिथि

भदोही। महान स्वतंत्रता सेनानी भारत के प्रथम पूर्व शिक्षा मंत्री मौलाना अब्दुल कलाम आजाद के 65वें पुण्यतिथि पर गोपीगंज में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा उनके चित्र पर माल्यार्पण करके विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भदोही के पूर्व अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य माबूद खान ने कहा कि देश की तरक्की में शिक्षा का महत्व विशेष रूप दिया था। उनके के द्वारा आजादी के बाद देश में सैकडो महाविद्यालय, विश्व विधालय, मेडिकल कालेज, इंजिनियरिंग कालेज, आईआईटी कालेज, सैनिक स्कूल की स्थापना की थी। श्री खान ने देश वासियों से अब्दुल कलाम के पुण्यतिथि पर जोर देते हुए कहा कि अपने बच्चो के भविष्य व देश की तरक्की में शिक्षा का महत्व समझे विशेष रूप से बच्चों को शिक्षित बनाने पर बल दे और भारत को मजबूत करने में अभिभावक अपना योगदान दें। इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष परवेज हाशमी, महताब आलम, गुलशेर राइन, मनोज मौर्य, सराफत अली, युसूफ बबलू, शमीम अहमद आदी लोग उपस्थिति रहे।

जाति जनगणना से ही सबको मिलेगा समान अधिकार

जनसंदेश न्यूज

केराकत। नगर के डाक बंगले पर बुधवार को दोपहर 12 बजे सपा कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए विधान सभा अध्यक्ष नीरज पहलवान ने अपने उदबोधन में कहा कि जाति जनगणना से ही सबको समान अधिकार मिल सकता है। सभी बूथ प्रभारियों को सक्रिय करने के लिए पूरे विधान सभा को 11 जोन में परिवर्तित करते हुए 4-4 सेक्टरों में एक जोन प्रभारी पार्टी के नीतियों एवं सिद्धान्तों को जन चौपाल के माध्यम से जाति वार जनगणना को प्रमुखता से जनता के बीच बताने का कार्य करेंगें। साथ ही बूथ जीतो चुनाव जीतो की रणनीति तैयार करने सम्बन्धी उक्त बातें कही। इस अवसर पर डॉ. हरिराम, सत्यनारायण यादव, सुरेश यादव, राम अवतार सोनकर, जयसिंह चौहान, जयप्रकाश राम, विजय दत्त मौर्य समेत तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का संचालन महासचिव पवन मण्डल ने किया।

होली पर्व के दृष्टिगत खाद्य प्रतिष्ठानों की हो सघन जांच

जौनपुर। कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के जिला स्तरीय कमेटी की बैठक जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा आगामी होली पर्व को ध्यान में रखते हुए खाद्य प्रतिष्ठानों (विशेष रूप से खोया एवं मिठाई से सम्बन्धित) का सघन निरीक्षण कर प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। सहायक आयुक्त (खाद्य), खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, ने जनपद के समस्त खाद्य कारोबारकर्ताओं से अपील है कि अपने प्रतिष्ठान से शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थों के निर्माण/संग्रह/विक्रय का कार्य करें, क्योंकि नमूना जांच रिपोर्ट मानक के विपरीत पाये जाने की स्थिति में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के विभिन्न धाराओं में नियमानुसार अर्थदण्ड अथवा अर्थदण्ड एवं कारावास दोनों से दण्डित किये जाने का प्राविधान है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, जिला विकास अधिकारी बीबी सिंह, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हजरत शेखू शाह का मनाया गया सालाना उर्स ए मुबारक

जौनपुर। हजरत शेखू शाह बाबा का 43वां उर्स ए मुबारक बुधवार को बड़े ही अकीदत के साथ शाही पुल स्थित शेर मस्जिद में मनाया गया जहाँ उपस्थित हजारों लोगों ने शेखू शाह बाबा की मजार पर चादर पोशी व गुलपोशी करके मुल्क में अमन और शान्ति के लिए दुआएं मांगी।

उर्स का शुभारंभ सुबह 7 बजे कुरआन ख़्वानी से हुआ उसके बाद नमाज ए जोहर जलसा ए सीरतुन्नबी स.अ.व.एवं नातिया मुशायरा प्रोग्राम का आयोजन हुआ जिसकी शुरूआत मस्जिद के पेश इमाम कारी इश्तियाक अहमद ने तिलावत ए कुरआन से किया। नातिया मुशायरे में शहर व जनपद के बाहर के शायरों व नातख्वां ने नात ए नबी का नजराना पेश करके लोगों को मनमुग्ध कर दिया। प्रोग्राम का संचालन नासिर जौनपुरी व यामीन सिद्दीकी ने संयुक्त रूप से किया।

जलसे को संबोधित करते हुए मौलाना अहमद रजा ने कहा कि हम सभी को नबी की सुन्नतों पर अमल करना जरूरी है तभी हम दोनों जहाँ की कामयाबी हासिल कर सकते हैं। उर्स कमेटी के अध्यक्ष व शेर मस्जिद के पेश इमाम कारी इश्तेयाक अहमद ने बताया कि शेखु शाह के दरबार में हर धर्म व मजहब के लोग हाजरी देते थे और शिफा पाते हैं। उन्होंने बताया कि यहां उनको चाहने वाले सभी धर्मों के लोग शामिल होते हैं और अपनी अकीदत व मोहब्बत का नजराना पेश करके अपनी मन्नतें और मुरादें माँगते हैं। इसके अलावा आजम मछली शहरी, अनवारुल हक, अनवार जौनपुरी, कारी जिया जौनपुरी, कमल जौनपुरी, जुनैद कादरी, ताहिर गुफरान, शफीक जौनपुरी, अहमद अजीज ने भी काव्य पाठ किया। इस अवसर पर इरफान जौनपुरी, शकील मंसूरी, मौलाना हफीज जौनपुरी, मौलाना हनीफुल कादरी, असीम मछली शहरी, मौलाना कयामुद्दीन समेत भारी संख्या में अकीदत मंद उपस्थित रहे।

उर्स ए मुबारक को सम्बोधित करते वक्ता

संक्षेप

रोजगार मेले के माध्यम से 26 का चयन

जौनपुर। विधानसभा मल्हनी के विकास खण्ड बक्शा परिसर में जिला सेवायोजन कार्यालय एवं कौशल विकास मिशन के संयुक्त तत्वाधान में रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें निजी क्षेत्र की 6 कम्पनियों में कुल 235 अभ्यर्थियों ने योग्यतानुसार प्रतिभाग किया। उक्त कम्पनियों के द्वारा साक्षात्कार उपरांत अभ्यर्थियों का शार्टलिस्टेट चयनितों की संख्या 26 रही। जिला सेवायोजन अधिकारी राजीव कुमार सिंह एवं सहायक सेवायोजन अधिकारी शशिकांत सरोज ने बताया कि बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार प्रदान किये जाने हेतु जिला सेवायोजन कार्यालय के द्वारा रोजगार मेले का आयोजन निःशुल्क किया जा रहा है। रोजगार मेला प्रभारी शिवकुमार यादव ने सेवायोजन पोर्टल से रोजगार मेले/आउटसोसिंग के माध्यम से रोजगार पाने की जानकारी दी।

साप्ताहिक बंदी का नहीं हो रहा पालन

गौराबादशाहपुर। कस्बे में बुधवार को साप्ताहिक बंदी का दिन है। फिर भी कुछ दुकानदार दुकानें धड़ल्ले से खोल कर माहौल को बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। डीएम मनीष कुमार वर्मा ने श्रम विभाग और नगर पंचायत के ईओ को साप्ताहिक बंदी का पालन कड़ाई के साथ कराये जाने का निर्देश दिया था लेकिन जिले का श्रम विभाग और नगर पंचायत उदासीन बना हुआ है। कस्बे में साप्ताहिक बंदी का पालन कराने में प्रशासन अब तक विफल रहा है।

दुराचार व पॉक्सो का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

सुइथाकला। थाना क्षेत्र में दुराचार व पाक्सो एक्ट का आरोपी बुधवार को पुलिस के हत्थे चढ़ गया। मामले में आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद आरोपी का चालान न्यायालय को भेज दिया गया। छीतमपट्टी गाँव निवासी हीरालाल गौतम 26 पुत्र गनेश पाक्सो एक्ट में आरोपी था जिसे बुधवार को क्षेत्र भ्रमण के दौरान उपनिरीक्षक सच्चिदानन्द मय हमराह द्वारा बरबसपुर तिराहे से गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने बताया कि मामले में आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद आरोपी का चालान न्यायालय को भेज दिया गया। गिरफ्तारी के दौरान मय हमराह कान्स्टेबल श्रीकान्त गुप्ता मौजूद रहे।

दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता प्रारंभ

शाहगंज। कोतवाली क्षेत्र के बीबीगंज चौकी अंतर्गत कुड़ियारी गांव में दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। क्रिकेट प्रतियोगिता गांव के महेश्वरा नामक स्थान पर किया गया है। जिसका समापन शुक्रवार को होगा। अध्यक्ष अजय सैनी (गुड्डू) ने बताया कि यहाँ हर साल ग्राम सभा द्वारा दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता खेला जाता है। इस बार भी आयोजन किया गया है जिसमें पड़ोस गांव के गोड़िला, चकहकीमी, गोल्हगौर, ताखा पश्चिम शिवपुर, छभवां, परासिन, मदरहा आदि दूर-दूर गांवों से आई टीमें हिस्सा लेंगी।

भंडारे में भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

गौराबादशाहपुर। मुफ्तीगंज स्थित शिव मंदिर रामलीला गली में महाशिवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर मंगलवार को श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का दर्शन पूजन कर शाम को हुए भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया जिसमें क्षेत्र के अधिकतम गावों कुंडी जमुआरी, रामपुर, उदीयासन उर्फ मुफ्तीगंज, हनुवाडीह, नैपुरा, गद्दीपुर, कन्हौली आदि गांवों से जुटे भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर अपने को धन्य समझ कर इस कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा किया। यहां पर ऐसे आयोजन प्रति वर्ष कराए जाते है। इस अवसर पर रूपेश मोदन वाल, शुभम सोनी, रितेश गुप्ता, लालू गुप्ता, सिंटू मोदनवाल, लालचंद गुप्ता, आशीष गुप्ता, नन्दकिशोर, प्रदीप कुमार मोदनवाल, शिवपूजन गुप्ता, मुरली मनोहर, मिथिलेश गुप्ता आदि समस्त बाजार निवासियों के सहयोग से कार्यक्रम परिपूर्ण कर सभी का आभार ज्ञापित किया गया।

पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष का आगमन आज

जौनपुर। जिलाधिकारी ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति राम औतार सिंह तथा सदस्य बृजेश कुमार का आगमन जनपद में 23 फरवरी को प्रस्तावित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व के सन्दर्भ में अनुभाविक जाँच एवं अध्ययन के साथ निकायवार एवं अनुपातिक आरक्षण के बाबत समकालीन आख्या के लिए यदि किसी व्यक्ति/संस्था/पार्टी को अपना पक्ष प्रस्तुत करना है, तो वह लिखित/मौखिक आकलन आयोग के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं, जिससे वास्तविक निष्कर्ष तक पहुँचा जा सके।

दिव्यांगजनों में सहायक उपकरण वितरित

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, नोएडा एवं सृजन संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 16 मानसिक दिव्यांगजनों को शिक्षण सहायक सामग्री वितरण किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला और रामकेश मीना राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान क्षेत्रीय केंद्र नोएडा उपस्थित रहे। दिव्या शुक्ला ने कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रजलित कर किया और डॉ. संजय मिश्रा ने विगत वर्षो में संस्था द्वारा किये गए कार्यो के बारे में बताते हुए कहाकि आगे भी संस्था द्वारा जिले के हर दिव्यांगजन तक पहुँच कर उनके जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास जारी रहेगा। इस अवसर पर रामकेश मीणा ने सृजन संस्था के कार्यो की सराहना की और भविष्य में हर संभव मदद का यकीन दिलाया। कार्यक्रम का शुभांरभ ललित कुमार मैनेजर सृजन संस्था द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्ष सरिता जैसवार एवं धन्यवाद ज्ञापन सोनी यादव समन्वयक ने किया। इस अवसर पर अनामिका सिंह, सुमन देवी, पूजा मिश्रा, आरती कन्नोजिया रही और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

दिव्यांग बच्चे को सहायक उपकरण प्रदान करते अतिथि

जनसंदेश टाइम्स प्रा.लि.के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा,** सी 28 /121, तेलियाबाग, प्रथम तल, वाराणसी से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।
प्रधान सम्पादक - सुभाष राय
स्थानीय सम्पादक -प्रवीण कुमार कुशवाहा
पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
फोन नं. 8177008889
आरएनआई नं. **UPHIN/2012/46221**
डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी - 78/2011-13।

शांतिपूर्वक मनाएं होली का त्योहार

सुजानगंज। थाना परिसर में प्रभारी निरीक्षक की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक की गई, जिसमें धर्मगुरुओं, प्रधान, प्रधान प्रतिनिधियों की मौजूदगी में थाना प्रभारी निरीक्षक घनश्याम शुक्ला ने बताया कि होली का त्योहार शांति माहौल में हर्षोल्लास के साथ होली का पर्व मनाए। हिंदुओं का सबसे बड़ा त्योहार होली दीपावली है जिसे हम भाईचारे की भावना से एक दूसरे के साथ हंसी खुशी से त्योहार को मनाते हैं। इस त्यौहार में किसी भी प्रकार का माहौल न बिगड़े किसी प्रकार का कोई विवाद हो तो उसे तुरंत पुलिस को सूचित करें। किसी भी प्रकार की गलत अफवाह न फैलाएं। उन्होंने ग्राम प्रधान प्रधान प्रतिनिधियों से कहा कि आप सभी अपने अपने गांव में इस त्योहार को हंसी खुशी और हर्षोल्लास के साथ मनाएं। इस मौके पर ग्राम प्रधान संजय सिंह, अनिल कुमार पांडे, प्रधानपति राधेश्याम यादव जगदीश बिंद, विजय कुमार सिंह, सुधीर त्रिपाठी, नितिन तिवारी, अनवर अली, अखिलेश्वर मिश्रा, उप निरीक्षक ईश्वर चंद्र मिश्रा, कांस्टेबल अरुण यादव, विवेक, प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित

जौनपुर। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में एक्सईएन जल निगम को निर्देशित किया कि पाइप पेयजल योजना के तहत निर्माण हेतु जिस गांव में कनेक्शन देने का कार्य शुरू किया है उसे संतृप्त करने के बाद ही अन्य गांव में नया कनेक्शन देना शुरू करें। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था वेलस्पन और एफकॉन के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया कि श्रमिकों की संख्या बढ़ाते हुए डीपीआर में दिए गए लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करें। उन्होंने जिला विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि गांव/मजरे मुनादी कराते हुए जल जीवन मिशन की परियोजना की जानकारी आम जनमानस को उपलब्ध कराएं। कार्यदायी संस्था वेलस्पन और एफकॉन के एक्सईएन को निर्देश दिए कि परियोजना से संबंधित संपूर्ण जानकारी गांव में डिस्प्ले कराएं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, एक्सईएन जल निगम सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जगतगंज बसाने के समय सारनाथ के महत्व की हुई खोज

पुरखों की विरासत संजोने को गांव स्तर पर जागरूकता जरूरी : डॉ. सुभाष चंद्र यादव

सुरोजीत चैटर्जी

खास मुलाकात

वाराणसी। एक मुहल्ला बसाने के दौरान जहां सारनाथ के महत्व का पता चला वहीं रेल पटरी बिछाते समय जानकारी हुई कि ये तो काशी महाजनपद या काशी राज्य की राजधानी वाराणसी है। दूसरी ओर, पुरातात्विक साक्ष्य बताते हैं कि विंध्य क्षेत्र में लगभग डेढ़ लाख वर्ष पूर्व से लेकर अब तक मनुष्य के निरंतर आवास के प्रमाण हैं। सरकार ऐसे ही तमाम पुरातत्व महत्व के स्थलों को संरक्षित कर रही है लेकिन सभी संबंधित स्थलों का संरक्षण मात्र शासन स्तर से संभव नहीं है। इसके लिए जनजागरूकता की आवश्यकता है। विशेषकर ग्रामीण इलाकों में स्थित पुरावशेषों या पुरातत्व महत्व के स्थलों को संरक्षित करने के लिए ग्राम समितियों को भी आगे आना होगा।'जनसंदेश टाइम्स' ने जब अपने विशेष कॉलम 'खास मुलाकात' के दौरान क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी डॉ. सुभाष चंद्र यादव ने बनारस की प्राचीनता को लेकर बातचीत की तो उन्होंने यह बात कही। वो बताते हैं कि 18वीं शताब्दी के अंतिम दशक सन 1794 में जब तत्कालीन काशी नरेश के दीवान जगत सिंह ने जगतगंज मुहल्ला बसाने के लिए सारनाथ क्षेत्र में इधर-उधर बिखरे पड़े पत्थरों समेत वहां जमीन खोदकर पत्थर निकलवाकर मंगवा रहे थे। उसी क्रम में पत्थर हासिल करने के लिअ सारनाथ के धर्मराजिका स्तूप के निकट की गई खोदाई में कुछ ऐसे अवशेष मिले जिन्हें जगत सिंह ने गंगा में प्रवाहित करा दिया। इस बात की जानकारी उस वक्त के कलेक्टर जोनाथन डंकन की मिली। उन्होंने मामले की गंभीरता का अनुमान लगाते हुए सारनाथ क्षेत्र की वह खोदाई तत्काल रुकवा दी और पुरातत्व विशेषज्ञों के जरिये वहां पुरातात्विक साक्ष्य प्राप्त करने के उद्देश्य से उत्खनन आरंभ कराया। उसी उत्खनन के कारण आधुनिक भारत को सारनाथ और भगवान बुद्ध की प्रथम तपोस्थली की जानकारी मिली। जोनाथन डंकन की इस अत्यंत महत्वपूर्ण पहल के बाद तो सिलसिला चल पड़ा। उसी क्रम में 1934 में एलेक्ज़ेंडर कनिंघम ने सारनाथ का सर्वेक्षण शुरु कराया। ब्रिटिश और भारतीय विशेषज्ञों ने सारनाथ के विभिन्न स्थलों का उत्खनन आदि कराते हुए और भी तमाम महत्वपूर्ण जानकारियां आमलोगों के सामने लाने में सफल रहे।

भारत सरकार और उत्तर प्रदेश का पुरातत्व विभाग समेत तमाम कर रहे शोध

विंध्य क्षेत्र में डेढ़ लाख वर्ष पहले से लेकर अबतक मानव आवास के हैं साक्ष्य

काशी का प्राचीनतम एकमात्र जीवंत पूजित देवालय है कर्दमेश्वर महादेव मंदिर

बढ़ती आबादी और अज्ञानता एक बड़ी चुनौती

देश में असंख्य पुरातात्विक संपदा और विरासत विभिन्न स्वरूपों में स्थित हैं। अत्यधिक महत्वपूर्ण स्थलों का संरक्षण सरकार करती है लेकिन गांवों में स्थित ऐसे स्थलों को संरक्षित करने के लिए ग्रामीणों का जागरूक करना आवश्यक है। बढ़ती आबादी और अज्ञानता के चलते ऐसे स्थलों पर अतिक्रमण की समस्या एक बड़ी चुनौती के रूप में है। वास्तव में वर्तमान समय में पर्यटन व्यापक क्षेत्र बन चुका है। इस दृष्टि से भी पुरातात्विक महत्व के अज्ञात और कम प्रचारित स्थलों की ओर आमलोगों का ध्यान आकृष्ट कर जागरूकता बढ़ानी होगी। ग्राम समितियों के जरिये यह कार्य बेहतर ढंग से संभव है। यदि हम इन इन विरासतों को नहीं बचा सके को अपने अत्यंत महत्वपूर्ण इतिहास को भुला देंगे।

काशी के चार हजार साल पुराने साक्ष्य हैं उपलब्ध

क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी डॉ. सुभाष चंद्र यादव कहते हैं कि जगह या स्थान विशेष की ऐतिहासिकता की जानकारी हासिल करने के लिए वहां उत्खनन कर उसका मूल्यांकन करने के बाद ही पुष्ट हो पाता है कि उस जगह का महत्व क्या है। वाराणसी में कराए गये इतने उत्खनन में प्राप्त पुरातात्विक साक्ष्य लगभग चार हजार साल पुराने हैं। केंद्र और राज्य सरकार समेत काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पुरातत्व से जुड़े विभागों के व्यापक प्रयासों से प्राप्त पुरावशेषों का सर्वेक्षण और अभिलेखीकरण लगातार जारी है। इन शोधों के फलस्वरूप अबतक वाराणसी एवं विंध्याचल मंडल में लगभग 300 शैल चित्र और करीब एक हजार पुरातात्विक स्थल प्रकाश में आ चुके हैं।

जिले के अन्य क्षेत्रों में हुआ उत्खनन

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की प्रो, विदुला जायसवाल ने कोटवां, आशापुर, तिलमापुर, अकथा, रामनगर, शूलटंकेश्वर, सरस्वती फाटक स्थित सरस्वती उद्यान का उत्खनन पुरातत्व महत्व के उद्देश्य से कराया था।

काशी राज्य की राजधानी का यूं चला पता

डॉ. यादव के मुताबिक सन 1939 में राजघाट क्षेत्र में रेलवे लाइन बिछाने के लिए की जा रही खोदाई के दौरान वहां कुछ पुरातात्विक अवशेष मिले। यह सूचना रेलवे के अधिकारियों ने नई दिल्ली स्थित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अफसरों को दी। उसके बाद सन 1940 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के कृष्णदेव ने राजघाट इलाके का सर्वे करने के लिए पुरातातत्विक उत्खनन आरंभ कराया। फलस्वरूप वहां प्राप्त अवशेषों और सामग्री के खुलासा हुआ कि काशी महाजनपद या काशी राज्य की राजधानी वाराणसी का क्षेत्र यही है। इसी क्रम में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संबंधित विभागों ने राजघाट इलाके में सन 1957-58, 1960 से 1965 तक और सामने घाट स्थित ज्ञान प्रवाह की ओर से 2013-14 में उत्खनन कराया गया। ऐसे ही कई अन्य प्रयासों के परिणाम स्वरूप राजघाट का पूरा स्वरूप उभरकर सामने आया।

लोगों को कर रहे जागरूक

☛ उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग ट्वीट के जरिये सांस्कृतिक विरासतों की जानकारी दे रहा है। ☛ भारत सरकार के स्तर से भी कई प्रकार से लोगों को जागरूक कर रहे हैं। ☛ पर्यटन विभाग विभिन्न फोल्डर और ब्रोशर के माध्यम से जानकारी दे रहा है। ☛ स्मारकों के भ्रमण के लिए विभागीय वेबसाइट और विभिन्न पोर्टल के जरिये जानकारी दी जा रही है। ☛ स्कूल-कॉलेजों में व्याख्यान, प्रदर्शनी, पेंटिंग-निबंध प्रतियोगिता आदि कराते हैं।

कई विभागों की है जिम्मेदारी

उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग के क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी डॉ. सुभाष चंद्र यादव ने उत्तर भारत के बौद्ध स्थलों के उत्खनित अवशेषों पर आधारित विषय लेकर पीएचडी की है। वह पहली बार सन 2007 में सहायक पुरातत्व अधिकारी के तौर पर लखनऊ में तैनात हुए। इनका कार्यक्षेत्र वाराणसी मंडल के वाराणसी, चंदौली, गाजीपुर एवं जौनपुर सहित विंध्याचल मंडल कके संत रविदास नगर भदोही, मीरजापुर एवं सोनभद्र और अयोध्या मंडल के सुल्तानपुर तथा अमेठी है। कभी-कभी आजमगढ़ मंडल के मऊ एवं आजमगढ़ जिले को भी विभागीय कार्य संभालते हैं। उनके पास क्षेत्रीय सांस्कृति केंद्र, क्षेत्रीय अभिलेखागार, लालबहादुर शास्त्री स्मृति भवन संग्रहालय रामनगर का अतिरिक्त प्रभार भी है।

डॉ. सुभाष चंद्र यादव
क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी

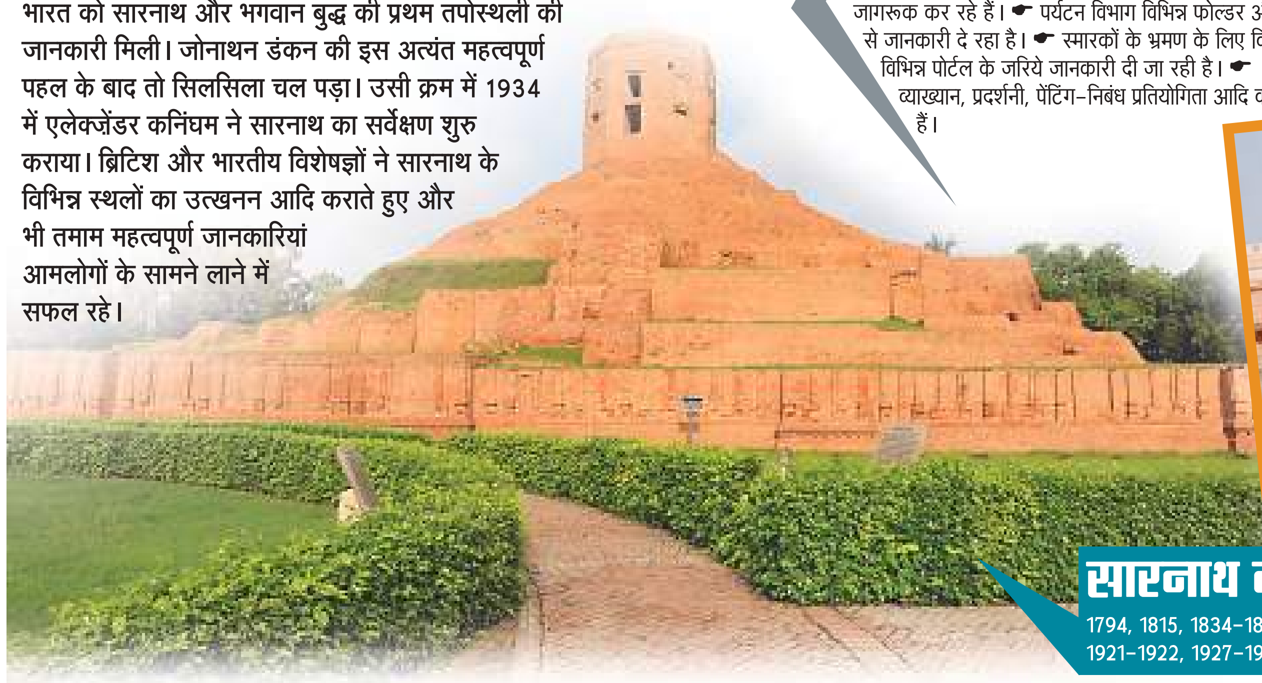

सारनाथ में कब-कब हुआ सर्वेक्षण

1794, 1815, 1834-1835, 1851-1852, 1865, 1904-1905, 1906-1907, 1914-1915, 1921-1922, 1927-1928, 1963-1964, 1992-1993, 2013-2014

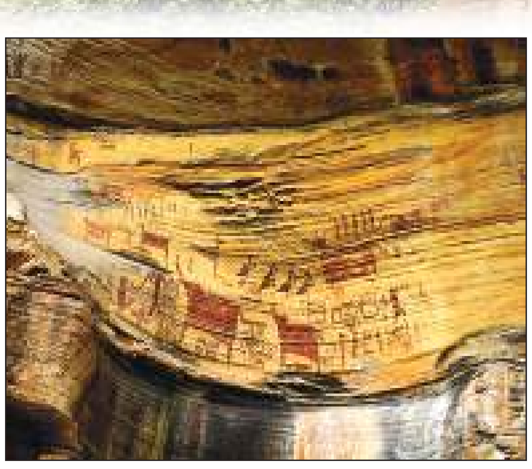

पूर्वांचल के अन्य जिलों में उत्खनन

वाराणसी के आसपास के जनपदों में भी पुरातत्व महत्व के उत्खनन कार्य कराए गये हैं। जिसके तहत मीरजापुर में अगियाबीर एवं बड़गांव, सोनभद्र में राजा नल का टीला, नई डीह, भगवास, रैपुरा, चंदौली जिले में मलहर, लतीफशाह, गाजीपुर में मसोनडीह और जौनपुर में हरिहरपुर आदि समेत विभिन्न स्थलों पुरास्थलों की खोदाई हुई है।

मालवीय पुल पहले था डफरिन ब्रिज

राजघाट में गंगा पर बने वर्तमान पुल का नाम पहले 'दि डफरिन ब्रिज' था। इसे अवध एवं रुहेलखंड रेलवे कंपनी के इंजीनियरों ने बनाया था। उस वक्त यह पुल सिर्फ पैदल या वाहनों की आवाजाही के लिए था। जनवरी 1882 में इसका निर्माण आरंभ हुआ था। आम जनता के लिए यह पुल एक अक्टूबर 1887 को खोला गया। मूलतः सिंगल ट्रैक (इकहरी रेल लाइन) के लिए बने इस ब्रिज पर सड़क यातायात का प्रावधान था। पुल की रिगर्डरिंग का काम ब्रेथव्हाइट बर्म व जेसप कंस्ट्रक्शन कंपनी ने और डिजाइन रेंडल पामर व ट्रिटॉन ने किया। उसके बाद पांच दिसंबर पांच दिसंबर 1947 को पं. गोविंद बल्लभ पंत की मुख्य उपस्थिति में इस ब्रिज का नाम बदलकर 'मालवीय ब्रिज' कर दिया गया।

जनपद में किया सर्वे

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संबंधित विभिन्न विभाग, सामनेघाट क्षेत्र स्थित ज्ञानप्रवाह, इनटैक समेत विभिन्न शोधार्थी

ब्रिटेन में महंगाई का तांडव

ब्रिटेन में महंगाई ने हालात और खराब कर दिया है। अब आम लोगों के साथ ही टीचर्स, स्वास्थ्यकर्मी और पेंशनधारियों को भी फूड बैंक के सहारे पर रहना पड़ रहा है। दिसंबर 2022 और जनवरी 2023 में लोगों ने सबसे ज्यादा फूड बैंक से मदद मांगी। ब्रिटेन में 154 संस्थाएं फूड बैंक चलाती हैं, जो लोगों को मुफ्त भोजन बांटते हैं।

इंडिपेंडेंट फूड एड नेटवर्क ने 90 फीसदी फूड बैंकों के आंकड़ों के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की है। फूड बैंक संचालित करने वाली 85 संस्थाओं ने बताया कि जब भोजन की मांग करने वाले लोगों की संख्या बढ़ी तो उन्होंने कई बार भोजन में कटौती की और खाना मांगने आए बहुत से लोगों को लौटा दिया। ब्रिटेन में सबसे ज्यादा फूड बैंक द ट्रसेल ट्रस्ट नाम की संस्था चला रही है। उसके 1300 से अधिक फूड बैंक हैं। ट्रस्ट के मुताबिक उसने पिछले साल अप्रैल से सितंबर के बीच 13 लाख आपातकालीन फूड पैकेट बांटे। आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 3 लाख 20 हजार से ज्यादा लोग खाने के लिए फूड बैंक जा चुके हैं।

2021 की तुलना में यह संख्या एक तिहाई ज्यादा है, जबकि महामारी के पहले से तुलना करें तो यह 50% ज्यादा है। महंगाई के कारण लोगों के खरीदने की क्षमता भी प्रभावित हुई हैं। ब्रिटेन में हाल के महीनों में इसके चलते लगातार हड़तालों का सिलसिला भी चला। वहीं जूनियर डॉक्टरों के हड़ताल पर जाने की भी आशंका है। लिहाजा, आम लोग भोजन खरीदने में अपने को अक्षम पा रहे हैं। ऐसे लोगों की ही निर्भरता फूड बैंकों पर बढ़ी है।

तूल पकड़ता मुद्दा

खाने का खर्च नहीं उठा पा रहे शिक्षक, हेल्थकर्मी और पेंशनधारी

सवा तीन लाख लोग फूड बैंक की शरण में जा चुके हैं

नौकरीशुदा भी ले रहे हैं फूड बैंकों की मदद

इफान के अध्ययन से सामने आया है कि ऐसे बहुत से लोग भोजन के लिए फूड बैंकों के पास गए हैं, जो अभी नौकरी में हैं। जो लोग फूड बैंकों के पास जा रहे हैं, उनमें से 80 फीसदी से ज्यादा ऐसे लोग हैं, जिन्होंने पहले कभी इस तरह की मदद नहीं ली थी। ब्रिटेन मे कई परिवारों को केवल टोस्ट खाकर अपनी भूख मिटानी पड़ रही है। यूके के डेली न्यूजपेपर को दिए एक इंटरव्यू में लिजा क्लार्क नाम की महिला बताती है कि खाने के दाम बढ़ जाने के कारण वो खुद भूखी रह रही हैं। वो बच्चों के स्कूल से घर आने का इंतजार करती हैं, ताकि बच्चों का छोड़ा हुआ खाना खाकर अपनी भूख मिटा सकें। फूड फाउंडेशन की रिसर्च के मुताबिक सितंबर माह तक 40 लाख बच्चे बगैर प्रॉपर खाने के रहने को विवश थे।

ब्रिटेन में तेजी से बढ़े खाने के दाम

ब्रिटिश रिटेल कंसोर्टियम की लेटेस्ट इंफलेशन रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर माह में सालाना फूड इंफलेशन 10.06 फीसदी तक बढ़ी। वहीं अगर बात रोजमर्रा इस्तेमाल किए जाने वाले खाने की करें तो इनकी कीमतों में भी काफी तेजी से उछाल देखा गया। फ्रेश फूड यानी तुरंत इस्तेमाल होने वाले खाने की महंगाई में केवल सितंबर के महीने में 12.1% बढ़ोतरी हुई। जबकि इन उत्पदों की सालाना महंगाई दर 13.3% तक रही थी। ब्रिटेन में बुधवार को 5 लाख से ज्यादा लोगों ने लंदन की सड़कों पर उतर ऋषि सुनक की सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसे ब्रिटेन का पिछले एक दशक का सबसे बड़ा प्रदर्शन बताया जा रहा है। विरोध करने वाले लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सरवेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड़ताल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महंगाई को कंट्रोल में करने की मांग की है।

यूएस राष्ट्रपति बाइडन की यूक्रेन यात्रा इतनी गुप्त क्यों

चार दिन पहले अमेरिकी राष्ट्पति जो बाइडन बड़े ही नाटकीय व सीक्रेट तरीके से यूक्रेन पहुंचे। 'न्यूयॉर्क टाइम्स' के मुताबिक पोलैंड के बॉर्डर पर बहुत गोपनीय तरीके से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को ट्रेन से यूक्रेन पहुंचाया गया। पोलैंड से अचानक यूक्रेन की राजधानी कीएव पहुंचे बाइडन की यात्रा को सुरक्षा कारणों से बहुत गोपनीय रखा गया था। बाद में बताया गया कि राष्ट्रपति बाइडन यूक्रेन से निकल चुके हैं। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि शनिवार को बाइडन ने अपनी पत्नी जिल के साथ एक रेस्तरां में डिनर किया और उसके बाद खामोशी से वॉशिंगटन से रवाना हो गए थे। हालांकि इससे पहले अधिकारियों ने इस बात से इनकार किया था कि पहले से निर्धारित पूर्वी यूरोप के दौरे में बाइडन यूक्रेन भी जाएंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स ने लिखा है, रविवार रात को व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति का जो कार्यक्रम जारी किया था, उसके मुताबिक सोमवार को राष्ट्रपति को वॉशिंगटन में ही होना था और शाम को वे वॉरसा रवाना होना था, जबकि उस समय तक वे अपनी आधी यात्रा पूरी कर चुके थे। साल भर पहले यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद से अमेरिकी राष्ट्रपति की यह पहली यात्रा है। इससे पहले, बाइडन पोलैंड के राष्ट्रपति एंद्रेज दुदा से मिलने गए थे। जो बाइडन ने यूक्रेन के नागरिकों की तारीफ करते हुए कहा कि बिना सैन्य ट्रेनिंग के अनुभव के उन्होंने बहुत शानदार तरीके से लड़ाई लड़ी।

टॉप सीक्रेट सुरक्षा

कैसे रखी गई ये यात्रा सीक्रेट, एयर में बढ़ाई गई सुरक्षा और बाइडन पहुंचे ट्रेन से